

مهالته المالية المالية

متصل مرکزی جامع مسجد (لال مسجد) اسلام آباد 0321-5180613

Email: saaleheen@gmail.com

| 5.Mordpres | فهرست عنوانات | |
|------------|--|--------|
| صفحه | تفصيل | نبرثار |
| 16 | مقدمه | 1 |
| 17 | مِين لفظ مِين لفظ | 2 |
| 19 | تاثرات | 3 |
| 24 | اسماء الحسنى مع معنى اور فضائل | 4 |
| 53 | منزل | 5 |
| 64 | قرآن پاک کی سورتوں کے فضائل | 6 |
| 87 | درود شریف سے مشکلات کا حل | 7 |
| 88 | درودشریف کی فضیات و برکات | 8 |
| 89 | حضو منافضے کی شفاعت داجب ہو جائے | 9 |
| 90 | مال میں برکت ہوگی | 10 |
| 90 | امام شاقعیٰ کااعزاز | 11 |
| 91 | برمصيبت سانجات كيك | 12 |
| 92 | حضورة النبي في مناه المرام فرمايا | 13 |
| 92 | شو ہر کے قلم اور نگ دی سے حفاظت کیلئے | 14 |
| 93 | متبوليت عامدا ورتنجير قلوب كيلئ | 15 |
| 93 | دل کی تھبراہٹ اور بلڈیریشر کیلئے | 16 |
| 94 | باغات اورنسلوں کو بیماریوں سے بیمانے کیلئے | 17 |
| 94 | ادا يَنَكَى قرض كيلية ادا يَنَكَى قرض كيلية | 18 |

| 19 | مستقل مزاجی یا ئیں اورتصبیج اوقات ہے جیس | 95 |
|----|---|-----|
| 20 | آ کھی جملہ تکالیف اور بینائی تیز کرنے کیلئے | 95 |
| 21 | ہر تئم کے در داور لاعلاج بیاری کیلئے | 96 |
| 22 | قرض ئے محفوظ رہنے کیلئے | 96 |
| 23 | موذى جانورون ے حفاظت کیلئے | 96 |
| 24 | اولا دکی کامیانی اورعزت کیلئے | 97 |
| 25 | أنتى سال كے گناومعاف اورائتى سال كى عبادت كا تۋاب | 97 |
| 26 | سب سے افضل حمد اور در و دشریف | 97 |
| 27 | ایک عظیم نیکی کے لکھنے میں فرشتوں کا اللہ سے رجوع کرنا | 98 |
| 28 | ال كا تُواب سرّ فرشتون كوايك بزارون تك مشقت من ذاك المسلوة الحاجت | 99 |
| 29 | متفرق وظائف | 100 |
| 30 | حِاد و كاعلاتْ | 101 |
| 31 | دوسری قتم جادو چلنے کے بعد جاد و کاعلاج | 102 |
| 32 | و و کلمات جنگے روزانہ پڑھنے سے جا دوا ٹرنبیس کرتا | 102 |
| 33 | جادو كة لأكيلية جامع دعائي | 103 |
| 34 | جادوو فیبره کااژختم کرنے کیلئے | 104 |
| 35 | ول کی گھیرا ہٹ کیلئے | 104 |
| 36 | ول گھراہٹ کیلئے (ہولد لی) | 105 |
| 37 | ول کے دورے کا علاج | 105 |
| 38 | ول کی تکلیف کیلینے | 105 |
| 39 | ول کی بیماری دورکرنے کا نبوی آسند | 105 |

| 40 | دل کی ہر بیاری کیلئے مجربے نیز | 106 |
|----|---|-----|
| 41 | اگر بدن میں کسی جگہ در دہو | 106 |
| 42 | بلذي يشركيك | 106 |
| 43 | جمارهم سے برقان کیلئے | 107 |
| 44 | حَكْرَى بِمَارِي كَيلِيَّ | 107 |
| 45 | دفع درد جكر كبيلية | 107 |
| 46 | معدو کی کمزوری کا علاج | 107 |
| 47 | دردسینه کاعلات | 108 |
| 48 | ذیا بیلس کے مریض کیلئے روحانی علاج | 108 |
| 49 | شوكر كے مرابضول كيلين ايك اور دعا | 108 |
| 50 | تلی بر درجائے کاعلاج | 109 |
| 51 | ناف ش جائے كاملات | 109 |
| 52 | پییٹ کے در د کا علاج | 109 |
| 53 | پیدے برقتم کے درد کیلیے | 109 |
| 54 | بدئضى كاعلاج | 110 |
| 55 | بجوك كي كل علاج | 110 |
| 56 | | 111 |
| 57 | زبان کی لکنت کاعلائ مند کے چھالوں کاعلائ | 111 |
| 58 | وفع بلغم | 111 |
| 59 | فالح كاعلاج | 111 |
| 60 | لينج كاعلاج | 111 |

| 61 | الروے اور پتے کی پھری کا علاج | 112 |
|----|---|---|
| 62 | آپ مریض بین توبیمل کریں | 112 |
| 63 | پیشاب بند ہوجائے اور پقری کیلئے دعا | 113 |
| 64 | ورومر كاعلاج | 113 |
| 65 | وبشت اورگحبرابث كيك | 114 |
| 66 | تنبن بيار يول سے عافيت | 114 |
| 67 | برمرض اور برورد كيليح | 115 |
| 68 | کان جھنجھائے کے وقت کی وعا | 115 |
| 69 | بط ہوئے ہیں پاہ کردم کے | 113 114 114 115 115 115 116 |
| 70 | چیرے اور پشت کے مسول کا علاج | 116 |
| 71 | چرے کے کیل مہاسوں کا علاج | 116 |
| 72 | وروفهم | 116 |
| 73 | آ گلید کھنے کی ایک اور دعا | 117 |
| 74 | الرجی اور ہرفتم کے دا تو ل کا علائ | 117 |
| 75 | قدرت جماع | 117 |
| 76 | ایک مجرب عمل | 118 |
| 77 | جريان كاعلاج | 118 |
| 78 | كثرت احتلام كاعلاج | 119 |
| 79 | كثرت احتلام كاعلاج آشك اورسوزاك كاعلاج | 117 117 117 118 118 119 119 120 121 |
| 80 | برائے قرار حمل | 120 |
| 81 | اسقاط حمل كاعلاج | 121 |

| 83 84 | برائے اولا دخریتہ اولا دخرینہ کیلئے اولا دکیلئے حیض کی کمی اور در د کا علاج | |
|----------|--|-----|
| | مان في اور در ده علان محرث حيض كاعلاج | |
| 87 | بچول کی بد تمیزی کا سبب اوراس کا علاج | 124 |
| - | حالت مرض کی وعا | 124 |
| 89 | ڈاڑھاور کان کے درد کیلیے عمل | 124 |
| 90 | يهار كى شفا كيلية | 125 |
| 91 | نيندنه آئے كالمجرب علاج | 125 |
| _ | مقرره وفت پر بیداری کا خاص عمل | 125 |
| _ | احجارت ملئے کیلئے اہم وعالیں | 126 |
| 94 | <u>مٹے یا بٹی</u> کی شاوی مبارک ہو | 126 |
| _ | بیٹاعالم فاصل اور ذہین ہو | 126 |
| _ | عزت وقاراورنام بيداكرنے كيلئے | 127 |
| | امتخان میں آسان پر چوں کیلئے | 127 |
| 98 | مقدمه مين كامياني كيلية | 127 |
| 99 | غصده فع کرنے کیلئے | 128 |
| 100 | <u>بيشے</u> اور بيٹي کيلئے رشتہ لصيب ہو | 128 |
| 101 | اولا د كالمطبح بمونا | 128 |
| 102 | زوجين مين محبت كيلئة | 128 |

| 103 | برائے دب | 129 |
|-----|---------------------------------------|-----|
| 104 | عمل برائے تینیر | 130 |
| 105 | لاعلاج مرض كيلينة | 132 |
| 106 | چوری اور شیطانی اثر ات ہے حفاظت کیلیے | 132 |
| 107 | غالم برغلبه حاصل ہو | 132 |
| 108 | وَ أَن اور حا فظ قوى موجائے | 132 |
| 109 | حسول شفا كيلية قرآني وهيفه | 132 |
| 110 | شو ہرکی نارانسٹی دورکرنے کیلئے | 133 |
| 111 | وعا کی قبولیت کیلئے | 133 |
| 112 | وافع پریشان خوانی کامل | 134 |
| 113 | دسارگی <i>ترکیب</i> | 134 |
| 114 | چرے اور پشت کے مسول کا علاج | 134 |
| 115 | چېرو څولصورت بوچائے | 135 |
| 116 | يجوز _ پينسي کا تير بهدف علاج | 135 |
| 117 | چېرے کے کیل میاسول کا علائ | 135 |
| 118 | والشح وصبول كاعلاج | 136 |
| 119 | فالج القو واورشياطين عضاظت كيلئ | 136 |
| 120 | سمو يا والدين كاحق اوا كرويا | 136 |
| 121 | يا للبنيث كاعمل | 137 |
| 122 | يسم الله كأعمل | 139 |
| 123 | سور واخلاص کا مجرب مل | 139 |

| 124 | سوره فاتحد كالمجرب عمل | 189 |
|-----|---|-----|
| 125 | سحر کا مجرب علاج | 140 |
| 126 | عمل آيت الكرى | 140 |
| 127 | دل کی غفلت دورکرنے اور ہدایت یانے کیلئے | 140 |
| 128 | وشمنوں اور ظالموں سے حفاظت کے اعمال | 141 |
| 129 | سوره قریش کاعمل | 141 |
| 130 | ایک مسنون دعاء | 141 |
| 131 | ایک آیت کریمه کاعمل | 141 |
| 132 | الله الصمد كے خواص | 141 |
| 133 | رحمتوں والے اعمال | 143 |
| 134 | ستر بنرارفرشتوں کی وعائمیں | 144 |
| 135 | مجلس کے خاتمہ پرمبارک دعا | 145 |
| 136 | ابدال بنئة كانسخه | 145 |
| 137 | مشكلات آسان بوجائين | 146 |
| 138 | حطرت شفخ بوني " كاايك خاص الخاص عمل | 146 |
| 139 | قيد الله كالمل | 147 |
| 140 | ايك لا كا چوپيس بزارتيكيان | 147 |
| 141 | بے بسی شتم ہواور کام جلدی ہو | 147 |
| 142 | عظيم الشان وظيف | 148 |
| 143 | الثد تعالى كومجوب كلمات | 148 |
| 144 | وشمن سے حفاظت کیلئے | 149 |

| 145 | مال كالمم جوجانا | 149 |
|-----|---|--|
| 146 | مقرور کی واپسی | 151 151 |
| 147 | مكان كى حفاظت كيليّ | 151 |
| 148 | برائے برمشکل | 152 |
| 149 | مرده یازند وکوخواب تین و یکینا | 152 |
| 150 | برائے حاجت | 152 |
| 151 | حادثات سے بیجنے کا وظینہ | 153 |
| 152 | تنوت نازله | 154 |
| 153 | تمام دن ظالموں کےشرہے محفوظ رہیں | 151 152 152 152 153 154 156 156 157 157 |
| 154 | حضرت انْسُ کی دعا | 156 |
| 155 | وعاءامام ابوحنيفة برائے قرب الى الله | 157 |
| 156 | اگر کوئی برے افعال کا شکار ہوجائے | 157 |
| 157 | عزت وعظمت ميں اضافہ كيلئے | ~~! |
| 158 | عزت يات كيليخ | 158 |
| 159 | تمام پریشانیوں کیلئے انسیر | 158 |
| 160 | ٹمازمغرب کے بعد بیر پڑھے | 158 |
| 161 | فمازعشاء کے بعدیہ پڑھے | 159 |
| 162 | جو ما کَلِّے وہ عرفاء ہو | 159 |
| 163 | برانورها مل كرتے كيليے | 157 158 158 158 159 159 159 160 160 |
| 164 | موت کے سواہر چیز سے امن | 160 |
| 165 | جمعه کی ثماز کے بعد گناہ معاف کروائے کا ایک نبوی نسخہ | 160 |

| مول ملازمت کیلئے سورہ وانفنیٰ کا خاص عمل کی کارشند ندآ تاہو یا آتا ہو گر پہند ندآ تا ہو نپ چھو کے کا لے کا علاق |
|---|
| ب قدر کی پیچان کا طریقه |
| سال جج یا حمرہ کی سعادت حاصل کرنے کیلئے خاص ممل ئے زیارت نبی کریم اللہ |
| یت قطب کے عجیب وخریب اوصاف |
| ما کی قبولیت کیلیج مجرب عمل د |
| یفه خاص حصرت شا دابرارالحق بر بدر در کرنے کامسئون وظیفه |
| رور رور کا کیلئے روبر کت کیلئے |
| شائش رزق كيك |
| تي تعويذ |
| پ قدر کے برابر ثواب ر کلے بہت بر جے ہوئے ہیں |
| ق مكان اوروسعت رزق كيك قى مكان اوروسعت رزق كيك |
| لا وزينه اور حفاظت حمل كيليئ |
| زق میں برکت اور حاجات کیلنے اعمال |
| ل سوره مزمل شریف ئے اوا مینگی قرش |
| ے اوا میں کرس زی میں بر کت کیلیے نبوی آسف |

| 18 | التغطيي بثؤ الله كاسريع الانزعل | 971 |
|------|------------------------------------|-----|
| 18 | اللبهم أكفني والامسنون ومجرب عمل | 171 |
| 18 | ایک اسپرمل | 172 |
| 19 | سور وفلق كالاجواب عمل | 172 |
| 19 | ياغنى يامغنى كالمجرب عمل | 172 |
| 19 | روزی کااصل لاؤ صل عمل | 172 |
| 19: | روزی شراخی کیلئے مجرب ترین تر پھلا | 172 |
| 19 | روزی میں برکت کا ایک فطری عمل | 173 |
| Z 19 | برائے تی روق | 173 |
| 190 | مالى ترقى كىيلىھ دوما | 174 |
| 19 | جناب حافظ اقبال قريثي كاانثرويو | 175 |
| 198 | ر پل جامعدام دبیہ ی قلم ہے | 178 |
| | علمی شجر د/تضییر وحدیث کی سند | 180 |
| 200 | شجره برائے تصوف (صندل بایا) | 181 |

best

Dr. Sher Ali Shah Almadani

P.H.D. (Gold Medalist) Madina University Prof. of Hadith in Jamie Dand Ulsom Haggania Akora Khattak, N.W.F.P. Pakistan

Ph: 0823-630731

besturdub?

الدكتور شيرعلى شاه المدنى

الدكتوراه (يعرثية الشرف الاؤلى) من الجامعة الإسلامية بالمدينة المتورة و مبعوثها أستاذ العديث بجامعة دار العلوم العفاتيه اكوره خنك

Detection

وريد ، عدر منه ما والمعالم وبالمرافق ها تاليد على المراف وي المراف المرافع والكافيات ، المارت فري المرشد وواست المدروء الدونيكان بين واليواهره مثائط عفام كالمداوان فالمنداء جوات رافيلات كالمستنزوم ومشرمعاند

ب مِدْوَامِعَةِ وَإِذْ يَاكُانِ مِثْكُلِي وَبِ وَمِدِنْ وَأَوْ الْوَاقِ الْمَالِي وَمِنْ مِنْ الْمَا وَالْمُوامِعِيُّ كاستريده وقبع شناخش مناظرا فوعاؤا بعاء

وَيُحْرِكُ مِنْ أَفْرَانِ كَا عُرْسِتُنَا وَيُرْحَةً بِعُلْسِ) وَعَيْلُ جِينَ المعالَى بالسال العالم ا منية وكالنات والإعامين والعرهم يهلم بيادم ابنا وست مبادك بعيرة مديد وعالم كلات ادرنا و والق أُواْ عِبِ الْمُأْسَ وَبُ عِنْصِ وَالشَّغِبِ أَنْتَ عِنْ إِنْ لَاسْتُعَاءَ الْإِسْتِعَادُكَ شِعَادُ لا يُعْدِشْقَ ، من تا وريد المراجع مرجع مرجع المنا و المناوي المناوي المراجع المراجع والمراجع والمراجع المراجع المناور المدا المني وم وس الله برعار مات دفوه كات برعالي العود امى وقت دو و حقوما _

ر گارای می دست بدهان که دید اصافه را طاحه ادام ترقعی وجه کاس زین دوقع تقیف كا شرف بالإيلام على المواع معلى منافع المنافع المن مختبرة وعوات معودات معامننا وه كا وَفَى المناف وأشابط فتان المايشنني وابن المنين في المنابعة والمستاني والمفلادي را تشخف الأواحل والأسقام والأوحام والمقاع مَنْ وَمُ الْعُولُ السَّمِرِ ﴾ معة وأيمسه وجنَّا في و وَكُولُوكُمُّ

هاجعة فاز العلوم خلاليه أكورة خشك، طبقع توشهوه، صوبه سرحت باكسمان

Jamis Danil Ulcom Haggania Akora Khattak, Distt; Newshera, N.W.F.P. Pakietan

Mutti Hamcedullah Jan AL JAMIATUL ASHRAFIA Shahrah -e-Feroapur, Lalvore - Pokistan Tel #. 042 - 7531581 Cell A: 0333 - 4241816 Date دُم الم المراف كم معدد معالى الشكاري معادر المعين الكافاري الدر المقادل كم معدد كنيل فكرمندر معين -حاجر المسلم الكركوي الوفا العالمة العالمين المعادل الحراق الوقيال المرافي المعادل المرافق الموقيال المعادلة الموادلة ا

besturdubook.

Muhammad Abdul Aziz

Khateeb: Central Mosque Islamabad, Government of Pokiston



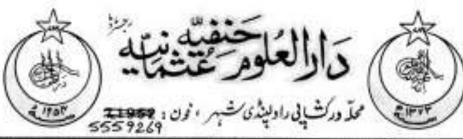
اجاری انای

ANY WARRIST HOUSE MANAGERANARE WASHINGSINGS Persidiana destilliones MANAGERO

Charles and the southern Press of the sold A Parties and a south street assets

Desturdubooks

න්තරයා වියාව කරන කරන කරන කරන කරන වන වන වන කරන කරන කරන කරන ක



DAR-UL-ULOOM HANFIA USMANIA(Regd)

8.5

مسا اسداد کن الرجم و مصلی علی رسول انگریم و مخده و مصلی علی رسول انگریم و محدد شا اور حجد و مختا اود حجد شنا اس ذات کی جس نے نما رندان حالم کووعو و بختا اود مغلوق کی هدا بیت کیلے کتاب کو نازل نوصایا اور پرشمار درودسین اس آخری نبی صلیاس علیتی لم برحتی منیا سیدی می اول بالاکردیا اور اسکو د نیا سیدی می است میسیلا دیا و اسکو د نیا سیدی میسیلا دیا و اسکال میسیلاد دیا و اسکال میسیلاد دیا و اسکال می دست و اسکال می در دیا و

يه كذاب دو وظاف الصالحين ، موردنا حافظ جرامبال تركير ما بل قدر محدت كرك المورس وك كوفران وسفت كى روشى سوخوب سيخوب تر واضح كميا هج اسعا و الحسنى كه فيضائل ا ورجمت عالم ها المثانيم كى صفون يماش وظاف وعليات برجي خوب محفت كى احترك دعاع كرار الا فيئ عام خوفك خوافع حاصل كرد فلاح ونجاح اسواس عي دهم اما طوبر طرزعل توايدات ركعين المدتعلل اس كذاب كوشرف قبوليت سے سرفواز فرما محدمات كرانيات ركعين المدتعلل اس كذاب كوشرف قبوليت سے سرفواز فرما محدمات كرانيات ركعين المدتعلل اس كذاب كوشرف قبوليت سے سرفواز فرما محدمات المناني الأمى اذکريم كرانيات مدن معلم منعل من المحدمة و ما كراني الأمى اذکريم

Muhammad Aamir Siddea

Raleb Rhatesti Central Missaue Internation/ ((central et al. Patetan Material et al. 222439)

besturdub!



محد عامرصد ایق ۱ ب ظیب «عان دکزی بهای مهوداول مهدی اسام آیاد میال و میست

| Control of the Contro | 100000000000000000000000000000000000000 | - |
|--|---|---|
| 94 | واصو | ۴ |
| 954 | | |

ها عاديمانان ٢٠١١ه

مقدمه

برمكم وفن كيك استاد كى ضرورت ب دنيا مين جس قدرعلوم وفنون يائ جاتے ہیں ان کے سیجنے کیلئے ہم استاد کے تاج ہیں علم وفن کی سینکاروں کیا تیں میں اور علم تصوف اور روحانیت پر جو کتا بیں مرتب ہوئی ہیں ان کا بھی پڑا ؤخیرہ ہمارے بیبان موجود ہے خصوصاً حضرت ﷺ عبدالقادر جیلائی وحضرت امام غزاتي وحضرت شاه ولي الله وبلوي اورحضرت مولا نا اشرف على تعانوي جيسے تقيم المرتبت بزرگول نے اس موضوع برکتا ہیں لکھ کرور حقیقت است مسلمہ کی رشدو بدايت اورفلاح كاكافي معترموا وجع كرويا ب محراصلاح نفس كيلي ييرومرشدكي ضرورت كونظرا نداز نبيس كيا جاسكنا بهرحال كتابون كي مطالعه بين عام طور يركوني عالم نبیس بن جاتا عالم فاصل نف کیلئے جمیں لاز ما کسی در گاہ جس کی کر استاد ك سامن كلف تكف يزح بي عمليات ك سليط بين بحي بعاد فيك باعمل اسلاف نے عظیم الشان خدمات انجام دی جی اوران موضوع پر بھی کافی ذخیرہ موجود ہے مگران ہے استفاد و کیلئے بھی اجتھے استاد کی رینمائی کی ضرورت ہے۔ بطور خود كوئى وظيفه يز هنا اور بغير اجازت جلد كثى كرنا ويسيجى خطره سه خالى خیل ہے قدیم زمانہ ہے ہمارے بزرگول کا پیطر ایندر ہاہے جب طالب علم تے سی فن کی کتابیں اول تا آخر بڑھ لیں اور دوسروں کو تعلیم دینے کا جذبه رکھتا، ہے تو اے اپنے شخ ہے با قاعدواجازت حاصل کرنی پڑتی ہے ای طرح کسی ےروحانی سلسلہ میں بیعت ہوئے کے بعد آ کے دوسرے لوگوں کی رہنمائی کیلئے مرشدے اجازت کینی پڑتی ہے اگر مرشداے اجازت وے دے تو وہ مجاز اورخلیفه کہانا تا ہے۔

تملیات کافن جس کا خافقای زندگی ہے ایک خاص رابط تھا استاد اور مرشد کی اجازت کے بغیر کوئی ایک قدم بھی نہیں اٹھا تا تھا کیکن افسوس اب ٹی نسل کے عالمین کوان تکافعات کی ضرورت نہیں رہی آئ ہر مخص ہے لگام ہے اے کسی استاد کی ضرورت نہیں وہ خود اپنا استاد ہے جس کا دل چاہتا ہے خود ساخت عامل بن بیشتا ہے نداہے کسی استاد کے پاس جا کر سیجھنے کی حاجت رہی

اور ندمنت مشقت برداشت کرنے کی اور تہ جائشی کی اور ندان ضرورتوں کو محسوں کرتا ہے اور ان سے بدا ظلم ہے ہے کہ ایسا محض جو عال بھی نہیں ہے بلکہ خود کتابوں کا مطالعہ کر کے تعوید لکھ کرلوگوں کو دینا شروع کر دیتا ہے اور عال کہا نا شروع کر دیتا ہے اور عال کہا نا شروع کر دیتا ہے اور عال اور حضور بلاغ کی اصل بنیا دقر آن حکیم کی سورتھی اور آبات اور حضور بلاغ کی زبان سے نظے ہوئے کلمات بیں جو دعاؤں اور نقوش کی شکل میں موجود ہیں۔

عملیات کے میدان میں قدم رکھنے والے کیلئے جن علوم کی ضرورت ہان میں مب سے اہم علوم عربیہ سے واقف ہونا ہے کیوں کرعملیات کا ایک بڑا ذخیر و عربی میں ہے اس کے علاوہ عامل کوعلم نجوم اور ستاروں کی حرکات کا بھی علم ہونا ضروری ہے اس کے علاوہ اہم چیز جو عامل کے عل میں تا ہے رپیدا کرتی ہے وہ تقوی اور ا تباع سنت ہے۔

ابوعبدالله حافظ اقبال قريثي

الربح الأول ١٣٣٠ه

پیش لفظ

انسان کو اللہ تھائی نے بنیادی طور پر ضعیف پیدا کیا ہے ہے بہت جلد اللہ تھائی کا نافر مان بھی بن جاتا ہے اگر انسان کو اللہ اور رسول اللہ کے کی تعلیمات ہے آگائی نہ بوتو وہ بہت جلد صراط متنقیم ہے بھٹک سکتا ہے۔ بیس نے بھی سکول کی تعلیم کے بعد دعوت تبلیغ میں وقت لگایا اور پھر حافظ اور عالم بنے کی خوابش پیدا ہوئی اور پھر حفظ قرآن کی سعاوت حاصل کی پھر عالم کا کورس استاذ العلماء موانا نازین العابدین عرفلہ ہے تھل کیا اور روحانی علم کی جنتی میں مفرشر وج کے اللہ تعالی کے فیصل اور واللہ بن کی وعادی ہے بہت قائم میں جمعے مرشد کا بی بھی فل کئے۔ اور مفتی عزیز الرحمٰن صاحب ہے نہت قائم میں جمعے مرشد کا فل بھی فل کئے۔ اور مفتی عزیز الرحمٰن صاحب ہے نہت قائم اجازت عطافر مائی۔ کتاب بہتو کل کی حاضری کا علم انہی ہے ساتھ باو کل اجازت عطافر مائی۔ کتاب بہتو کل کی حاضری کا علم انہی ہے سیکھا اسکے ملاوہ بھی جن مؤکل کی حاضری کا علم ان کی بہاڑ یوں پر مصروف عبادت کے بیاتھ عاموں سے سیکھا حال میں جاگام کی بہاڑ یوں پر مصروف عبادت

۱۳۳ سالہ ولی اللہ پیر کامل المعروف صندل پایا ہے بھی اجازت حدیث اور اجازت وفعائف حاصل کی اس سب کے ساتھ میرا مقصد علاقہ میں علوم قرآن وسنت کا احیاء ہے جسکے لئے خواتمن کا عدرسہ جامعہ اس حییہ "کا آ عاز کیا جس میں سینظر وں خواتمن نے علم حاصل کیا اور گررہی ہیں اور جامع مجد حمر یہ میں خطابت کے فرائنش بھی سرانجام دے رہا ہوں اور مزید عدرسہ اور مجد کی تھیر کا بھی اراد و ہے ۔ اللہ تعالی اپنے فضل ہے معاونین پیدا فرما کیں۔

میں بھین ہے کہتا ہوں کر قرآن وسنت کی تعلیمات ہے دوری کی وجہ ہیں بھی اولاد کی تافر مائی میں اولاد کے اجھے رہے تھے در شنے نہ ہونا، جادواور کے لیے بھی دینے نہ ہونا، جادواور

یس بھین ہے ابتا ہوں کہ آن وسٹ کی تعلیمات ہے دوری کی جہ

ا آئ ہم ہے شار مسائل ہیں الجھے ہوئے ہیں جن جن اوالا و کی تافر مائی

گریاو تا جاتی ، جسمائی و وقتی بیار یاں اوالا و کے اجھے رشتے نہ ہونا، جادواور

جنات کے اثر ات اور الا علاق بیاری کا آ جاتا، گھر ہیں خون یا پائی کے چھینے

ہوجاتا یا گھر ہیں آگے ہوئے کپڑوں ہیں کٹ لگ جاتا گھرے رقم کا چوری

ہوجاتا یا گھر ہیں آگے کا ہجڑک افستا یہ جنائی یا جادو کا اثر کی ابتدائی علامات

ہوجاتا یا گھر ہیں آگے کا ہجڑک افستا یہ جنائی یا جادو کا اثر کی ابتدائی علامات

ہوگی اور بوعقیدہ کا لے جادو کے عالموں کے پاس جانا ایمان سے محروی کی بیاری مائن کے علاق کی بیاری جانا ایمان سے محروی کی بیاری بیاری ہوئی ہوں انہوں (جن ہیں بیاری بیاری بیاری کی بیاری بیاری بیاری بیاری بیاری بیاری کی انہوں (جن ہیں بیاری بیاری بیاری بیاری بیاری بیاری بیاری بیاری بیاری کی بیاری بیا

حافظا قبال قريثي نقشبندي

چامعدام دبینهٔ مورگاه را و لیندٔ ی پاکستان مهم عدم مهم دامه

E-mail: saleheen@gmail.com

طارق نصرت وانی اسلام آباد

حافظ اقبال قریشی عامل باعمل اور داعی الی الله بین اور اس فتند کے دور میں جب ہرطرف بدعات اور جادوٹو نے اور شیاطین کے بیر دکار عام عمل میں مصروف ہیں اور ہر خص شدید پریشانی اور مصیبت میں مبتلا ہے اور لوگ جعلی عاملوں اور شعیرہ بازوں سے پریشان ہیں اور ہر بیاری اور پریشانی ہے نجات کیلئے انسان مختلف حیلے بہائے کرتا ہے۔ ایسے وقت میں حافظ اقبال قریثی صاحب کی بیہ کتاب قرآن یاک کی آیات کے ذریعے پریشانیوں اور بہاریوں سے نجات حاصل کرنے کیلئے بہترین رہنما ہے جس میں ہر بیاری اور الجھن کے حل کیلئے قرآن وسنت ہے مواد اکٹھا کیا گیا ہے۔ میں نے خود بھی کئی مرتبہ اينے دوست احباب کے مسائل پر حافظ صاحب ہے عمل کرایا الحمد للہ باعمل عامل اور قران وسنت کی برکت ہے تمام احباب کی پریشانیاں الله تعالی نے حل فرمائی ہیں۔اور میرے گھر سے جناتی اٹرات انہی کے عمل سے ختم ہوئے۔ان کی اس بابرکت کاوش پر انہیں مبار کباد فيش كرتا بول اور ان كيلية دعا كو بول الله تعالى الكومزيدتر في عطا فرمائے۔

طارق نصرت دانی سابق سینئر نائب صدر چیمبرآف کامری اسلام آباد

سعتين شاه لندن

حافظ اقبال قریش صاحب ہے میرا رابطہ2009ء میں ہواجب میں ایک شدید الجھن میں مبتلا تھا۔ میرے گھر میں جادو کے ذریعے جنات چھوڑے گئے تھے۔جنہوں نے میری اور میرے بیوی بچوں کی زندگی اجیرن بنائی ہوئی تھی ۔ بے شار عاملوں سے میں نے علاج کرایا لکین افاقہ کی بجائے تکلیف بڑھتی رہی۔میرے ایک دوست حسین رضا صاحب جو بنگلہ دیش میں ہوتے ہیں وہ حافظ ا قبال صاحب کواپنا پیرومرشد مانتے ہیں۔ جب و وانگلینڈ آئے اور میرے حالات کا ان کو ینہ چلاتو انہوں نے حافظ صاحب کا نمبر دیا۔ میں نے حافظ صاحب ے رابطہ کیا اور انہیں اپنی پریشانی بتائی تو انہوں نے میرا اور میری والدو کا نام اور ایڈریس لے کر الحمد نلمہ تنین دن میں میرے گھر سے جنات نکال دیئے اور جادو کا اثر فتم کردیا۔ میں اور میرے گھر کے تمام لوگ ایکے احسان منداورمعتقد ہیں اللہ انکی کاوشوں اوراخلاص اور عمل میں پر کت عطافر مائے۔

سعد بین شاه برش روالندن

میرا حافظ اقبال صاحب ہے تقریباً دوسال ہے تعلق ہے۔میری ہوی پر جناتی اثرات تھے جن کی وجہ سے ہماری شادی کو دس سال گزرنے کے باوجو ہمارے بال اولاد بھی نہ ہوری تھی۔ مجھ سے صاحبزاد ونعیم شاہ صاحب نے ان کا تعارف کرایااور پھر میں ان کے یاس مدرسدام حبیبی مورگاه راولینڈی حاضر ہوا۔ میں بے شار عاملوں کے پاس سے ملاج کراچکا تھااور عاملوں سے متنفر تھالیکن حافظ صاحب کو میں نے نہایت متکسر المزائ اور سنت کا یابند یایا میں ان سے بہت متاثر ہوا۔ انہوں نے میرے سامنے کتاب پر مؤکل کو حاضر کیا اور میرے اور میری ہوی کے بارے میں سوال کیا۔ ایک طرف سے حافظ صاحب نے کتاب کو پکڑااور دوسری طرف سے میں نے۔ جب آپ نے مؤکل ہے میرے بارے میں سوال کیا تو کتاب بائنس کو تیزی ہے تحوم گئی جو که نفی میں جواب کا اشار ہ تھالیکن جب میری بیوی پر جناتی اثر کا سوال کیا تو کتاب تیزی ہے دائیں کو گھوم گئی جواثیات کا اشارو تھا۔ الحمد الله ميري بيوي سے جناتی اثر ختم ہوا اور الله نے ہميں ايك بيٹا بھی عطا کیا ہے اور حضرت کے باس میہا ٹائٹس، شوگر، بخار اور وروول وغیرہ کے خاتمے کے اذن بھی ہیں۔جن سے لوگ فائدہ اٹھاتے رہتے جن الله اللي صلاحيتوں ہے جميں مستضدفر مائے۔

ۋا كىژ مزىل بىث كىلىئائىم تادىرايى

محمدالطاف خان امريكه

روحانی علوم کے ماہراورمعروف مذہبی وروحانی سکالرحافظ اقبال صاحب سے میراتعارف1995ء سے باورالحمد نند میں نے ان کو عامل بأعمل پایا اور این اور این جائے والے بے شار لوگول کیلئے ان ہے عمل کرایا الحمدیلہ الکے عمل میں اللہ تعالیٰ نے تا ثیر پیدا کی ہے۔ امریکہ میں رہائش پذیر میرے ایک دوست کی بیٹی پرجناتی اثرات تھے حافظ اقبال صاحب نے یہاں سے عمل کرے کی سالوں سے موجودا ثرات ہمیشہ کیلئے ختم کردیے۔ میں نے ان کو وظائف وعملیات یرایک کتاب لکھنے کامشورہ دیا تھااورانہوں نے مہریانی فرماتے ہوئے میری بید درخواست قبول فرمالی اور بید کتاب بردی محنت شاقد کے بعد ترتیب دی جو کہ آپ کے باتھوں میں ہے۔اس کتاب میں آیات قرآنی کے ذریعے ہر بھاری اور پریشانی کا علاج ہاللہ تعالی انکی اس مخلصانه کاوش کو قبول فرمائے اور اس کا نفع عام اور تام فرمائے اور انگی صلاحيتوں ہے ہمیں فائدہ اٹھانے کی توفیق عطافر مائے۔

محمد الطاف خان پام رکل نارتودیت جارجیاام کا





Darul-Uloom, Deoband U.P.

لتاريخ

و كا لف العلمان كارتعال در الم الله مومول بوا - وال حتى بن ننا ك درد و درون عى رساب بواتها حن برا حقر في كوتور · W63 d si 2 - 3 crés 2 2 3 cos ا ئ درسدا كى يراشام سے سخس ہے ۔ دستر ف كر كر كون كوتول زائد . قرآن دى ش در مغت بى دكر مى دىسىدىم س سقول د ا تورد ما س اقرب ال الاها ب س . الله ن ك رورد ما در کورک کا سے استادہ کی توشق بخش در اے قرب ررمنا کا ذرائعر ساتھا۔ درس 1900/000 كاركوا رنمتح وارالعلى ويوستر هر في رن رن بن مركم إ

Mohammad K. M. Hijaxi

(MOHAMMAD MAKKI HIJAZI)

Schollar in Masjid El- Haram

رمحری خواسی محری می از جی از ی (محمد مکی حجب از ی)

المدرس بالمسجد الحرام

التاريخ 15 July while in dispulse ne in o se o nus 100. Mile Jøj O.sin (ilus /3) = [les [[]] () s me USI 160 per mes < 00 ()

بر البرالرهمي الرهمي

المحد لله والصلاة على رسول الله وآله و وحبه أعجعت أما بعد مألى إطلعت ولله المعمعلى كما به وظا تُف لم صالحين لل شيخ عافظ إ عبال مقرسين حبزاه الله عن الإسلام والمسلمين على الزراء في حب الأسلام على منا على الما المحليل المحليل المحليل المحاليل المحليل المحمد الأصادين والفظ مل الما كال منه كال منه كالم والما الله على مديناه و مواله والمحمد الموليم المحمد والمحمد المحمد والمحمد المحمد والمحمد المحمد والمحمد والمحمد

Charles of the state of the sta

MADRASA MAZAHIR ULO

SAHARANPUR-247001

(U.P.)______INDIA Ph.: (0132) 2655542 Fax: 2659912





| Ref. No | Dated |
|---------|-------|
| | |

کلمات قرآنیهاوراحادیث سے رقیہ ،مشایخ کے تجربات کی روشنی میں

نحمده ونصلي على رسوله الكريم

اما بعد! قرآن واحادیث کے مبارک کلمات بیشک اینا ایک اثر اور تا ثیرر کھتے ہیں،اورزندگی کے مختلف مراحل میں ان سے رہنمائی اوراستفادہ کیا جاتا ہے اور اس کی برکات کا مشاہدہ کیا جاتا ہے،اسی لئے مختلف ادوار میں اکا برعلاء امت نے کلمات قرآنیہ اور احادیث رسول الله صلی الله علیہ وسلم سے استفادہ فرماتے ہوئے مخصوص مواقع کے لئے پچھاورادووظا نف اپنے تجربات کی روشنی میں بتلائے ہیں، پیش نظر کتاب'' وظائف الصالحین''جس کے مؤلف مولا نا حافظ اقبال قریثی صاحب ہیں انھوں نے بزرگان دین کے اٹھیں تجربات کو کتابی شکل میں جمع کر دیا ہے، دل سے دعا ہے کہ اللہ تعالی اس کتاب کوامت کے لئے نافع بنائے اور قبول عام سےنوازے۔

المحمد ومطف إبرغاد تم سيما مني PICTY WILLIAM

ستاره ئيميكل انڈسٹريزلمڻيڈ

32 كَارْيَةِ إِنَّهُ فِي مِدِدَةً لِيَّهِ لِكَ إِن قُولَ: 41-4689141 # 192-41-4689147 # 192-41-4689147 # 192-4 الْنِيَّةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ الْمِيْةِ

besturdubo!

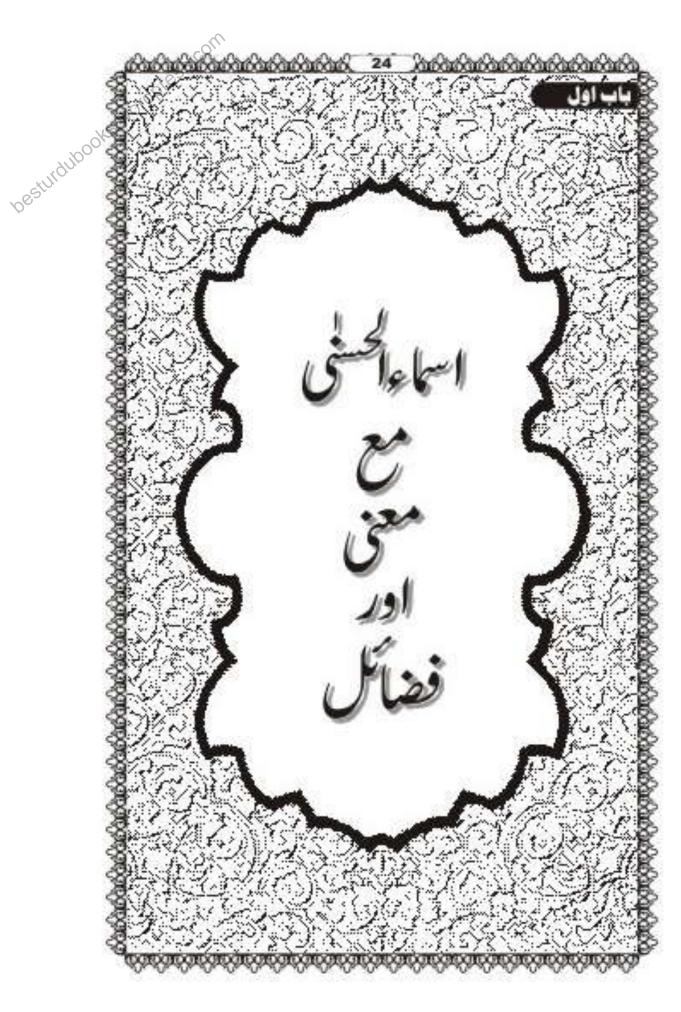


حافظ اقبال قریشی صاحب نے مختلف وظا نف پرمشتنل کتاب وظا نف الصالحین حالیف کی ہے جس کی آج کل کے دور میں بہت اہمیت ہے۔

یہ کتاب اسادی تعلیمات اور ان کے ذریعے اپنی روحانی بیار بول کو دور کرنے کے
لئے ایک بہترین مجموعہ ہے۔ میں نے اس کتاب کو پڑھنے کے بعد اس کی 3 ہزار
کا بیاں چھپوا کر ہدیے کے طور پڑھنیم کی جیں تا کہ لوگ اسلامی تعلیمات کی روشنی میں
اپنی پریٹا نیوں کا علی ڈکال سیس جن کے متعلق اس کتاب میں قرآن سنت کی روشنی
میں وفا انف اور دعا کیں موجود جیں۔

الله تبارک و تعالی سے دعا ہے کہ رب کریم حافظ اقبال قریشی صاحب کے علم وحمل جس برکت عطافر مائے اور ان کی تالیف سے سب کو مستفید ہونے کی تو فیش تخشے۔ آجین

محمدا در لیس ستاره تیمیکل انڈسٹر بزلمٹیڈ 32 کلومیلر شیخو پورہ روڈ، فیصل آباد



| خواص ا در فوائد | معنی | اسمارشنى | غبرثمار |
|---|-----------------|----------------------|---------|
| بوض روزاندایک بزار رتبہ "یااً وَلَّنَّهُ" بڑھے گا، انشارات اس کے دل سے تمام شکوک وسسبہات دُور ہوجائیں گے اور عزم ویقین کی قوت نصیب ہوگ ، جو لاعلان مریض ہواوراس کے مرض سے اطبار عابر آگئے ہوں وہ بکثرت یااً ولائم "کا ورد رکھے اوراس کے بعد | 6150 Y 21 J. J. | וֹשׁׁטֹ איז | ı |
| شفاری دُما مانگاس کوشفارنصیب ہوگ بشرطیکہ موت کا وقت نہ آگیا ہو۔ جوشخص روزانہ ہرنمازے بعد موم تب آیار محملیُّ پرسے گااس کے دل سے انشاراللہ برقم گسختی اور غفلت دُور ہوجائے گی۔ اگر کوئی شخص آکی تحملیُ الرّجینیمُ الرّحینیمُ الرّحینیم | テタイプラウ(T) | اَلَتِحْمَانُ ۲۹۸ | ۲ |

| فواص اور فوائد وشخص روزار نهرنماز کے بعد مورته یکاریجی شرع سے | معنیٰ | اسمار مُسنَّ المستحدد | نتِزار |
|---|--------|--------------------------|--------|
| وتفض روزانه برنماز کے بعد سورتر یا کرچید مر برھے اللہ کا اس کے قلب کی خفلت اورنسیان دفع ہوجائے گا، اور کا اس کے قلب کی خفلت اورنسیان دفع ہوجائے گا، اور کا کہ اور کا کہ کہ کہ کا اور تمام مخلوق اس پرمہر بان ہوجائے گا، اور اگر کی کہ کومشک وزعفران سے لیکھ کر کسی مخوظ جگہ برخلق آدی کے گھرمیں دفن کر دیا جائے تواس میں حیار ، ترسسم اور کے گھرمیں دفن کر دیا جائے تواس میں حیار ، ترسسم اور کے گھرمیں دفن کر دیا جائے تواس میں حیار ، ترسسم اور کے گھرمیں دفن کر دیا جائے گئی ۔ |) (ii) | 129 | r |
| و شخص روزانه صبح کی نماز کے بعد یا میلائے کثرت سے معاکر میا اللہ تعالی اسے غنی فرمادیں گے، اور جو زوال کے وقت ایک سومیں بار پڑھے گا اللہ تعالی اسکوصفائ کے اس اور فنار ظاہری و باطن سے سرفراز فرمائیں گے ۔ | 32 | اَلْمَالِكُ ٩٠ | ٣ |
| وشخص روزانه زوال کے وقت اس اسم مُبارک کوکٹرت سے پڑھے گا انشار اللہ تعالیٰ اس کا دل روحانی امراض سے پاک رہے گا۔ بعن حمد، بغض، کمینہ، ترص، فودغرض ور ریا کاری وغیرہ سے محفوظ رہے گا۔ | はかりから | اَلْفَكُوْسُ ۱۷۰ | ۵ |
| وشخص کثرت سے اس اسم مُبارک کو پڑھتارہ کا اللہ تمام آفنوں سے محفوظ رہے گا۔ اگر مریض کے باس اس کے سر ہانے بیٹھ کردونوں ہاتھ اُٹھاکراس | 1 3; | آلتگافر ۱۳۱ | 4 |

| اسم مُبادک کو ۱۳۱ مرتبدباندا وازسے کر مرض بھن بھا ۔ رفیص توانٹ داللہ اس کوشفار نصیب ہوگ ۔ المحقیق کے بوضی کس نوف کے وقت ۱۳۲ مرتبداس اسم مُبادک کو پڑھے گا، انشا داللہ ہوطرہ کے خوف اور جانی وہال نوسی نوف کے وقت ۱۳۶ مرتبدان اللہ وہان وہال نوسی نوسے گا ۔ بوخی اس کاظا ہمروباطن اللہ تعالیٰ کے امان میں دہے گا ۔ المحقیق کے اس کاظا ہمروباطن اللہ تعالیٰ اس کاظا ہمروباطن اللہ تعالیٰ ہوگا ۔ المحقیق کے اس کا مرتبہ یہ اسم مُبادک پڑھے گا اللہ تعالیٰ اس کاظا ہمو باطن پاک فرمادیں گے اور عمل تعقیق بیدا ہوگا ۔ اور ہو بخوری پر مطلع ہوگا یعنی اس پراس دار اللہ منکشف ہونے لگس گے ۔ ہونے لگس گے ۔ ہونے لگس گے ۔ ہونے لگس گے ۔ |
|---|
| المعض المعن المعض المعن المعنى المعض المعنى ا |
| م المُعَيِّمِنِ مِن جَوْضَ عُسل كرك دوركعت نماز برُِسے اور صدقِ دل سے المُعَيِّمِنِ مِن اللهِ عَمَّا اللهِ تعالى اس كاظاہر و اللهِ عَمَّا اللهِ تعالى اس كاظاہر و اللهِ عَمَّا اللهِ تعالى اس كاظاہر و اللهِ عَمَّا اللهِ تعالى اللهُ تعالى اللهُ تعالى اور جو اللهِ عَمْلِ اللهُ تعالى ا |
| |

| 6 190 m | خواص و فوائِد | معنیٰ | اسمارشنل | زبتوار |
|---|---|---|----------------------|--------|
| کےظلم وقبرے کانگوش پریہ اسم ہیبت وٹوکت ہیبت وٹوکت | نص روزار صبح وشام ۲۲۶ مرتبہ مے گاانٹ اللہ تعالیٰ ظالموں بط اسے گا،اور ہوشخص چاندی کر کے نقش کروا کے پہنے گااس کی ں کے دلوں میں انٹ ارالٹہ رپد | ががかり | اَلْجَبَّارُ ۲۰۶ | 1- |
| کا دِرد رکھے گا ، ائیں گے۔ادراگر بتپڑھے توانشارالٹر ہیں ہوی کے پاس | ب ارون ین سے میم ارک می کشرت سے اس اسمِ مُبارک ام کی ابتداریس بیاسِم مُبارک کِنْر ام کی ابتداریس بیاسِم مُبارک کِنْر میں کامیاب ہوگا ۔ شبِ زفاف قبل مُباشرت دس بار ذکر کرے کنت ہو۔ | 15 - 12 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2 1/2 | اَلْتَكَائِرُ ۱۱۲ | 11 |
| اس ایم مُبارک کو زن سے مفوظ کیے فالیق پڑھتارہ ہواسک طرف سے رہتاہے ، | ے بسابر میں سات روز تک متواز سومرتبہ میں میں اللہ تعالیٰ تمام آفتہ بوشخص ہمیشہ بیاسم مُبارک آفتہ مذباک ایک فرشتہ پیلاکر قبیتے ہیں دت کرتا ہے اوراس کا جہرہ منور دت کرتا ہے اوراس کا جہرہ منور | - | آنخالق ۲۳۱ | Ir |
| اِن سے افطار کرنے پڑھے تو انشار اللہ بضیب ہو۔ | اِنجِيُورت مات روزے رکھے اور ، بعدا۲ مِرْتِهِ ؓ اَکْبَادِئُ الْمُصَوِّرُ ؓ مِمْلِ قِرار باِف اوراولادِ نرسِب | いている | آلْبَازِئُ ۲۱۳ | ır |

bestyrdubook,

| Moldby | خواص اور فوایر | معنیٰ | المارحسني | ربزعار |
|-------------------------------------|--|---|----------------------|--------|
| وبى بى بو | ہم مُبارک کے خواص وبرکات بھی زیمی "کے ہیں ۔ | | اَلْمُصَوِّلُ ٣٣٦ | 10 |
| ارظاہر ہونے اررزق مال یاغف اڑ | ئازِمُف کے بعد ۱۰ امرتبراس ا کا انت اللہ اس پڑ عفرت کے آتا کے، اور ہرتنگ رفع ہوگ اور بے ثما اور ہوشخص نمازِ عصر کے بعدروزانہ '' کی زمرہ میں داخل کریں گے ۔ کے زمرہ میں داخل کریں گے ۔ | الماردور من المارية والا وربردور من كرنا والا | اَلْغَفَّارُ ۱۲۸۱ | 10 |
| بنتاس کے إبوطائے گ | ے در اور ہیں ہوں ہے۔ ارک کو پڑھے توانشارالٹد ڈنیاک مخ سے جاتی رہے گی اور فُلاک محبّت پید ں پرفتح حاصل ہوگی۔اگرچین کے برتز کی برکت ہے جو بوج حرکے عورت پرقز کی برکت ہے جو بوج حرکے عورت پرقز | المجروب المناطق المالية | اَلْقَهَّارُ ۳۰۶ | 17 |
| | ن برگ سے سروں ہو فقروفاقہ میں گرفتار ہووہ کٹرت ہے کو پڑھاکرے یالکھ کرلینے پاس رک باز کے آخری سجدہ میں چالیس مرتبہ رے توانشاءاللہ فقروفاقہ سے کسے ملے گی ۔اوراگر کوئی فاص حاجت ملے گی ۔اوراگر کوئی فاص حاجت | المارك ا | اَلُوهَابُ ۱۳ | 12 |

| خواص اور فوائد | معنی | اسمارحستل | نمبثمار |
|---|---------------|--------------|---------|
| لهريامسجد كے صحن ميں تين بارسجده كركے باتھ أتھائے | | | |
| ور - امرتبه يداسم مُبارك برص، انت الله تعال | | | |
| عاجت پورې ہوجائےگی۔ | | 10000000 | |
| وشخص نماز صبح سے قبل اپنے مکان کے چاروں کونوں مصرف میں میں میں میں ماک میں میں | | التَفَاقُ | 14 |
| یں دس دس مرتبہ یہ اسم مُبارک پڑھکردم کرے گا، لٹر تعالیٰ اس پررزق کے دروانے انٹ رالڈ کھول | Link | ٣٠٨ | |
| عبر عالی از بر رون کے دروائے اس بر عبر طون دیں گے اور بیماری وُمفلسی اس کے گھر میں ہر گزنہ آئے | 21 | | |
| یں سے سوری میں ہوائی ہے۔ گی۔ یہ عمل قبلہ کی داہن جانب سے شوع کیاجائے اور | _ | | |
| رز قبلہ کی طرف ہی رہے ۔ | | | |
| وشخص نماز فخرے بعد دونوں ہائے سینہ پردکھ کر۔ ٤ مرتبہ | | اَلْفَتَّاحُ | 19 |
| به اسم مُبارک پڑھاکرے گاانٹ النداس کا دل | 20.3 | PA9 | |
| ورایمان سے منور ہوجائے گا اور قلب میں طہبارت میں دارگ | 3 | | |
| بیما اون . وشخص کثرت سے 'یاعکیلیٹم'' کا در د کرے گا، | 1 | 0.1/37 | 27525 |
| ر من سرت میں ایک اللہ مقال علم و عرفت کے اللہ مقال علم و عرفت کے ا | 3 | العلِين | ۲٠ |
| دروازے کھول دیں گے، اوراس کا حافظ قوی ہوگا۔ | 10 35 de elle | 10. | |
| وشخص" رَبِ زِدُ نِيْ عِلْمًا " كَ تلاوت كرك كا | | | |
| نشاء الله اس كولم ميس ب عداضافه جوگا. | | | |
| | | | |

| نخواص وفوائد نخواص | معنی | اسماجسنل | زبثمار |
|--|------------|-----------------------|--------|
| بوشخص رو نی سے چارلقموں پراس امیم مُبارک کولِکھ کر چالیس دن تک کھائے گا مُبھوک، بیاسس، زخم اور دُر دوغیرہ کی تکلیف انشاء اللہ محسوس نہ ہوگی ۔ | 13 | اَلْقَامِضُ ٩٠٢ | 11 |
| پوشخص نمازِ چاشت کے بعد آسمان کی جانب ہاتھ اُٹھاکر روزار دس مرتب اس اسم مُبارک کو پڑھے گااور مُرز پر ہاتھ بھیرے گااللہ تعالیٰ اُسے غن بنادیں گے اور وہ تبھی کسی کا محتاج نہ ہوگا۔ | 3 | اَلْبَائِيطُ ۲۲ | 77 |
| بوضخص روزانه پاپخ سوم رتبه یا خافض پُرها کرے گا الله تعالی اس کی حاجتیں پوری اور مشکلات دُور فرمادی کے جوشخص تین دن تک سلسل منے ایکے اور چوہتے روز ایک ہی مجلس میں بیٹھ کرنے بار '' یا خافض'' پڑھے تو الٹ اراللہ دشمن پرفتھیاب ہو۔ | يكرين والا | اَلْخِفِظُ ۱۳۸۱ | 77 |
| بوضخص ہرمہینہ کی چودھویں رات کو آدھی رات کے وقت ۱۰ دمرتبہ یکا رُافِعُ "پڑھے توالٹار پاک اسانشا اللہ خلوق سے بے نیاز کردیں گے اور تونگری عطا فرمائیں گے . | 3 | اَلَتَهِ فِيعُ ۲۵۱ | ۲۳ |
| ہوشخص ہیریامجُمعہ کے دن بعد نمازِمغرب ، ہم مرتب کیا مُعِیزٌ "بڑھاکرے گااللہ نعالیٰ اس کوانٹ اللہ لوگوں میں باعِزّت اور ہاوقار بنا دیں گے اوراس ک ہیبت لوگوں کے دلوں میں پیدا ہوگی ۔ | | اَلَمُعُنِّدُ ۱۱۷ | ra |

| المُكُنِ اللَّهُ اللْمُلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُلِمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الل |
|---|
| دُعاکرے توانٹ اللہ فُبُول ہوگ ۔ ہوشخص جمعرات کے دن چاشت کی نماز کے بعد پانچ سو، یا ایک سویا بجاس مرتب " یا سیمینع" المنتوبیع اللہ سویا بجاس مرتب " یا سیمینع" المنتوب اللہ تعالیٰ اس کی معائیں قبول ہوں گا، انشار اللہ تعالیٰ اس کی معائیں قبول ہوں گا، درمیان میں کسی سے بات ہرگز نہ کرے، اور جوشخص جُمعہ کے دن فجر کی سُنتوں اور فرضوں کے درمیان جوسوں کے درمیان |
| |

bestydubook'

| olgb, | خواص اور فواید | معنیٰ | اسمارحسنل | نبرثار |
|--|--|---|---------------------|-----------|
| لٰ محل اسرا ، رات میں یہ بےفود ہوجائے | ں اخیرشب میں ۹۹ مرتبہ باوضویہ اسم بقالٰ اس کے دل کوانٹ مالٹہ تعا بنادیں گے ۔ اور پوشخص مجمعی کے ارک اس قدر پڑھے کہ بے حال و۔ تعب الٰ اس کے قلب کو کشف وا | گاان وانوار اسم مر تواخه | الْجِكُ ۲۸ | 19 |
| | ں گے۔ ںمجُعہ کے دن میں یا جمعہ کی رات م کڑوں پر'' اَلْعَکْ لُ'' ککھ کرکھائے گاا کواسکے لئے مسخرفرما دیں گے۔ | الله بين ي | اَلْعَدُكُ ۱۰۳ | ۳۰ |
| کےسب کا ڈکھ، بیماری نارہووہ انتج رومطلب ک | س ۱۳۳۱ مرتبہ یا اکھیلیٹ پڑھاکے۔ میں انشاء اللہ برکت ہوگی اوراس کے درے ہوں گے۔ جوشخص فقرو فاقہ، گ بسمبری یاکسی اوڑھیںبت میں گرفہ وخوکرکے دوگانہ پڑھے اور لینے مقصا س رکھ کر سومرتبہ یہ اسم مُبادک پڑھے | رزق بخون ا خون ا خون خو خو خو خو خو خو خو خو خو خو | اَللَّطِيفُ ۱۲۹ | rı |
| | ورا ہوگا۔ ں سات روز تک یہ اسم مُبارک بک ^ن اللّٰہ تعالٰ اس پر پوسٹ یدہ را زظا ^ہ وضی خواہشات نفسانی میں یاکسی | بر بوشفر الشار | اَلُخَبِيْرُ ۸۱۲ | rr |

| بنج میں گرفتار ہو وہ بکٹرت اس اسمِ مُبارک کا ورد کرے۔ انشار اللہ ان سے رہائی نصیب ہوگی۔ جوشخص اس اسمِ مُبارک کو کا فذر پر لکھ کر بان سے دعو کہ جس چیز پر اس بان کوچیڑ کے یا ملے گا انشار اس کے میں خیرو برکت ہوگی۔ اگراوزاروں پر چیڑ کے آواس کی صنعت و حرفت میں برکت ہو۔ اگر ششتی پر چیڑ کے آواس کی خرق ہونے سے محفوظ ایسے ۔ جانور پر چیڑ کا جائے آوتما اکتوں سے وہ محفوظ ایسے ۔ جانور پر چیڑ کا جائے آوتما اکتوں سے وہ محفوظ ایسے ۔ جانور پر چیڑ کا جائے آوتما کی میں میں اگر کوئی امیرا آدی اس کی میں میں اگر کوئی امیرا آدی اس کی میں میں اگر کوئی امیرا آدی اس کی میں میں میں میں میں میں میں میں میں می | انت داندان سے رہائی نصیب ہوگی۔ ہوشخص اس اسم مُہارک کو کا غذر کا کھر بان سے دھو کے بیان کے کھی کے است است اس کے کھی کے اس کے کا انت اس اس کے کہا انت اس کی کھی کے کہا انت اس کی کھی کے کہا اس کے کہا اس کے کہا کہ کہا کہا |
|--|--|
| التحليمي جو خصاس اسم مُبارک کو کا غذر پاکه کربان سے دھو جو است اسم مُبارک کو کا غذر پاکھ کربان سے دھو جس چیز پر اس بان کو چرک یا ملے گا انشارا است است و ترفت میں برکت ہو۔ اگر کشتی پر چرک تو اس کو غرق ہونے سے محفوظ ہے۔ جانور پر چرخ کا جائے تو تما اکتوں سے وہ محفوظ ہیں۔ اگر کوئ امیرا دی اس کم مُبارک کا بحث و دوقار بر قرار ہے۔ باشور تر و دوقار بر قرار ہے۔ باشور سے وہ محفوظ رہیں۔ اگر کوئ امیرا دی اس کم مُبارک کا بحث و دوقار بر قرار ہے۔ بو تو محفوظ ہے۔ بازد رہے گا انشارال کا میں دو دوقار بر قرار ہے۔ بو تو محفوظ ہیں۔ اگر کوئ امیرا دی اس کم مُبارک کا بحثرت ور درکھے گا انشارال کا تحت و دردرکھے گا انشارال کے دردرکھے گا انشارال کا تحت و دردرکھے گا انشارال کا تحت و دردرکھے گا انشارال کا تحت و دردرکھے گا انشارال کی تحت و دردرکھے گا انشارال کی تحت دردرکھے گا انشارال کا تحت دردرکھے گا انشارال کی تحت دردرکھے گا انشارال کا تحت دردرکھے گا انشارال کے تحت دردرکھے گا تحت د | ۳۳ اَلْتَحَايِثُمْ اللهِ عَهُالِكُ لَوَكَا عَذَرِ لِلْعَكَرِ بِإِنْ سِهِ وَحَوَّ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الشاء مِن فِيرِ فِيراس بِان لَوَحِرْكِ يا مِلْ گاانشاء الله الله الله الله الله الله الله ال |
| صنعت وحرفت میں برکت ہو۔ اگر شش پر تھیڑے ا غرق ہونے سے محفوظ ایسے ۔ جانور پر تھیڑ کا جائے توتما افتوں سے وہ محفوظ رہیں ، اگر کو بُ امیرا دمی اس بکٹرت تلاوت کرے تواسکاعز و وقار برقرار ایسے ۔ بکٹرت تلاوت کرے تواسکاعز و وقار برقرار ایسے ۔ بیٹوسیوں سے جوشخص اس اسم مُبارک کا بکٹرت ورد ایکھے گاانشا ہال | صنعت و ترفت میں برکت ہو۔ اگرکشتی پر تھیڑے کے خرق ہونے سے مخوظ ہے۔ جانور پر تھیڑ کا جائے توتما افتوں سے وہ محفوظ رہیں ، اگر کوئی امیراَدی اس کمشرت تلادت کرے تواسکاعز و وقار برقرار ہے ۔ بخرت تلادت کرے تواسکاعز و وقار برقرار ہے ۔ بخرت تلادت کرے تواسکاعز و وقار برقرار ہے ۔ بخرت تلادت کرے تواسکاعز و وقار برقرار ہے ۔ اسے عزت وعظمت نصیب ہوگی اور وہ ہر مرض سے مخا اس اسم مُبالک کے ۱۲ مرتبہ پڑھے سے ہرائن اس اسم مُبالک کے ۱۲ مرتبہ پڑھے سے ہرائن سے اس اسم مُبالک کے ۱۲ مرتبہ پڑھے سے ہرائن سے اس ماصل ہوگا ۔ |
| بکثرت تلادت کرے تواسکاعز و دقار برقرار ہے . وردیکھے گاانشارال کا بکثرت وردیکھے گاانشارال | بکثرت تلادت کرے تواسکاعزو وقار برقرار ہے. ہوشخص اس اسم مُبارک کا بکٹرت ورد کھے گاانشادالا ہوشخص اس اسم مُبارک کا بکٹرت ورد کھے گاانشادالا العظیمی اسے عزت وعظمت نصیب ہوگ اور وہ ہرموض سے من اسم مُبارک کے ۱۲ مرتبہ پڑھنے سے ہرافد سے اکن حاصل ہوگا . |
| | ۱۰۲۰ کے ۱۲ مرتبہ پڑھنے سے براقد سے اکن حاصل ہوگا۔ |

| ordpro | خواص اور فوائد | معنیٰ | العارجسنى | نمبترار |
|--|---|--------------------------|-----------|---------|
| ندهد ياجا | بارک کوتین بارلک <i>ه کربُخ</i> ار والے کو با - | 100 | | |
| متاامه | جابآرہے،انشاءاللہ معاش تنگ یاکس اور ڈکھ در دمیر | | 125 | |
| | ں علی کی اور و ھاور دیا۔ اسم مُبارک کو اہم مرتبہ روزانہ پڑھے | | الشكك | ۲۲ |
| لرانى اعضا | ہے رہائ نصیب ہوگ ۔ اگر تکان یا | J 3 | ۲۲۵ | |
| | س اسم مُبارک کولکھ کربدن پرجیہ | | | |
| پرچیرے ا | ۷ ہواوراگرضعیفالبصراین آنکھ یں ترق ہو۔ | Y031014831 | | |
| ے اور لکھ کر | ین نرن ہو۔ ں اس اسم مُبارک کو ہمیینٹہ پڑھتار۔ | | 21-96 | |
| and the second s | اس رکھے اسے رُتبہ کی بلندی ، فوشحا ا | | العيل | ٣2 |
| | ن نصيب ہوگ ۔ اگراس اسمِ مُبارك | | 112 | |
| افراينيام | ندھ دیاجاتے توجلد ہوان ہو۔اگرمسہ | ا کے با | | |
| اج کینےپار | و ُ جلدا پنے عزیزوں سے ملے۔ اگر محتا توغن ہوجائے ۔ | -20 | | |
| مهات روز- | و ناہوجات۔ ں لینے عہدہ سے معزول ہو گیا ہو وہ | | | |
| | ورروزانه ایک ہزار مرتبہ" یا گیبائی | | الكييرُ | ۳۸ |
| | اراللداہے عہدہ پربحال ہوجائے | | rrr | |
| | ں نصیب ہوگ ۔ ہوشخص اس اسمِ م ا | 27.55 . 55.55 | | |
| عَلْ جائيں ِ | ، گااس پرغلوم وحرفت کے دروانے کم | 5 | | |

| اگری کھانے کے تیزبر پڑھ کر دی کرے سیاں ہوں کو گھلایا جائے تو باہم اُلفت پیدا ہو۔ الحقیظ جو تحص بخرت یک حقید نظ کا ورد رکھ گااور لکھ کا اور اسے کھون وَطر اسے کھون اللہ ہوا ہے کہ وہ درندوں اور فقصان و صرب سے کھون اللہ ہوا ہے وہ درندوں کے درمیان ہی کیوں نہ سوتا ہو۔ الکھینٹ کے درمیان ہی کورن میں خود پانی پینے یاکسی دو مرب کو بیان پینے یاکسی دو مرب کو سوتا ہو۔ الکھینٹ کے درمیان ہی کا تو ان انٹی مقصد صل ہوجائے گا۔ الکھینٹ کے درمیان ہو کہواں سے پانی پاکسیار کورن کے سونگھے تو قوت اور غذائیت حاصل ہو۔ اگرمسا فرکوزہ پر سامانوں ہو۔ سات بار پڑھ کر بھراس سے پانی پاکسیار کے وحشیت سوتا ہو۔ سات بار پڑھ کر بھراس سے پانی پاکسیار کو وحشیت سوتا ہو۔ |
|---|
| المحقیظ الباد الله المحقاه الماله الله المحقید الله الله المحقید الله الله الله الله الله الله الله الل |
| کے درمیان ہی کیوں نہ سوتا ہو۔ جوشخص خال آبخونے میں سات مرتبہ یہ اسم مُبارک پڑھ کر ۔ کم کرے گا، اور اس میں خود پان پینے یاکس دوسرے کو ۔ کم کرے گا، اور اس میں خود پان پینے یاکس دوسرے کو ۔ پلائے یا سونگھے گا توانٹ اللہ مقصد حل ہوجائے گا۔ اگر روزہ دارا سے مٹی پر پڑھ کر یا لکھ کراس کو ترکرے ۔ سونگھے توقوت اور غلائیت حاصل ہو۔ اگر مسافر کو زہ پر سات بار پڑھ کر بھراس سے پان پایک ہے تو و حشیت شر |
| مرات بار پره کرم اس بان بیارے ورشت میں اور اس میں خود بان بینے یاکس دوسرے کو اللہ کے اس وقع است کا توانت اللہ مقصد حل ہوجائے گا۔ اگر روزہ دارا سے می بر پڑھ کر یا لِکھ کراس کو ترکر کے اس فیکھے توقوت اور غذائیت حاصل ہو۔ اگر مسافر کو زہ پر سات بار پڑھ کر بھراس سے بان بیا کرے تو وشت سے شر |
| |

| Jordio | خواص اور فوائد | معنیٰ | اسمارخشني | نمبثوار |
|---------------------------------------|--|---|---------------------|---------|
| كاوردليكح | ں مشک وزعفران سے اس اسمِ مُباً س رکھے گاا وربکٹرت یا جَلِیگ شارالٹداس کوعزت وعظمت اور آ ہوگ ۔ ہوگ ۔ | 11.18 13.50 E | آنجکینگ ۲۳ | mr |
| ھتے پڑھتے رمیں عزنت | <u>ى،ون.</u> روزار سوتے وقت ْ يَاكْرِبُيُّرُ * پُرُ كرے تواللہ تعالٰ اس كو عُلماً رصُّلما ب فرمائيں گے ۔ | بر بوشفر معربایا | اَلْكَيْنَةُ ۲۷۰ | 64 |
| ماکرےاور نام آفتوں نے کاخطرہ ہو | ن اینے اہل وعیال ومال ومنال پر ا ہم مُہادک کو پڑھ کر دوزانہ دم کسیہ بیٹٹ کا دِر درکھے، انسٹار اللہ وہ آ فوظ دہے گا۔ اگرتمل کے ضائع ہونے ہے، انسٹار اللہ بچے کی طرف سے فکر ہوتے بیس کسی بال بچے کی طرف سے فکر ہوتے رکھ کراس ایم مُہادک کو ساست مرتب | برائع برائع برائع برائع برائع | الرَّقِيْثِ ۳۱۲ | LL |
| | لٹدوہ بچیسفرمیں مفوظ کیے گا۔ کثرت نے کیا مُجِدیٹ پڑھا کرے ا ائیں ہارگاہِ خداوندی میں قبول ہونے گا مساتھ ذکر کرنا موجب قبولیتِ دُعا۔ | المراجعة المحتورة | آفجِيبُ ۵۵ | ra |

| 90 | خواص و فوائد | معنیٰ | اسمارخسني | ربثمار |
|---|--|----------|---------------------|--------|
| Sublandario de la | بوشخص بکنرت یا واسع کا ذکر کرے گا انشاراللہ اسکوظا ہری و باطنی غنار اللہ تعالی عطافرائیں گے، اوراسمیں حوصلگ و بر د باری پیلا ہوگ ۔ | 36 | الْوَائِنْعُ ١٣٧ | 64 |
| SacSacSacSacSacSacSac | جوشخص کترت سے "یا تحکیدیم" برطاکرے اللہ تعالیٰ اس پریلم وحکمت کے دروازے کھول دیں گے۔ اس پریلم وحکمت کے دروازے کھول دیں گے۔ جس کاکوئ کام پورانہ ہوتا ہوتو وہ پابندی سے اس ایم مبارک کو پڑھے انشاراللہ کام پوراہ وجائے گا۔ | 53 sheet | اَلْحَکِیْمُ ۸۷ | 82 |
| Sachachachachachachachachachachac | بارت وپرسے اس رائدہ میں پورا وجائے ہو۔ بوشخص ایک ہزار مرتبہ آیا قرکہ ڈرگہ کر کھانے کا اور بیوی کے ساتھ بیٹھ کروہ کھانا کھائے گاتو انت اللہ میاں بیوی کا جھگڑا ختم ہوجائے گا اور باہی محبت بدا ہوجائے گی۔ بوشخص اس اسم مُسارک کا ہزار بار ذکر کرے گاوہ اللہ سبحان وتعب الٰ کا محبوب | がデンプラ | الُّوَدُفُّةُ ۲۰ | P'A |
| in Gran Gran Gran Gran Gran Gran Gran Gra | ہوجائے گا۔ جوشخص کسی موذی مرض آتشک، جذام یابرص دخیرہ میں گرفبار ہو، وہ (۱۳) ۱۲) تاریخ کے روزے ایکے اورافطار کے بعداس اسم مُبارک کو پڑھاکرے اور بانی پر دم کرکے بیئے، انشاء اللہ وہ مرض دُور ہوجائے بانی پر دم کرکے بیئے، انشاء اللہ وہ مرض دُور ہوجائے محا۔ چاہے اسکا ازار بلاسبب ہو یا اسباب دنیویہ یعن علاج وغیرہ کے ساتھ ہو۔ | 3.12 | اَلْجِيدُ ۵۷ | ۳۹ |

| فواص اور فوائد فراند | معنی | اسمارخسنل | نمبثار |
|--|--|----------------------|--------|
| س روزانه سوتے وقت سینے پر ہائد رکھ کرایک سو استریسی کا بکا بعث "بڑھا کرے ،انشاء اللہ اس کا علم وحکمت سے زندہ ہوجائے گا۔ | 河 溪 | اَلْبَاغِتُ ۳ ۷ | ۵. |
| نخص کی بیوی یا اولاد نافرمان ہووہ صبح کے وقت ل ببیثان پرہاتھ رکھ کر ۲۱ مرتبہ " یکا شبھیڈ کہ بڑھ کر رے ، الشاراللہ فرما نبردار ہوجائے گی بیخ خص اس بارک کی کثرت سے تلاوت کرے گا، اسس کا دل رمتنق ہے کہ میں میں انک میں | (S) | اَلَثَّهِيُدُ ۳۱۹ | اه |
| سے متنظر ہوکر جی کی جانب مائل ہوگا۔ می چوکور کا غذر کے چاروں کونوں پُراَلُحَقَّیٰ ککھ کرمر وقت کا غذ کو ہنجیل پر دکھ کرائسمان کی طرف بلند کرکے رہے ، انشاء اللہ گمشدہ شخص یا سامان مل جائے گا تصان ومصائب سے مفوظ رہے گا۔ | 15. 17. (2) 15. 15/1 | اَلْحَقُّ ۱۰۸ | ar |
| م كسى بحى أسمان آفت كے فوف كے وقت وَكِيْلُ "كاوِرد كرے گااوراس اسم مُبارك كواپنا ك بنك گاوه الث الله برآفت سے مخوظ ایم گا كوئ غم يامصيب واقع ہووہ "حكث بُدئا اللّٰهُ ك مرّ الْوَكِيْلُ "كى كثرت كرے الله تعالى اس كى ك دنيوى واُ فروى پرليشانياں دُورفرماديں گے۔) دنيوى واُ فروى پرليشانياں دُورفرماديں گے۔ | وَيَعْ الْمِنْ الْمُوافِقُ الْمُؤْمِنُ الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِي الْمُؤْمِنِي الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِي الْمُؤْمِنِ الْمُؤْمِنِي | اَلْوَکِیْلُ ۲۲ | or |

| ره النَّحِيدُ ﴿ الْحَامِ الْ |
|---|
| نيک اعمال کر ۵۰ الکتھينگر انگر بخش ۵۰ م ۱۲ انگر تمام بُري |
| |

| عرف المنتري المنترك وقت عاملة ورت كيب بها المنترك ال | اللهبيرى اللهبيرى الموغيرة الماميري المعارض المنافي المعارض ا | Mordple | خواص اور فوائد | معنیٰ | اسمارتڪسن | زشرار |
|--|---|--|--|---|---------------------|-------|
| المُعْدِيثُ الْمُعْدِيثُ الْمُعْدِيثُ وَالْبِسِ بِلاَنْ كَلِيْ مِبِهُوكِ مِنِ الْمُعْدِيثُ مِن الْمُعْدِيثُ وَالْبِسِ بِلاَنْ مِن الْمُعْدِيثُ وَالْبِسِ اللَّهِ اللَّهُ الل | ا المُعِيدُدُ المُعِيدُدُ الله الله الله الله الله الله الله الل | فارالله ممل ضائع | "يَامُبُدِئُ" بِرُسْطِ گا،انَـ ئے مفوظ رہے گا اورجب تک | ایک ایک ایک اولے۔ | اَلْمُبْدِئ ۵۲ | ۵۹ |
| | | س میں سترستر مرتب سات روز میں واپس و خص اس آم م مبارک سیاد آجائیں گ | ض کووالیس بلانے کے بائیں تو گھرکے چاروں کونوا یٹٹ پڑھے،انٹ الٹدر کا یا بہت جل جائے گا۔ بڑاس اسے مجول ہوئ باتم س اس اسم مُبارک کوایک | گشده هم آدی موه آدی موه آجائے آجائے اور دکر اور دکر | اَلْمُعِیْدُ ۱۲۴ | ۲. |

| Soldy, | خواص اور فوائد | معنل | اسمارحسنل | مبرثمار |
|----------------------|---|--------|----------------|----------|
| -04 | اف کی عا دت ہو تو وہ اس اسمِ مُبارک کی <i>کثر</i> ہ | | | |
| | ے تلاوت کرے تو یہ عادتِ بَداس سے چپوٹ جا۔ اور شوقِ عبادت پیدا ہوجائے گ | گ | | |
| Ų | ص روزانهٔ تین ہزار مرتبہ ؓ اُلْحَیُّ " کا دِرد رکھے انٹاءالڈ کبھی ہمیار نہ ہوگا۔ بڑھی اس اہم مُبار | Jr. 60 | اَلْحَقُ ۱۸ | 41 |
| ×0 . | بنی کے برتن پرمشک اورگلاب سے لکھ کرشیری دھوکر پینے گا یاکسی دوسرے بمیار کو لائے گا توانشا | 二 号 | | |
| ر ا | كَ كَامِل نَصيب بُوگُ . ض بكثرت اس اسمِ مُباركٌ يَا قَسِيُّوُمُّ كَا وِا | | أأسوده | The same |
| اره | هے گا،انت اللہ لوگوں میں اس کی فرّت وساکھاز کی ،اور تنہائ میں بیٹھ کرورد کرے گا توانت ا | () E | الفيوم ١٥٦ | 400 |
| - | مال ہوجائے گا جوشخص صبح کی نماز کے بعد سے سور | 19 3 | | |
| Displaced Properties | ئے تک" یا تحقُ یا قَدِیُوُمُر" کا دِر د کی اگر۔ ماراللہ اس کی مسستی اور کابل دُور ہوجائے۔ | | | |
| 530 | دواً سماری تلاوت سے نیند کا غلبہ دُور ہوجا یا ۔ بستعدی پیدا ہوجاتی ہے۔ | 7 | | |
| - | ر مسمرن پیچ بونون ہے۔ ص کھانا کھاتے وقت" یکاؤاجِدُ" کا دِر در ک | N. | 2 Y 1 11 | |
| - T | ِ اس کے قلب کی طاقت وقوّت اور نورانیت مث ہوگی، انشارالٹار ۔ | | الوجور ۱۴ | 10 |

| خواص اور فوائد محامل | معنیٰ | اسمارحسنل | زشرار |
|---|------------|---------------------------------------|-------|
| ہوشخص تنہائ میں اس اسم مُبارک کواس قدر رہھے کہ بےخود ہوجائے توانٹ الٹداس کے قلب پر انوارِ الہتے ظاہر ہونے لگیں گے . | | آلمُاخِدُ ۳۸ | 44 |
| جوشخص روزانه ایک ہزار مرتبہ الواجید الدکھکہ پڑھا کرے گا، اس کے دل سے انت راللہ مخلوق کی مخبت اور خوف جاتا رہے گا جسشخص کی اولاد نہ ہوتی ہووہ اس اسم مُبارک کولکھ کراہتے پاس رکھے ۔ انت راللہ اس کو اولادِ صالح نصیب ہوگی ۔ | اي. اي. | اَلْهَاخِدُ اَلْاحَدُ اَلْاحَدُ | 44 |
| جوشخص محرک وقت مجدہ میں مردکھ ۱۱۵ یا ۱۲۵ مرتبہ اس اسم مُبارک کو پڑھے گااس کوانٹ رالٹہ ظاہری و باطنی سچائ نصیب ہوگی اور چوشخص باوضواسس اسم مُبارک کا دِر د جاری رکھے وہ انشاء اللہ فلوق سے بے نیاز ہوجائے گا ۔ اور کبھی ظالموں کے ہاتھ میں گرقبار نہ ہوگا ۔ اور جب تک اس اسم مُبارک کا ذکر کرتا رہے گا مُجُوک کا اثر نہ ہوگا ۔ | ナジ | اَلْحَمَٰلُ ۱۳۴ | 47 |
| بوشخص دورکعت نماز پڑھ کن ۱۰ مرتب "یا قادِر رُ" پڑھے گا اللہ تعالیٰ اس کے دشمنوں کو ذلسیاں ورسوا فرمادیں گے (اگروہ حق پر ہوگا) ۔ اگر کسی خص کو کوئ مشکل کام یاکسی کام میں دشواری یا دِقت پیشس | قررت والل | اَلْقَادِارُ ۳۰۵ | 49 |

| خواص اور فوائد | معنی | اسمارخسنل | ببغار |
|---|----------------------|-----------------------|-------|
| عَائِ تَواس، بار" يَاقَادِرُ" بِرُها انشارالله وه وشوارى دُور جوجائے گا . | | | |
| و شخص موکرا مخصف کے بعد مکبٹرت یکا صُفّت کِدِرُ کا درد کیا کرے یا کم از کم ہیں مرتبہ پڑھا کرے انشاراللہ سکے تمام کام آنمان ہوجائیں گے ۔ | ELS SEL SE | اَلْمُقْتَكِلُ ۲۳۳ | ۷. |
| وشخص جنگ کے وقت کٹرت سے یکا مُقَدِّمُ 'پڑھتا ہے گا اللہ تعالیٰ اسے (پیشقدی کی) قوت یقیناً عطا رما دیں گے اور دشمنوں سے محفوظ رکھیں گے۔ اور ج خص ہروقت 'یکا مُقدِّدِ مُر'' کا دِر درکھے گا انشاراللہ واللہ تعالیٰ کا مطع اور فرما نبر دارین جائے گا۔ | اورك كي خالا | اَلْفَادِّی ۱۸۴ | ۷۱ |
| و المنظم | يح اوربعرمي ركض والا | اَلْمُؤَخِّمُ ۸۳۲ | 24 |
| ئس شخص کے لڑکا نہ ہوتا ہو وہ چالیس دن تک چالیس رتبہ روز یا اَوَّلُ بڑھا کرے انشار اللّٰداسک ٹرا دپوری ہوگی۔ وُض مسافر ہو وہ تُبعہ کے دن ایک ہزار مرتبہ یا اَوَّلُ '' رُبھے، انشار اللّٰہ جلد وطن واپس بخریت پہنچے گا۔ | 赤 | اَلْاَقِلُ ۲۷ | ۷۲ |

| خواص اور فوائد مین در مین مین مین مین مین مین مین مین در مین در مین مین در مین مین در مین مین مین مین مین مین | معنیٰ | اسمارخسنل سه ، | غبثوار |
|---|--------------------|---------------------|--------|
| بوض روزار ایک ہزار مرتبہ "یا اُخِٹُ " بڑھا کرے اس کے دل سے غیراللہ کی محبّت دُور ہوجائے گی اور انشاء اللہ ساری عمر کی کوتا ہیوں کا کفارہ ہوجائے گا اور فاتمہ بالخیہ ہوگا . | ナンダ | الَّذِيْنُ ۸۰۱ | 200 |
| بَوْ شخص نَمَازِا شراق کے بعد پانچ سومرتبہ "یا نظاھِرٌ" کا ور دکیا کرے ،اللہ تعالیٰ اسک آنکھوں میں روشنی اور دل میں نورعطا فرمادیں گے، انشاء اللہ۔ | ジナル・ミナデンタ レ | اَلْظَافِلُ ۱۱۰۲ | ۷۵ |
| بَوْ خَصْ روزانه ٣٣ مِرْسِدٌ يَا بَاطِنُ بُرُها كَرِي كَا انشارالله اس برباطن اسرارظا بربونے لگیں گے اوراس کے قلب میں انسس و مُبَتِ اللّٰی پیلا ہوگ ۔ بو تفض دورکعت نمازا داکر کے ہوالاُؤک وَالْاُخِرُ وَالظّاهِرُ وَالْبَاطِنُ وَهُوعَلٰى كُلِّ شَى اِ قَدِيرُرٌ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ عَلَى اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهِ اللّٰهُ اللّٰهُ اللّٰهِ | :75 | آلْبَاطِنُ ۲۲ | 24 |
| بوض کشرت سے یا والی کاوردیکھے گا وہ ناگہانی آفوں سے انشاراللہ محفوظ رہے گا۔کولے آبخورے پریداہم مُبارک لکھ کراس میں پان بھر کرمکان میں چیڑے گا تو وہ مکان بھی انشاراللہ تمام آفتوں سے محفوظ رہے گا۔ آگر کسی کومنز کرنا چاہے توگیارہ مرتب | متول اورمتصرف | اَلُوالِيُ ٢٧ | 22 |

| نواص اور فوائد | معنیٰ | اسمارحشني | نبثار |
|---|-------|--------------|-------|
| باسم مُبارك پڑھ انشاراللہ وہ فرمانبردار ہوجائے | : | | |
| ا اس اسم مسارك ك كرت كلى كرك سعى | 1 | | |
| تفوظ رکھتی ہے۔ | | | |
| وْضِ كَتْرِت سِي يَامُنَعُ إِنَّ "كاوِرد ركص انت الله | | المنعال | ۷٨ |
| س کی تمام مشکلات رفع ہوجائیں گی ۔ اور پوٹورت حالت | 1 3 | ۵۵۱ | |
| يض ميں كثرت سے اس اسم مُبارك كا ورد ركھے ، | 1.2. | () va cessor | |
| نشاراللهٔ اسک تکلیف رفع ہوگ۔ ش | | | |
| و خص (نغو ذبالله) شراب نوش اور زنا کاری جیب برترین و مر | | ٱلْكِبُرُ | 49 |
| لناہوں میں مُبتلاہووہ روزانہ ساست <i>عرتبہ بی</i> راسم مُبارک | | 4.4 | |
| رُبع ،انشار الله ان گناموں کی رغبت جاتی کیے گی۔ | | | И, |
| وشخص حُبِّ دُنيامين مُنتِلا ہووہ اس اسمِ مُبارک وَکبْرت | | | |
| رصالی، انشارالله دُنیاکی محبت اس کے دل محباتی | 2 | 1 1 | |
| ہے گی ۔ جو شخص اپنے بخرے پدیا ہونے کے بعدای سات | 1 | i j | |
| رتبداس امیم مُبارک کو پڑھ کر دم کرے اور اللہ کے میرد | • | | |
| ارد، وه بلوغ تك تمام آفون سے مفوظ رہے گا | 1 | | |
| ورنيك بخت أنفے كا - | 1 | | |
| وشخص نمازِجا شت کے بعد ۱۳۰؍مرتبہ اس اسمِ مُبارک | 3 | A JÉN | |
| كويژهاكرے،انشارالنداسىتى تورىضىب ہو جو | 1.20 | المواب | ۸. |
| Survey 6 2 (Clean as a Cité | 13 | 1 | |

pes urdubook

| Moldb, | خواص اور فوائد | معنی | اسمأرحسن | نبتمار |
|---|--|---|-----------------------|--------|
| رنسی ظالم پر النداس سے | ہتمام کام آنسان ہوں گے۔اگ رتب پڑھ کرنٹچونکا جائے توانشارا نصیب ہوگ . | cus | | |
| يعي الشرتعالي | حق پر ہواور دشمن سے بدلہ لینے کی ہ تین مجُعہ تک بکٹرت کیا مُنْتَقِیم "پڑ ں سے انتقام لیں گے ۔ (یڈمل ناحق بہت سخت گناہ ہے) ۔ | الآ الله الموار الموارك | اَلْمُنْقِيْمُ ۲۳۰ | AI |
| زماد <i>ي گے،</i> | کٹرت سے یاعَفُوُّ رُبِعاکرے کے گناہوں کوانشارالٹرمعاف مے رصائے النی حاصل ہوگی۔ | 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - 10 - | ٱلْعَفُقُ ۱۵۲ | AY |
| ۔ اور جوشخص س آیم مُبارک ہوجائے گا یا | ی بکٹرت" یکا زَءُ وُفُّ کا ورد رہے بہربان ہوجائے گی اوروہ مخلوق پر رتب درود شریف اور دُس مرتبا مے توالٹ الڈاس کا خصد رفع ہ منبناک شخص پر دم کیا جائے تواس جائے۔ | 100 100 100 100 100 100 100 100 100 100 | اَلَّـُوْفُ ۲۸۶ | ۸۳ |
| ۔ پڑھتا ہے گا یاز فرمادیں گے | " يَامَالِكَ الْمُلْكِ" كوبمية الااس كوغن اورلوگوں سے بے نبر س كاممّاج مذرہے گا۔ | الله تعالم | مَالِلُكُلُكِ ۲۱۲ | ۸۳ |

| خواص اور فوائد | معنی | المارحشن | تمبثوار |
|--|--|---|---------|
| وشخص كثرت سے يَا ذَ الْجَلَالِ وَالْإِكْرُامِرِ بِرِّهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ الله | 多 | زُهُ الْجِلَالِ وَالْإِثْرَاحِ وَالْإِثْرَاحِيْ | ۸۵ |
| بخض روزانداس اسم مُبارک کو پڑھ کرے گاوہ کٹ رالندشیطانی و موموں سے مفوظ رہے گا۔ اوراگر سی خاص اور جائز مقصد کے لئے سات مو (۵۰۰) مرتبہ اس اسم مُبارک کو پڑھے گا انشاراللہ وہ مقصدحاصل ہگا۔ | 1 5 | اَلَمُقَنِّنُطُ ۲۰۹ | PA |
| س خص کے اعزار یا اجاب منتشر ہوگئے ہوں وہ اشت کے وقت غسل کرکے اور اسمان کی طرف منہ رکے دس مرتب "یا جائے ہے "بڑھے اور الیک انگل مرکز نے ۔ اس طرح ہر دس مرتب پرایک انگل بند رکا جائے ۔ اکثر میں دونوں ہاتھ منہ پر جیرے ، انشاراللہ گرا جائے ۔ اکثر میں دونوں ہاتھ منہ پر جیرے ، انشاراللہ گرا جائے النّاس لیکو چر لگا رکوئی جیڑتم ہوجائے تو اللّٰ اللّٰہ مُدَّ النّاس لیکو چر لگا رکوئی ہے۔ اگر کوئی جیڑتم ہوجائے تو اللّٰہ ہُدَّ کے النّاس لیکو چر لگا رکوئی ہے۔ انشار اللّٰہ مل جائے گی ۔ انتظام اللّٰہ ملّٰ جائے گی ۔ انتظام اللّٰہ مل جائے گی ۔ انتظام اللّٰہ ملّٰ ہے ۔ انتظام اللّٰہ ملّٰ جائے گی ۔ انتظام اللّٰہ ملّٰ ہے ۔ انتظام اللّٰہ ملّٰہ ہے ۔ انتظام اللّٰہ ہے ۔ انتظام اللّٰہ ہے ۔ انتظام اللّٰہ ملّٰہ ہے ۔ انتظام اللّٰہ ہے ۔ انتظ | 16.3/1-614 | اَلِجُافِعُ ۱۱۳ | ٨٧ |
| ر بت سے بن پر رہاہے مان ہے ، شخص روزار ستر(۱۰) مرتبہ" یا غَیْنی "پڑھا کرے گا شدتعال اس کے مال میں برکت عطافر مائیں گے اور نشارالٹد کسی کا ممتاج مذہبے گا جوشخص کسی ظاہری | 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1. 1 | اَلْغَنِيُّ ۱۰۲۰ | ^^ |

| Mordbi | خواص اور فوائد | معنیٰ | اسمارحسني | بتمار |
|--|--|---|----------------------|-------|
| بائے گا۔ | ، یا بُلامی <i>ں گرفتار ہو</i> وہ اپنے تم ردم کیا کرے الٹ اللہ نجات | جميرينه | | |
| ارک پڑھے رمائیں گے۔ بعد پڑھے، اگراس اسم | وآخرگیاره گیاره مرتبه درودش ره مرتبه وظیفه ک طرح بیاسم مُبا سکوظاهری وباطن غنارعطا ف کے بعد پڑھے یاعشار کی نمازکے فرسُورة مُزَمِّل مجی تلاوت کرے۔ کی سے صحبت سے بیشتر پڑھے آ | یاره سوگیا آیند آیند اینده الله اینده این کارکر این کے ساء | اَلْمُعْنِيُ ۱۱۰۰ | ۸۹ |
| ة وقت ٢٠مِرْتُ إا ورناچاق إ موجائے گ. گاانشاراللہ | ی سے میں سے پیمرورے ابوجائےگی۔ مرجگڑا یا ناچاق ہوتو بستر پر لیڈ کے اور ہاہی انس ومجت پیرا ساس اسم مُبارک کا ورد کھے طار اللہ وہ حاصل ہوجائے گا۔ باراللہ وہ حاصل ہوجائے گا۔ | سے فرنت پا اگر بیوں سے یہ اسمِ مُبارک ﷺ دُور ہوجائے ہوشخص بکشرہ ہرشرسے محفو | الْمَانِعُ ۲۰۱ | 9. |
| باطن آفتوں | مجعومیں مو (۱۰۰) مرتبہ" یکاہ نشاراللہ تمام ظاہری اور ر ہے گااور قرب خداوندی اسے حا | بوشض شبر آنج: کرے وہ ا | اَلطَّنْكُ ۱۰۰۱ | 91 |

| خواص اور فوائد | معنی | اسمارخشنيا | نبثمار |
|--|---|--|---|
| ہووہ یقینًا خواب میں نظر آجائے گا: | اراره | | |
| | | | |
| بوباره <i>فرتبه</i> باره دن پڑھے گا توجس | باره | | |
| THE | | | |
| | | | |
| 이 그런 하는데 그 가장에도 하고 하는데 얼마를 하면 돼요? 아니라 아니라 하다 하다. | 100 | الدكاقئ | 97 |
| | | ۱۱۳ | |
| | | | |
| The second secon | | | |
| | 1 4 4 | الوانث | 94 |
| | | 2.2 | XZ. |
| ر کہے اور خاتمہ بالخیر ہوگا ۔ اور ہو سختا رہے کہ میں میں میں میں اور ہو سکتا | الله المعفوظ | 12503000 | |
| رمیان ایک هزار مرتب پڑھے ہڑا میان | 35 3 | | |
| شانى سے انشارالند مفوظ رہے ھ | ورر | | |
| الولي- شد کار منظم مرادع م | وع | | _ |
| تص کواہیے سی مصاریا کام بی مار مذہ میں سے ایس کی میزان | 0. 12 | ألرَّشِيْكِ | 91 |
| | 3 | DIM | |
| لوات رانند تواب میں تدبیر نظرا: فالقار ہوجائے گا۔اگر روزار اس | 243 | | |
| | موه و يقينًا خواب من نظر آجائي. الم يا البكريئة العكمائيب بالخداد وباره مرتبه باره دن پڑھ گا توجس عاصل ہوجائے گا • (اَرْمُودہ ہے) الحکار عاصل ہوجائے گا • (اَرْمُودہ ہے) اللہ اس کو ہر طرح کے اورائٹ اللہ کو ہر طرح کے اورائٹ اللہ اس کو ہر طرح کے اورائٹ اللہ اس کے وقت مومرته کی اور خی و کے اورائٹ اللہ اس کے وقت مومرته کی اور خی و کے اورائٹ اللہ اس کے وقت مومرته کی اور خوشی و کے اور خوشی و کے اورائٹ اللہ ہوگا • اور چوشی و کے اس کا استاد اللہ ہوگا • اور چوشی و کے اس کا استاد اللہ مختوط رہے ہوگا • اور چوشی و کے اس کا استاد اللہ مختوط رہے ہوگا • اور چوشی و کے اس کا استاد اللہ مختوط رہے ہوگا • اور خوشی کو اپنے کسی مختصد بیا کام کی تک مختوب و عشار کے در میان ایک ہزاء مخرب و عشار کے در میان ایک ہزاء تو اس میں تدمیر نظر آجا ہوگا • اور خوشی کو اپنے کسی مختصد بیا کام کی تک کو تو انتظار اللہ خواب میں تدمیر نظر آجا ہوگا • اور خوشی کو اپنے کسی مختصد بیا کام کی تک کو تو انتظار اللہ خواب میں تدمیر نظر آجا ہوگا • اور خوشی کو اپنے کسی مختصد بیا کام کی تک کو تو انتظار اللہ خواب میں تدمیر نظر آجا ہوگا ہوگا و کو انتظار اللہ خواب میں تدمیر نظر آجا ہوگا ہوگا ہوگا ہوگا ہوگا ہوگا ہوگا ہوگ | اراده بووه یقینا خواب مین نظر آجائے گا۔ ارده بووه یقینا خواب مین نظر آجائے گا۔ بردہ موبارہ مرتبہ بارہ دن پڑھ گا توجیر بہلے حاصل ہوجائے گا۔ (اَرْمُودہ ہے) ہمنوظ رکھیں گے اورانٹ رالٹہ اس کے مقت مومرتبہ ہمنوظ رہے گا انٹ رالٹہ بررہ نج وغم اور سخی و ایک ہزار مرتب پڑھے ہوگا۔ ہمنوظ رہے گا انٹ رالٹہ بررہ نج وغم اور سخی و ایک ہزار مرتب پڑھے ہوگا۔ وربیٹ ان سے انشار اللہ مخفوظ رہے ہوگا۔ دفع ہوگا۔ دفع ہوگا۔ ہمن خص کو اپنے کسی مقصد یا کام کی تک ہووہ مغرب وعشار کے درمیان ایک ہزار ہوتا ہے کہ درمیان ایک ہزار ہوتا ہوتا ہے کہ درمیان ایک ہزار ہوتا ہے کہ درمیان ایک ہزار ہوتا ہوتا ہے کہ درمیان ایک ہزار ہوتا ہوتا ہے کہ درمیان ایک ہزار ہوتا ہوتا ہے کہ درمیان ایک ہزار ہوتا ہے کہ دوتا ہوتا ہے کہ دوتا ہے کہ | اداده بووه یقینا نواب مین نظر آجائی ادره بووه یقینا نواب مین نظر آجائی ادره بوده یقینا نواب مین نظر آجائی ادره بوده کاری بالغی العکاری بالغی العکاری کاره به دن پڑھ گاتو جس کے لئے پڑھ کا انشارات کو ایک بزار مرز کی مخوط رکھیں گے اورانش اللہ اس کو برطر ہ کے مخوط رکھیں گے اورانش اللہ اس کو برطر ہ کے مخوط رکھیں گے اورانش اللہ اس کو برطر ہ کے مخوط رکھیں گے اورانش اللہ اس کو برطر ہ کے کی مخوط رکھیں گے اورانش اللہ برز فوج مادر سوم تر کی کے درمیان ایک ہزار مرتب پڑھے ہو گا انسان اللہ مخوط رہے ہو گئی کے درمیان ایک ہزار مرتب پڑھے ہو کی درمیان ایک ہزار مرتب پڑھے ہو گئی درمیان ایک ہزار ہو گئی ہورہ مغرب وعشا رکے درمیان ایک ہزار ہو گئی ہورہ مغرب وعشا رکے درمیان ایک ہزار ہورہ مغرب و مغرب و مغرب و مغرب و مغرب وعشا رکے درمیان ایک ہزار ہورہ مغرب و مغرب |

| فوابكر | خواص اور | معنیٰ | اسمارخسنی | نبتمار |
|----------------|---|--|---|---|
| | | 713.4 | | |
| | | | | |
| 4 47 | | | | |
| | | | | |
| | | | اَلِقِينُولُ | 99 |
| | | | 191 | 1,747% |
| بت میں گرفتار | سىجى طرح كمُصير | بوشخص | | |
| ب کورٹیھے انشا | ب إس اسم مُبادك | بين مرته | | |
| | رانشاراند د چگن ترق بو کو اومید بو کامیاب دن هرٔصیب دن هرٔصیب دن هرٔصیب | اروباریس دن رات چوگی ترقی ہوا د بدراس اسمِ مُبارک کو یومی ہوا سال اس کی مغفرت کے اسباب فیار اللہ ۔ وہ انتہار اللہ اس بہلے سومرتبہ اس اور دشمنوں ، حاسدوں کی زبانیں ، سی بھی طرح کی تصیبت میں گرفتارہ | ورد رکھ توتمام مشکلات انشاراللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ عشار کے بعداس اسم مُبارک کو یومیہ ہو اللہ تعالیٰ اس کی مغرب کے اسباب کے انشار اللہ اس کی مغرب کے انشار اللہ اس کے انشار اللہ اس کے انشار اللہ اس کے انشار اللہ اس دن ہر مُصیب کے انسان کی زبانیں کو اور دشمنوں ، حامدوں کی زبانیں کو اور دشمنوں ، حامدوں کی زبانیں کو اور شمنوں ، حامدوں کی زبانیں کو تازی کی کو اور شمنوں ، حامدوں کی زبانیں کو تازی کی کے تازی کی کو تازی کی کو تازی کی کو تازی کی کو تازی کو تازی کی کو تازی کے کا تازی کی کو تازی کو تازی کی کو تازی کی کو تازی کو تازی کی کو تازی کو تازی کی کو تازی کر کو تازی کی کو تاز | ورد رکھے توتمام مشکلات انشاراللہ گاورکاروباریس دن رات پوگئی ترقی ہوئی اورکاروباریس دن رات پوگئی ترقی ہوئی اللہ عشار کے بعداس اسم مُبارک کو لومیہ ہو اللہ تعالیٰ اس کی مغرت کے اسباب بھے انشار اللہ و کے انشار اللہ و کی بیٹے موم تبدا ہو کہا ہو رشمنوں ، حامدوں کی زبانیں و کورٹیا میں موامدوں کی زبانیں و کورٹیا میں موامدوں کی زبانیں و کورٹیا میں موامدوں کی زبانیں و کا اور دشمنوں ، حامدوں کی زبانیں و کا مورٹیا میں موامدوں کی زبانیں و کورٹیا میں موامدوں کی زبانیں و کی موامدوں کی زبانیں و کی کھیل کے دور اسٹان موامدوں کی زبانیں و کی کھیل کے دور اسٹان کی زبانیں و کی کھیل کے دور اسٹان کی کورٹیا کی کھیل کے دور اسٹان کی کھیل کھیل کے دور اسٹان کی کھیل کی کھیل کے دور اسٹان کی کھیل کی کھیل کے دور اسٹان کی کھیل کے دور اسٹان کے دور اسٹان کی کھیل کے دور اسٹان کے دور اسٹان کی کھیل کے دور کھ |

کتابوں میں توان اسماؤ مبارکہ کے اور بھی ہے سنمار خواص اور فضیلتیں مذکور ہیں مگراخلاص واعتقاد اور بقین فوایان کے ساتھ اس قدر بھی کا نی ہیں۔ اللّٰہ سُبحانہ و تعالیٰ ہیں اسماؤ مبارکہ کی برکات سے نوازے اور دُنیا اور آخرت میں انہیں ہماری نجات کا ذریعہ بنائے۔ آمین ٹم آمین ۔ میں انہیں ہماری نجات کا ذریعہ بنائے۔ آمین ٹم آمین ۔ نوٹ: اسماؤ سُسیٰ کے کالم میں ہواسم مُبارک کے نیچ اسس نوٹ: اسماؤ سُسیٰ کے کالم میں ہواسم مُبارک کے نیچ اسس اسم پاک کے اعداد اجر بھی لِکھ دئے گئے ہیں۔



දිකරකුරිකර්කරකුරිකරකුරිකරිකරිකර ⁵⁴ විකරිකරිකරකුරිකරිකරකුරිකරකුරිකරකුරික

منزل

حامداً و مصَلِيًّا وَّ مُسْلِمًا ء

فیل میں جن قرآنی آیات کو درد کیا گیا ہے وہ ''منزل'' کے نام سے معروف ہیں۔ کنش و تعویذات کے مقابلہ میں آیات قرآ دیاور وہ وہا کمی جو حدیث پاک میں دارد ہوئی ہیں یقیناً بہت زیادہ مفید ومؤٹر ہیں۔ عملیات میں انہی چیزوں کا اہتمام کرنا جا ہے۔ فخر الرسل کھی نے دیتی یا دنیاوی کوئی حاجت اور فوض ایک نہیں چھوڑی جس کیلئے دعا کا طریقتہ نہ تعلیم فربایا ہو۔ ای طرح بعض مخصوص آیات کا مخصوص مقاصد کیلئے پر معنا مشارع کے گجر بات سے ثابت ہے۔

بید منزل آسیب، بحرادر بعض دوسرے خطرات سے حفاظت کیلئے آیک مجرب عمل ہے۔ یہ آیات کسی قدر کی بیشی کے ساتھ ' القول الجمیل' اور' بہشی زیور' میں بھی تکھی ہیں۔ القول الجمیل میں حضرت شاہ ولی اللہ محدث دیلوی قدس سرو تحریر فرماتے ہیں: '' یہ بینتیس (۳۳) آیات ہیں جو جادو کے اثر کور فع کرتی ہیں اور شیاطین ، چورول اور وزندے جانوروں سے حفاظت پناہ حاصل ہوجاتی ہے۔''

اور بہشتی زیور میں حضرت تھانوی نوراللہ مرفدہ تحریر فرماتے ہیں: ''اگر کمی پر آسیب کا شیہ ہوتو آیات ذیل لکھ کرمریش کے گلے میں ڈال دیں اور پانی پر دم کرکے مریش پر چھڑک دیں اوراگر گھر میں اثر ہوتو ان کو پانی پر پڑ مذکر گھر کے جاروں گوشوں میں چھڑک دیں۔''

معفرت مولانا محمد طلحه صاحب کا عرصلوی لکھتے ہیں: "ہمارے گھر کی مستورات کو بید مشکل پیش آتی کہ جب ووکسی مریضہ کیلئے اس مغزل کو تجویز کرتھی تو اسل کتاب میں نشان لگا کریانش کرا کروی بی پڑتی۔ اسلئے خیال ہوا کہ اگر اس کو ملیحد و ایک مستقل باب کی شکل میں طبع کرادیا جائے تو سہولت ہوجائے گی۔"

یہ بات بھی قابل لحاظ ہے کہ مملیات اور دعاؤں میں زیادہ دھل پڑھنے والے کی توجہ اور کیسوئی کو ہوتا ہے۔ جنتی توجہ اور عقیدت سے دعا پڑھی جائے اتنی ہی مؤثر ہوتی ہے۔ اللہ کے تام اور اس کے کلام یاک بیس بڑی برکت ہے۔ واللہ الموفق

يَسْمِ اللهِ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْمِ 0 الْحَمْدُ لِلْهِ رَبِ الْعَلَمِيْنَ 0 الرَّحْمُنِ السَّحِيْنَ 0 الرَّحْمُنِ الرَّحِيْمِ 0 الدَّيْنِ 0 إِنَّاكَ نَعْبُدُولِيَّاكَ نَسْتَعِيْنُ 0 إِهْدِنَا السَّرَاطَ الْمُسْتَقِيْنُ 0 إِمْ الدِّيْنَ اتْعَمُتَ عَلَيْهِمْ 0 غَيْرِ الْمَغْصُوبِ الشِّرَاطَ الْمُسْتَقِيْنَ 0 مِرَاطَ الَّذِيْنَ اتْعَمْتَ عَلَيْهِمْ 0 غَيْرِ الْمَغْصُوبِ عَلَيْهِمْ وَلَا الشَّمَ 1 فِيلَ مَا اللهِ 10 فِيلَ مَا اللهِ 10 فَيلَ الرَّحْمُنِ الرَّحِيْمِ 0 اللهِ 0 فَيلَ الْمَعْبُ الرَّحِيْمِ 10 اللهِ 0 فَيلَ المُعْبَدِ الْمُحْمَدِ الرَّحِيْمِ 10 اللهِ 10 فَيلَ المُعْبَدِ الْمُحْمَدِ اللهِ اللهِ اللهِ 10 أَنْهَ 10 فَيلَ اللهِ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 فَيلَ المُعْبَدِ اللهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهِ 10 أَنْهَ 10 أَنْهِ 10 أَنْهَ 10 أَنْهِ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهَ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَنْهَا 10 أَنْهَا 10 أَنْهُ 10 أَنْهُ 10 أَنْهُ 10 أَنْهَا 10 أَنْهَا 10 أَنْهِ 10 أَنْهُ 10 أَ

pesturd'

وَيُقِينِهُونَ الصَّالُوةَ وَمِمَّا رَزَقُنْهُمُ يُنْفِقُونَ ۚ وَالَّذِينَ يُؤْمِنُونَ بِمَآ ٱنُزِلَ إِلَيُكَ وَمَآ ٱنُزِلَ مِنْ قَبُلِكَ ۚ وَبِالْاٰخِرَةِهُمُ يُوْقِنُوُنَ ۗ أُولَٰلِكَ عَلَى هُدًى مِنْ زَيْرِمُ وَأُولَاكِكَهُمُ الْكُفُلِحُونَ وَالْهُكُمُ إِلَّهُ وَاحِدً ۚ لَا إِلَّهَ اللَّهُ وَاحِدً اللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَاللَّهُ وَال الزَّحْمٰنُ الرِّحِيْمُ ٥ اللهُ لَا إِلَّهُ اللَّهُ وَالْحَتُ الْقَيُّومُ هُ لَاتَأْخُذُهُ سِنَةً وَّلَانَوُمُّ لَهُ مَا فِ السَّمَوٰتِ وَمَا فِي الْأَمْ ضِ مَنُ ذَاالَّذِي يَشْفَعُ عِنْدَهُ إِلَّا بِإِذْ نِهِ يَعُلَمُ مَا بَيْنَ آيُدِيْهِمْ وَمَاخَلْفَهُمْ ۚ وَلَا يُحِيُطُونَ بِشَيْءِ مِّنُ عِلْمِهَ إِلَّا بِمَاشَاءً وَسِعَ كُرْسِيُّهُ السَّمَاوْتِ وَالْأَرْضُ وَلَا يَــُوُدُهُ حِفْظُهُمَا وَهُوَالْعَلِيُّ الْعَظِيُّمُ لِآ اِكْرَاهَ فِي الدِّيْنِ قَدُتَّبَيَّنَ الرُّشُّدُمِينَ الْخَيِّ

فَمَنُ يَكُفُرُ بِالطَّاغُوْتِ وَيُؤْمِنُ بِاللَّهِ فَقَدِ اسْتَسُكَ بِالْعُرُوةِ الْوُثْقَىٰ لَا انْفِصَامَ لَهَا وَاللَّهُ سَمِيعٌ عَلِيْمٌ اللَّهُ وَلِيُّ الَّذِيْنَ الْمُنُوا يُخْرِجُهُمْ مِينَ الظُّلُمٰتِ إِلَى النُّورُ وُوَالَّذِيْنَ كَفَرُوْآ اَوْلِيْنَهُمُ الطَّاغُونُ كُنُورِجُونَهُمْ مِينَ السُّورِ إِلَى الظُّلُماتِ أُولَيْكَ آصُحٰبُ النَّارِّهُمُ فِيْهَا خُلِدُ وُنَ ﴿ رُورِةِ البَرِّةِ آيَتِ ٢٥٥) لِلَّهِ مَا فِي السَّمُواتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَإِنْ تَبُدُوْ اِمَا فِي آنْفُسِكُمُ اَوْتُخْفُوهُ يُحَاسِبُكُمُ بِهِ اللَّهُ فَيَغُفِرُلِمَنُ يَّشَاءُ وَيُعَذِّبُ مَنْ لِتَشَاءُ وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءً قَدِيُرُ الْمَنَ الرَّسُولُ بِمَا ٱنْزِلَ إِلَيْهِ مِنُ زَيِّهٖ وَالْمُؤُمِنُونَ كُلُّ امَّنَ بِاللَّهِ وَمَلَلِّكَتِهِ وَكُتُبِهِ وَرُسُلِهُ ۖ لَا نُفَرِّقُ بَيْنَ آحَدِقِنُ زُسُلِهُ ۖ وَقَالُوا سَمِعْنَا

وَاَطَعُنَاغُفُوانَكَ رَبِّنَا وَإِلَيْكَ الْمَصِيْرُ ٥ لَا يُكَلِّفُ اللَّهُ نَفْسًا إِلَّا وُسُعَهَا ۚ لَهَا مَا كسّبَتُ وَعَلَيْهَا مَا الْكُتَسَبَتُ رَبَّنَا لَا تُؤَاخِذُ نَا إِنُ نِسَيْنَا أَوْآخُطَأُنَا رَبَّنَا وَلَا تَحْمِلُ عَلَيْنَا إَصُرًّا كَمَا حَمَلْتَهُ عَلَى الَّذِيْنَ مِنُ قَبُلِنَا ۚ رَبَّنَا وَلَانَحُ مِلْنَا مَالَاطَاقَةَ لَنَابِهُ ۚ وَاعُفُ عَنَّا فَفَ وَاغْفِرْلَنَا وَمَ وَارْحَمُنَا وَمَ أَنْتَ مَوْلَانَا فَانْصُرُنَا عَلَى الْقَوْمِ الْكُلِفِرِينَ ۞ (مورة البقرة آخرى آيات) شَهِدَاللَّهُ أَنَّهُ لَا إِلٰهَ إِلَّاهُوِّ وَالْمَلَكِكَةُ وَأُولُوا الْعِلْمِرِقَا بِمَّا بِالْقِسُطِ ۚ لَاۤ إِلٰهَ إِلَّا هُوَالْعَزِيْزُ الْحَكِيمُ (سُورة آلَ عَرَان آيت ١٨) قُلِ اللَّهُمِّمُ لِلِكَ الْمُلْكِ تُؤْتِي الْمُلْكَ مَنْ تَشَاءُ وَتَنْزِعُ الْمُلْكَ مِمْنُ تَشَاءُ وَتُعِزُّمُنُ تَشَاءُ وَتُذِلُّ مَنُ تَشَاءُ بِيدِكَ الُخَيُرُ إِنَّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْ ۚ قَدِيْرُ ٥

تُولِجُ الْمَيْلَ فِي النَّهَارِ وَتُولِجُ النَّهَا وَ فِي الْيُلُ وَتُخْرِجُ الْعَنَّ مِنَ الْمَيِّتِ وَتُخْرِجُ الْمَيْتَ مِنَ الْحَيِّ وَتَرُزُقُ مَنْ تَشَاءُ بِغَيْرِحِسَابِ٥ (آنِ عران، آيت ٢٧،٢٧) إِنَّ رَبُّكُمُ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ السَّمْوٰتِ وَالْأَرْضَ فِيُ سِتَّةِ آيَامِ ثُمَّرَاسُتَوٰى عَلَى الْعَرُشُ يُعُشِى الْيُلَ النَّهَا رَيُطُلُبُهُ حَثِيْثًا وَّالشَّمْسَ وَالْقَمَرَ وَالنَّجُوْمَ مُسَخَّرْتِ بِآمُرِهِ ٱلْالَهُ الْخَلْقُ وَالْاَمُرُ تَبَارَكَ اللهُ زَبُّ الْعُلَمِينَ ۚ أَدُّعُوْارَبَّكُمُ تَضَرُّعًا وَّخُفْيَةً ۚ إِنَّهُ لَا يُحِبُّ الْمُعُتَدِيْنَ ٥ وَلَا تُفْسِدُ وَافِي الْأَرْضِ بَعُدَ إِصْلَاحِهَا وَادُعُوهُ خَوُفًا وَّطَمَعًا ۚ إِنَّ رَحُمَتَ اللَّهِ قَرِيبُ مِينَ الْمُحْسِنِينَ (سُورة الاعراف آيت ١٥ ٥ تا٢٥) قُلِ ادْعُوااللَّهُ آوِادُعُواالْتَرْمُانَ ۗ آيًّامَّا تَدُعُوا فَلَهُ الْأَسُمَاءُ الْحُسْنَى وَلَاتَجُهَرُ

بصَلَاتِكَ وَلَائَخَافِتْ بِهَاوَابُتَغِ بَيْنَ ذْلِكَ سَبِيُلًا وَقُلِ الْحَمَٰدُ لِلْهِ الَّذِي لَمُ يَتَّخِذُ وَلَدًا وَلَمُ يَكُنُ لَّهُ شَرِيُكُ فِي الْمُلُكِ وَلَمُ يَكُنُ لَّهُ وَلِيٌّ مِّنَ الذَّلِّ وَكَبِّرُهُ تَكُبِيرًا ٥ (مورة بن اسرائيل، آيت ١١١٥١) <u>ٱ</u>فَحَسِبُتُمُ اَنَّمَا خَلَقُنْكُمُ عَيَثًا وَّانَّكُمُ اِلَيُنَالَانُّرُجَعُوُنَ ۚ فَتَعَالَى اللَّهُ الْمَلِكُ الْحَقُّ لَاۤ إِلٰهَ اِلَّاهُوَ ۚ رَبُ الْعَرُشِ الْكَرِيْمِ وَمَنْ يَدُعُ مَعَ اللَّهِ اللَّهُ اخْرُ لَا بُرُهَانَ لَهُ بِهُ فَإِنَّمَا حِسَابُهُ عِنْدَرَتِهِ ۚ إِنَّهُ لَايُقُلِحُ الْكَلْفِرُونَ°وَقُلُ زَبِّ اغْفِرُ وَارْحَمُ وَانْتَ خَيْرُ الرَّاحِينَ ٥ (مُورة المؤمنون، آیت ۱۱۵ تا ۱۱۸) بسمالله الرَّحُمٰن الرَّحِيْمِ

بِسُمِ اللَّهِ الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ ٥ وَالصَّفَّتِ صَفًّا ٥ فَالزَّاجِرَاتِ زَجُرًا ٥ فَالتَّلِيْتِ ذِكْرًا ٥ إِنَّ الِهَكُمُ لَوَاحِدٌ ٥

رَبُّ السَّمْوٰتِ وَالْأَرْضِ وَمَا بَيْنَهُمَا وَرَبُ الْمَشَارِقِ إِنَّا نَهِ يَنَّا السَّمَاءَ الذُّنْيَابِزِيْنَةِ إِلْكُوَاكِبِ وَحِفْظًا مِنْ <u>كُلِّ شَيْطُنِ مَّارِدٍ ۞ لَايَسَّمَّعُوُنَ إِلَى</u> الْمَلَا الْأَعْلَى وَيُقْذَفُونَ مِنْ كُلّ جَانِبِ ٥ دُحُورًا وَلَهُمُ عَذَابٌ وَاصِبُ إِلَّا مَنْ خَطِفَ الْخَطْفَةَ فَأَتْبُعُكُ شِهَابٌ تَاقِبُ°فَاسُتَفْتِهِمُ اَهُمُ اَشَدُّ خَلُقًا ٱمَّنُ خَلَقُنَا ۚ إِنَّا خَلَقُنْهُمْ مِنْ طِيْنٍ لَّا زِبِ٥ (سُورة الصُّفَّت،آيت ا تا ١١) ليَعَشَرَالُجِنَ وَالْإِنْسِ إِنِ اسْتَطَعُتُمُ آنُ مَتَنْفُذُ وُامِنُ اَقُطَارِ السَّمَا وْتِ وَالْأَرْضِ فَانُفُذُوٰ الْاَتَنُفُذُونَ إِلَّا بِسُلْطِن ۚ فَبَاَيِ الْآءِ رَبِّكُمَا تُكَذِّبْنِ ٥ يُرُسَلُ عَلَيْتُمَا شُوَاظُومِنُ نَارِ ۗ وَنُحَاسُ فَلَاتَنُتُصِرٰنِ٥ فَيِاَيِ ٰالَّآ ۚ وَيَّكُمَا ثُكَذِّ لِنِ°فَاذَا انْشَقَّتِ

السَّمَاءُ فَكَانَتُ وَزُدَةً كَالِدِّهَانِ°فَبَاَيّ ٵڒۜٙءؚۯٮۜڲؙٵؾٛڰۮؚٙڹڹ٥ڡؘؽۅؙڡؠۮٟڒٙڒؽۺؙٮۧڷ عَنُ ذَنْنِهَ إِنْسُّ وَلَاجَانُ ۗ فَبِاَيِ الْآءِ رَيِّكُمَا تُكَذِّبِنِ ٥ (مُورة الرَّيْن، آيت ٣٣ تا ٣٠) لَوُ أَنُزَلُنَا هٰذَاالْقُرُانَ عَلَى جَبَلِ لُرَابِيَّتَهُ خَاشِعًامُّتَصَدِّعًامِّنُ خَشْيَةِ اللَّهِ وَتِلُكَ الْإَمْتَالُ نَضُرِبُهَالِلنَّاسِ لَعَلَّهُمُّ يَتَقَكَّرُونَ هُوَاللَّهُ الَّذِي لَا إِللَّهَ إِلاَّهُ وَعَلِمُ الْغَيْبِ وَالشَّهَادَةِ هُوَالرَّحُمٰنُ الرَّحِيْمُ هُوَ اللُّهُ الَّذِي لَا إِلٰهَ إِلَّاهُوَّ ٱلْمَاكُ الْقُدُّوسُ السَّلْمُ الْمُؤْمِنُ الْمُهَّيْمِنُ الْعَزِيْزُ الْجَبَّارُ الْتُتَكَبِّرُ سُبُحٰنَ اللَّهِ عَمَّا يُشُرِكُونَ ٥ هُوَاللَّهُ الْخَالِقُ الْبَارِئُ الْمُصَوِّرُكَهُ الْإَسْمَاءُ الْحُسُنَى لِيُسَيِّحُ لَهُ مَا فِي السَّمَاطِيتِ وَالْأَرْضُ وَهُوَالْعَزِيُزُالْحَكِيْمُ (مُورة الحشر،آيت ٢١ تا٢٢)

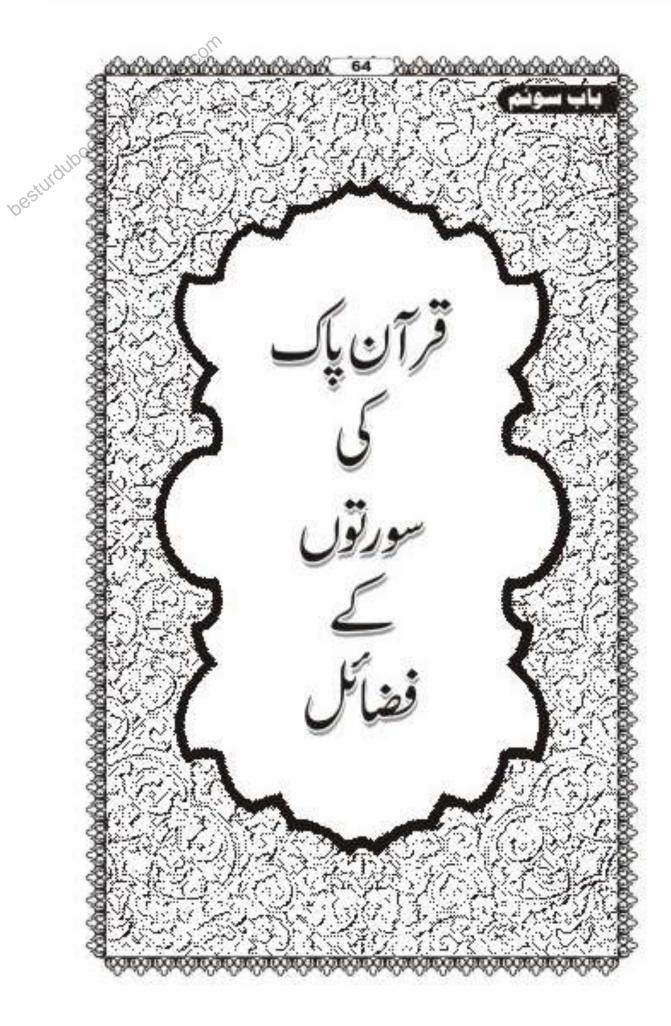
بشيرالله الزَّحُمٰنِ الزَّحِيْمِرِ٥ قُلُ أُوْجِيَ إِلَىٰٓ اَنَّهُ اسْتَمَعَ نَفَرُّمِينَ الْجِنّ فَقَالُوۡۤ ٳنَاسَمِعُنَاقُرُانَاعَجَبًا ۚ يَهُدِيَ إِلَى الرُّمَٰذِ فَأَمَنَّابِهِ ۗ وَكَنُ نُتُولِكَ بِرَيِّنَآ آحَدًا ۗ وَٓٳنَّهُ تَعَالَىٰ جَدُّ رَبِّنَا مَااتَّخَذَ صَاحِبَةً وَّلَا وَلَدًا ۚ وَأَلَّا وَلَوَّا وَأَنَّهُ كَانَ يَقُولُ سَيفَهُ فَأَعَلَى اللَّهِ شَطَطًا ۞ (مُورَةُ جن ،آيت ا تام) بسُمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ٥ قُلُ يَا يُهَا الْحُفِرُونَ ۞ لَاۤ اَعُبُدُمَا تَغُبُدُونَ وَلَآ أَنْتُمُ عَٰبِدُونَ مَاۤ اَعُبُدُ وَلَا آنَاعَابِدُ مِنَّاعَبَدُ ثُمُ وَلَا آنُتُمُ عٰبدُونَ مَآ اَعُبُدُ ۗ لَكُمْ دِيُنِكُمْ وَلِيَ دِينُن ۞ (سُورة الكافرون) بشيرالله الزَّحُمٰن الزَّحِيْدِ ٥ قُلُ هُوَاللَّهُ آحَدُّ ۞ اللَّهُ الصَّمَدُ۞ لَمْ بَلِدُهُ ۗ وَلَمُ يُولَدُ ۗ وَلَمُ يَكُنُ لَـٰهُ

كُفُوًّا آحَدُّ (مُورة اخلاص) بسُواللهِ الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ ٥ قُلُ اَعُوُذُ بِرَبِ الْفَلَقِ ٥ مِنْ شَرِّمَـا خَلَقَ°وَمِنُ شَرِّغَاسِقٍ إِذَا وَقَبَ°وَ مِنُ شَرَالنَّفَتْتِ فِي الْعُقَدِ ٥ وَمِنُ شَرِ حَاسِيدٍ إِذَا حَسَدَ ٥ (مُورهُ فاق) بشيرالله الزَّحُمٰنِ الزَّحِيْدِ ٥ قُلُ اَعُوُذُ بِرَبِ النَّاسِ مَالِكِ النَّاسِ ٥ الله النَّاسِ°مِنُ شَرِّالْوَسُوَاسِ اللَّهُ الْخَنَّاسِ اللهِ النَّاسِ اللَّهُ الْخَنَّاسِ الَّذِي يُوَسُّوسُ فِي صُدُوْدِالنَّاسِ ٥ مِنَ الْجِنَّةِ وَالنَّاسِ ٥ (مُورة ناس)

کام کاج سویرے شروع کروانشاء اللہ برکت ہوگی۔

منز الغاری کا بیان ہے کہ اللہ کے رسول عظیمہ نے دعا فرمائی ہے کہ "اے اللہ! سورے میں اللہ میرے میں میری امت کیلئے برکت عطافرما"۔ چنانچہ خود آ مخضرت عظیمہ جب کوئی الشکر جباد کیلئے روانہ اللہ میں اللہ میں میں دوانہ کرتے۔

کہتے ہیں کہ حضرت ضمر آلیک تاجر آ دی تھے وہ اپنا تجارتی مال ہمیشہ میں سورے بھیجا کرتے تھے اس کی برکت سے وہ خوش حال اور سرمایہ دار ہو گئے۔ (ائن ماجہ)



දිකරකුරිකරිකරකුරිකරකුරිකරකුරික ⁶⁵ විකරිකරකුරිකරකුරිකරකුරිකරකුරිකර

قرآن یاک کی سورتوں کےخواص

انًا نَعْنُ نَوَّلُنَا الدَّكُوَ وَانَّا لَهُ لَعَلِمُلُونَ كَ صداقت ہے بجر پورالفاظ كَى گوائى چود وصديال گرر جانے كے باوجود تمام حقائق پورے شدومد كے ساتھ و دے رہے جيں۔ قرآن واحد آسانی کمتاب ہے جو گریف و ترمیم ہے مبرا ہے۔ قرآن كا كھلا چیلنے ہے كہ تمام جن وائس ايك دوسرے كے مددگار ومعاون بن كربھی اس كی مض نہيں لا سكتے ۔ قرآن نے چیلنے كے طور پر ایک سورة كے الفاظ بھی استعمال كئے جيں كہ پچھ نيس تو اس كی مانندا یک سورت ہی مانگر لے آئے۔

قرآن کی موجودہ ترتیب نزولی نہیں بلکہ توقیفی ہے جس کو حضور اکرم رسالت مآب حضرت محمد علاق نے اللہ کے رضا کے مطابق ترتیب دیا ہے۔ بالکل ایسے جیسے کوئی ماہر جو ہری تکمینہ میں تمام پھروں کومناسب ترین اور کامل ترین ترتیب میں جڑتا ہے۔ قرآن تمام بنی نوع ونسان کے تمام مسائل اور مصائب کاحل احسن ترین طریقے سے جُش کرتا ہے۔ قرآن پاک کی سورتوں اور بعض سورتوں کی آیات میں موجود سریست خزانے کی مشاہدات میں جھک مندرجہ ذیل ہے۔

سورة الفاتحه(١)

ہے۔ سورۃ فاتحہ کوسر کے درد کیلئے ماتھے پر ہاتھ رکھ کر پڑھیں اول وآخر درودشریف اور وم کرے تمام دروسر اور دردشقیقہ کے درد کومفید ہے تین دن ایسا کرے ان شاہ اللہ رہت ہوگا۔ ہوگا۔ ہیں ہوگا۔ ہیں ہوگا۔ ہیں ہوگا۔ ہیں ہوگا۔ ہیں ہوگا۔ ہیں ہوگا۔ ہی ہوگا۔ ہی ہوگا۔ کرے بیان بردم کرکے پیا تیں۔ انشاء اللہ مفید ہوگا۔ ہی مخترات کیلئے اکتالیس بار بعد سنت فجر وقبل فرض اول وآخر درودشریف سات سات سات بار دعا زاری ہے کیا کریں۔ ہی فتح بالی کیلئے گیارہ بار پرھ کرا ہے کام کو جاری رکھیں۔ ہی ہوگا۔ ہی سند کل کشائی کیلئے اکیس بار پڑھیں۔ ہی آگرزوجین کے درمیان محبت نیس تو اکیس بار پڑھیں۔ ہی آگرزوجین کے درمیان محبت نیس تو اکیس بار پڑھیں۔ ہی آگرزوجین کے درمیان محبت نیس تو اکیس بار کی شریق وقید سے دودوسرے بارکسی شریق و فیرو پر پڑھ کر چندایام تک زوجین کو کھلا وے۔ ہی جسکو محبت ہو جات گی۔ ہی اول و آخر درودشریف ہر کام کے ساتھ پڑھیں اور سورۃ الفاتحہ ہر دکھ کی دوا ہے۔

فوائدسورة البقرة وآلعمران (٣٠٢)

ہے جس گھر میں بیسورتیں تین دن رات پڑھی جا کمیں جن وشیاطین اس گھر میں داخل نہ ہوں ' گے اور پڑھنے والے پر قیامت کے دن سامیہ کریں گی۔ جس پر بحر ہو چکا ہو وہ ان سورتوں کی گھڑت سے تلاوت کرے بحر دور ہوجائے گا۔

ہ اللہ جس گھر میں سورۃ البقرۃ کی آخری دو آیتیں تین راقبی پڑھی جاویں اس میں شیطان قریب نبیس آتے رات کو پڑھی جاویں اگر اس میں موت آگئی تو اس کی مغفرت ہوگی اور چور وغیرہ جیسی بلاؤں ہے محفوظ رہے گا۔

خواص آيية الكرى

جڑے جو محض ان آینوں کو ہر روز ہر نما ذکے بعد پڑھا کرے شیطان کے دسوے اور سرکش شیطان کے کروفریب وایڈ اے محفوظ رہے گا۔ اگر فقیر ہوگا تو بالدار ہوجائے گا۔ اور حق تعالی اس کو ایسے طریق ہوگا۔ تی مدوقا ہے گا۔ اور حق تعالی اس کو ایسے طریق ہوگا۔ تی دوزی عطا فرما ئیں گے جس کا وہم و گمان بھی نہ ہوگا۔ می وشام اور گھر بیں واخل ہوتے وقت اور بستر پر لیلئے وقت ہمیشہ پڑھنے سے جر، سرق او عرق سے محفوظ رہے گا۔ محت نصیب ہوگی اور ہر متم کے خوف اور اندیشہ سے سالم رہے گا۔ اگر ان آیات کو شکری پر لکھ کر علیہ میں رکھ دیں تو وہ چوری اور گھن سے محفوظ رہے گا۔ برکت ہوگی۔ اس آیت کو دکان میں یا مکان میں اور چی جگہ رکھ دیں تو رزق میں زیادتی ہوگی۔ فاقہ نہ ہوگا اور وہاں چور نہ آئے گا۔

آية الكرى به فبا خالدون تك يرهيس

الله آیت الکری کے ایک سوستر حروف میں جو مختص اس تعداد کے مطابق آیة الکری پڑھ کرحق تعالیٰ ہے جو مراد مانے گالے گالے گی۔ ورجہ اور مرتبہ میں ترتی ہوگی۔ رزق میں اضافہ ہوگا قرض ادا ہوجائے گا اور شیطان اور جنات کی شرارت ہے محفوظ رہے گا۔ عمر پھر میش و آرام ہے رہے گا۔ اور کوئی مختص قول یافعل ہے کے مشم کا ایذانہ پہنچائے گا اوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کا کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کا کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کا کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کہ کا میں کا ایڈانہ ہو ہو کے میں میں معزز و مکر بن جائے ہو کہ کا کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کہ کا کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کا کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کہ کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے ہو کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے کا دور شیطان کی خوالے کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے کا دور شیطان کی خوالے کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے کی خوالے کوگوں کی نظروں میں معزز و مکر بن جائے کی خوالے کی خوالے کی نظروں کی نے کا نواز کوگوں کی نظروں کی نظروں کی نظروں کوگوں کی نواز کوگوں کی نظروں کی نواز کوگوں کی نواز کر کوگوں کی نواز کوگوں کی نواز کوگوں کی نواز کوگوں کی نواز کوگوں کی کوگوں کوگوں کی کوگوں کی کوگوں کی کوگوں کوگوں کوگوں کوگوں کی کوگوں کوگوں کی کوگوں کوگوں کی کوگوں کی کوگوں کوگوں کی کوگوں کوگوں کوگوں کوگوں کی کوگوں کوگوں

الله المحقوض بروزگار بوملازمت ندملتی بو بدا غنی یا فشاع با درای تیمن بزارایک مرتبه پڑھ کر آیت الکری ایک موستر مرتبه پڑھے گا نوکری مل جائے گی۔

ایک تکری روزانه چویش بلغی دور بوگار ایک تکری روزانه چوسیس بلغی دور بوگار

اورخالم وجابرحاكم مبريان بوكايه

الله مركى كريش يركياروم تبه يؤه كر پيونلين تواس كادوره دور بوجائ كا-

🖈 اگررات کوسوتے وقت تین مرتبہ پڑھے تو گھر ہیں چورڈا کوآسیب جن ہے محفوظ رہے گا۔ اورانسان ڈراؤنے خوابوں سے بچار ہے گا۔

خواص سورة النساء (٣)

بڑے اس سورہ کی تلاوت ہے گنا ہوں ہے چھٹکا را حاصل ہو گا۔اگر کو ٹی عورت مروز ٹامیں مبتلا ہوں اول وآخر گیارہ گیارہ مرتبہ درود ابراہی اور درمیان میں سات مرتبہ سورۃ النساء پڑھ کر اس کا یانی بلائے اس کی برکت سے انشاء اللہ تعالی نیک صالح ہوجا تمیں گے۔

خواص سورة المائده (۵)

الله اگر کوئی گفض یاوضوا ۴ مرتبه سورة المائد و کویژھے تو اس کے گھر والے فاقدے محفوظ رہیں اوراس کا پڑھنے والا و نیا کے لوگوں کی نگاہ میں عزیز ہوگا۔انشاءاللہ تعالیٰ

خواص سورة الانعام (٢)

الله المحصل الانعام كو باوضوا كتاليس مرتبه يزع بيئ انشاء الله تعالى برمشكل حل بهوكي اور بر مقصد میں کا میابی ہوگی۔

خواص سورة الاعراف(4)

🖈 اگرکوئی فخص باوضوعرق گلاب اورزعفران سے سور واعراف کو یاک کاغذ پر لکھے اور موم جامہ كرك ايينة ياس ركھے ووانشاءاللہ تعالیٰ آئکھ کی تکلیف اور آئکھ کے زخم ہے صحت یاب ہوگا۔

خواص سورة الإنفال (٨)

🖈 اگر کوئی ناخل قید ہوگیا ہوتو اس کی روزانہ تلاوت ہے وہ اللہ تعالیٰ کے فضل وکرم ہے رہا ہوجائے۔ نیز اس کا پڑھنے والا ہمیشہ کامیاب رہے، عزت حاصل ہو دشمنوں پر ہیبت طاری ہو الرئس مخض كوظالم حاكم يا عدالت من جانا يرب اور يريثان موتواس كوجاب كـسورة الانفال

ا المورموم حامه کر کے گلے بیٹن ڈالے بادا کس باز ویر باند ھے۔انشاءاللہ تھائی جا کم انگان

کھے اور موم جامہ کرکے گلے میں ڈالے یا دائیں باز ویر باندھے۔انشاءاللہ تعالیٰ حاکم ایس کے ساتھ زی ہے چیش آئے گا۔

خواص سورة يونس (١٠)

ہوں و شمن پر خلید پانے اور خلیہ حاصل کرنے کیلئے سورۃ پونس کی تلاوت بہت اکسیر ہے۔ اس کی کثرت سے تلاوت آ دمی کو فتح وظفر سے ہمکنار کرتی ہے۔ ہر مشکل کیلئے اس کی تلاوت اس مشکل کوآسان بنادیتی ہے۔

خواص سورة بهود (۱۱)

ہیں۔ ہرمشکل گھڑی میں سورہ ہود کی علاوت بہت فائدہ مند ہے اس کے پڑھنے ہے وشمن مغلوب رہتا ہے۔

خواص سورة يوسف (١٢)

ا ہے جہت ہراری اور ضرورت کیلئے سورہ پوسف کی تلاوت بہت اہم ہے اگر کوئی تخص اپنے عبدے سے معزول ہوگیا ہو یا نوکری سے نکال دیا گیا ہوتو اس کی کثرت سے تلاوت کرے انشاء اللہ واپس اپنے عبدے پر بحال ہوگا۔ اگر کوئی غریب و ناوار ہوتو اس کی تلاوت کرنے سے بھکم خداختی اور مال وار ہوگا۔

الله جو محض قرآن یاک حفظ کرنا جابتا ہے تو سب سے پہلے سورۃ یوسف حفظ کرے انشاء اللہ قرآن یاک با سانی حفظ ہوگا۔

خواص سوره رعد (۱۳)

ا الربچ كثرت بروتا موقواس پردم كرنے سے بچے ہشاش بشاش رہاس كالفش باوضو ككوكر گلے ميں ڈالے يا دائيں بازو پر بائد سے انشاء اللہ تعالى ووضح آسيب يا جن كارت سے محفوظ رہے گا۔اور ظالم حاكم مے محفوظ رہے گا۔

ا جنا جنل خانہ سے رہائی کیلئے ہاوضوم فرب اور عشاء کے درمیان اکیس بار پڑھیں اور اگر بچہ روتا ہوتو تمین بار پڑھ کر بچے پروم کریں۔مجرب ہے۔

خواص سورة ابراجيم (١٢) الله بيه موره بحرے نجات كيلئے بہت مفيد ہے۔اگر کمی مخفس كی قوت مرد می بحر كے ذريعے باندھ 🕽 وی گئی ہوتو روزانہ مل بار سورۃ ابرائیم تلاوت کرنے سے سحر باطل ہوگا اور قوت مردمی بھال ہوجائے گی۔اوراللہ تعالی کے فضل وکرم ہے دومرادا بی اصلی حالت پر آ جائے گا۔ خواص سورة الحجر (١٥) ہے۔ اگرجگر بڑھ گیا ہو یا بخت ہو گیا ہوسات بارپیٹ پر دم کریں تکلیف جاتی رہے گی۔ الا اگر کوئی صحف سورة الحجر کوز عفران کے یانی ہے باوضو لکھے اور یاک یانی ہے دھو کرعورت کو یائے تو بھکم خدااس کا دودھ بہت زیادہ ہوگا۔ ﷺ جب کوئی چیزخریدے یا فروخت کرے اگراس پرسورہ المجریز ھاکردم کرے تواس مال میں ىركت ہوگى۔ سورة النحل (١٦) الله الركمي فخض ك وثمن اس جان س مارنا جائي جون اوراس بلاكت كا خوف بوتو سورة النحل کوایک بیٹھک میں ایک آ ومی یا گئی آ ومی ایک سومرتبہ پڑھیں انشاءاللہ تعالٰی وشمن اس کے قرمال ہردار ہوں مے اور اگرا طاعت نہ کی تو ہریشان اور ذلیل ہوں گے۔ الله اگر کسی کے دشمن ایک حبکہ جتھا بنا کر نقصان پہنچانا میا ہتے ہوں تو سور واتفل کو تمین مرتبہ مڑھے انشاء اللہ وشمن منتشر ہوں گے۔ سورة الاسرى (١٤) 🖈 🗀 سوره الاسري كا روزانه باوضو تين مرتبه پيڙهنا دو جبال كي تر تي ، كاميا يي ،حصول مراتب ه عزت اورسارے جہان کی مشکل کے حل کرنے کیلئے نہایت مجرب اور مفیدے۔ 🖈 اگر کسی بچے کی زبان میں لکنت ہاوروہ بات کرنے میں انگلا ہے یا بات کرتے وقت اس کی زبان پھرتی ہے تو عرق گلاب میں زعفران کوحل کرکے باک کا غذیر سورۃ بنی اسرائیل کو لکھے اور یانی ہے گھول کرروزانہ نیچے کو پلائے تو پچھوعرصہ کے بعداللہ تعالیٰ کے فضل وکرم ہے بیچے کی 🕏 زبان کی لکت شتم ہوجائے گی۔

🖈 ۔ اگر لڑ کا یا لڑ کی کند ذہن جوادر سبق یاونہ ہوتا ہو یا یاد کر کے بجول جاتا ہوتو ہاوضو ہو کر عرق

\$\frac{1}{2}\land\frac{1}{2}\l

گلاب میں زعفران کوحل کرے اس سے پوری سورۃ الاسریٰ کو لکھے اور پانی میں کھول کر دونوں ہے۔ بیچے کو پلائے انشاء اللہ تعالیٰ اس کا ڈئین کھل جائے گا۔ اور حافظ بھال ہو جائے گا۔

سورۃ الکہف کےخواص (۱۸)

ہے۔ سورۃ الکبف کا جعد کے دن پڑھنا زمین ہے آسان تک نور پیدا کرتا ہے اور آٹھ دن تک وہ نور برابر قائم رہتا ہے۔ پھراس کے پڑھنے والے کوسارا نور قبر میں اور قبر کے بعد قیامت میں دیا جائے گا۔ اور اس سورۃ کوروز انہ تلاوت کرنا ایمان کی قوت کو زیادہ کرتا ہے اور نور ایمانی میں ترقی بخش ہے۔

الله الركمي فخض كورات كے وقت جا كنا منظور ہواوركوئى جگانے والانہ ہواورخود بھى اٹھنے كا اميد نہ ہوتو وو فخص نماز عشاء كے بعد سورة الكہف پڑھ كرسوجائے انشاء اللہ تعالیٰ جس وقت اٹھنے كا اراد وكرے گائى وقت آئے كھل جائے گی۔ (مجرب ہے)

ا جڑے جو محض قرض میں گرفتار ہوا ورقرض انز نامشکل ہو گیا ہوتو بعد نماز جمعہ سورۃ الکہف سات بار پڑھنے اور اللہ تعالیٰ سے پوری توجہ اور یکسوئی کے ساتھ وعا ما تکا کرے انشاء اللہ تعالیٰ اس کا قرضہ انز جائے گا۔

اللہ اس سورہ کے پڑھنے سے قیامت ٹس نور ملے گا اور د جال کے مکر وفریب سے محفوظ رہے گا اوراول وآخر کی دس آینیں پڑھنے سے بلا اور معیبت سے محفوظ رہے گا۔

سوره مريم (١٩)

ا الرکی شخص نے کسی نوجوان کی قوت مردی باندھ دی ہواور وہ پریشان ہوتو اسے جا ہے کہ اوضوں سورۃ مریم پڑھ کر دعا کرے افشا واللہ تعالی اسکی قوت مردی بھال ہوجائے گی اگرخوو پڑھنا کی نہ جانتا ہوتو کسی سے تین مرتبہ پڑھوا کریائی پردم کروالے اور روزانہ وویائی ہے جب تک طاقت بحال نہ ہویائی بیتا رہے انشا واللہ صحت یاب ہوگا۔

سورة طا (۲۰)

الركوني بدجا بهنا ہوكدارى كارشتەكى نيك مردے ہوجائے تو سورة طُرُ كو بادشوكى رئيثى

کیڑے پرلکھ کرموم جامہ کرے گڑی کے گلے میں ڈال دے تو اللہ تعالی کے فضل وکرم ہے دھیجی۔ اور شادی کی نیک مرد ہے ہوجائے گی اوراولا دنیک پیدا ہوگی۔

خواص سورة الانبياء (٢١)

besturdubool

الله الركوني فخص پریشان حال ہوا كثر پریشان اور قم زدور بتا ہوتو ہر روز باوضو تين بارسورة انبياء پڑھے انشاءاللہ تعالیٰ جلد ہی تمام قم اور پریشانی سے نجات حاصل ہوگی۔

خواص سورة الحج (۲۲)

الله جب من صفح کوکوئی سمندری یا دریائی سفر در پیش ہوتو جہاز یا کشتی ہیں سوار ہوئے ہے قبل باد خوت منزل مقصود پر پہنچیں گے اور باد خوت منزل مقصود پر پہنچیں گے اور برختم کے نقصان یا ڈو جنے سے محفوظ رہیں گے۔

سورة المومنون (٢٣)

ﷺ اگر کوئی مختص شراب، ہیروئن، چرس، ش، جوا، سود و زنا اور دیگر گنا ہوں میں بری طرح مبتلا جواور اے بید گناہ چھوڑنا مشکل معلوم ہوتا ہوتو عرق گلاب میں زعفران عل کرکے باوضو سفید کپڑے پر اس سورة کو لکھے اور موم جامہ کرکے گلے میں ڈالے۔ انشاء اللہ وہ مختص ان بری عاد توں سے تو بہ کرلے گا۔

خواص سورة النور (۲۴)

الله الركمي هخص كووشن بهت تلك كرتے بهول اور طرح طرح سے زبان درازى اور تهمت بازى كرتے بول اور اللہ على مرتبہ بازى كرتے بول اور فقت ايك على بين بين باخ مرتبہ بازى كرتے بول اور فقصان پينچانے سے بازر بسے بازر سے انشاء اللہ تعالى وقمن كى زبان چفلى ، الزام تراثى اور فقصان پينچانے سے بازر ب

الله اگر کسی مخض کو کثرت سے احتلام ہوتا ہوتو روزانہ باوضو ہوکر تین باراس سورة کو پڑھ کر این اوپراور پانی پر دم کرکے پانی پی لے تو انشاء اللہ احتلام سے محفوظ رہے گا۔

خواص سورة الفرقان (٢٥)

ﷺ وَثَمَن کَی ہلاکت کیلئے روزانہ ارتئیں ہاراس سورۃ کو پڑھے بھکم خدا وثمن ہلاک ہوگا۔ اس معادی الریکان الریکان میں الریکان کا الریکان کا ایکان کا 60x60x60x60x60x60x60x60x60x60x60x

عمل کوکرنے ہے قبل کسی عالم وین اور خدا ترس مخص ہے مشورہ کرے ورزیق کا گناہ ہوگا۔ انہاں کہ کہ انہاں کا گناہ ہوگا۔ انہاں اگر کسی کوکوئی ظالم مخص ناحق سناتا ہواور ہروفت در ہے آزار رہتا ہوتو اس سورۃ کوایک سو آٹھ بار پڑھے انشاء اللہ تعالیٰ ظالم کے ظلم ہے محفوظ رہے گا۔

خواص سورة الشعراء (٢٦)

الله الركوني الزكايا توكر كھرے ہما كئے كا عادى ہوتو سورة الشعراء كو باوضولكو كرموم جامه كرك الاك يا نوكر كى گردن ميں بائد ھدے خدا تعالى كے تھم ہے جما كئے ہے دك جائے گا اور كھر ميں اس كا دل كئے گا۔

الله الركوني فخص خوف و وركى وجهت پريشان ہوتو سورة الشعراء كو باوضوسات بار پڑھ كرد عا كرے انشاء اللہ تعالى خوف و ورہے آزاد ہوجائے گااور كسى تتم كى پريشانى باقى شد ہے گى۔

خواص سورة النمل (٢٧)

ﷺ الله تعالیٰ کی تعتوں کا شکر بیادا کرنے کیلئے سورۃ اٹنمل کووس بار پڑھے تو اللہ تعالیٰ اس کے رزق میں برکت دے گا اور فم وقکرے آزادی نصیب ہوگی۔

ا اگر کسی فض کو ضروری حاجت پیش آئے تو سورۃ اٹمل ایک ہفتہ کیلئے روزاندایک بار باوضو پڑھ لیا کرے انشا واللہ تعالی اس کی حاجت بوری ہوگی۔

ﷺ اگرکو کی محض ہرن کی کھال پر اس سور آئو یا وضولکھ کرا ہے صندوق یا گھر میں رکھے تو اللہ تعالیٰ کے فضل وکرم ہے وہ گھر سانپ بچھوا ورموذی جانوروں ہے محفوظ رہے گا۔

خواص سورة القصص (٢٨)

الله اگر کوئی مختص بیار ہوتو سورۃ القصص تین روز تک باوشو پڑھ کریائی پر دم کر کے مریض کو ا بلائم اللہ تعالٰی کی رحمت ہے مریض صحت باب ہوگا۔

انتها ماللّٰہ خائے محص خائب ہوگیا تو اور اس کا پہند نہ چلنا ہوتو سورۃ القصص کو ہاوضوے اہار پڑھیں۔ انتها ماللّٰہ خائے محص بخیر وخو کی گھر لوٹ آئے گا۔

الله الركوئي بيمار ہو، پيپ بين دردر بتا ہويا اے استبقاء يا جذام كى بيمارى كا ذر ہوتو اس سورة كائتش لكھ كرموم جامد كرے اپنے گلے بين وال لے انشاء الله صحت ہوگی اور اليک كوئی بيماری اس پر حملہ ند كرے گی۔ δαιδαιβαίδαιδαιδαιδαιδαίδαιδαίδαιδα 73 Σαιδαιδαίδαιδαιδαίδαιδαίδαιδαίδαιδαίδα

خواص سورة العنكبوت (٢٩)

ﷺ اگر کوئی شخص رنج وغم میں میتلا ہوتو سورۃ العنکبوت باوضو ہوکر عرق گلاب میں زعفران کوحل کرکے لکھے اور اس کو پانی میں گھول کر ہے افشاء اللہ تعالی اس پانی کے پینے سے اس کا رنج وغم دور ہوگا۔

خواص سورة الروم (٣٠)

الله الرئسي كا دخمن بهت عياره جالاك ہواورا في شرارتوں سے ہروقت پريشان ركھتا ہوتو سورة الرئيس مرتبہ پڑھے انشاءاللہ وخمن وليل ہوگا اور جمیشہ نا كام رہے گا اور ہرطرح وخمن پر فقح حاصل ہوگا۔ حاصل ہوگی۔

الله الركوئي جائب كه دخمن ال كاذليل بواورات فتح حاصل بواوردشن كوقدم قدم پرنا كامی بو توسورة الروم كو باوضو كافذ پر لكھاوراس كولپيت كرايك بوش ميں ركھ وے اور بخت ڈاٹ ہے اس بوش كامنہ بندكر كے اپنے مكان ميں ركھانشا ماللہ وخمن ذليل وخوار رہے گا۔

الله اگرمیاں بیوی میں جھڑا رہتا ہوتو باوضواس سورۃ کولکھ کرشیشی میں بندکرے مظلوم اپنے پاس رکھاتو ظالم ظلم وزیادتی سے بازر ہاورخدا تعالی کے فضل وکرم سے دونوں میں اتفاق قائم ہوجائے گا۔

خواص سورة لقمان (۳۱)

ہے۔ اگر کسی مخص کے بیٹ میں شدید در دہویا بیٹ کی کوئی بھی بھاری ہوتو سورۃ لقمان کوسات بار پڑھ کر بیٹ پر دم کرے انشاء اللہ تعالی بیٹ کا در د جاتا رہے گا اور بیٹ کے مرض سے صحت حاصل ہوگی۔

جیلت اگرکوئی شخص ہروفت دریایا سمندر کے سفر پر رہتا ہے تو اگر سفر کرنے ہے قبل ایک مرتباس سورة کو پڑھ لے تو انشاء اللہ تعالی بخیر و عافیت اپنے مقام پر واپس ہوگا اور سفر میں ڈو بنے ہے محفوظ رے گا۔

المركم فحض كے بيد من بميشد ورور بتا جواوراس يمارى سے پريثان بوتو سورة لقمان كا

انتش باوضولکه کریب پر یا ند هے اور سورة لقمان ایک مرتبه روزانه پژه کروم کراریا کرے انگا کالله اس مرض ہے نجات حاصل ہوگی۔

خواص سورة السجده (۳۲)

ﷺ اگر کوئی گفض بیار ہواورکسی طرح صحت بحال نہ ہوتی ہوتو پاوضو سات پارسورۃ السجدہ کو پڑھےاور بیار پردم کرےانشاءاللہ تعالی بیارصحت پاب ہوگا۔

ا الركسی فخص کومخنف امراض نے گھیرر کھا ہوتو اس کیلئے سورۃ السجد و کو باد ضوعرق گاب بیس زعفران حل کرکے لکھے اور مریض کو پیائے انشاء اللہ تمام بیار یوں سے شفا حاصل ہوگی اور بیار تندرست ہوجائے گا۔

جائا ۔ سورۃ السجدہ کولا کیوں کا نصیب کھولئے کیلئے کہ اچھی جگہ رشتہ ہوجائے اکیس مرتبہ روزانہ بڑھے انشاءاللہ بہت اچھی جگہ رشتہ ہوجائے گا۔

خواص سورة الاحزاب (٣٣)

الله میال بیوی میں نااتفاتی اور عدم موافقت کو دور کرنے کیلئے سورۃ الاحزاب کا باوضو پڑھنا یہت کارآ مدہ۔ انتا واللہ اس کے پڑھنے ہالی خانہ میں محبت واتفاق پیدا ہوجائے گا۔ اس اگر کوئی خالم فخص کسی مجبور و ہے کس پر ناحق تھلم کرتا ہے اور تھلم و تعدی ہے بازنیس آتا تو سورۃ احزاب کو باوضوسات بار بڑھے انشا واللہ تعالی اس کے قلم ہے نجات حاصل ہوگی اور خالم

🧸 مطیع و فریال پروار ہوگا۔

المئت اگر کسی لڑے یالڑی کا رشتہ ندآتا ہو یا بات لگ کر چھوٹ جاتی ہو یا بار بارشادی میں رخنہ پڑ جاتا ہوتو سورۃ احزاب باوضولکھ کرموم جامہ کرکے لڑکے کے دائیں بازو پر ادر لڑکی کے بائیں بازو پر ادر لڑکی کے بائیں بازو پر بائد سے انشا ماللہ تعالی بخت کھے گا اور اچھی جگہ رشتہ ہو جائے گا۔ اور جملہ رکا دمیس وور ہوجا ئیں گی۔

خواص سورة سبا (۳۴)

الله الركسي كے دشمن ناحق ستاتے ہوں اور ہر وفت تكليف پہنچانے كا بہانہ ڈھونڈتے رہے ہوں اور ہر وفت تكلیف پہنچانے كا بہانہ ڈھونڈتے رہے ہوں اور ان كے فلم سے ہوں اور اس كے فلم سے نجات حاصل ہو۔ اللہ تعالى كے ففل وكرم سے اس سورہ كا پڑھنے والا فلم سے محفوظ رہے گا۔

ﷺ اگر کوئی مخص سورۃ سبا ہا وضوسفید کا غذ پر لکھ کرموم جامہ کر کے سفید کپڑے میں لپیٹ کھی ا اپنے دائنے بازو پر ہائد ہے تو اللہ کے فضل و کرم ہے ہر قتم کے موذی جانوروں ہے جفاظت رہے گی۔

besturdubook

خواص سورة فاطر (٣٥)

ﷺ اگر کسی حاکم کو درخواست دینی ہے یا ملازمت یا کسی اور کام کیلئے عرضی چیش کرنی ہے تو چاہیے کہ باوضو ہوکر سورہ فاطر کو ۵۵ بار پڑھے اور درخواست پر انگل سے بغیر روشنی کے اپنا مطلب لکھے اور درخواست حکام کو بھیج دے۔انشاء اللہ اس کی درخواست منظور ہوگی۔مطلب حاصل ہوگا۔

سورة يليين (٣٧)

الله مشكلات وتكاليف آفات وبليات منجات اوراجم مقاصد من كامياني كيك سورة ليمن باوضواس طرح يزهج كد برمين برياالله يا الله يارخن يارجم كياره دفعه يزهج اورجب كله أثمن " إذا آزاد شيئف أن يُشوَل لَهُ سُحَنَ فَيَحُونُ بِرُحِيَة يَساللُهُ بَنا عَنى يَا مُعنى يا فتاح برُه وَكُرَفَمَ كرد انشاء الله تمام تكاليف كا از الدوجائي كار

ہے ۔ پاوضوسورۃ کینین پڑھ کرسرمہ پردم کرئے آتھومس روزانہ بلانا غدلگایا کرے انشا واللہ موتیا دور ہوجائے گا۔

ہے۔ جہے۔ سورۃ کیٹیین روزانہ پاوضو بعد نماز عشا وسات بار پڑھے بیمل قرض کی اوا کیٹی کیلئے انسیر ہے۔انشاءاللہ جلدی ہی قرض ہے نجات حاصل ہوگی۔

الله المراق لیمین عرق گلاب میں زعفران علی کرے اس سے باوضولکھیں اور عرق گلاب میں عل کرے اکتالیس ون میکن۔ انشاء اللہ بھول جوک کے مرض سے نجات حاصل ہوگی۔

الله جس عورت كا دود هفتم موجائ اور يجد بعوكا ربتنا موتو سورة يليمن بإوضوكي چيني كي پليث پر

یا کاغذ پر لکصاور پانی میں گھول کرعورت کو پلائے انشاء اللہ عورت کا دودھ زیادہ اور بچر سیر آدگاہ ۔ انتہ ول کی تنی دور کرنے اور ول میں نری اور شفقت پیدا کرنے گنا ہوں سے بچنے اور ہزرگوں کے گئے۔ کی تھیجت پر عمل کرنے کیلئے سورۃ لیسین ہاوشو کسی چینی کی پلیٹ یا کاغذ پر لکھے اور اس شخص کو پلائے اللہ تعالیٰ کے فضل و کرم ہے اس کا ول فرم ہوگا فماز روز و کی توجہ ہوگی اور بزرگوں کی تصیحت پر عمل کرنے کیلئے ول آ مادو ہوگا۔

اکتابیس بار بر سے انشاء اللہ بارش رحت خوب برے گی اور فسل اور کیسے باوضو سورۃ لیلین ۵۵ بار یا اکتابیس بار بر سے انشاء اللہ بارش رحت خوب برے گی اور فسل اور کیسی خوب میراب ہوگی۔

اکتابیس بار بر سے انشاء اللہ بارش رحت خوب برے گی اور فسل اور کیسی خوب میراب ہوگا۔

ادراکیلانہ پر دھ سکتا ہوتو چند آ دمی ل کر پڑھ لیس انشاء اللہ تعالی قیدی جلدی ہی قیدے رہا ہوگا۔

ادراکیلانہ پر دھ سکتا ہوتو چند آ دمی ل کر پڑھ لیس انشاء اللہ تعالی قیدی جلدی ہی قیدے رہا ہوگا۔

ادراکیلانہ پر دھ سکتا ہوتو چند آ دمی ل کر پڑھ لیس انشاء اللہ تعالی قیدی جلدی ہوگی اور شفا کیلئے کر سے گا تو رضا اور مجت نصیب ہوگی اور شفا کیلئے کر سے گا تو ایمان سلامت رہے گا۔ اگر و فع سکرات موت کیلئے پڑھے گا تو ایمان سلامت رہے گا۔ اگر و فع سکرات موت کیلئے پڑھے گا تو ایمان سلامت رہے گا۔ اگر و فع سکرات موت کیلئے پڑھے گا تو آ سانی نصیب ہوگی۔

الله ودلت کے حصول کیلئے سه بارروزانہ پڑھتارے دولت مند ہوجائے گا اور دفعہ وثمن کیلئے پڑے گا وروفعہ وثمن کیلئے پڑے گا وروفعہ وثمن کیلئے پڑے گا وہ کام آسان ہوجائے گا۔

الله الجو محض مورة ليين كا وردمي وشام ركے كا بحوكا نكا شارے كا۔

ا اوران محروں کو ہلاک کرنے کیلئے وہی اینٹوں کے فکڑوں پر سورۃ کیلین سات بار پڑھ کر دم کریں اوران مکڑوں کو جنازہ کی طرح کیڑے میں لیپٹ کر ہتے پانی میں ڈال دیں۔ جب ووککڑے پانی میں گل جا کمیں گے دشمن بھی ہلاک ہوجائے گا۔

نوت: فيرشرع طور پراس وظفے كوكرنے والانتصال كاخووذ مدوار جوگا۔

سورة الطفت (٣٤)

جان سورة الطفت سات بار باوضو پڑھے تو انشاء الله اسكى روزى بيس بركت بوكى اور اسكى روزى فراخ بوكى۔

سوة ص (٣٨)

ﷺ اگرکوئی مخص وشمنوں سے پریشان ہوتو سورة حس کو ہاوضوسات بار پڑھ کر دعا کرے انشاء اللہ تعالیٰ دشمن وقع ہوں کے اوران کے شرہے ہرطرح محفوظ رہے گا۔ 8a6a6a6a6a6a6a6a6a6a6a6a6a6

سورة الزمر (٣٩)

ﷺ اگر کوئی مختص عیاہے کہ کھوئی ہوئی عزت دوبارہ حاصل ہوتو اے جیا ہیے کہ روزانہ یا وضوسات بارسورۃ الزمر پڑھے انشاء اللہ عزت دوبارہ حاصل ہوگی۔

besturdubook

جڑت اگر کوئی تھیں جا ہے کہ اس کے مال میں برکت ہوا دراس کا مال خوب بڑھے تو اے جا ہے کہ روزانہ یاوضوے بارسورۃ الزمریژے انشاء اللہ مال میں اضافہ ہوگا۔

سورة المومن (١٧٠)

الله اگر کسی کوکوئی بڑی اہم مہم در پیش ہواور ووحل نہ ہوتی ہوتو اسے جا ہیں کہ سورۃ الموکن کو ایک سوم تابہ ہاؤسی ایک سومر تابہ ہاوضو پڑھے یا چند آوی مل کر پڑھ لیس اور دعا کریں انشاء اللہ تعالی کتنی ہی بڑی مشکل ہواللہ تعالی کے فضل و کرم ہے جل ہوگی اور پریشانی ہے تجات حاصل ہوگی۔

الله المجتمع الموسي كو چھوڑ كے پہنٹ كالے ہوں يا كوئى فخص بيار ہوتو سورۃ المومن كوايك بار باوشو روزاند پڑھ كرائے او پروم كرے اور يانى پروم كركے في لے يا اگركوئى دوسرا فخص بيار ہوتو اس كو پڑھ كروم كرويا كرے انشاء اللہ تعالى ہرتم كى بيارى سے سحت ہوگى۔

سورة فم تجده (۴۱)

ا کے اگر کوئی مشکل پیش آگئی ہو یا کوئی اہم جاجت پیش آگئی ہو یا کسی مقصد میں ضرور کا میابی چاہے تو یا کسی مشکل مل ہوگا۔ حاجت چاہے تو یا وضونماز فجر کے بعد سات پارسور قائم سجدہ پڑھے انشاء اللہ مشکل عل ہوگا۔ حاجت بوری ہوگی اور مقصد میں کا میابی ہوگی۔

ہے۔ جس شخص کی آئے میں کوئی تکلیف ہویا ناخونہ ہویا ظفرہ ہویا چیوانا وغیرہ ہوتو ہاوشو پوری سورة خم مجدہ لکھ کر ہارش کے پانی میں گھول کراس کا پانی آئے میں لگائے یااس کے پانی میں سرمہ خیس کرآئے کھول میں لگائے رہیں انشاء اللہ سفیدی زائل ہوگی اور آئے کھول میں تکلیف سے نجات حاصل ہوگی۔

سورة الشوري (٣٢)

الله الركسي هخف كو دشمن كاخوف بيوتوات حياجيه كه با دخوسورة الشور كل روزانه بعد نماز فجر تمن بار برزه هے انشاء الله دل سے دشمن كاخوف كل جائے گا۔

الله الركوني محض عالم كے پہندے ميں پينس كيا ہوتوات جاہے كه باوضور وزائد تماز فخر كے

بعدایک بارسورة الشوری پڑھا کرےانشا واللہ تعالی وشمنوں پر منالب رہے گا اور ظالم مستخطم ہے۔ محفوظ رہے گا۔ای طرح اگر باوضواس سورة کولکھ کرموم جامہ کرکے اپنے گلے میں ڈال دے آئے انشا واللہ تعالیٰ ظالم کے قلم ہے محفوظ رہے گا۔

سورة الزخرف (٣٣)

ا الركوني مخض مقصد مين كامياني جابتا بواوريه جابتا بوكدمن كى مراويورى بوتوا حيا بها الله مقصد عاصل بون تك روزانه باوضوآ محد مرتبه سورة الزخرف پزيدليا كرے انشاء الله مقصد الله عاصل بوگ -مين كامياني حاصل بوگ -

سورة الدخان (٣٣)

الله المرتئم كى بلاؤں ہے نجات كيلئے سورة الدخان تير بہدف ہے۔ باوضو چندآ دى ل كر پچاس مرتبہ يڑھ ليس انشاء الله مكان ہرتئم كى بلاؤں ہے محفوظ رہے گا۔

الله البعض وفعد مرتے والے کی جان اٹک جاتی ہے اور موت نہیں آتی الیں صورت میں چند آوی ال کر پیچاس مرتبہ باوضو سورة الدخان پڑھ کر مریض پردم کریں اور پانی پردم کرے مریض کو پلائیں بااس کے چرے پروہ پانی ملیس انشاء اللہ آسانی ہے روح قبض ہوگی۔

خواص سورة الجاثيه (۴۵)

ا الله الن سورہ مبارکہ کو ہاوضولکھ کرموم جامہ کرتے بچوں کے گلے میں ڈال دیں انشاءاللہ بچے جملہ آفات و بلیات سے محفوظ رمیں گے۔

سورة احقاف (٣٦)

الله الربارش مد بوتی بواور بھی بانی ند بونے کے سب سو کھر رہی بوتو اللہ تعالی سے بارش طلب کرنے کا آسان طریقہ بیسے کہ چندون باوضو تیرہ بارسورۃ الاحقاف پڑھے انشاء اللہ بارش ہوگی۔

سورة محد (٢٧)

ا الركسي كوكوئى مشكل مهم چيش آگئى ہوتو سورہ محد كو اكتابيس مرتبہ چند دن پڑھ۔ اگر اكيلا پڑھنا مشكل ہوتو چندآ دى ال كر پڑھ ليس باوضو پڑھيس انشا مالله مشكل آسان ہوگی۔ اللہ جوشن بيرچاہے كداس كى عزت بڑھے اور لوگ اس كى عظمت كوشليم كريں تو اس سورة كو

مشک وزعفران ہے لکھ کر کھول کر پی لے۔

سورة الفتح (۴۸)

الله المرتم كى كامياني اور دعمن پرختے حاصل كرنے كيلئے سورة الفتح باوضواس طرح پڑھے كداول و آخر ورووشريف اكہتر اكہتر بار درميان ميں تين تين بار سورة الفتح اور سورة النصر پڑھے انشاءاللہ برتنم كى كامياني حاصل ہوگى اور دعمن برغلبہ حاصل ہوگا۔

الله جوهض رمضان المبارك كاجاند و كيوكراس كسائة كخرب بوكر باوضوتين بارسورة الفتح يز هي تو يفصله تعالى سال بحرامن وامان بريب كا اور برهم كى يريشاني محفوظ رب-

سوة الحجرات (۴۹)

الله اگر سورۃ الحجرات کو ہاوضولکرہ کرموم جامہ کرے حاملہ عورت کے گئے میں ہائد دو ہے تو اللہ اللہ عالم کے اللہ ا تعالیٰ کے تعلم سے حاملہ کا حمل قائم رہے گا اور پچے صحت و تندر تی سے پیدا ہوگا۔

الله اگر کسی کا ماد و منوبیه پتلا ہوگیا ہواور جریان منی کی شکایت ہوتو روزانہ باوضوسورۃ الحجرات تبن بار پڑھے اور پانی پر دم کر کے مریض کو پلائے اورا کتالیس دن تک بیٹل جاری رکھیں انشاء الله صحت ہوگی۔

سورة ق(۵٠)

الله الله الله تعام باريول كيك باوضوسورة ق كو تكصاور پانى مين محول كر چندون مين وو پانى الله الله تعالى بيدى جمله باريول مينجات حاصل بوگى ـ

الله پاکل پن اور دیوانگی وور کرنے کیلئے سورۃ ق کو باوضو لکھے اور پانی میں گھول کر سریف کو پائے انشاءاللہ تعالی برقتم کے خوف ڈراورو یوانگی ہے تجات حاصل ہوگی۔

سورة الذريات (۵۱)

ا اگر کسی ملک بایستی میں قط پڑ گیا ہوا ورلوگ بھوک کی وجدے پریشان ہوں او چند آ دمی ال کر سورۃ الذریات ستر مرتبہ روزانہ ایک وقت میں پڑھ لیا کریں جب تک قط ختم نہیں ہوجا تا پڑھتے رہیں۔ الله المرائد رات کو تمن بارسورة القور باوضو پڑھنے سے جدام اور کوڑ رہ کے مرض سے محفوظ کے سے گااورا کر خدانخواستہ بیماری کے آٹارشروع ہو چکے ہون تو جلد ہی تجات حاصل ہوگی۔ ایک اگر کوئی مسافر سفر کے دوران اس سورة کوایک بار روزانہ پڑھ لیا کرے تو انشا ماللہ ہر حم کی آفات و بلیات سے محفوظ رہے گااور بحفاظت کھروائیں بینچے گا۔

سورة النجم (۵۳)

🖈 سورة الجم ۲۱ بار پڑھنا برتم کی مراد پوری ہوئے کیلئے اکسیر ہے۔

سورة القمر (۵۴)

الله الوگول میں مقبولیت عامد حاصل کرنے کیلئے سورۃ القمر پاوضو ظہر کے وقت لکھ کرموم جامہ کرےا ہے پاس رکھے۔

سورة الرحمٰن (۵۵)

المجلاح خسرہ ما چیک کی وہا پھیل رہی ہوتو اس سے حفاظت کیلئے مونگ یالونگ پرسورۃ الرحمٰن تین ہار باروضو پڑھے اور دم کریں ان لونگوں میں سے تین یا پانچ یا سات لونگ کے کر پانی سے نگل کیں انشاء اللہ حفاظت رہے گی۔ لیس انشاء اللہ حفاظت رہے گی۔

سورة الواقعه (۵۲)

الله روزانه مغرب کے بعد سورۃ الواقعہ پڑھنے سے فاقد سے نجات حاصل ہوگی اور خوشحالی نصیب ہوگی۔

🖈 اگر ہارش ند ہوتی ہوتو روزاندسات ہار پڑھ کروعا کریں۔

سورة الحديد (۵۷)

الله برقتم کی رکاوٹ دور کرنے اور ہرفتم کی بھاری کیلئے سورۃ الحدید تین بار پڑھے اور دعا کرے اور مریض کے چیرے پر پائی کے چھینٹے مارے اور اسے پلائے۔

سورة المجادله(۵۸)

😭 مايوس العلاج مريضول كيك بعد نماز عصر سورة المجاولة تين بار پڙه كر ۾ وقعه مريض پر

besturdub

\$\delta\delt

پیونگیں یمل پہروز تک کریں۔

سورة الحشر (٥٩)

الله السیان کیلئے سورۃ الحشر کو ہاوضو چینی کی پلیٹ پر لکھ کر ہارش کے پانی سے مل کرے وہ پانی لی لے نسیان کا مرض و دراور حافظ تو ی ہوگا۔

سورة المتحنه(٢٠)

الله اگر کوئی عورت اپنے خاوندے شرقی عذر کی وجہ سے طلاق لینا جاہتی ہواور خاوند اس کو طلاق نہ دیتا ہوتو وہ عورت سوۃ المتخد کو گیارہ روز اللہ باوضو گیارہ ہار پڑھے۔ طلاق ندویتا ہوتو وہ عورت سوۃ المتخد کو گیارہ روز تک روز اللہ باوضو گیارہ ہار پڑھے۔

ﷺ اگر کوئی شخص شیطانی کاموں میں جتلا ہے تو اے جا ہے کہ روزانہ پانچ ہارسورۃ المتحنہ پڑھے۔انشاءاللہ دو گناہوں ہے ہاز آ جائے گا۔

سورة القف (١٢)

🖈 الل خانداوراولا د كومطيع اور فريانيرواريناني كيليم 🕒 بارسورة الضف يزع

سورة الجمعة (١٢)

اللہ میاں ہوی میں الفت و محبت قائم کرنے اور جھکڑے فتم کرنے کیلئے جعدے دن میارید سورة پڑھے اور دعا کرے۔انشا ماللہ محبت قائم ہوجائے گی۔

سورة المنافقون (٦٣)

اللہ ۔ چوکوئی شخص اس سورۃ کوروزانہ ہاوضو پڑھ کرسوئے انشاءاللہ اس کے وشمن ہمیشہ ذکیل و خوار ہوں گے اور اسے نقصان نہ پہنچا سکیں گے۔

سورة التغابن (٦٢)

جائیہ زیورسونا جائدی مال اور روپیدر کھ کر باوضوسات بارسورۃ التفاہن پڑھ کر پھونک ویں انشاء اللہ کوئی چوراورڈ اکواس کو چوری ٹیس کر سکے گا۔

سورة الطلاق (٧٥)

الله التجين دن تک باوضوتين بارروزانه پڙه کرشد پد زخموں پر دم کرنا خدا کے فضل سے زخموں کو ا جلدا جيما کرتا ہے۔

bestuduboo'

سورة التحريم (٢٢)

الله المجوعورت بمیشدروزاند باوضوسورة تحریم پڑھے کی انشا ماللہ اس کا خاونداے بمیشدراحت و کے آتا ماللہ اس کا خاونداے بمیشدراحت و کے آرام سے رکھے گا اوراس کی اولا دتا لع فرمان ہوگی۔

سورة الملك (٧٤)

ﷺ اولاد کیلئے بوقت تبجد دورکعت نقل اکتالیس روز تک اس طرح پڑھے کہ دونوں رکعت میں سورۃ الملک کی علاوت کرے انشاءاللہ اولا دہوگی۔

الله عذاب قبرے نجات کیلئے روزانہ ایک یار بعد نمازعشاء تلاوت کریں۔

سورة القلم (١٨)

🖘 🔹 پارسورة القلم يز صنے سے چھل خوراور برا كينے والول كے شر سے محفوظ رے گا۔

سورة الحاقه (٢٩)، سورة المعارج (٧٠)، سورة النوح (١١)

الله وشمن ك شرك نجيخ كيليج بنفته كي صبح بعد نماز فجر ٢١ بار سورة الحاقه پرهيس -

الله برى موت سے بیخے کیلئے عصر کی نماز کے بعد سورة النوح پر حیس ۔

سورة الجن (۷۲)

الله قیدی اگر سورة الجن کوروزاند پڑھے تواہے رہائی نصیب ہوگی۔ اور آسیب زوہ کورم کرکے بیانے ہے آفاقہ ہوگا۔

سورة المزمل (۷۳)

الله جس گفرین فاقد رہتا ہوروزانہ بعد نمازعشاء ایک بارسورۃ مزمل پڑھیں انشاء اللہ گھرین برکت ہوگی۔

ہ ہے۔ جس کے بیچے مرجاتے ہوں تو سات بار باد ضوسورۃ مزمل پڑھ کر چھالیہ پر دم کر کے اس میں سوراغ کر کے بیچے کے گلے میں ڈالیس انشاء اللہ بیچے کی عمر دراز ہوگی۔

سورة المدژ (۲۴)

تا محاتی دورکرنے کیلئے اس سورۃ کوروزاندایار پڑھیں۔

besturdub

වික්වක්වක්වක්වක්වක්වක්ව 83 වික්වක්වක්වක්වක්වක්වක්වක්වක්වක් سورة قيامه (۷۵) 🖈 تنخیرخلائق کیلے ای سورۃ کوروزانہ کے بار پڑھیں۔ سورة الدير (٢٦) 🖈 سات بارروزانداس سورة کی تلاوت کرنے ہے دشمنوں کے شرسے حفاظت ہوتی ہے۔ سورة المرسلات (44) 🖈 اگر کسی کا سانس پھولٹا ہواور یا برے خواب دیکتا ہوتو اس سورۃ مبارکہ کو دم کرکے ہینے ے افاقہ ہوگا۔ سورة النما (۷۸) تلا سورة نبا كابعداز تما زعمر يز صناول بي ايمان اورتور پيدا كرتا ہے۔ سورة النازعات (۷۹) سورة عبس (۸۰) سورة الكوير (۸۱) 😭 جو محض روزانه ۳۱ پارسورة النازعات يز ۾ گا ووموت کي تلخي ہے محفوظ رے گا۔اور خاتمہ بالايمان بموكا_ الله برقتم کی رکاوٹوں کودور کرنے کیلئے سورۃ محکویرکوا ۲ بار مخاوت کریں۔ سورة انفطار (۸۲) تائة مستحراور جادوكسي مكان ميس وفن بهواوراس كاپية نه چلتا بوټواس سورة كوايك بار پژه كرياني پر دم کریں اور بورے مکان کی و بواروں پر چیئر کیس افشاءاللہ خواب میں جگہ معلوم ہوجائے گی۔ سورة المطففين (۸۳) 🖈 🔸 بارييمورة يز صنے سے يح كى بآسانى ولادت ہوگى۔ سورة انشقاق (۸۴) الله اگر کسی کو چھونے ڈیک مار دیا ہواور زہر کے سبب تکلیف ہوتو یہ سورة دم کریں۔ سورة البروج (۸۵) 🛠 وشمنوں کے شرہے بہتنے کیلئے ۵ بارروزانہ پڑھیں۔

bestyldubook

سورة الطارق (٨٦) ﷺ جس گھر میں سانب بچھو یاشیاطین ہوں تو بیسورۃ لکھ کر لگانے ہے وہ گھر محفوظ ہوجائے گا سورة الاعلى (٨٤) تا ایرکیلئے روزاندایک باریز ھاکریٹے ہے مرض فتم ہوجا تا ہے۔ سورة الغاشيه (۸۸) 🖈 جس كَ أَيْكِي بندنه بهوتي بهوتو بيسورة بإوضولكه كر گلے ميں ڈاليس۔ سورة الفجر (٨٩) تا ہے جو محص جا ہے کداس کے ہاں لڑکا پیدا ہوتو اس سورۃ کو • • اہار پڑھ کر دعا کرے۔ سورة البلد (٩٠) الله جوفض دردگروه کام لیش بهوای سورة کوروزانداابار پژه کردم کر کے ہیں۔ سورة الشمس (٩١) سورة اليل (٩٢) الله ﴿ كُونَ هُخْصُ بِهَاكُ مِمَا مِوتُواسَ فِي سلامتني كَيلِيُّ سورة اليل كو برن كَي كھال برلكھ كر درخت ۽ النكائمي انشاءالله جلدواليس آجائے گا۔ ... سورة الضحل (۹۳) 🖈 مجولی ہوئی چیز کو یاد کرنے کیلئے اس سورۃ کی تلاوت کریں۔ سورة انشراح (٩۴) ا 🖈 🛚 جو گفتس کے روز تک ہر تماز کے بعد کے باراس سورۃ کی تلاوت کرے گا اللہ اس کی بے چینی سورة والتين (٩٥) الركوني صحف عاب كداس كرخوبصورت لركابيدا بوتوحمل كى ابتداع ٩ ماه تك چيني کی طشتری پرسورہ واکنین لکھ کر بیوی کو چٹائے۔

سورة العلق (٩٢) 🕸 ال سورة كا فجر كى نماز كے بعد سورج نكلنے ہے پہلے 4 بار پڑھنا پھر تجد و كرنا اور تجد ہے میں حسی اللہ وقع الموٹی وقع النصیرے باریز هنا جوڑوں کے دردکوشتم کرتا ہے۔ سورة القدر (٩٤) المركمي كوخارش ہوگئ ہوتو اس مورۃ كا دم كرنے سے افاقہ ہوتا ہے۔ سورة البينه (٩٨) 🖈 🛚 رِقان کے مریش کیلئے وم کرکے ہیں اور گلے میں ڈالیس سورة الزلزال (99) سورة العاديات (١٠٠) سورة القارعه (١٠١) سورة التكاثر (١٠٢) الله برمشكل عمل كيلي سورة القارعه كو ١٠٠ ياريز هنا مجرب ب-الله ونيا كي محبت كودل سے تكالم كيلئے سورة التكاثر كو ١ بارروزاند يزهيس سورة العصر (١٠٣) سورة البمزه (١٠٨) سورة الفيل (١٠٥) الله مجمل میں کامیانی کیلئے سور وعصر کو بعد نماز عصرا ۱۰ ایار پڑھ کر دعا کریں۔ الله اگر کسی ظالم وجایر کے سامنے جانا ہوتو سورۃ کھیئے ہ کوام پاریز ھالیا کریں۔ سورة قريش (١٠١) ہنا۔ اگر کسی کے پیشاب میں خون آتا ہوتو جب بھی کھانا کھائے تواس سورۃ کو پڑھ کردم کرلیا کرے۔ سورة الماعون (١٠٤) الله وشمنول کے نافق مقدمات ہے بیچنے کیلئے ۴۴ دن تک روزانہ کیارہ سو باراس کی تلاوت کریں۔ سورة الكوثر (١٠٨) الله ورومر كيك كاريز ه كروم كرنا مجرب ہے۔ 368368368368368 86 3368368368368368368368368368

سورة الكافرون (١٠٩)

🛠 مغرب اور فجر کی سنتول میں اس سورۃ کی تلاوت خاتمہ بالا بمان کا ؤراجہ ہے۔

سورة النصر (١١٠) سورة اللهب (١١١)

🖈 سورة اللبب كوووه ٣٠٠ بارروزانه يؤھنے ہے وشمن بر باوہ وگا۔

سورة اخلاص (۱۱۲)

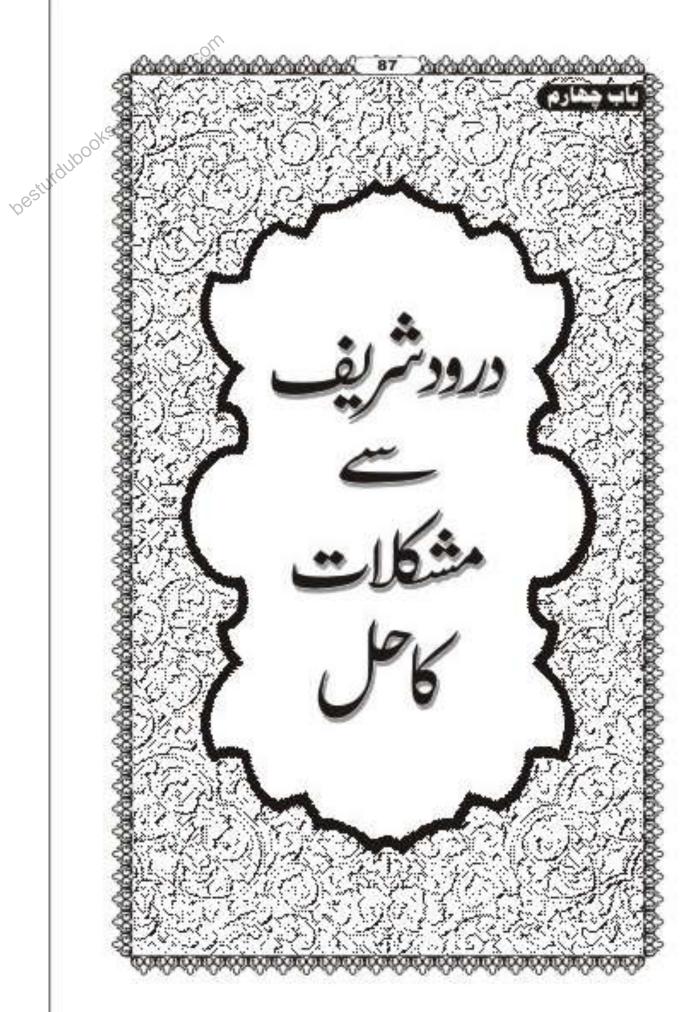
🖈 جوعورت بالجحة بودى دن روزانه • • • اباراس سورة مباركه كى تلاوت كرے۔

معوذ تين (۱۱۳۱۳)

الله برتم كے محروجاد و کوشتم كرنے كيلئے ان سورتوں کو ۱۰۰ بار پڑھ کردم كريں۔

عمل برائے تسخیر عام وخاص

عكما و، ذَا كَثرُ وكلا و، دكا مُدارونا جرحطرات كيكِ المول تحفه



درود شریف کی فضیلت و بر کات

درودشریف کی فضیلت و برکات اس قدر جن که تمام مشکلات اور مصائب کاهل اس کے ورد میں مضمر ہے اللہ تیارک و تعالی نے قرآن یاک میں کسی عمل کی تلقین کے بارے میں بیٹییں فرمایا کہ میں ہے کام کرتا ہوں البقائم بھی کیا کرونگر درود شریف کے بارے میں قرآن یاک کی مورة الاحزاب آيت 56 مين خاص طور يربيفرمات جيل كد:

إِنَّ اللَّهُ وَمَلَكِكُتُهُ يُصَلُّونَ عَلَى النَّبِيُّ لِيَايُّهَا الَّذِينَ أَمَنُواْ صَلُواعَلَيْهِ وَسَلِمُواتَسْلِيمًا

(الله ياك اوراس ك فرشة آب الله ير درود وسلام بيبية بي الس اعال والواتم بھی ان (نبی کریم عظیمہ) پر درود وسلام بھیجو) سبحان اللہ کتناعظیم ذکر ہے جس کے ذاکر خود اللہ یاک جی اس بات پر خور کریں تو یہ نتیجہ سامنے آتا ہے کہ ورودشريف الله ياك كى باركاويس قبول عي قبول الماتوجس دعا كاول آخر درود شریف بڑھا جائے گا وہ دعا کیوں نہ قبول ہوگی۔حضرت عمر بن خطاب فرماتے ہیں کہ دعا آ سان وزمین کے درمیان معلق رہتی ہے اور اس کا پچھے حصہ او پر نہیں چ هناجب تک که توایی نبی کریم علیه اصلوة والسلام پر درود یاک نه بیجیه

درود شریف کے فضائل ومناقب اوراحکام استے زیادہ ہیں کہاس مفصل اور مختصر سینکٹروں کتابیں (بلامبالغہ)لکھی جا چکی ہیں۔انہی متندومعترکتب ہے متنب کی گئی چندا حادیث مبارکہ ملاحظة فرما تمي كه جن مين درودشريف كى فضيلت وبركات كابيان ب-

حضرت ابوطلحة فرمات جين كدايك دن حضور نبي كريم مطلقة خوش وخرم تشريف لارب تے ارشاد فرمایا: میرے یاس حضرت جبرائیل تشریف لائے اور کہایارسول انتعاق کیا آ ہاں بات برراضی نیس که آپ کا کوئی امتی آپ برایک بار درود یاک پڑھے تو میں اس بروس بار درود یاک پڑھوں آ پ کا امتی آ پ پرایک بارسلام پڑھے اور میں اس پروی بارسلام پڑھوں۔

حضور نی کریم نفط نے ارشاد قربایا کہ جس نے جعد کے دن مجھ پر درود بھیجااللہ تعالیٰ اس کے ای سال کے گناہ معاف فرمادے گا۔

حضور نبی کریم بین نفت ارشاد فرما یا که میرا جوامتی خلوص ول کے ساتھ مجھ پر درود شرکھی۔ پڑھے گا اللہ تعالیٰ اس پر دس بار درود بھیجے گا۔ اس کے نامہ اٹھال میں دس نیکیاں تکھے گا اس کے دس درجات بلند ہوں گے اور دس برائیاں مٹادی جائیں گی۔

ایک حدیث شریف میں آیا ہے کے حضور نبی کریم الطبیقی نے ارشاد فر مایا کہ جو محض ہر روز سو مرجبہ درود شریف پڑھے اس کی سوحا جات پوری کی جا کیں گی ، جن میں ہے تیس دنیا میں اور باقی آخرت میں پوری کی جا کیں گی۔

بیعتی نے تکھا ہے کہ حضور نبی کر پیم اللہ فی ارشاد فر مایا کہ جوشخص میری قبر پر درود پاک پڑھتا ہے اس کو میں خود منتا ہوں اور جو مجھ سے فاصلے پر پڑھتا ہے وہ میرے پاس (فرشتوں کے ذریعے) کانچادیا جاتا ہے۔

ای طرح بے شاراحادیث مبارکہ سے درودشریف کی برکات ٹابت ہیں گریباں ہم درج بالا پر بی اکتفا کرتے ہیں۔ اللہ پاک مجھے اور آپ کو درودشریف کی کشرت نصیب فرمائے۔ آ مین ثم آ مین یارب العالمین

حضور علیت کی شفاعت واجب ہو جائے

ا۔ حضرت رویفع بن ثابت انصاریؓ فریاتے ہیں کدرسول اللّفظیفی نے ارشاد فرمایا جو مخص اس طرح کیے

ٱللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَٓ اَنْزِلْهُ الْمَقْعَدَ للُقَرَّبَ عِنْدَكَ يَوْمَ الْقِيَامَةِ *

تواس پرمیری شفاعت داجب ہوجاتی ہے۔

اورایک حدیث میں اور دورشریف حضرت عبداللہ بن مسعود سے مرفوعاً مروی ہے اور ایک حدیث میں ہے کہ جوفض میرے لئے وسیلہ کی دعا کرے گائی پرمیری شفاعت اترے کی بعنی محقق ہوجائے گی۔ گی۔ دوسری جگہ ارشاد ہے کہ واجب ہوجائے گی۔

اَلَّهُ مَّصَلِ عَلَى (سَيِدِنَا) مُحَمَّدٍ وَّابَلِغُهُ الْوَسِيْلَةَ وَالدَّرَجَةَ الرَّفِيْعَةَ مِنَ الْجَنَّةِ اللَّهُمَّاجُعَلُ فِي الْمُصْطَفَيْنَ مَحَبَّتَهُ وَفِي الْمُقَرَّبِيْنَ مَوَدَّتَهُ وَفِي الْأَعْلَيْنَ ذِكْرَهُ اَلسَّلَامُ عَلَيْهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرَّكَاتُهُ ذِكْرَهُ اَلسَّلَامُ عَلَيْهِ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرَّكَاتُهُ

(فضائل درود)

مال میں برکت ہوگی

حضرت ابوسعید ؓ نے قربایا که رسول النفظافیۃ کا ارشاد مبارک ہے کہ جس فض کومنظور ہو کہ میرا مال بڑھ جائے وہ بول کہا کرے

> اللهُ مَّصَلِ عَلَى مُحَمَّدٍ عَبُدِكَ وَرَسُولِكَ وَصَلِّ عَلَى الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنَاتِ وَالْمُسُلِمِيُنَ وَالْمُسُلِمَاتِ المَّامُ شَافَعِیٌ كَا اعزاز المَّامِ شَافَعِیٌ كَا اعزاز

روصة الاحباب میں امام اساعیل بن ابراہیم مدنی ہے مروی ہے کہ انہوں نے امام شافعیٰ کو انتقال کے بعد خواب میں دیکھا اور پوچھا کہ اللہ تعالی نے آپ کے ساتھ کیا معاملہ کیا؟ وہ بولے مجھے بخش دیا اور علم دیا کہ مجھ کو تعظیم واحترام کے ساتھ بہشت میں بیجاویں اور سب برکت ایک درود کی ہے جس کو پڑھا کرتا تھا میں نے پوچھا وہ کونسا درود؟ فرمایا ہیہے

الله مَ صَلِ عَلَى مُحَمَّدٍ كُلَّمَا ذَكَرَهُ الذَّاكِرُونَ وَكُلِّمَا غَفَلَ عَنْ ذِكْرِهِ الْغَافِلُونَ *

(ماشید حسن حصین)

ہرمصیبت سے نجات کیلئے

منانج الحسنات میں ابن فاکہانی کی کتاب فجر منیر نے نقل کیا ہے کدایک بزرگ بیٹنے صالح موی ضریر سے نقل کیا ہے کدایک بزرگ بیٹنے صالح موی ضریر سے انہوں نے اپنا گزراہوا قصہ بھی ہے بیان کیا کدایک جہاز ڈو ہے لگا میں اس میں موجود تھا اس وقت مجھ کو غنودگی ہی ہوئی اس حالت میں رسول اللہ بھی نے جھے کو بید ورود تعلیم فرما کر ارشاو فرمایا کہ جہاز والے اس کو ہزار بار پڑھیں ہنوز تمین سو بار تک نوبت پہنچی تھی کہ جہاز نے بحاد وہ درودشریف ہیں ہے۔

ٱللهُ مَّصَلِ عَلَى سَيِدِ نَا مُحَمَّدٍ صَلَوْةً مُنَجِينَا بِهَا مِن جَيْعِ الْأَهُوَالِ وَالْأَفَاتِ وَتَقْضِى لَنَا بِهَا جَيْعَ الْحَاجَاتِ وَتُطَهِّرُنَا وِتَقْضِى لَنَا بِهَا جَيْعَ الْحَاجَاتِ وَتُرْفَعُنَا بِهَا بِهَا مِن جَمِيْعِ السَّيِّاتِ وَتَرُفَعُنَا بِهَا أَقْصَ عِنْدَكَ اَعْلَى الدَّرَجَاتِ وَتُبَلِغُنَا بِهَا أَقْصَ الْعَايَاتِ مِنْ جَيْعِ الْخَيْرَاتِ فِي الْحَيْوةِ وَبَعْدَ الْعَايَاتِ مِنْ جَيْعِ الْخَيْرَاتِ فِي الْحَيْوةِ وَبَعْدَ الْعَايَاتِ مِنْ جَيْعِ الْخَيْرَاتِ فِي الْحَيْوةِ وَبَعْدَ الْعَايَاتِ مِنْ جَيْعِ الْحَيْرَاتِ فِي الْحَيْوةِ وَبَعْدَ الْمَمَاتِ إِنَّكَ عَلَى حَيْرَاتِ فَي الْحَيْوةِ وَبَعْدَ الْمُمَاتِ إِنَّكَ عَلَى حَيْلِ كُلِ شَيْرِ اللَّهِ عَلَى عَلَى الْمَاتِ الْمَاتِ النَّاتِ عَلَى عَلَى الْمُعَالِقِ الْمَاتِ الْمَاتِ الْمَاتِ الْمَاتِ النَّاتِ عَلَى حَيْرَاتِ فِي الْمَاتِ الْمُعْمَاتِ الْمَاتِ الْمِلْمَاتِ الْمَاتِ الْمُعْلِقِي الْمَاتِ الْمَاتِي الْمَاتِ الْمِنْ الْمَاتِ الْمَاتِ الْمَاتِ الْمَاتِ الْمَاتِي الْمَاتِ الْمِنْ الْمَاتِي الْمَاتِ الْمَاتِ الْمَاتِ الْمَاتِي الْمَاتِ الْمَاتِي الْمَاتِي الْمَاتِ الْمِنْ ال

فائدہ: حکیم الامت حضرت تعانویؒ نے زاد السعید کے حاشیہ پراس درود شریف کا کثرت سے پڑھنا اور مکان میں لکھ کر چہاں کرنا تمام امراض وہائیہ ہیفند وطاعون وغیرہ سے حفاظت کیلئے مفید اور مجرب لکھا ہے۔ اور بید کہ قلب کو عجیب اطمینان بخشاہے۔

ای درود شریف کے پڑھنے والے کا حضور علیق نے خصوصی اکرام فرمایا

اس درود شریف کے پڑھنے والے کا حضور اللہ نے خصوصی اگرام فرمایا اس کو قریب بٹھایا اس پرصحابہ * کو تجب ہوا تو آپ اللہ نے نے فرمایا کہ بیصاحب بیددرود پڑھا کرتے تھے۔

ٱللَّهُ مَّرَصَلِ عَلَى (سَيِدِنَا) مُحُمَّدٍ وَعَلَى الِ (سَيِدِنَا) مُحَمَّدٍ كَمَاتُحِبُ وَتَرْضَى لَهُ (القول البديع بمُحْفرزب الأعلم)

شوہر کے ظلم اور تنگ دسی سے حفاظت کیلئے

الله مَ صَلَ عَلَى سَندِ نَا مُحَمَّدٍ صَاحِبِ الْفَرْقِ وَالْفُرُقَ ان ه وَحَامِعِ الْوَرَقِ وَمُنْزِلِهِ مِنْ سَمَاءِ الْقُرُآنِ ه وَعَلَىٰ الْمُحَمَّدِ وَسَلِمُه وَعَلَىٰ الْمُحَمَّدِ وَسَلِمُه

فائدو: اگرشو ہر مار پیٹ اورظلم وستم کرتا ہو یا کوئی تنگ دی اورمختابی کا شکار ہوتو ہے درود شریف بعد نماز فجر اور بعد نماز مغرب یا عشاء 71 ہار پڑھ کر دعا کرے تو انشاء اللہ تعالی شو ہر بیوی پر مبر بان ہوجائے گا اورمختابی و تنگ دئی ہے بھی محفوظ رہے گا۔

مقبوليت عامهاورتسخير قلوب كيلئ

آللهُمَّ صَلِعَلى مُحَمَّدِ صَلَاةً مَّقُرُونَةً بِذِكْرِهِ ٥ اَللهُمَّ صَلِعَلى مُحَمَّدِ صَلَاةً حَامِعَةً بَتِينَ فَرَحِهِ وَسُرُورِهِ ٥ اَللَّهُمَّ صَلِعَلَى مُحَمَّدٍ صَلَاةً مُحِيْطَةً بِطُورِهِ وَصُورِهِ ٥ اَللَّهُمَّ صَلِعَلَى مُحَمَّدٍ مَسَلَاةً صَلَاةً مُنْوَرَةً لِقَلُوبِ اَصْعَابِ صُدُورِم صَلَاةً مُنْوَرَةً لِقَلُوبِ اَصْعَابِ صُدُورِم

اَللَّهُمَّ صَلَّعَلى مُحَمَّدٍ صَلَاةً شَارِحَةً لِلْنَقُوْجِهِ فِي مَسْطُوْرِهِ ٥ وَصَلِ عَلى جَينِع إِخْوَانِهِ مِنَ الْاَنْبِيتاء وَالْاَوْلِيَاءِ بِعَدَدِعُبُورِهِ وَمُرُورِهِ بَايْنَ الْمَاءِ وَطَهُورِهِ وَنَوْرِهٖ وَظَهُوْرِهِ ٥ وَالْحَقِّ وَامُورِهٖ

اس درود میں بجیب قوت تنخیر ہے۔ اگر کوئی ہر نماز کے بعد تین باراس درود شریف کے پڑھنے کا معمول رکھے تو اللہ تعالی اس کولوگوں میں بجیب مقبولیت اور اہل افتدار کی نگاہ میں محبوبیت عطا کردیتے ہیں۔ نیز اگر کوئی گیارہ بارہ مرتبداس ورود کومطر گلاب پردم کرکے چیرے پرا کر حاکم وقت یا مطلوبہ خض ہے ملاقات کرے تو وہ بلاحیل و جمت اس کا کام کردے گا اور انٹرویو میں کامیائی کیلئے نہایت مؤثر ہے۔

دل کی گھبراہٹ اور بلڈ پریشر کیلئے

ٱللَّهُمَّ صَلِّعَلَى مُحَمَّدِ النَّبِي الْأُمِّيَ الظَّاهِ لِ الزَّكِ صَلَاةً حَيِّلَ بِهِ الْمُقَدُّثُفَكُ بِهَ الْكُرَبُ .

فائدہ: جس كا دل خوائفواہ كھيرائے ككے اور انجانا خوف طارى مويا بلذ پريشر كا مريض موتو

یہ درود شریف روزانہ بعد نمازمغرب 313 ہار پڑھ کر سینہ میں پھونک لے اور آ دھا کپ پانی پر دم کرکے پی لیا کرے تو انشاءاللہ بہت جلدا فاقہ ہوگا اور طمانیت قلب نصیب ہوگی۔امراض قلب میں نہایت اکسیر ہے۔

باغات اورفسلوں کو بھار یوں سے بچانے کیلئے

اللهُمَّ صَلِّعَلَى مُحَمَّدٍ بِعَدَدِ أَوْرَاقِ الْاَسْجُارِ وَبِعَدَدِ أَقْطَارِ الْاَمْطَارِهِ وَبِعَدَدِ دَوَابِ الْبَوَارِئ وَالْبِحَارِهِ وَعَلَىٰ الِهِ وَصَحْبِهِ وَسَلِمْ.

۲۱ بارروزانه پژه کردم کریں۔

ادا ئىگى قرض كىلئے

اَللَّهُمَّ صَلِ اَبدُ الفُضَلَ صَلَوَاتِكَ عَلَى سَيدِنَا مُحَمَّدِ عَبْدِكَ وَبِبِيكَ النَّبِي الأَنِي وَالِهِ وَسَلِمُ تَسُلِمُ المُعَرِفَ المُعَرَّب عِنْدَكَ يَوْمَ الْقِيَامَةِ -يَوْمَ الْقِيَامَةِ -

فائدہ: اگر کوئی قرض دار فرصت کے اوقات میں یکسوئی کے ساتھ روزاندایک سوایک مرتبہ یہ درود شریف پڑھ کر دعا کرے تو اللہ تعالیٰ غیب سے اس کے قرض کی ادائیگی کا انظام کر دیتے میں نہایت مجرب ہے۔

مستقل مزاجی پائیں اور بیج اوقات سے بچیں

اللهُمَ صَلِ عَلَى مُحَمَّدٍ وَعَلَىٰ المُحَمَّدٍ كُلَمًا ذَكْرَهُ الذَّاكِرُونَ ٥ وَكُلَمَا سَهَى عَنْهُ الْغَافِلُونَ وَكُلَمَا سَهَى عَنْهُ الْغَافِلُونَ وَكُلَمَا سَهَى عَنْهُ الْغَافِلُونَ وَعَلَىٰ اللهِ عُمَّدٍ وَبَارِكُ وَسَلِمْ .

فائدہ جو خص بھی بعد نماز فجر بطور دکھنے ایک سوبار بید درود شریف پڑھ لیا کرے تواللہ تعالی اس کو دینی دونیا دی کاموں میں میسوئی اور مستقل مزاجی عطا کردیتے ہیں نیز اس کی برکت سے اوقات ضائع ہونے سے فئے جاتے ہیں اور کاموں میں آسانی پیدا ہوجاتی ہے۔

آ نکھی جملہ تکالیف اور بینائی تیز کرنے کیلئے

اللهم صَلِعلى سَيْدِنَا مُحَمَّدِ السَّابِقِ الْمَالِقِ الْمَالِيَ الْمُعَلَّمِ السَّابِقِ الْمَعَلَّمِ الْمُؤرَةُ وَ وَالنَّرِحَمَةِ لِلْعَالَمِ الْمُؤرَةُ وَعَذَدَ مَنْ مَضَى مِنْ خَلْقِكَ وَمَنْ بَعْنِي وَمَنْ سَعِدَ مِنْهُمُ وَمَنْ شَقِي حَلْقِكَ وَمَنْ سَعِدَ مِنْهُمُ وَمَنْ شَقِي حَلَقَ الْعَدَّةِ وَمَنْ سَعِدَ مِنْهُمُ وَمَنْ شَقِي وَمَنَ اللَّهُ وَمَنْ شَقِي وَمَنْ اللَّهِ الْعَدَّةِ وَمَنْ اللَّهُ وَمَنْ اللَّهُ اللَ

فائدہ: اگر کوئی شخص ہرنماز کے بعدیہ درود شریف پڑھ کرانگیوں پردم کرے اور آ تھے وں پر پھیر لیا کرے تو اللہ تعالیٰ آ تھے کی ایسی شکالیف بھی وور کرویتے ہیں جس سے ڈاکٹر عاجز آ گئے ہوں اور بینائی تیز ہوجاتی ہے۔ آ زمودہ ہے۔

ہرم کے درداور لاعلاج بھاری کیلئے

اَللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ بِعَدَدِكُلِ دَاءٍ قَ دَوَاءِ ٥ وَبَارِكُ وَسَلِمْ.

قائدہ بھی جم کے درداور مرض کیلئے مریض پر بیدردودشریف اس طرح دم کرے کہ اول آخر تین بار بیددرود پڑھے اور درمیان میں سات بارسورہ فاتحہ مع بھم اللہ اور تین بارسورہ اخلاص پرد کراس کا تو اب حضرت علامہ مخد دم محمد ہاشم سندھی کو بخش دے اور مریض پردم کرے تو انشاء اللہ العزیز فورا شفا ہوجائے۔ نیز اگر مریض لاعلاج قرار دے دیا گیا ہو یا بیاری سخت ہوتو یہ درود شریف ادل و آخرا کی سوبار پڑھے۔شوگراور کینسر جسے موذی امراض میں نہایت اکسیریایا ہے۔

قرض ہے محفوظ رہنے کیلئے

ٱللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحْمَدًدٍ وَّعَلَى اللهِ وَبَارِكَ وَسَلِّمْ.

فائدہ: جو محض چاہے کہ مجمی قرض دارنہ ہویا اگر ہوجائے تو جلد نجات پائے۔ اس کو چاہیے کہ بعد نماز ظهر سوم رتبہ بیددرووشریف پڑھ کر دعا کرے تو اللہ تعالی اس کوقرض ہے بچا کیں گے اور اگر مقروض ہوا تو غیب سے قرض کی اوا لیکی کا انتظام کر دیں گے۔ اور آخرت میں کسی نعت کی ناقدری پر پکڑئیں ہوگی۔ انشا واللہ العزیز

موذی جانوروں سے حفاظت کیلئے

صَلَّاللَّهُ سُبُحَانَهُ وَيِحَمْدِهِ عَلَى مُحَمَّدٍ عَبْدِهٖ وَرَسُولِهِ النَّبِيِ الْأَفِيَ وَالِهٖ وَبَارِكَ وَسَلِمْ كَمَاهُوَ اهْلُهُ

فائدہ: اگر کوئی شخص ہر نماز کے بعد سات مرتبہ میہ دردد شریف پڑھ کر بدن پر دم کرے تو جن آسیب اور سانپ بچھوکوئی بھی موذی جانوراس کو تکلیف نددے سکے گا۔ اور نہ کوئی نکالم و سرکش اس پر غلبہ پاسکے گانیز کنڑت سے اس کا ورد کرنا جیب حفاظتی حصار کی طاقت رکھتا ہے۔

اولا د کی کامیا بی اور عزت کیلئے

ٱللَّهُ مَ صَلِّ عَلَى سَيِدِ الْعَالِمِينَ حَبِينِكَ مُحَمَّدٍ وَّالِهِ ٥ صَلَاةً اَنْتَ لَهَا اَهُلُّ ٥ وَبَارِكُ وَسَلِّمُ كَذَالِكَ

فائدہ:اگرکوئی مختص بعد نماز فجر اور مغرب 71 مرتبہ اور دیگر نمازوں کے بعد سات مرتبہ ہے ورووشریف پابندی ہے پڑھا کرے تو انشاء اللہ العزیز اس کو اور اس کی اولا دکو معاشرے میں ماعزت مقام حاصل رہے گا۔

ائتی سال کے گناہ معاف اورائتی سال کی عبادت کا ثواب

ٱللَّهُمَّرَصَلِّ عَلَىٰ سَيِّدِنَا مُحَمَّدِ إِلنَّبِيِ الْاُئِيِّ وَعَلَىٰ الِهِ وَسَلِّمْ تَسُلِيْمًا *

حضرت ایو ہر برق ہے روایت ہے کہ حضورا کرم کھنے نے فرمایا جھے پر درود بھیجنا ہل صراط پر گزرنے کے وقت نور ہے اور جو محض جمعہ کے ون ای بار جھے پر درود شریف پڑھے اس کے ای سال کے گناہ معاف ہوجاتے ہیں۔ کہا گیا یا رسول اللہ! عظیمی آپ پر کس طرح درود شریف پڑھیں؟ فرمایا:۔

> اللهُ مُرْصَلِ عَلَى مُحَدِّمَةٍ عَبُدِكَ وَنَبِيكَ وَرَسُولِكَ النَّبِي الْأُرْمِي * (القول الهديع السناويّ) سب سي افضل حمد اور در و دشريف

علامدائن المشترز فرمات جي كه جوفض بيرجا بهنا ہوكداللہ جل شاند كى الكي حمد كرے جوسب

ے زیادہ افضل ہو جو اس کی مخلوق میں کسی نے (اب تک) ندگی ہو،اولین واخرین اور کھا گئے۔ مقربین، آسان والوں اور زمین والوں میں ہے بھی افضل ہو اور اسی طرح یہ چاہے کہ حضور کا اقد سی افضائے پر ایسا درود پڑھے جو ان ہے سب افضل ہو جتنے درود کسی نے پڑھے ہوں اور اسی طرح یہ بھی چاہتا ہو کہ وہ اللہ جل شانہ ہے کوئی ایسی دعا مانے جو ان سب سے افضل ہو جو کسی نے (اب تک) مانگی ہوں تو وہ یہ پڑھا کرے:۔

اللهُمَّ التَّالَّةُ الْحَمُدُكُمَا اَنْتَ اَهُلُهُ فَصَلِ وَسَلِمُ عَلَى (سَيِدِنَا) حُجَّدٍ كَمَا اَنْتَ اَهُلُهُ وَافْعَلُ بِنَامَا اَنْتَ اَهُلُهُ فَانْكَ اَهُلُهُ وَافْعَلُ بِنَامَا اَنْتَ اَهُلُهُ فَانْكَ اَهُلُ التَّقُوٰى وَاهُلُ الْمُغُورَةِ ايك عظيم نيكى كے لکھنے میں فرشتوں كا اللہ سے ایک عظیم نیكی کے لکھنے میں فرشتوں كا اللہ سے رجوع كرنا

حضرت ابن عمر عن مروی ہے کہ رسول الشَّطِی فی نے قربایا کہ'' اللہ کے بندوں میں سے ایک بندے نے (اللہ تعالیٰ کی اس طرح) تعربیف کی:

> يَارَبِ لَكَ الْحَمَّدُكُمَايَنْنَغِي لِجَلَالِ وَجُهِكَ وَلِعَظِيْمِ سُلْطَانِكُ

تو فرشتے مشکل میں پڑ گئے اور بجھ نہ سکے کہ ووائے کس طرح تکھیں۔ تو وہ آسائی طرف چڑھے اور عرض کیا اے ہمارے پروردگار تیرے بندونے ایک ایسا جملہ کہا ہے کہ ہماری سجھ میں نہیں آتا کہ ہم اس (کے ثواب) کو کس طرح تکھیں۔ تو اللہ تعالیٰ نے فرمایا کہ اس کلمہ کوائی طرح سے تکھوجس طرح سے میرے بندہ نے کہا ہے بیمان تک کہ میرا بندہ جب مجھ سے ملے گا تواسے اس کا انعام دوں گا۔ (ابن ماجہ، طبر انی مجمع الزوا کہ تفییر قرطبی، کنز العمال)

فائدہ:اس روایت ہے معلوم ہوا کہ ندگور وکلہ پڑھنے کا تنظیم تواب ہے ہمیں اس مخلی ہی۔ یا دکر کے پڑھنے رہنا جا ہیے اللہ یاک ہمیں بھی اس کا بہت بڑا تواب عطافر مائیں گے۔

اس كا ثواب ستر فرشتول كوايك ہزار دن تك مشقت ميں ڈالےگا۔ جَزَى اللّٰهُ عَنَّا مُحَمَّدًامَّاهُ وَاهْلُهُ *

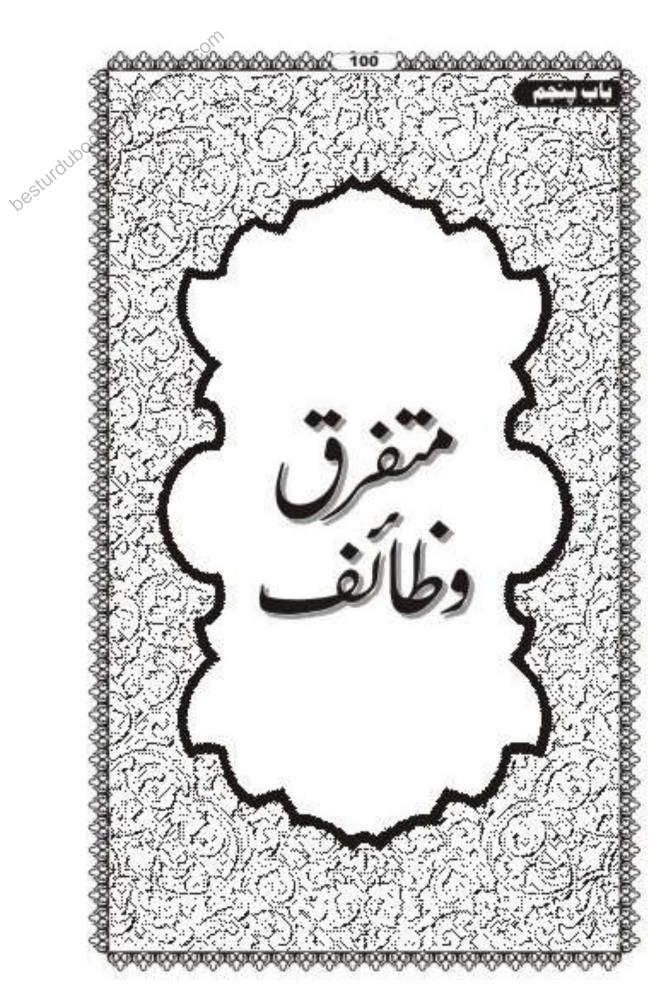
فائدہ: مشقت میں ڈالنے ہے مرادیہ ہے کہ ہزار دن تک اس کا تواب لکھتے تھک جا کیں گے۔ (الترفیب س) 176ء جا کیں الکبیرالاوسط)

صلوة الحاجت

حضرت امام جعفر سادق نے فرمایا اس عمل کے کرنے سے اللہ تعالی ہر حادث ہوری کرتے ہیں۔
وورکعت نماز حاجت پرجیس اور کہلی رکعت جس سورۃ کا فرون وی بار اور دوسری رکعت جس سورۃ
اخلاص وی بار پرجیس سلام پھیرنے کے بعدوی بارتیسراکلہ اور دی بارورووشریف اور دی باروبسا
اخلاص وی بار پرجیس سلام پھیرنے کے بعدوی بارتیسراکلہ اور دی بارورووشریف اور دی باروبسا
اختا فی الله نیا اور پھر باتھ الفا کر دروشریف پرجیس اور 1000 باریارب بارب کیس اور پھر حاجت
کا تذکرہ کریں اور پھر درووشریف پڑھ کرا بین کہدویں۔

مَنَاكَلَّ اللهِ عَلَيْهِ مِهِمِ دِعامِنْ ل بِ جَس سِ مِنْ مرووں وَرَهُو اَرْتَ فَتَى جِب اَوَال وَعا اَو إِنْ مِنَا عِلْبَ اَوْ مِنْ كَى مُمَادَ كَ يَحِدا مَنْ جَدَا مِنْ مَرَاكَ إِلَيْهِ مَا عِلْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ اللَّهِ عَلَيْهِ وَالاَّ عَوْلَ وَلاَ قَوْقَهُم يَا دَائِمٌ مَا فَوْدُ فَيَا اللَّهِ عَلَيْهِ وَالاَّهِ مَنَ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ عَلَيْهِ اللَّهُ اللَّهِ اللَّهُ اللْمُعَالِقُولُ اللَّهُ ال

جس شخص کوکی مصیب در پیش ہواس کو چاہیے کہ شب جمعہ کوغروب آفتاب کے بعد طسل کر کے اعد کا ف میں ہیں ہے اور کسی سے کام شرک بیال تک کہ عشاء کی نماز پڑھ کر وہڑ کے آخری سجد و بیل بیال خاک کہ عشاء کی نماز پڑھ کر وہڑ کے آخری سجد و بیل بیال خال میں بیالفاظ بیا دہ بیا دب بیا حبی یا فیوم بیك استعیث یا الله سویار کے اور صاحبات ما تھے ضرور اور کی ہوگی۔ (حمس المعارف می 269)



جادوكا علاج

best Irduboo

جادو كرباني علاج كي دونشيس بين:

بها فتم: جس ے انسان جادوے محفوظ رہے وہ یہ ہیں۔ بہان

ا۔ تمام فرائض و واجبات کا اوا کرنا اور تمام محرمات کوترک کروینا اور تمام گنا ہول ہے تو بہ کرنا۔

۲- تلاوت قرآن کریم کی کثرت باین طور که این کوایے معمولات یومیه میں شامل کر لیمنا۔

۔ دعاؤں تعوذات اوراؤ کارمشروعہ ہے اپنی حقاظت کرنا۔ مثلاً مندرجہ ذیل دعاؤں کو درج شدوتر تیب ہر بڑھنا

بِسْمِ اللهُوَ اللَّذِي لَا يَسَسُرُّمَعَ اِسْمِهِ شَيْءٌ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَاءِ وَهُوَ السَّمِيعُ الْعَلِيمِ

تین مرتبہ میں اور تین مرتبہ شام کو پڑھنا اور ہر نماز کے بعد اور سوتے وقت اور صبح وشام
آیت الکری پڑھنا اور سورۃ الاخلاص اور معوذ تین کا میں وشام اور سوتے وقت تین تین مرتبہ
پڑھنا اور لاالله اللاالله وَلَمَّا وَلَمُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْعَلَمُ وَلَهُ اللّهُ وَلَمُ اللّهُ وَلَهُ اللّهُ وَلَهُ الْعَلَمُ وَلَهُ اللّهُ وَلَهُ اللّهُ وَلَهُ اللّهُ وَلَمُ اللّهُ وَلَهُ وَلِي اللّهُ وَلَهُ وَلَالِمُ وَلَا وَلَالِ اللّهُ وَلَا وَلَالُ وَلَا وَاللّهُ وَلَا وَلِي اللّهُ وَلَا وَلَالِمُ وَلَا وَلَاللّهُ وَلَا وَلَاللّهُ وَلَهُ وَلَا وَلَاللّهُ وَلَهُ وَلَا وَلَاللّهُ وَلَا وَلَا وَلَا لَاللّهُ وَلَا وَلَا لَا اللّهُ وَلَا وَلَا وَلَا وَلَا وَلَاللّهُ وَلَا وَلّهُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِي مُولِلًا وَلَاللّهُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِي مُعَالِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِي مُعَالِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِهُ وَلَا وَلَا وَلَا وَلَالُوا وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَاللّهُ وَلِمُ وَاللّهُ وَلَا وَلَالُكُولُولُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَاللّهُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَاللّهُ وَلِمُ وَلِمُ وَلَا وَلَاللّهُ وَلِمُ وَلّهُ وَلِمُ وَلّهُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلّهُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلِمُ وَلّهُ وَلِمُ و

اس میں کوئی شبہ نہیں کہ ان مندرجہ بالا دعاؤں کی پابندی ان اسباب میں ہے ہے جو انسان کو (اللہ کے تقم ہے) جاوہ اور نظر بد لکتے اور جنات کے اثر سے محفوظ کردیتے ہیں۔ای طرح ان مذکورہ آفتوں وغیرہ کے آئے کے بعد بھی بیددعا کمیں اہم علاج ہیں۔

اگرممکن ہوتوصیح نہارمنہ ساتھ محجوریں کھانا بھی جاد و کیلئے مفید ہے۔اس لئے کہ رسول اللہ سیانی کا ارشاد گرامی ہے:

مَنْ أَصْبَحَ بِسَبْعِ ثَمَرَاتٍ عَجُوَةٍ لَمْ يَضُرُّهُ ۚ ذَالِكَ الْيَوْمَ سَمٌّ وَ لَا سِحْرٌ (يَفَارِي)

بچوہ مدینہ متورہ کی ایک خاص مجبور ہے جوسب سے افضل اور بہتر مجبوروں میں ہے ہے۔ بہتر یہ ہے کہ یہ مجبوریں مدینہ کے دوحروں کے درمیان پیدا ہونے والی ہوں جیسا کہ مسلم کی روایت میں اس کی تصریح ہے۔ لیکن شیخ عبداللہ بن باز حفظہ اللہ (مفتی اعظم مملکت سعودیہ) کا خیال سے کے مدینہ کی وہ تمام تھجوریں جن میں بیرخاصیت پائی جاتی ہوان کا کھا تا کا فی تھجا ہے۔ گئے کہ رسول اللہ کا ارشادے:

'' جو محض میں کو مدینہ کے دونوں پہاڑوں کے درمیان کی سات بھجوریں کھائے۔۔۔۔'' جیبا کہ شیخ کا خیال ہے کہ اگر تھی نے مدینہ کی بھجوروں کے علاوہ کہیں اور کی ساتھ مھجوریں اس نذکور وطریلتے ہے کھالیں تو امیدہے کہ اس کیلئے بھی ای طرح نافع ہوں گی ۔

دوسری قسم جادو چلنے کے بعد جادو کا علاج

- ا۔ اس جاد و کا نگالنااور کاٹ کرتا ہے جبکہ اس کی جگہ اور مقام اس طریقہ ہے معلوم ہوسکے جوشر عاً جائز ہواور یہ محور کاسب سے بہترین علاج ہے۔
 - ۲۔ (جائز) جماز پھونک ہے۔ پھراس کے بھی بہت سے طریقے ہیں مثلاً
- پیری کے سات ہرے نیچ لے کر گھوٹے پھر اس میں اتنا پائی ملادے جوشل کیلئے کافی
 ہوسکے اور اس پر تعوذ ، آیت الکری سورہ اعراف کی آیت کا اتا آیت ۱۲۴ سورہ افلاص ،
 آیت ۹ سا آ بیت ۸۲ سورہ طلا کی آیت ۱۳۵ تا آیت ۵ سورہ کافرون ،سورہ افلاص ،
 سورہ فلق ،سورہ تا س پڑھ کر دم کرے اور پھر اس پائی ہے تھوڑ اسالیکر تیمن مرتبہ بچوے اور
 باقی پائی ہے قسل کرے انشاء اللہ اس ہے جادہ کا اثر ختم ہوجائے گا لیکن اگر دوبارہ سہ بارہ ضرورت ہوتو ای طرح کرتا رہے تی کے مرض بالکل ختم ہوجائے گا لیکن اگر دوبارہ سہ بارہ ضرورت ہوتو ای طرح کرتا رہے تی کے مرض بالکل ختم ہوجائے ۔ بیطریقہ بہت ہے لوگوں نے آ زمایا ہے اور اللہ نے اس کے ذریعے ہے ان کو نفع پہنچایا ہے۔ خاص طور پر ایسے آ دی کیلئے زیادہ مجرب ہے جے بحرے ذریعے سے اپنی بیوی ہے روک دیا گیا ہو۔
 (الفتح الیاری)

سورہ فاتھ، آیت الکری سورہ بقرہ کی آخری دوآیات، سورہ اخلاص اور معو ذیمین کا متاثرہ مقام پر دایاں ہاتھ پھیرتے ہوئے تمین مرتبہ پڑھ کر دم کرنا بھی انتہائی مفید ہے۔ (بخاری وسلم)

وہ کلمات جنگےروزانہ پڑھنے سے جادوا ژنہیں کرتا

حضرت کعب احبارؓ فرماتے ہیں گو لا کلمات اقولهن لجعلتنی الیهو د حمار اگ'' اگر بیچند کلمات نہ ہوتے جن کو میں پابندی سے پڑھتا ہوں تو بیووی مجھے گدھا بناد ہے۔

د د کلمات سه ځين:

أَعُودُدُ بِوَجْهِ اللهِ الْعَظِيْمِ الَّذِي لَيْسَ شَيْءٌ أَعْظَمَ مِنْهُ وَبِكَلِمَاتِ اللهِ التَّامَّاتِ الَّتِي لَا يُحَاوِزُهُنَّ بَرٌ وَلَا فَاحِرٌ وَ بِأَسْمَاءِ اللهِ الْـحُسْنَىٰ كُلِّهَا مَا عَلِمْتُ مِنْهَا وَمَا لَمْ أَعْلَمْ مِنْ شَرِّ مَا حَلَقَ وَ بَرَاءً وَ ذَرَاءً

(ص276معارف القرآن ،موطاءامام مالك)

جادو کے توڑ کیلئے جامع دعا ئیں

- سات مرتبه بدوعا پڑھ کرمریش پردم کریں انشاء اللہ شفایاب ہوگا۔ اسٹال اللہ الْقولیْئم رَبَّ الْقَوْشِ الْقَطِیْئِم اَنْ یَشْفِیْنَ (ترندی)
- مرایش خود این جسم کے متاثر و مقام کر باتھ رکھ کرتین مرتبہ بہم اللہ الرحم الرحیم پڑھ کر سات مرتبہ بید دعا پڑھے اور دم کرے انشاء اللہ بہت جلد شفا پائے گا۔
 آعُودٌ فَي بِاللّٰهِ وَقَلْدُرَيّهِ مِنْ شَيرٍ مَنَا آجِدٌ وَ أُحَافِرٌ (مسلم)
 - سيوعا پڑھ کردم کرنا بھی انتہائی مفیدہ مجرب ہے۔
 اَلْـ اللّٰهُ مَ رَبَّ النَّاسِ اَذْهَبِ الْبَاسَ وَاشْفِ اَنْتَ الشَّافِي لَا شِفَاءَ
 اِلَّا شِفَاءُ لَدَ شِفَاءٌ لَا يُعادِرُ سَقَمًا (بَثاری)
 - ﴿ اَعُودُدُ بِكُولِمَاتِ اللهِ النَّامَّةِ مِنْ كُلِّي شَيْطَانٍ وَ هَامَّةٍ وَ مِنْ كُلِّ عَيْنٍ
 ﴿ اَعْدَرُهُ بِكُولِمَانِ)
 - ٥- أَعُوذُ بِكُلِمَاتِ اللهِ التَامَّاتِ مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ (مَلْمَ)
 - اعُموذٌ بِكْلِمَمَاتِ اللهِ التَّمَامَّاتِ مِنْ غَضَيهِ وَعِقَابِهِ وَشَرِّ عِبَادِمِ وَمِنْ
 اعُمراتِ الشَّيَاطِئْنِ وَأَنْ يَتَحْضُرُونِ (العِراوَء)
- ے۔ حضرت عبداللہ بن عمرو بن العاص بی تعود اپنے مجھدار بچوں کوتو لفظ بلفظ یاد کرائے تھے اور نامجھ بچوں کے گلے میں تعویز لکھ کر ڈال دیتے۔

آعُـوْدُ بِكَلِمَاتِ اللهِ التَّامَّاتِ الَّتِيْ لَا يُجَاوِزُهُنَّ بَرٌ وَلَا فَاجِرِ مِنْ شَـرَّ مِـا حَـلَـقَ و بَرَا وَ ذَرَا وَمِنْ شَرِّ مَا يَنْزِلُ مِنَ السَّمَاءِ وَمِنْ شَـرِّ مَـايَـغُـرُجُ فِيْهَـا وَمِـنْ شَـرِ مَا ذَرَا فِيْ الْارْضِ وَمِنْ شَرِّ مَا

besturduboo'

يَسَخُرُجُ مِنْهَا وَمِنْ شَرِّ فِعَنِ الْنَيْلِ وَالنَّهَارِ وَمِنْ شَرِّ كُلِّ طَارِقٍ إِلَّا ^{``` ال}الا^نان طَارِقًا يَطْرُقُ بِخَيْرٍ بَارَحْمَٰنُ (منداحمِ)

ندکورہ بالاً متیوں اوعیہ ہرطر کے شرہے حفاظت کیلئے انتہائی مجرب ہیں جوان کوروزانہ میں وشام پڑھے اور بچوں کیلئے لکھ کر گلے میں ڈال دے انتاء اللہ خود بھی اور بچے بھی ہرطرح کی آفت ہے محفوظ رہیں گے۔

جادووغيره كااثرختم كرنے كيلئے

اگر کمی کوشک ہوکہ اس پر جاد و کیا گیا ہے یا علامتیں محسوں ہوری ہوں تو جاد و کے اثر کوشتم کرنے کیلئے اا دن تک ۱۰۰ بار پڑھ کراپنے اوپر پھونکیں یا اور کسی پر شک ہوتو اس پر پڑھ کر پھونکیں ۔اس دعا کے دوران کوئی دوسراعمل نہ پڑھیں ۔

وَٱلْتِي مَا فِي يَهِمُينِكَ تَلْقَفُ مَا صَنَعُوا . إِنَّمَا صَنَعُوا كَيْدُ سُحِرٍ. وَلَا يُنفُلِحُ الشُّحِرُ حَيْثُ آنِي 0 فَالْقِبَى السَّحَرَةُ سُجَّدًا قَالُوُّا امَنَّا بِرَبِ هُرُوْنَ وَ مُوْسِي (سوره لِمَا ١٩،٧٨)

دل کی تھبراہٹ کیلئے

ترکیب: جس هخص کواختلائ قلب یادل کی دھڑ کن کی شکایت ہوتو اس تعویز کولکھ کر گلے میں اس طرح ڈالے کہ تعویذ دل تک آ جائے یعنی دل پر پڑار ہے۔ دراصل سینہ کے گڑھے یعنی کوڑی پر پڑار ہے۔ ووآیت میہ ہے:

بِسْمَ اللهِ السَّرِّحُمُنِ الرَّحِيْمِ لَا إِلَٰهَ إِلَّا اللهُ مُحَمَّدٌ رَّسُوْلُ اللهِ اللَّهِ اللَّهِ مُن امَنُوْا وَتَطْمَنِنُّ قُلُوْمُهُمْ بِذِكْرِ اللَّهِ. اللَّا بِذِكْرِ اللَّهِ تَطْمَنِنُّ الْقُلُوْبُ

| ۸٠. | 1+ | 7. |
|-----|----|----|
| ۲. | ۵٠ | ۷. |
| P** | 9+ | r+ |

عَلَيْ يَا اللَّهُ مِا اللَّهُ مِا اللَّهُ حول ول وقع شد Bachaghaghaghaghaghaghaghaghagh 105 Shaghaghaghaghaghaghaghaghaghaghagh

دل گھبراہٹ کیلئے (ہولدلی)

ہے آیت بسم اللہ سمیت لکھ کر گلے میں ہائد هیں ؤوراا تنالمہارے کہ تعویذ ول پر پڑارے اور دل ہائیں طرف ہوتا ہے۔

الَّذِيْنَ الْمَنُوْا وَتَطْمَيْنُ قُلُوبُهُمُ بِذِكْرِ اللَّهِ اللَّهُ اللَّلِمُ اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ الْمُنْ اللَّهُ اللْمُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُنْ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللْمُنْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الْمُنْ الْمُو

اول وآخر گیار و گیار ہ مرتبہ درووشریف کے ساتھ بید عاپڑھ کر بینے پر دم کریں۔انشاءاللہ تعالیٰ دل کی ہر بیاری ہے شفاء ہوگی۔

> يَا ٱللهُ يَارَحُمْنُ يَارَحِيْهُ دِلِ مَارَّكُنُ مُسْتَقِيْمُ بِحَقِّ إِيَّاكَ نَعُبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ، ول كَى تكليف كيليَ ول كى تكليف كيليَ

ہر نماز کے بعد اور جب بھی ول کی تکلیف ہوتو ول پر سیدھا ہاتھ رکھ کرید وعا بار بار

يافيس-

یااَ ملنهٔ قَوِّنِیُ وَقَلْبِک دل کی بیاری دور کرنے کا نبوی نسخہ

حضرت سعد بن افی وقاعل روایت کرتے ہیں کہ میں بیار ہوا میری عیادت کورسول الله متعلقہ تشریف لائے انہوں نے اپنا ہاتھ میرے کندھوں کے درمیان رکھا تو ان کے ہاتھ کی

ٹھنڈک میری ساری چھاتی میں پھیل گئی۔ پھر فر مایا کہ اے دل کا دورہ پڑا ہے اے حار^ہ گئ کلد و کے پاس لے جاؤ جوثقیف میں مطب کرتا ہے علیم کو چاہیے کہ وہ مدینہ کی سات بھوہ تھجوریں ؟ متھلیوں سمیت کوٹ کرا ہے کھلا دے۔ (منداحمہ،ابوقیم ،ابوداؤد)

فائدہ بھجورے فوائدے ہارے میں بیرحدیث بڑی اہمیت کی حامل ہے کیوں کہ طب کی تاریخ میں بیر پہلاموقع ہے کہ کسی مریض کے دل کے دور د کی تشخیص کی گئی۔

دل کی ہر بیاری کیلئے مجرب نسخہ

دل پر ہاتھ رکھ کرااا مرتبہ سُنیخن اللہ و یحمد به

ہول کے مریض اضطراب قلب تحفقان کیلئے میزے پانی سے اس آیت کا سات مرتبہ سات روز تک لکھ کر چانا یا میزے پانی سے زعفران گھول کرسات مرتبہ آیت کولکھ کر مریض کے مجلے میں ڈالنا بفضلہ تعالی بہت مفیدے۔ آیت ہے :

إِذْ يُعَيَّشُ يُكُمُ النَّعَاسُ أَمَنَةً مِّنْهُ وَيُنَزِّلُ عَلَيْكُمْ مِنَ الشَّمَاءِ مَاءً لِيُطَهِّرَكُمْ بِهِ وَيُلُهِبَ عَنْكُمْ رِجْزَ الشَّيْطَنِ وَلِيَرْبِطَ عَلَى قُلُوْبِكُمْ وَيُثَبَّ بِهِ الْآفَدَامَ

اگر بدن میں کسی جگه در د ہو

ياكونى اور تكليف موتو تكليف كى جكد دا بنا باتحدر كاكر يهلي تمن ياربهم الله كه اور پحرسات

اريين

اَعُوْذُ بِاللَّهِ وَقُدُرَتِهِ مِنْ شَرِّمَا آجِدُ وَاُحَاذِنُ اسُلَمَ) بلا پریشرکیلئے بلا پریشرکیلئے

ہرطرح کے بلڈ پریشر کیلئے مندرجہ ذیل آپتیں ہرفرض نماز کے بعد تین مرتبہ پڑھیں، شاماللہ فائدہ موگا۔

besturdub

ٱلَّذِيْنَ امَنُوا وَتَطْمَينُ قُلُوٰيُهُمْ بِذِكْرِ الله ألَابِذِكُراللهِ تَظْمَينُ الْقُلُوبُ اَلَّذِيْنَ امَنُوْا وَعَصِلُوا الصَّلِحْتِ طُوْلِي لَهُمْ وَحُسْنُ مَا يِ ٥ (مُورة الرعواتيثًا)

(ارشاد فرموده حضرت مولانا بدليج الزمان صاحبٌ)

جملوشم کے برقان کیلئے

اگرتهنی کو برقان ہوگیا ہوتو پہلے سورۃ الفاتحہ ایک بار پھرسورۃ الحشر سات بار اور پھرسورۃ القریش ایک بار پڑھ کریانی پردم کرے اس وقت تک پلائیں جب تک فائدہ نہ ہو۔

جكركي بهاري كسلئة

جگر کی تمام بیار یوں کیلئے ۴۱ بار بیآیت یانی پر دم کر کے پلانا نافع ہے۔ (عملیات کشمیری) تَبْرِكَ اسْمُرَرِيكَ ذِي الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

وفع وردجگر كيلئے

ورد جگر، رفع خفقان اور دل کی دھڑئن کو دور کرنے کیلئے جا ہے کہ آیت الکری کوایک یا ک برتن میں تین بارکھیں اور پھراس کو دھوکر مریض کو پلا دیں اور ووپیتے وقت ہیا ہے:

نُوَىِّتُ الشِّفَآءَمِنَ الْعِلْمَةِ (ديرِهِ) معدہ کی کمزوری کا علاج

سورة القدراا مرتبه يژه کرياني پر دم کرين اورمريش کو پلا کمين ـ دن چن تين مرتبه بيدم کيا ہوا یانی پینے سے انشاءاللہ سات یوم کے اندراندرمعدو کی کمزوری کی شکایت رفع ہوجائے گی۔ ية يات الدكريد ربائد مناسخ كرد وكيك ب مدمند بـ ولا تَخْفِنْ فِي رَبِّكُمْ وَرَحْمَةٌ ولِكَ مَخْفَا اللَّهُ عَنْكُمْ وَعَلِمَ أَنَّ فِيْكُمْ صَغْفًا اللَّهُ عَنْكُمْ وَعَلِمَ أَنَّ فِيْكُمْ صَغْفًا وَيُولَى اللَّهُ أَنْ يُخْفِفَ عَنْكُمْ وَعَلِمَ أَنَّ فِيكُمْ صَغْفًا وَيَنْ اللَّهُ أَنْ يُخْفِفَ عَنْكُمْ وَعَلِمَ أَنَّ فِيكُمْ صَغْفًا وَيَا اللَّهُ أَنْ يُخْفِفَ عَنْكُمْ وَعُلِقَ الْإِنْسَانُ صَغِيفًا وَيَا فَا اللَّهُ أَنْ يُخْفِفَ عَنْكُمْ وَعُلِقَ الْإِنْسَانُ صَغِيفًا وَإِذَا سَالَكَ عِبَادِي عَنِي فَا يَنِي فَا يَنِي قَرِيْتُ . أُجِنبُ دَعْوَةَ الدَّاعِ إِذَا دَعَانَ وَيَوْ السَّونَ فَى رَبِّكَ كَنْفَ مَدَّ الظِلَّ . وَقُو السَّمِنُ عُلَا مَا كَنْ عَلَى اللَّهِ وَالنَّهَادِ . وَهُو السَّمِنُ عُلُمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ اللَّهِ وَالنَّهَادِ . وَهُو السَّمِنُ عُلُمَ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ اللَّهِ وَالنَّهَادِ . وَهُو السَّمِنُ عُلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ اللَّهِ وَالنَّهَادِ . وَهُو السَّمِنُ عُلَا مَا مَنْ فِي النِّي وَالنَّهَادِ . وَهُو السَّمِنُ عُلِيمُ الْعَلِيمُ اللَّهُ عَلَى عَلَيْمُ اللَّهُ الْعَلِيمُ اللَّهُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ اللَّهُ اللَّهُ الْعَلِيمُ اللَّهُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ اللَّهُ اللَّهُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ اللَّهُ الْعَلَيْمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ اللَّهُ الْعَلَيْمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلَيْمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلِيمُ الْعَلَى اللَّهُ الْعَلَيْمُ اللَّهُ الْعَلَيْمُ الْعُلِيمُ الْعَلَى عَلَى عَلَى الْعَلَى اللَّهُ الْعَلَيْمُ الْعَلَيْمُ الْعُلِيمُ اللْعَلِيمُ اللَّهُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ الْعَلَيْمُ اللَّهُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ الْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ اللَّهُ الْعُلِيمُ اللَّهُ الْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ الْعُلِيمُ اللَّهُ الْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ اللَّهُ الْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ الْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ اللْعُلِيمُ

حری میں سے حرف سے حرف کے حرف کے حرف کی سے مرف کی سے اس کے بعد بیر آیت ایک ہا سب سے پہلے درودشریف تمن، پانچ یاسات بار پڑھیں۔اس کے بعد بیر آیت ایک ہا رھیں :اِنّہ ' عَلَی رَجْعِه لَفَادِرُ اس کے بعد سورة العادیات ایک مرتبہ پڑھیں۔

نوث: دن میں کسی بھی وقت مقررہ پر روزاند پڑھیں۔

شوگر کے مریضوں کیلئے ایک اور دعا

ڈ حاتی ماہ تک بلانا فہ ۳ مرتبہ منے اور تین مرتبہ شام ہے دعا پڑھ کر پانی پر دم کرکے چیجئے (اول وآ خرتین مرجبہ درود یاک) بہی دعا بلڈ پر بیٹر کیلئے بھی مفید ہے۔

> رَبِّ اَدُخِلُنِیُ مُدُخَلَ صِدُقِ وَّاَخُوِجُنِیُ مُخْرَجَ صِدُقِ وَّاجُعَلُ لِیُ مِنْ مُخْرَجَ صِدُقِ وَّاجُعَلُ لِیُ مِنْ لَدُنْكَ سُلْطَانًا نِصِّارًا ۞

(سوره بني اسرائيل آيت ٨٠)

تلی بڑھ جانے کا علاج سآيت بعم الله سميت لكه كرتلي كي حبكه بإندهيس ذٰلِكَ تَخْفِيُفٌ مِّنْ زَيْكُمُ وَرَحُمَةٌ (سوروبقره آیت ۱۷۸) نافٹل جانے کا علاج بيرآيت بهم الله سميت لكوكر ناف كي حبكه بإندهين، ناف اپني حبكه آ جا ليكي اورا كربندها إِنَّ اللَّهَ يُمْسِكُ السَّمَوْتِ وَالْأَمْضَ أَنْ تَزُوُلَاهُ وَلَهِنَ زَالَتَآ إِنْ أَمْسَكُهُمَامِنَ آحَدٍ مِّنُ بَعُدِهِ إِنَّهُ كَانَ حَلِيمًا غَفُورًا

يبيث كے در د كا علاج

بية بيت ياني يرتمن باريز هاكريلا كمي بالكحاكر بييك يربا عرصيس لَا فِنْهَا غَوُلُّ وَلَاهُمْ عَنْهَا يُنْزُفُونَ

(سوروصافات آیت ۴۷)

پیٹ کے ہرتم کے درد کیلئے

ا۔ یہ آیت یا گئی مرتبہ پڑھ کر دم کرے اور ہاتھ سے پیپ ملے اگر درد جا تار ہا تو خیر ورنه گیاره مرتبه پژه کردم کرے انشاءاللہ جاتارے گا

وَكَانَ فِي الْمُدِيْنَةِ تِسْعَةُ رَهُطٍ يُّفْسِدُونَ فِي الْأَرُضِ وَلَا يُصَلِحُونَ

(سور فِمَل آیت ۱٬۴۸ مَیْدهمی 亡

۲۔ سات مرتبہ سورہ الم نشر آپڑھ کر پانی پر دم کرکے چلائے خواہ کیسای در د ہوا نشاء گل اللہ فوراً دور ہوجائے گا اور سات بار سورہ فاتحہ پڑھ کر پیٹ پر دم کریں۔ (مجربات ، عملیات و تعویذات)

بدمضمى كاعلاج

اگر کوئی فخص زیادہ کھالے اور بدہضی کا اندیشہ ہوتو کھانے کے بعد سات ہاریہ آیت نمک پر دم کرکے کھلا یا جائے بدہضمی کیلئے مفید ہے۔

وَبِالْحَقِّ اَنْزَلْنَاهُ وَبِالْحَقِّ نَزَلَ وَمَا اَرْسَلْنَكَ

ٳڵۜڒڡؙٮؘؿؚ۫ڒٞٳۏٞٮؘۮؚؽ۫ڔٞٳ٥

(سوره بني اسرائيل آيت ١٠٩ عمليات تشميري)

بھوک کی کمی کا علاج

ا۔ اگر مجوک ہالکل نہ گلتی ہوتو ہیآ یت اکیس مرتبہ پانی پر دم کرکے پلایا جائے انشاءاللہ بھوک خوب ملکے گی۔مجرب ہے۔

وَلَوُلَا فَضُلُ اللَّهِ عَلَيْكُمْ وَرَحُمْتُهُ وَانَّ

اللُّهَ تَوَابُ حَكِيُمٌ

(سورہ نور آیت واہملیات کشمیری) ۲۔ اگر بھوک کم لگتی ہوتو اکتالیس بار بیر آیت کھانے پر دم کر کے کھلائیں

وَالَّذِي هُوَيُطْعِمُنِي وَيَسْقِينِ ٥

(سوره الشعراء آیت 24. عملیات تشمیری)

besturduk

زبان کی لکنت کاعلاج

اگرز بان میں لکنت ہوتو اس کو پڑھے اس سے سید بھی کشاد ہ ہوجائےگا۔ میں میں مارچ کی شعرامی سے کی مرم رہے ہیں ہو وہ

رَبِ اشْرَحُ لِيُ صَدُدِیُ ٥ وَيَسَوْدُ لِيَ اَصْرِیْ ٥ وَاحْلُلْ عُقُدَةً مِنْ لِسَانِیْ ٥ رَبُونِ وَاحْلُلْ عُقُدَةً مِنْ لِسَانِیْ ٥

يَفُقَهُوا قَوْلِيُ ۞ (ظاءآيت ٢٨١٦)

مندكے جھالوں كاعلاج

سورہ انشخی اکتالیس بارچینی پر دم کرکے چہانے سے انشاءاللہ تمام پھنسیاں اور چھالے فتم ہوجا ئیں گے۔ (عملیات کشمیری)

دفع بلغم

علامہ دیر بی نے تکھا ہے جو محض عارضہ بلخم میں نبتلا ہواں کو جا ہے کہ ووٹمک کی سات جھوٹی چھوٹی کنگریاں لے اوران میں ہرا یک پرسات مرتبہ" آیت الکری'' پڑھے اورسات روز نہار منداستعال کرے انتاء اللہ اس عار ہے ہے نجات پالے گا۔

فالج كاعلاج

این قتید یا فی صفاوی سے نقل کیا ہے کہ میں نے زمزم کے پانی سے دوات درست کرکے اور اس سے ایک برتن میں بسم اللہ اور سورہ حشر کی آخری آیات عواللہ سے تا آخر لکھ کر رمزم سے دھوکر پی لیا اللہ تعالی نے شفاعطافر مائی۔ (اعمال قرآنی)

چىكى كا علاج

تین سانس میں پانی ہے اور ہر سانس پر سات مرتبہ یا حفیظ کیے انشاء اللہ پیکی بند ہوجائے گی۔

گردے اور پنے کی پھری کا علاج

گردے اور پتے کی پیمری وور کرنے کیلئے اسم بار پڑھ کر پانی پر دم کرے اس وقت تک پلائیں جب تک کامیانی ندہو۔

وَإِنَّ مِنَ الْحِجَارَةِ لَمَا يَتَفَجَّرُمِنُهُ الْأَنْهُلُ وَإِنَّ مِنْهَالَمَا يَشَّقُّ فُيَخُرُجُ مِنْهُ الْمَاءُ وَإِنَّ مِنْهَا لَمَا يَهُبِطُونَ خَشْيَةِ اللَّهُ وَمَا اللَّهُ بِغَافِلٍ عَمَّا تَعُمَلُونَ ٥ اللَّهُ وَمَا اللَّهُ بِغَافِلٍ عَمَّا تَعُمَلُونَ ٥

(سورويقره آيت ٢٥)

آپ مریض ہیں تو پیمل کریں

ائن جریر میں حضرت علی کا فرمان ہے جبتم میں ہے کوئی شفا جائے قرآن کریم کی کئی آیت کو کئی صحیفے پر لکھ لے اورائے ہارش کے پانی ہے دھولے اورا پی بیوی کے مال (مہر) ہے اس کی رضامندی ہے میں لے کرشہد خریدے اور بیدوونوں کی لے پس اس میں کئی وجہہے شفا آجائے گی۔ خدا تعالیٰ کا فرمان ہے:

> وَنُنَزِّلُ مِنَ الْقُرُانِ مَاهُوَشِفَا ۗ وَ مُحُمَّةُ لِلْمُؤْمِنِيْنَ ۞ لِكِرِيرِي آيتِ بِي عِنْ

> وَ اَنْزُلْنَامِنَ السَّهَاءِ مَاءً مُّهَامَرٌ گَاﷺ اورفرمان الهی ہے:

فَإِنْ طِبُنَ لَكُمُ عَنُ شَيْءً مِّنُهُ نَفُسًا فَكُلُوهُ هَنِيئًا مَّرِيئًا ۞

شہد کے بارے میں فرمان البی ہے۔

فِيُهِ شِفًا وَالنَّاسِ ﴿

ائن پانید میں ہے حضور مطابقہ فرماتے ہیں جو شخص ہر مہینے میں تین ون صبح کوشہد جات لے اے کوئی بڑی بلانبیس ہینچے گی۔ (تضیر ابن کثیرج ۳ ص ۱۲۹)

پیشاب بند ہوجانے اور پھری کیلئے دعا

جب بيشاب بند بوجائے يا پھري بوتو يه دعا پڑھے:

رَبُنَا اللّٰهُ الْكَذِئ فِ السّمَاءِ تَقَدَّسَ السُمُكَ آمُرُكُ فِ السّمَاءِ وَالْاَرْضِ كُمَا وَحُمَتُكَ فَ السّمَاءِ وَالْاَرْضِ كُمَا وَحُمَتُكَ فِ السّمَاءِ فَاجْعَلْ رَحُمَتُكَ فَالْإِنْ فِي الْمَرْضِ وَاغْفِرُ لِنَا حُوْبَنَا وَخَطَايَانَا وَالْمَاكِنَ وَالْمُؤْلِثِينَ فَانْزِلُ شِفَاءً فِنَ الطّيبِينَ فَانْزِلُ شِفَاءً فِن السّمَاءِ فَا فَي السّمَاءِ فَاجْعَلَى السّمَاءِ فَا فَي السّمَاءِ فَا فَي السّمَاءِ فَا خَمْتُ وَاللَّهُ فَي السّمَاءُ فَا فَي السّمَاءُ فَا فَي السّمَاءُ فَا فَي السّمَاءُ فَا فَي السّمَاءُ فَي السّمَاءُ فَا فَي السّمَاءُ فَا فَي السّمَاءُ فَي السّمَاءُ فَي السّمَاءُ فَا فَي السّمَاءُ فَي عَلَى السّمَاءُ فَي السّمَاعُلَاقُ السّمَاءُ فَي السّمَاءُ

in the stantan

عامل اپناہاتھ در دمند کے سر پر رکھ کرید دعا پڑھے:

بِسُمِ اللَّهِ خَيْرِ الْأَسْمَاءِ رَبِ الْأَرْضِ وَالسَّمَاءِ بِاسْمِ الَّذِي اسْمُهُ بَرَكَةً وَشِفَاءٌ بِسُمِ اللَّهِ الَّذِي اسْمُهُ بَرَكَةً وَشِفَاءٌ بِسُمِ اللَّهِ الَّذِي الشِفَاءُ بِسُمِ اللَّهِ الَّذِي لَا يَضُرُّ مَعَ اسْمِهِ شَيْءً

اس کوتین باریاسات بار پڑھے باؤن خدائے شافی دردسر دور ہوجائےگا۔ اگر کوئی شخص میہ چاہے کہ میرے سرمیں بھی درد نہ ہووہ شخص فجر اورمغرب کی نماز کے بعد سر پر ہاتھ درکھ کرسات مرتبہ اس آیت شریفہ کو پڑھے انشاءاللہ بھی سردرونہ ہوگا اور بھی آتھے س نہیں دکھیں گی۔

يُسَسِّحُ لِللَّهِ مَا فِي السَّمُواتِ وَمَا فِي الْاَرْضِ لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيْرٌ

وہشت اور گھبراہٹ کیلئے

بوص دست اور گھرا ہے میں کرے اے ید ما پر شی جائے۔ اعُودُ بِکلِمَ اتِ اللّٰہِ النَّامَّاتِ مِنُ غَضَیهِ وَشَرِعِبَادِهٖ وَمِنُ هَمَزَاتِ الشَّیاطِینِ وَانُ یَحْضُرُونِ تین بھار ہوں سے عافیت تین بھار ہوں سے عافیت

ہر نماز کے بعد تین بار جو خض پڑھے گا اللہ تبارک و تعالیٰ تین بیار یوں سے عافیت فر ما ئیں گے۔اندھانییں بیوگا۔کوڑھنیں ہوگا۔ فالج نہیں ہوگا۔

اَللَّهُ مَعَافِئَ فِنَ اللَّهُ مَعَافِئَ اللَّهُ مَعَافِئِ اللَّهُ مَعَافِئِ اللَّهُ مَعَافِئِ اللَّهُ مَعَافِئِ اللَّهُ اللَّهُ مَعَافِئِ اللَّهُ اللْمُلْمُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ اللَّهُ الللْمُ اللَّهُ الللْمُ الللْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ الللْمُ اللْمُلْمُ اللْمُلْمُ اللَّهُ اللْمُلْمُ الللْمُ الللْمُلْمُ اللَّهُ الللْمُ اللْمُلْمُو

فائدہ: ہر مرض اور ہر درد کے واسطے، مقام درد پر ہاتھ رکھ کران آیتوں کو پڑھ کرتین مرتبہ وم کرے۔ انشاءاللہ تعالی بہت جلد صحت ہوگی۔

کان جھنجھانے کے وقت کی دعا

(نسائی،احد عن محد بن حاطب)

نزبِسُمِواللَّهِ التَّرْمُنِ الرَّحِيْمِ يَافَتَّاحُ سَّبار يَاوَهَابُ سَّبارِيَاكُوِيُهُرَّبَارِيَاوَحِيُمُ سَّبارِيَاوَحِيُمُ سَّبار

cturdulo (

SauSauSauSauSauSauSauSauSauSauS. 116 SauSauSauSauSauSauSauSauSauSauSauSa

ان اساء کولکھ کرآ دے سر کے درد والے کے سر پر ہاندھ دے۔

چېرے اور پشت کے مسول کا علاج

مونجو کی غیر ستعمل ری لیس پھر جتنی تعداد میں سے بول آئی بی گانھیں اس پر ویں گرہ ویتے وقت مریض سے پر شہادت کی انگلی رکھے اور عمل کرنے والا آیت کا بیہ جملہ پڑھے دم کرنے کی ضرورت نیس:

فَقُطِعَدَابِرُالُقَوْمِ الَّذِيْنَ ظَلَمُوا.

پھر دوسرے مے پرانگی رکھے اور عالی آیت کا فدکور وحصہ پڑھے ای طرح جتنی ضرورت جو ممل کر کے ری کو لپیٹ لیس اور کسی گندے ملیے کے ذخیرے کے اندر دیادیں جہاں کم ہے کم دو بینتے دنی رہے اس سے پہلے ہرگز نہ نگالیس۔ تین چارروز کے بعد مے ازخود کرتا شروع ہوجا کیں گے۔اور چند دنوں میں جلد صاف ہوجائے گی۔ (فلاح دارین ص ۱۰)

چېرے کے کیل مہاسوں کا علاج

لیموں کا رس تین مرتبہ کپڑے ہے چھنا ہوا دوتو لد عرق گلاب سے تھے دوتو لہ کلیسرین اعلی دوتو لہ تینوں چیزوں کو ایک شیعثی میں ڈال کر بیجان کرلیس چیرے کی خوبصورتی بڑھانے کیلئے ایک بہترین چیز تیار ہے۔ دن میں کم از کم تمین مرتبہ استعمال کرنا ہے حدم فید ہے۔ چیرے کی رنگمت کھر آتی ہے اور جلد ریٹم کی طرح ملائم ہو جاتی ہے۔

اُگر بدن یا چیرے پرکوئی داغے دھیہ ہوتو اکتالیس مرتبہ دوا یا مرہم پرمند رجہ ڈیل آیت دم کرکے استعمال کریں انشاءاللہ ہرطرح کا داغ دھیہ دور ہوجائے گا۔

مُسَلِّمَةُ لأَشِيَةَ فِينَهَا

(علاج قرآنی ص۱۰۴)

دردچثم

شرجی لکھتے ہیں حضرت خواجہ شخ فریدالدین ہے جو بلاد مند میں مشہور ومعروف ہیں روایت ہے

Charlang Cha

كدائية دونول باتحول كالكوشول كم ناخنول بربيآيت

فَكَثَفْنَاعَنُكَ غِطَآءَكَ فَبَصَرُكَ الْيَوْمَ حَدِيْكُ

سات باراول وآخر درودشریف سات بار پڑھ کر پھو نکنے اور آئکھوں پر پھیرنے سے ٹور بصروز وال ضرر کیلئے فائکدہ ہوگا۔انشاءاللہ تعالی

آ نکھد کھنے کی ایک اور دعا

الَّلْهُمَّ مَثِّعُنِيُ بِبَصَرِيُ وَاجْعَلُهُ الْوَارِثَ مِنِيُ وَآدِنِيُ فِي الْعَدُوثَأُرِيُ وَانْصُرُفِي عَيلِ مَنْ ظَلَمَنِيْ

الرجی اور ہرفتم کے دانوں کا علاج

بعض ازوان مطهرات ہے روایت ہے کہ رسول الشفائی آیک دن میرے پاس تشریف لائے اس وقت میری انگی میں دانہ نگلا ہوا تھا آ پھائی نے مجھے نے مجھے نے مایا کہ کیا تمہارے پاس ذریرہ ہے؟ میں نے کہا ہاں ہے۔آ پھائی نے فرمایا کہ اس پرنگا دَاور یہ کہوکہ:

ٱللَّهُمَّرَمُصَغِّرَالكَيِبُرِوَمُكَ بِرَالصَّغِيْرِ وَصَغِّرُمَالِنُ ﴿ وَصَغِرُمَالِنُ ﴿ قدرت جماع

حسن بھریؓ ہے ذکر کیا گیا کہ فلال شخص نے نکاح کیا تکرعورت پر قادر نہیں ہوا آپ نے دواتڈے جوش دیئے (البلے) ہوئے منگائے اور چھلکاا تارکرا کیک پر بیرآیت تکھی

وَالسَّمَاءَ بَنَيُنُهَا بِأَيُدٍ وَإِنَّا لَمُوسِعُونَ

(سورة الذاريات آيت ٢٤) ادرمرد كوكھانے كيلئے وے ديا اور دوسرے پريہ آيت لکھی

pestu

وا**ورة الذاريات آيت ٢٨**٨)

اور وہ عورت کو کھائے کیلئے وے ویا اور کہا کہ اب مطلب حاصل کروچنا نچہ وہ کامیاب ہوا۔ (اعمال قرآنی)

شیشے کے برتن میں آیت

وَتَرَكَنَابَعُضَهُمْ يَوْمَئِذٍ يَمُوْجُ فِي بَعُضٍ وَ نُفِخَ فِي الصُّوْرِفَجَمَعُنْهُمْ جَمَعًاه

لکھ کراس فخص کو پلایا جائے جوائی ہوی کی محبت سے باز رکھا حمیا ہوانشاہ اللہ ہرطرت قادر ہوجائے گا۔ (مجر بات عملیات وتعویذات ۱۸۶)

ایک مجرب عمل

عورت کے پاس ایام طہارت کے پہلے پانچ دنوں میں جانے سے لڑکا ہوگا پھر آ شویں الرح تک لڑکا ہوگا پھر آ شویں الرح تک لڑکا ہوگا پھر آپاری ہوگا ہے کہ اگر کا ہوگا پھر آپھر کیا ہوگا ہے کہ اگر کھڑے ہوگا۔ یہ بھی کہا گیا ہے کہ اگر کھڑے ہوئے ہوئے کہ والے اور عورت نے دایاں پاؤاں اٹھالیا تو لڑکا جنے گل اور اگر بایاں پاؤاں اٹھالیا تو لڑکا جنے گل اور اگر بایاں پاؤاں اٹھالیا تو لڑکی جنے گی۔ رازی کہتے ہیں کہ میں نے اس کو تین دفعہ آن مایا اور سے گا ہے۔ (کنزس ۲۰۳)

''''' بیٹل بھی بعض اوگول کے تجربہ میں آیا ہے کدا گر جا عد کی طاق راتوں میں صحبت کی جائے تو لا کا ہوگا اور جفت راتوں میں ہوتو لا کی ہوگی۔ واللہ اعلم

جريان كاعلاج

جریان کے مریض کوسورہ حجرات تین ہار پانی پر دم کرے اکتالیس روز تک پلایا جائے انشاءاللہ شفا ہوجائے گی۔ (عملیات شمیری ۱۰۰)

بعد نماز عصراول وآخر سات مرتبه درود شريف اورسوم تبديية يت پڙه تاجريان كيك بهت

مفیدے۔

nesturdub

رَبَّنَآ اَتُفِمْ لَنَانُوُرَنَاوَ اغْفِرُلَنَا اِنَّكَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيُرُهِ (سِيَعِينَ هِ.)

كثرت احتلام كاعلاج

بستر پر جاتے وقت سورہ طارق پڑھ کی جائے تو بھی کثرت احتلام کا مرض نہیں ہوگا اوراگر پہلے سے میرض ہوتو بالکل ختم ہوجائے گا۔ بہت مجرب ہے۔

(كمالات عزيز ي ص ٢ • امجر بات عمليات وتعويذات ١٥٣)

کثرت احتلام کا مریض سوتے وقت اپنے سینے پرشبادت کی اُنگل سے''عمر'' لکھے اور رات کو جب بھی آئکھ کھلے ای طرح عمر لکھے انشا واللہ ہرگز احتلام نہیں ہوگا۔ (آئینہ عملیات ۲۹۶)

آتشك اورسوزاك كاعلاج

موناك كرين ويدة يتى الدروق البين محول و بانابت منيب و وَيَشْفُ مِسْدُونِ مَنْ وَمِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ وَيَسْفُوم مُنْ وَمِنْ مِنْ وَيَنْ مَنَا يَهُمَا النَّاسُ وَيَسْفُومُ مُنُومِنِيْنَ مَنَا يَهُمَا النَّاسُ قَدَمَا وَيَشْفَا وَيُلَمَّا مَنُوعِظَةٌ فِنْ رَبِّكُمُ وَيَشِفَا وَلِمَا فِي الصَّدُورِ وَهُدُى وَيَهُمَةٌ لِلْمُؤْمِنِيْنَ وَنَنْ فَلَا المُنْ وَيَنْ وَلَا مُنَالِعُهُ وَيَعْمَةٌ لِلْمُؤْمِنِيْنَ وَنَنْ فَلَا المُنْ وَيَعْمَةً لِلْمُؤْمِنِيْنَ وَنَنْ فَلَا المُنْ وَيَنْ وَلَا المُنْ وَالْفَرُ الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَمَنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَلَا المُؤْمِنِيْنَ وَمَنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمَنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمَنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمَنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمَا الْمُؤْمِنِيْنَ وَمَا الْمُؤْمِنِيْنَ وَمَا الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمَنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمُنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَمَنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمَا الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمُ مُنْ الْمُؤْمِنِيْنِ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمُ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ وَمِنْ الْمُؤْمِنِيْنِ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ مِنْ الْمُؤْمِنِيْنَالِمُ الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ مِنْ الْمُؤْمِنِيْنَ الْمُؤْمِنِيْنِ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِيْنِ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِيْنِ وَالْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِيْنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِيْمُ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِنِيْ وَالْمُؤْمِنِ وَالْمُؤْمِ

(عملیات تشمیری ۱۰۴)

جے سوزاک کی بیماری ہوگئی ہوا ہے سورہ مزمل لکھ کر گلے میں ڈائی جائے اور ہارش کے پانی پردم کرکے چاہا بھی جائے انشاء اللہ مرض جاتا رہے گا مجرب ہے۔ (ایسنا ۴۰) اوابار بیآیات پانی پردم کرے اکتابیس روز تک پلایا جائے انشاء اللہ آتشک کا مرض جاتا رہے گا۔ بِنِ اللهِ الرَّحُمْنِ الرَّحِينِمُ وَالنَّرِعْتِ عَنَرُقًاهُ وَّالنَّشِطُتِ نَفْطًاهُ وَّالنَّشِطُتِ نَفْطًاهُ وَالنَّجِدِ سَبْحًاه فَالسَّبِقْتِ سَبُقًاهُ فَالْمُدَبِرَاتِ أَمُرُّاهُ السَّاعِةَ الْمُدَبِرَاتِ أَمُرُّاهُ السَّاسَةِ

برائے قرار حمل

جب عورت حیض ہے پاک ہوجائے تو مندرجہ ذیل تین تعویذات لکھ کراہے کھلائے امید کامل تو بہ ہے کہ پہلا تعویذ کھانے ہے ہی حمل ہوجائے گا درنہ دوسرا تعویذ کھلائے انشاء اللہ تیسری بار مرد کے قریب جاتے ہی عورت حاملہ ہوجائے گی۔ اور فرزند پیدا ہوگا۔ ان تینوں تعویذات کومشک زعفران اور گلاب ہے لکھے۔

 بسم الله الرحمن الرحيم الله والى الله ولا اله الا الله محمد رسول الله بسم الله الرحمن الرحيم

الْتَحْمُدُ لِللهِ الَّذِي حَلَقَ السَّمُواتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ الظَّلُمٰتِ
وَالسُّوْرَ. ثُمَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوا بِرَهِمْ يَعْدِلُونَ (١) هُوَ الَّذِي حَلَقَكُمْ
فِينَ طِيْنِ ثُمَّ فَضَى آجَلًا. وَآجَلُ مُسَمَّى عِنْدَهُ ثُمَّ الْتُمْ تَمْتَرُونَ
اللهُ الْمُحَمِّدُ لِللهِ الَّذِي حَلَقَ السَّمُواتِ وَالْأَرْضَ وَجَعَلَ الظَّلُمٰتِ
وَالسَّوْرَ. ثُمَّ الَّذِيْنَ كَفَرُوا بِرَبِهِمْ يَعْدِلُونَ (١) هُوَ الَّذِي حَلَقَكُمْ
وَالسَّوْرَ. ثُمَّ اللَّذِي كَفَرُوا بِرَبِهِمْ يَعْدِلُونَ (١) هُوَ الَّذِي حَلَقَكُمْ
مِنْ طِيْنِ ثُمَّ اللَّذِي كَفَرُوا بِرَبِهِمْ يَعْدِلُونَ (١) هُوَ الَّذِي حَلَقَكُمْ
مِنْ طِيْنِ ثُمَّ اللَّذِي كَفَرُوا بِرَبِهِمْ يَعْدِلُونَ (١) هُوَ اللَّذِي حَلَقَكُمْ
مِنْ طِيْنِ ثُمَّ اللَّذِي اللهِ الْمُؤْلِقُ السَّلُونِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ ال

أَلْحَمُمُ لُلِلْهِ اللَّهِ مَ كَلَقَ السَّمُواتِ وَالْارْضَ وَجَعَلَ الظَّلُمْتِ وَالْدُونَ () هُوَ الَّهِ مُ عَلَقَكُمُ وَالبَّوْنَ () هُو الَّهِ مُ عَلِيلُونَ () هُو الَّهِ مُ خَلَقَكُمُ مِّ مِنْ طِيْسِ ثُمَ قَصْسَى اَجَلَا. وَ اَجَلَّ مُّسَمَّسى عِنْدَهُ ثُمَّ اَنْتُمُ تَصَرُ وَنِ فَ اللهم بحق يا مالك يوم تَمْتُرُونَ ٥ اهيا ازوني اصبا و توف اللهم بحق يا مالك يوم الدين اياك نعبد و اياك نستعين و كان الله غفوراً رَّ حيماً و الله بعو الفوز العظيم برحمتك يا ارحم الرحم الرحمة الراحمين

اسقاط حمل كاعلاج

اگر کسی عورت کومل ندر ہتا ہوتو ہے آ یت جالیس دن تک چینی کے پیالے میں لکھ کر چاا کمیں اور کا غذیر لکھ کر کمر میں باندھیں انشاءاللہ حمل قرار پائے گا۔

بِسُمِ اللهِ الرَّحَمُنِ الرَّحِيثِمُّ لِلْهِ مُلْكُ النَّمُوتِ وَالْأَرْضِ يَخْلُقُ مَا يَتَاءُ يَهَبُ لِمَنْ يَشَاءُ إِنْثَاوَيَهَبُ لِمَنْ يَثَاءُ الذُّكُورَهُ اَوْيُرَوِجُهُمْ دُكُرانًا وَإِنْثَا وَيَخِعَلُ مَنْ يَثَاءُ الْفَاعِيْمُ الْ إِنَّ لَمْ عَلَيْهُمْ قُدُورَ الْمِسِيدَةِ اللَّهِ الْمُنْ فَيَقَاءُ عَقِيمًا اللَّهُ عَلَيْهُمْ الْمُنْ فَيَقَاءُ عَقِيمًا اللَّهُ عَلَيْهُمْ أَنْ فَا اللَّهُ عَلَيْهُمْ اللَّهُ اللَّ

۲۔ وضوکر کے ایک گوشے میں بیٹر کر بیا کلمات لکھیں اور عورت کے پہیلے پر با تدھیں انشاء اللہ حمل گرنے ہے محفوظ رہے گا۔

بِئِمُ اللَّهِ الرَّحُمُ الرَّحِ مِن الرَّحِيمُ اللَّهُ عَيْرٌ الرَّحِيمُ النَّهُ اللَّهُ عَيْرٌ النَّهُ اللَّهُ عَالِلْهُ عَيْرٌ النَّهُ عَالِمُ اللَّهُ عَالِمُ اللَّهُ عَمْ الْمُحَمِّلُ حَمْلُ حَمْلُ حَمْلُ اللَّهُ عَمْ الْمُحَمِّلُ اللَّهُ عَمْ الْمُحَمِّلُ اللَّهُ عَمْ الْمُحْمَدُ اللَّهُ عَمْ اللَّهُ عَمْلُ اللَّهُ عَمْلُكُ عَمْلُ اللَّهُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْ اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَمْلُكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ عَمْلُكُولُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ عَمْلُكُ اللَّهُ عَلَيْكُولُ عَمْلُكُولُ عَمْلُكُمْ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلْمُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْكُمُ عَلِي اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَلَيْكُمُ اللَّهُ عَ

وَاصْبِرُوَمَاصَبُرُكَ إِلاَّبِاللَّهِوَلَا تَخَزَنَ عَلَيْهِمْ وَلَاتَكُ فِي ضَيْقٍ فِمَّايَمْكُرُونَ هَ إِنَّ اللَّهَ مَعَ الَّذِيْنَ اتَّقَوُا وَالَّذِيْنَ هُمُ مُحْسِنُونَ هَا اللَّهِ عَلَىٰ اللَّهَ

اورسور و کافرون پڑھ کر پھونکے وھا کہ عورت اپنی کمر پر باندھے انشاء اللہ حمل محفوظ کی ہے۔ گا۔ (کمالات عزیزی اوا واقعال قرآنی ۹۴)

برائے اولا دنرینہ

جب حمل اڑھائی ماہ کے قریب ہواہ رتین ماہ کال نہ گزرے ہوں تو منح کی نماز کے بعد ہاہ نسو اول درود شریف پھرسورہ فاتھ پھرسورۃ بقرہ کلا دہنب بنید تک پڑھیں اور نے مٹی کے آبخورہ میں پانی کے کراس پردم کرکے حاملہ کو پلادیں۔ سات دن میمل کریں انشاء اللہ لڑکا پیدا ہوگا۔ مجرب ہے۔ (فلاح دارین ۹۷)

شروع مہینۃ حمل میں اگرعورت کی داخی پہلی پرسور واعلیٰ لکھے دیں تو انشاءاللہ اولا وزینہ پیدا ہو(ائٹال قرآنی)

اولا دنرينه كيلئ

رَبِ هَبْ لِيُمِنْ لَدُنْكَ ذُرِّيَّةً طَيِّبَةً ۚ إِنَّكَ سَمِيْعُ الذُّعَآءِ٥٥ مرة ٱلمُرانا َيت ٢٨

جس کی اولاد نه ہوتی ہووواس آیت کومغرب کے بعد سات مرتبہ پڑھے تو انشاء اللہ مقصد

يورا ہوگا۔

، ومراطریقہ بیہ بے کہ شب جمعہ میں نصف رات کے بعد مشائی یا حلوے کے کلزے پر کسی ایک جگد میٹے کر اسے عورت کو کھلائے اور پھر جماع کرے تین ایک جگد بیٹے کر جہاں کوئی نہ ویکھے بیآ بیت لکھے اور اے عورت کو کھلائے اور پھر جماع کرے تین ہارشپ جمعہ کو بیٹل کرے انشاء اللہ اس عمل کی برکت سے ضرور بچہ بیدا ہوگا۔

يَّانَهُ النَّاسُ الثَّوُّارَبَّكُمُ الَّذِيْ خَلَقَكُمُ مِنْ نَفْسٍ وَّاحِدَةٍ وَخَلَقَ مِنْهَ ازَوْجَهَا وَبَثَ مِنْهُ مَارِجَالًا كَثِيْرًا وَّفِيمَا ءُ وَاتَّقُوا اللهُ الَّذِي تَسَاءَ لُوُنَ بِهِ وَالْاَرْحَامُ إِنَّ اللهَ كَانَ عَلَيْكُمُ رَقِيمَهُهُ

اولا دكيلئ

جب عورت جیش ہے فارغ ہوجائے تو بکری کا ایک فرید بچید ذرج کرے دیکھی میں پکا کر اس کی پنٹن دن میں پی لے اور بیآیت پاک وصاف برتن میں اس طرح کھے کہ کوئی حرف مٹاہوا نہ ہو۔ اور پھراہے وحوکر وو پانی بوقت جماع عورت پی لے انشاء اللہ اس ممل کی برکت ہے استقرار ممل ہوجائے گا اور بچہ پیدا ہوگا۔

> "الحسد الله رب الغلمين () الرحمُن الرحيم () مُلك يوم الدين () ايساك نعيد و ايساك نستعين () اهدنسا الصراط المُستقيم () صراط الذين انعمت عليهم () غير المغضوب عليهم والاالضآ لين ()"

حیض کی کمی اور در د کا علاج

ا۔ جسعورت کی ماہواری میں کی ہواوراس سے تکلیف ہوتو ان آیات کولکھ کر کمر میں اس طرح یا تدھیں کے تعویذ رحم پریزار ہے۔انشاءاللّٰد شفا ہوگی۔

وَجَعَلْمَ فِيْهَا جَنْبَ مِنْ تَجِيلٍ وَآغُنابٍ وَفَجَوْنَا فِيْهَا مِنَ الْعُيُوْنِ 0 لِيَاكُلُوْا مِنْ لَمَرِهِ وَمَا عَمِلْتُهُ آيْدِيْهِمْ. آفَلَا يَشْكُرُوْن 0 أَوَلِّمُ بَرَالَيْمُنَ كَفَرُوا آنَّ السَّمُوٰتِ وَالْارْضَ كَانَا رَتُفًا فَفَتَقُنْهُمَا. وَجَعَلْنَا مِنَ الْمَآءِ كُلَّ ضَيْءٍ حَيْ. آفَلَا يُؤْمِنُوْن

كثرت حيض كاعلاج

ا۔ جیش کا خون زیادہ آئے کی صورت میں سات دن تک سورہ دہر پانی پر دم کر کے پادیا جائے۔انشاءاللہ خون آنا ہند ہوجائے گا۔

۔ ہے۔ جس عورت کی ماہواری میں زیادتی ہواس آیت کولکھ کر تمریس یا تدھیں اس طرح کے تعویذ رحم پریژارے۔

وَقِيْلَ يَنَارُضُ الْمُلَعِيُّ مَا ۚ لَكِ وَيُسَمَّاءُ اَقْلِعِيُّ وَغِيْضَ الْمَاءُ وَقُضِيَ الْاَمْرُ وَاسْتَوَتُ عَلَى الْجُوْدِيِّ وَقِيْلَ بُغُدًّا لِلْقَوْمِ الظَّلِمِيْنِ

بچوں کی بدتمیزی کا سبب اوراس کا علاج

بچوں کی برتمیزی اور نافر مانی کا سب عموماً والدین کے گناو ہوتے ہیں۔ خدا تعالی کے ساتھ ابنا معالمہ درست کریں اور تین بارسورہ فاتحہ پانی پردم کرکے بچے کو پلایا کریں۔ (آپ کے مسائل اور ان کاهل ج کے ۲۰۸ حضرت لدھیانوی شہید)

حالت مرض کی دعا

جو شخص حالت مرض میں بیددعا جالیس بار پڑھے اگر مرا تو شہید کے برابر ثواب ملے گا اور اگرا چھا ہوگیا تو تمام گناہ بخشے جا کمیں گے۔

> لآالة الآائت سُبُحٰنك إِنِّ كُنْتُ مِنَ الظّلِمِينَ ﴿

(اسوه رسول اكرم ينطق ع ۵۷۸)

ڈاڑھاور کان کے درد کیلئے عمل

جو مخص ہر چھینک کے وقت

ٱلْحَمُدُ لِلْهِ رَبِّ الْعُلْمِينَ عَلَى كُلِّ حَالِمَ مَّاكَانَ ۞

> کے تو ڈاڑے اور کان کا در دہمی بھی محسوں نہ کرے گا۔ (حصن حسین ابن الی شیبے ص ۳۳۵)

بماركي شفا كيلئے

اً - آيت بيب: وَ لَا نَـحُـلِقُوا رُءُ وْسَكُمْ حَتْى بَيْلُغَ الْهَدْيُ مَحِلَّه . فَمَنْ كَانَ مِنْكُمْ مَّرِيْضًا أَوْبِهِ أَذَّى مِّنْ زَّأْسِهِ فَفِلْيَةٌ مِّنْ صِيَامِ أَوْ صَدَقَةٍ أَوْ

نیندنہ آنے کا مجرب علاج

ا - الان باته مرير ركه كرسات بارآيت كاصرف اتنا حصه يزهير فَضَرَبْنَا عَلَى اذانِهِمْ فِي الْكَهْفِ

پھر ہاتھ پردم کرے سر پر پھیریں وانشا واللہ خوب گبری فیندآئے گ۔

۲۔ اگر نیندند آ رہی ہوتو قر آ بن یاک کی بیر آیت مبارکہ پڑھیں: إِنَّ اللَّهَ وَمَـلَئِكَتَهُ يُصَلُّونَ عَلَى النَّبِيِّ. يَأَيُّهَا الَّذِيْنَ امَّنُوا صَلُّوا عَلَيْهِ وَسَلَّمُوا تَسْلِمًا

اس کے بعد درود شریف پڑھتے رہیں جس قدر دھیان اور توجہ سے پڑھیں گے اتنی جلد کی فیندآ جائے گی۔

> ٣- بسترير باوضودا تمي كروث قبلدرخ ليث كرسات مرتبه يرهين: تَحْسَبُهُمْ أَيْفَاظًا وَّ هُمْ رُقُودٌ

انشاءالله خوب نیندآئے گی۔ (از حضرت صندل باباجی مدخلہ)

مقرره وفت يربيداري كاخاص عمل

مورة كَهِف كَى آخرى آيات رانَّ الَّيادِينَ المُّنسُوا وَعَمِملُو الصَّلِحْتِ عَاآخِ سور و، اول وآخر سات سات بار در و دشریف ان کاایصال ثواب جناب حضرت رسول ا کرم ملطقہ کیلئے کریں اور وعا کریں کہ یااللہ! مجھے اٹنے بیجے جگا دیجئے گا۔ انشاء اللہ ای ماں باپ بڑے بہن بھائی کو چاہیے کہ بچوں اور چھوٹے بھائی بہنوں کو جوان ہونے کے بعدالی دعائمیں یاد کروادیں جن میں اعتصار شنے کا ملنا اور عافیت کے ساتھ زندگی کا گزرنا طلب کیا گیا ہو۔ چونکہ بید دعائمی خوداللہ تعالیٰ ہی نے ہتلائی میں گویا آتا خود ہی ہتلا رہا ہے کہ ہمارے ور ہار میں ہم سے اس طرع مانگو۔ لہٰڈاوہ وعائمیں قبولیت کے زیادہ قریب میں۔

> رَبَّنَاهَبْ لَنَامِنَ أَرُوَاجِنَاوَذُرِّتْ بِنَاقُتَرَةً اَعَيُنِوَ اجْعَلْنَالِلْمُثَقِّنَ إِمَامًا.

اللہ تعالیٰ نے اس دعا کواپے خاص بندوں کی دعا فربایا ہے۔ بیددعا ہر مرد وعورت کوزندگی بحر ما تکتے رہنا جا ہے۔ بہت مبارک دعا ہے اس میں شوہر بیوی، نیچے خاندان سب کیلئے و نیا و آخرت دونوں کی دعا نیں آگئی ہیں۔

جيٹے يا بيٹي كى شادى مبارك ہو وَهُوَاكَٰذِي خَلَقَ مِنَ الْمَاءِ بَشَرًا فَجَعَلَهُ نَسَبًا وَصِهُ رًا وَكَانَ مَ بُكَ قَدِينُرًا ﴿

(مورۃ الفرقان آیت ۵۴) فائدہ: اگر آپ کے بیٹے یا بیٹی کا عقد نہ ہوتا ہوتو آپ اپنی اس مراد کیلئے ۲۱ دن تک ۳۱۳ باراس آیت مبارکہ کو پڑھیں۔

> بيثاعالم فاضل اور ذبين ہو وَعَلَمَكَ مَالَمُ تَكُنُ تَعُلَمُ * وَكَانَ فَضْلُ اللهِ عَلَيْكَ عَظِيْمًا ۞

(سوره النساء آيت ١١٣)

مان کروزانه بلا کمیں انشاءاللہ اس کی برکت سے عالم فاضل ہوجائے گا۔ کرکے روزانہ بلا کمیں انشاءاللہ اس کی برکت سے عالم فاضل ہوجائے گا۔

عزت وقاراورنام پیدا کرنے کیلئے

فَيِلْهِ الْحَمُنُ رُبِ النَّمُ وَتِ وَرَبِ الْاَرْضِ رَبِ الْعُلَمِينُ ۞وَلَهُ الْكِبُرِيَاءُ فِي التَّمُوتِ وَالْاَرْضِ وَهُوَ الْعَزِيْرُ الْحَكِيْمُ ۞

> فا کدو: عزت ووقاراورنام کیلئے ۱۱ بارروزانه پڑھیں۔ (سورة الجاثية آيت ٣٦-٣٧)

امتخان مين آسان پرچوں كيلئے فَانَّحَسُبَكَ اللهُ هُوَالَـٰنِ ثَنَّ آيَّدَكَ بِنَصْرِهِ وَبِالْمُؤْمِنِيْنَ ﴿

فائدہ: امتحان میں آسان پرچوں کیلئے فتح اور کامیانی کیلئے جانے سے پہلے ، ہار ضرور پڑھ لیں۔

> مقدمه مين كاميا في كيلئ وَقُلُ جَاءَ الْحَقُّ وَزَهَقَ الْبَاطِلُ النَّ الْبَاطِلَ كَانَ زَهُوْقًا ۞

فائدہ: اگر آپ کو مقدمہ میں کامیابی حاصل کرنی ہوتو روزاند کسی نماز کے بعد ۱۳۳ بار ندکورہ آبیت پڑھالوا گرفتن پر ہوت پڑھو، ناختی پڑھنے والاخود مصیبت میں گرفتار ہوسکتا ہے۔

غصہ دفع کرنے کیلئے

وَالْكُظِمِيْنَ الْغَيْظُ وَالْعَافِيْنَ عَنِ النَّاسِ الْمُحُسِنِيُنَ ﴿
وَاللَّهُ يُحِبُ الْمُحُسِنِيُنَ ﴿

فائدہ: اگرآپ کوغسہ شدیدآتا ہے اور آپ سے باہر ہوجاتے ہیں توا • ایار ندکورہ آیت ا • دن تک چیٹی پر پڑھ کر کھالیں

بيٹے اور بیٹی کیلئے رشتہ نصیب ہو اَمِّنُ یُحِیْبُ الْمُضْطَرِّ اِذَا دَعَاهُ وَیَکْشِفُ السُّوْءَ،

(سورة إنمل آيت ٦٢)

اگر پیدائش کے وقت سورۃ جائید لکھ کرموم جامہ کرتے ہے گئے میں پینائی جائے تو آسیب وغیروے حفاظت رہتی ہے۔ (محضیتا سرار)

اولا د كالمطيع ہونا

اگر کسی کی اولا دنا فرمان ہوتو ہر نماز کے بعدائ آیت کو پڑھا کرے اور فرجی کی جگدا پنے بچے کا نام ذہن میں رکھے آیت ہیہ ہے:۔

ۅٙٲڞڸڂڮٷڎؙڒؚؾؘؾؚ٤ٙٳؽٚؿؙڹؿؙٳڵٙؽڬۅٙٳۮؚؚٚ مِنَالْمُسْلِمِيْنَه

اگر نافر مان اولا و پرائیک بزار مرتبهٔ مشهید "پر هاجائے تو وہ فرمان بردار ہوجائے گی انشاء اللہ

زوجين ميں محبت كيلئے

فَإِنْ تَوَلِّوَافَقُلُ حَسْبِيَ اللَّهُ لَآ اِللَّهَ اِلاَّهُ وَعَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ وَهُوَرَبُ الْعَرْشِ الْعَظِيْمِ، شب جمعہ بیں نصف رات گز رجانے کے بعد پاوضو تین مرتبہ بید دعا پڑھے۔ اس تھے۔ بعد پھر یہ کہے:

> ٱللَّهُمَّ اَنْتَ الرَّبُّ حَسْبِيْ (من فلان بن فلانة) او فلانة بن فلانة) أَعْطِفْ قَلْبَ هُ أَوْقَلْبَهَ الِكَ وَذَلِلْهُ اَوْ ذَلِلْهُ ۖ الِنَّ .

bestricuboc

اگرید وظیفه پڑھنے والی مورت ہے تو فلال بن فلال کی جگد شوہر کا نام لے جس کی محبت مطلوب ہے اور اگرید وظیفه پڑھنے والا مرد ہے تو فلانہ بنت فلانداس کا نام اور اس کی مال کا نام ا

بقول حضرت مولاناانورشاه تشميري به وظيفه آزموده يعني مجرب ب- (مخبيذاسرار)

برائے حب

ا۔ اس دعا کو کھانے کے اوپرستر باردم کرکے کھلاتے جس کو کھلائے وہ محبت کرنے گلے گا۔ وہ دعا ہے ہے: یکا حکی میٹوٹنا

اس کوصرف اکتالیس مرتبه پڑھ کریان پرمطلوب کو کھلائے انشاء اللہ تعالی مطلوب کا دل مطبع و فرمانیر دار ہوجائے گا۔مجرب وآزمود وے۔ بفضلہ تعالی

س۔ اول وآخر دس دس بار درود شریف پڑھے اور درمیان اس کے اسم یاباز و ت کو بیس شیخ یعنی دو ہزار مرتبہ پڑھ کرمشائی پر دم کر کے مطلوب کو کھلائے انشاء اللہ تعالی مطلوب تا بعدار ہوجائے گا۔ میکل آزمود داور مجرب ہے۔

المرکوئی فض اپنی محبت میں کسی کو برقر ارکرنا چاہے تو کسی گلاس وغیرہ میں یانی لے کراس پریابئذ ؤی سات یار پڑھ کردم کرے اوراس میں سے تھوڑا سایانی اپنے مندمیں لے کر غرارہ کی طرح پانی کو حرکت دے پھرای گلاس میں ڈال دے۔ جواسے پٹے گا اس سے مجبت کرنے گئے گا۔

۵۔ تھوڑا سا سرمہ لے کراس پرسورہ فاتحہ ۳۱ بار پڑھ کردم کر کے اپنی آئکھوں میں لگا کر

astastastastastastastastastasta 130 Jastastastastastastastastastastast

جس کے سامنے جاوے وہ محبت کرنے گئے گلراس کے دونوں کے نام اور اپنانام اور ایک 40 بھیا کا نام بھی ہو۔

1۔ خوشیو کے سات عدد پھول نے کرا یک ایک پھول پر سات سات بارید آیت پڑھ کر دم کرے اور اس کے دونوں کا نام پھرا پی ماں کا نام اور اپنا نام جس سے محبت کرنا چاہیے اس کووہ پھول دے تا کہ دواس کوسو تھے اس وقت محبت کرنے لگے گا۔

ده آيت ڀي

وَلَقَدُ فَتَنَّا سُلَيْمُنَ وَٱلْقَيْنَا عَلَى كُرْسِيّهِ جَسَدًا ثُمَّ آنَابَ

عمل برائے تسخیر

ا۔ بعد نماز عشاء تین شیخ یا ودود یا رؤف یا رحیم اول آخر تین تین مرتبه درود شریف پڑھ کراپنے مقصد کیلئے دعا مائلیں انشاءاللہ کا میابی ہوگی۔مجرب ہے۔ میمل گیارہ یوم ہوگا۔نو چندی جعرات کوشروع کیا جاوے۔

1۔ عمل اسم باری تعالی اللہ تسنیر کیلئے مجرب ہے۔ اگر چاہیں کہ کی کو دوست اور مسخر بنا کیں یا کسی امیر سے نفع حاصل کرنا ہوتو چاہیے کہ عروج ماویٹ جعرات یا جمعہ کے روزائ عمل کو شروع کر ہیں۔ اس تر تیب سے کہ رات کے دفت دوزا نو قبلہ روجو کر بیٹیس اورا پی آ تکھیں بند کریں پہلے گیار و بار آیت الکری العلی العظیم تک پڑھیں بعدہ ایک ہزار دیں باراسم ذات مع عبارت کے پڑھیں اورا پی مطلوب کو اپنے سامنے دست بستہ کھڑا ہوا تصور کریں۔ جب اسم تمام ہوجائے اس کے بیند پردم کریں۔ اورا پی دار جی اشارہ کریں کہ میرامطیح ہوجائے۔ اس طرح پندرہ روز تک بدستور پڑھیں اگر ممکن ہوتو کسی چیز پردم کریں کہ میرامطیح ہوجائے۔ اس طرح پندرہ روز تک بدستور پڑھیں اگر ممکن ہوتو کسی چیز پردم کریں کہ میرامطیح ہوجائے۔ اس مطبع اور قربا نیر دار ہوجائے گا۔

اگراس اہم کی زکو ہ چالیس روز تک ہرروز ہزار ہزار ہار پڑھیں تو اس مبارک اہم کے عامل ہوجا کیں۔ لیس تنجیر میں (اپنے لئے ہوخواہ غیر کیلئے) عمل ندکور کام آتا ہے۔ یعنی جس چیز پر دم کرکے کھلا کیں یا پاکسی بالا کیں بڑا اثر پیدا ہو۔ زکو ہ میں آیت الکری بدستور ندکور ہر روز پڑھنی جا ہے اور جب چلہ تمام ہوتو شربت پر دم کرکے ترفیم مرافظتے کی روح مبارک پر فاتحہ ویں اور تھوڑا تھوڑا وظیفہ جاری رکھیں تاکہ ہمیشے مل قابو میں رہے۔ اسم ذات کے ساتھ یہ عبارت بڑھنی ہوگی۔

206/00/206

یا مُقَلِّبَ الْقُلُوبِ قَلِّبُ قَلْبُهُ النَّیُ اورا گرعورت ہوتو کہیں قَلْبُهَا اِلَیَّ ۳۔ اگر کسی کو مخر کرنا ہوتو ہرروز ہزار مرتبدائ آیت اورا سا مکو پڑھ کر ثیر بنی یا پھولوں پر وم کریں اور مجبوب کو کھلا کیں یا سنگھا کیں افتاء اللہ تعالی مطبع وفر ما تبردار ہو جائے گا۔ مجرب و آزمود و ہے۔آیت اورا ساء یہ ہیں!۔

وَاللهُ الْمُسْتَعَانُ عَلَى مَا تَصِفُونَ يَارَفِيْقُ يَاشَفِيْقُ لَجِينُ مِنْ كُلِّ ضِيْقِ

٣. يَابَدِيْعَ الْعَجَائِبِ بِالْخَيْرِ يَابَدِيْعُ

یا کچے سو ہار پڑھے اول وآخر وک دی بار درود شریف خدا کے نفتل وکرم سے تمام لوگ تا ابع رہیں سے کوئی وقت معین نہیں کوئی سابھی وقت مقرر کرلے۔ جرب الجر ب ہے۔

۵۔ شخصی جاہ وعزت اور تنجر کیلئے ذیل کا عمل دی بار پڑھ کرا ہے مند پرل کرچس کے
یاس جائے گا وہ بے حدمیت ہے ویش آئے گا اور اس میں بہت سے قائدے ہیں۔ محرب ہے۔
اللّٰہ تَسْفَلُو مِیْنَ یَا حَیْنَ اَلْمُتَفَلُّو مِیْنَ یَا حَیْنَ اَلْمَقَلُّو مِیْنَ یَا حَیْنَ اَلْمَدُو مِیْنَ یَا حَیْنَ اَلْمَدُو مِیْنَ یَا حَیْنَ اَلْمَدُو اِلْمَدِیْنَ اِللّٰمِیْنَ اِللّٰمِیْنَ یَا حَیْنَ اللّٰمِیْنَ اِللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اِللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اِللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنِیْنَ اللّٰمِیْنَ الْمِیْنَ الْمِیْنَ الْمِیْنَ الْمِیْنَ الْمِیْنِ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنِ اللّٰمِیْنِ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنِ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنِ اللّٰمِیْنِ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنِ اللّٰمِیْنَ اللّٰمِیْنِیْنَ اللّٰمِیْنِ اللّٰمِیْمِیْنَ اللّٰمِیْنِیْنِ اللّٰمِیْمِیْمِیْنِ اللّٰمِیْمِیْ

1- عمل اسم باری تعالی (الله) تسخیر کیلئے جمرب ہے۔ اگر جا ہیں کہی کو وست اور سخر

ہنا تھیں یا کسی امیر ہے نفع حاصل کرنا ہوتو چاہیے کہ عروج ماہ میں جمعرات یا جمعہ کے روز اس عمل

کرشروع کریں۔ اس ترتیب ہے کہ رات کے وقت دوز انو رواقبلہ ہوکر بیٹیمیں اور اپنی آئیمیں

ہند کریں پہلے گیارہ بارآیۃ الکری پڑھیں بعدہ ایک ہزار دس باراسم ذات مع عمبارت کے پڑھیں

اور اپنے مطلوب کوسامنے دست بستہ کھڑا ہوتھ ہورکریں۔ جب اسم تمام ہوجائے اس کے بیند پر
دم کریں۔ اور اپنے دل میں اشارہ کریں کہ میرامطیع ہوجا۔ اس طرح پندرہ روز تک بدستور

پڑھیں اگر ممکن ہوتو کسی چیز پر دم کر کے مطلوب کو کھلا تھی۔ انشاء الله مطبع اور فرما نبر دار ہوجائے

اگراس اہم کی ذکو ہ چالیس روز تک ہرروز ہزار ، ہزار بار پڑھیں تو اس مبارک اہم کے عامل ہوجا کیں۔ پئی تنجیر شیں (خواہ اپنے لئے ہوخواہ غیر کیلئے)عمل فدکور کام آتا ہے۔ یعنی جس چیز پردم کرکے کھلا کیں یا بلا کیں بڑا اثر پیدا ہو۔ زکو ہیں آیت الکری بدستور فدکورہ ہرروز پڑھنی چیز پردم کرکے کھلا کی یا بلا تھی بڑا اثر پیدا ہو۔ زکو ہیں آیت الکری بدستور فدکورہ ہرروز پڑھنی چاہیے اور جب چلے تمام ہوتو شربت پردم کرکے تی فیم مرکز کے تی دوئ مبارک کو ایسال ثواب کریں

اور تحوز اتحوز اوظیفہ جاری رکھیں تا کہ عمل ہمیشہ قابو میں رہے۔ اسم ذات کے ساتھ کید عمامی ہے۔ پڑھنی ہوگی۔ یا سفلب الفلوب فلب قلبہ الل اورا گرمورت ہوتو کہیں فلب الل

لاعلاج مرض كيلئ رَبَّةَ أَنِيْ مَسَّنِىَ الضُّرُّ وَ أَنْتَ أَنْ حَدُ

الرهيدين ٨٠ (پاره ١٥ مرة الانبياء آيت ٨٠)

۱۳۳ باریزهکروم کریں۔

چوری اور شیطانی اثرات سے حفاظت کیلئے

جو شخص سونے سے پہلے ۳۱ بار بسم اللہ الرحمٰن الرحيم پڑھے تو چوری اور شيطانی اثر ات سے اوراحیا تک موت کے آئے ہے محفوظ رہے گا۔

ظالم پرغلبه حاصل ہو

جومظلوم فخص تمی ظالم کے سامنے پہلی بار بہم اللہ الرحمٰن الرحیم پڑھے تو اللہ تعالی اس خالم کومغلوب کرکے پڑھنے والے کوغالب کریں گے۔ (فزائدا مثال ص ۸)

ذ ہن اور حافظہ توی ہوجائے

جس کسی کا حافظ کمزور ہوو و سات سوچھیا ہی بار بسم اللہ الرحمٰن الرحیم پانی پر دم کر کے طلوع آفتاب کے دفت ہے تو ذہن کھل جائے گا۔ اور حافظ تو می ہوجائے گا۔

حصول شفا كيلئے قرآنی وظیفہ

بعض روایات میں حضرت علی کرم اللہ و جہہ ہے منطق کے کے سورہ انعام پوری سورۃ جس مریض پر پڑھی جائے تو اللہ تعالیٰ اس کوشفاد ہے ہیں (معارف القرآن ج سام ۵۱۳)

besturduk

Cardan Cardan Cardan Cardan Carda (* 133 - Cardan Cardan Cardan Cardan Cardan Cardan Cardan Cardan Cardan Card

شوہر کی ناراضگی دور کرنے کیلئے

ا۔ جس کا شوہر ناراض ہو وہ اپنے شوہر کو بیر آیت مضائی پر دم کر کے کھلائے انشاء اللہ اس کی نارائمنگی دور ہوجائے گی۔

وَمِنَ النَّاسِ مَنْ يَتَحَجِدُ مِنْ دُوْنِ اللهِ آنْدَادًا يُُحِبُّوْنَهُمُ كَحُبِّ اللهِ. وَالَّذِيْنَ امَنُوا آشَدُ حُبًّا لِلهِ وَلَوْيَرَى الَّذِيْنَ ظَلَمُوا إِذْ يَرَوُنَ الْعَذَابَ آنَ الْقُوَّةَ لِلهِ جَمِيْعًا. وَآنَ اللهَ صَدِيْدُ الْعَذَابَ

۲۔ اگر سور و بوسف لکھ کر بازور باند صفاق یوی اے دل سے جا ہے گا۔

۳۔ اگر کسی میٹی چیز پر لفظ "بدؤٹے" لکھ کر جے کھلائے وہ اس حض کو بہت چاہئے گلے اور اس حض کو بہت چاہئے گلے اور اس محبت کرے اور اگر لفظ ہدوح تھری پر لکھ کر کوئی چیز اس تھری ہے کاٹ کر کسی کو کھلائے تو وہ محض اس ہے مبت کرنے گلے گا۔

۳۔ اگر شوہر و ہوی میں تارائسگی ہوتو اس نقش کوتعویذ بنا کرموم جامہ کرکے زوجین میں سے جس کو ضرورت ہوا ہے واہنے بازومیں بائدھ لے۔انشاءاللہ تمام اختلافات دور ہوجائے ۔

دعا کی قبولیت کیلئے

ا۔ جمعہ کے دن بعد نماز عصر بوری آیت انگری ستر مرحبہ پڑھنے کے بعد جس مقصد کیلئے ۔ بھی دعا کی جائے گی ووقبول ہوگی۔

۲۔ اہم باری تعالی دیسے السعال "کوان دونول ناموں کے اعداد کے مطابق یعن ۳۵۵ بار یز دوکر جو بھی دعا کی جائے گی قبول ہوگی۔

﴿ وَإِذَا جَاءَ نُهُمُ اللَّهُ اللَّهُ قَالُوا لَنْ تُؤْمِنَ حَتْى نُؤْلَى مِثْلَ مَا أُوتِي رُسُلُ اللّٰهِ مَاللّٰهُ أَعْلَمُ حَيْثُ يَجْعَلُ رِسَالَتُه

سم اس آیت میں لفظ الله منصلاً دوجگه آر باہے ان دونوں الله کے درمیان جس چیز کیلئے مجھی دعا کی جائے گی انشاء الله ضرور قبول ہوگ ۔

ه به جعرات کے روز بعد نماز جاشت پانچ سویار "السیسے" پڑھ کروعا کی جائے تو وعائمی قبول ہوں۔

۱۹۔ حضرت سیدہ فاطمہ رضی اللہ تعالی عنبا بیان فریاتی جیں کہ مجھ ت آنحضور کھی ہے۔ ارشاد فرمایا کہ دعا کرنے ہے پہلے اے پڑھ لیا کرو۔

يًا أَوَّلَ الْأَوَّلِيْنَ وَكَا الْحِرَ الْأَلِحِرِيْنَ وَيَا ذَا الْقُوَّةِ الْمَنِينَ وَيَازَاحِمَ الْمَسَاكِيْنَ وَيَارَرُحَمَ الرَّاحِمِيْنَ

دافع يريثان خوابي كاعمل

اگر کسی کوسوتے وقت خواب میں برے برے خیالات اور وسوے آتے ہوں تو سور والم نشرے 9 یار پڑھ کرسویا کرے نہایت مجرب ہے۔

حصار کی تر کیب

شاہ عبدالعزیز فرماتے ہیں کہ اگر کوئی خوف کی جگہ ہو یا کوئی جلائی یا جمالی عمل پڑھے (یا جنات ، بھوت پریت ، آسیب اور شیاطین و فیرو کا خطرو ہو) تو ایسے فخص کو جا ہے کہ اپنے گرد حسار قائم کرلے جوان سب آفات کیلئے محرب ہے۔

ترکیب: آیت الکری ایک بار اور جاروں قل ایک ایک بار پڑھ کراپنے جاروں طرف حصار کرے اور جا قوے محط کھنچے

چېرے اورپشت کے مسول کا علاج

بعض اوگوں کو بدن کے اکثر جھے پر سے ہوجاتے ہیں اور بدنما معلوم ہوتے ہیں ان کے فتم کرنے کے خطف طریقے اختیار کرتے ہیں۔ مندرجہ ذیل عمل کو آزما کر دیکھے لیس انشاء اللہ بلا تکیف سے جعز جا کمیں گے۔ موجھ کی فیر مستعمل ری لیس پھر جتنی تعداد میں سے ہوں آئی ہی گر جی اس پر جننی تعداد میں کے۔ موجھ کی فیر مستعمل ری لیس پھر جتنی تعداد میں سے ہوں آئی ہی گر جی اس پر جی اس پر جی اس کے دولت مریض سے پر شہاوت کی انگی رکھے اور ممل کرنے والا آیت کا بہ جھے۔

فَقُطِعَ دَابِرُ الْقُوْمِ الَّذِيْنَ ظَلَمُوْا

پڑھے دم کرنے کی ضرورت نہیں پھر دوہرے سے پر انگلی رکھے اور عالی آیت کا حصد پڑھے ای طرح جتنی ضرورت ہو قبل کرکے ری کو لپیٹ لیس اور کسی روڑی پر گندے ملے کے وخیر و کے اندردیادیں جہاں کم سے کم وو شفتے وئی رہے اس سے پہلے ہرگز نہ نکالیس - تمن چارروز کے بعد مے ازخودگرنے شروع ہوجا تمیں گے اور چند دنوں میں جلد صاف ہوجا لیگی۔

چېره خوبصورت بوجائے

چركى دوسورتى كىڭ روزاندائد بار پر ھاراپ دو پر پروش .

اَلَٰهُ نُوْسُ السّمَاوٰتِ وَالْا رُضِ مَتَلُ نُورِ مِ

كَيشْكُووْ فِيهُا مِصْبَاحٌ الْمِصْبَاحُ فِي زُجَاجَةٍ الرُّجَاجَةُ

كَيشْكُووْ فِيهَا مِصْبَاحٌ الْمِصْبَاحُ فِي زُجَاجَةٍ الرُّجَاجَةُ

كَافَهَا كَوْكَ بُكُورَةٍ مَنْ يَتُوقَ كُر مِنْ شَجَرَ وَمُنْ الرُّعَا لَكُورِ مَنْ فَعَلَى اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ اللَّهُ الْمُعَلَى اللَّهُ اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ الْمُعَلِّى اللَّهُ الْمُعَلِّى اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ الْمُعَلِّى اللَّهُ الْمُعْلِى اللَّهُ الْمُعَلِّى اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ الْمُعَلِّى اللَّهُ الْمُعَلِّى اللَّهُ الْمُعَلَّى اللَّهُ الْمُعَلَى اللَّهُ الْمُعَلَى اللَّهُ الْمُعْلِى اللَّهُ الْمُعَلِى اللَّهُ الْمُعَلِى اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعَلَى اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلِى اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ اللَّهُ الْمُعْلَى اللَّهُ الْمُعْلِى اللَّهُ الْمُعْلِى اللَّهُ الْمُعْلَى اللْمُعْلَى اللْمُعْلَى اللْمُعْلَى اللْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلَى اللْمُعْلَى اللْمُعْلَى الْمُعْلَى الْمُعْلِيْكُمْ الْمُعْلِى الْمُعْلِيْكُمُ اللْمُعْلِي الْمُعْلِى الْمُعْلِمُ الْمُع

پھوڑ ہے پچنسی کا تیر بہدف علاج

شہاوت کی انظی پر لعاب لگا تھی پھر تین ہار ہست اللہ اللہ اکبسو اورایک ہار آئم آئسو ہو گا گئیں۔
امکسوا قبالگا میٹیو مگون (زخرف 24) پڑھ کردم کریں اور وولعاب پھوڑے پہنسی یازٹم پر لگا ئیں۔
سجان اللہ عجیب وخریب تا ثیر رکھتا ہے۔ خصوصاً وضو کے فوراً بعدا عضاء کو خشک کرنے ہے پہلے
اگر میمل کیا جائے تو اس کی تا ثیر بڑھ جاتی ہے۔ عورتوں کیلئے یہی وم تیل پر کرکے ویں یعنی
لعاب پردم کرکے اے تیل میں شامل کرویں۔ الجمد نشداس وم کی برکت ہے کوڑھ جیسی بیاری
کے مریض بھی گھیک ہوگئے۔ وہ افراد جن کی انگیوں کے پورے کی کرگررہ سے تھاس دم والے
تیل کے لگانے ہے بالکل ٹھیک ہوگئے۔

چېرے کے کیل مہاسوں کا علاج

لیموں کا رس تبن بار کیڑے ہے چھتا ہوا دوتولہ عرق گلاب سەآتشد ووتولہ کلیسرین بڑھیا

والی دو تولد متیوں چیزوں کو ایک شیشی میں ڈال کر یکجان کرلیں۔ چبرے کی خوبصور تی بڑھی نے کیلئے ایک بہترین چیز تیار ہے۔ دن میں کم از کم تین مرتبہ استعال کرنے چیرے کے داغ و ہے، کے کیل مہاہے وغیرو کے دفعیہ کیلئے ہے حد مفید ہے۔ چبرے کی رگھت گھر آتی ہے اور جلدریشم کی مانند ملائم ہوجاتی ہے۔

داغ دهبول كاعلاج

اگریدن یا چیرے پرکوئی داغ دھیہ ہواوراے دورکر نامقصود ہوتو اکتالیس مرتبہ دوایا مرہم پرمندرجہ ذیل آیت پڑھ کر دم کریں اور پھروہ دوایا مرہم استعال کریں انشاءائلہ ہرطرح کا داغ دھیہ دور ہوجائے گا۔

مُسَلَّمَةٌ لَّا شِبَةً لِيْهَا

فالج القوه اورشياطين سے حفاظت كيلئے

سوت وقت اس آیت کو پڑھنے والا فائی القوه اور شیاطین کی شرارت سے محفوظ رہتا ہے۔ إِنَّ رَبَّكُمُ اللَّهُ الَّذِي خَلَقَ السَّمُونِ وَالْآرْضَ فِي سِتَّةِ آبَامِ ثُمَّ السَّمَانِ السَّهَارَ يَطُلُبُهُ خَرِيْنًا. اسْتَوٰى عَلَى الْعَرْشِ. يُغْشِى الْسَالُونِ النَّهَارَ يَطُلُبُهُ خَرِيْنًا. وَاللَّمُ مُسَ وَالْفَصَرَ وَالنَّجُومَ مُسَخَّرْتٍ م بِالْمَرِهِ. اللَّالَةُ الْخَلْقُ

(موره الراف آیت ۵۴)

گویا والدین کاحق ادا کردیا

ایک روایت میں آیا ہے کہ جو تھیں اپنے والدین کی طرف سے بچ کرے تو ان کو ایک تج کا تو اب ہوتا ہے اور جچ کرنے والے کیلئے 9 تج ں کا ثو اب ہوتا ہے۔ علامہ مین کی نے شرح بخاری میں ایک حدیث نقل کی ہے کہ جو تھیں ایک ہارید وعا پڑھے اور اس کے بعدید کے یا اللہ اس کا ثو اب میرے ماں باپ کو پہنچادے تو اس نے والدین کا حق اوا کردیا۔ وعایہ ہے:۔

آلحُمَدُ لِلْهِ رَبِّ الْعُلَمِيْنَ رَبِّ الشَّمْ وَتِ وَرَبِ الْأَرْضِ رَبِ الْعَلَمِينُ وَلَهُ الْكِيْرِيَاءُ في السَّمَا وْتِ وَالْأَرْضِ وَهُوَالْعَزِيُزُا لُحَكِيْمُ يللح الحُمَّدُ رَبِّ السَّمَاوٰتِ وَرَبِّ الْأَرْضِ رَبِ الْعُلْمِينَ وَلَهُ الْعَظَمَةُ فِي السَّمَا وابِ وَالْأَرْضِ وَهُوَالْعَزِيْزُالْحُكِيْمُ هُوَالْمَاكُ رَبُّ السَّمَا وَ رَبُّ الْأَرْضِ وَرَبُّ الْعٰلَمِينَ وَلَهُ النُّوْرُ فِي السَّمُوٰتِ وَالْإِرْضِ وَهُوَالْعَزِنْزُالْحَكِيْمُ

مَا لَطِيْفُ كَامَلَ

عشاء کی نماز کے بعد دورکعت نماز صلو ۃ الحاجت پڑھیں نما زکے بعد گیارہ ہارسورہ الم نشرح بردهین پھر گیارہ بار در دوشریف بڑھ کرسولہ ہزار چے سوا کتالیس (۱۶۲۴) بار یا لطیف پڑھیں اور آخر میں گیار و ہار درود شریف پڑھ کرا ہے مقصد کیلئے وعا مانگلیں ۔ بہت عجیب اور سر بع

ں کا طریقتہ رہے کہ ایک سوانتیس (۱۴۹) دانے والے تبیج کے کر قبلہ رخ بیٹھ جا کیں ا کیک میج پڑھ کران جاروں آیات کو پڑھیں یاان میں ہے کسی ایک کو پڑھیں۔ اً يَتَنْبِرا: لَا تُدُرِكُهُ الْاَبْمَصَارُ. وَهُوَ يُدُرِكُ الْاَبْصَارُ. وَهُوَ اللَّطِيْفُ

آيت أُمِرًا: اللَّهُ لَطِينُكُ مِيعِبَادِهِ يَرْزُقُ مَنْ يَتَشَآءُ وَهُوَ الْفُوتُ الْعَزِيْزُ (الشوريُ ١٩) آيت نُبرا: إلَّا يَعْلَمُ مَنْ خَلَقَ وَهُوَ اللَّطِيْفُ الْخَبِيْرُ (الملك،١١)

آيت تُمِرُم: فَلَمَّا دَخَلُوا عَلَى يُوسُفَ اوْتِي إِلَيْهِ ابَوَيْهِ وَقَالَ ادْخُلُوا مِصْرَ إِنْ شَآءَ اللَّهُ امِينُونَ ٥ وَرَفَعَ الْمَوْيُهِ عَلَى الْعَرْشِ وَخَرُّوا لَهُ سُجَّدًا. وَقَالَ يَأْلَبَ هُذَا تُأُويُلُ رُءُ يَايَ مِنْ قَبْلُ قَدْ جَعَلَهَا رَبِّي خَفًّا. وَقَدْ أَحْسَنَ بِي إِذْ ٱلْحُمرَ جَنِي مِنَ السِّجُنِ وَجَآءَ بِكُمْ مِنَ الْبَدُو مِنْ مِ بَعْدِ أَنْ نُوَعَ الشَّيْظُنُ يَيْسِيْ وَبَيْنَ إِخْوَيْسِيْ. إِنَّ رَبِّني لَطِيْفٌ لِّلَمَا يَشَاءُ إِنَّهُ هُوَ الْعَلِيْمُ

آیت یو صفے کے بعد پھر ایک تبیع پر عیس اور ہر تبیع کے بعد جاروں آیات یاان میں ہے کوئی ایک یا دوآیات پڑھیں۔ بیمل ایک سوانتیس بار دہرائیں اس طرح کل عدد ۱۹۶۴ بورا موجائے گا۔ یعنی ایک سوانتیس وانوں والی سیج ایک سوانتیس بار پر هیں۔

درمیان میں جو آیات پڑھی جاتی ہیں ان کی تفصیل یہ ہے کہ اگر کسی کو دشمنوں کی طرف ہے تکلیف اور پریشانی ہوتو وہ ہرکہتی کے بعد آیت نمبرا پڑھے۔ جوروزی کی تنگی اور مشکل کا شکار بهووه آیت فبرایز ہے۔

جو کسی مرتبے مقام عبدے یا درہے کا طلب گار ہووہ آیت فہر ۳ پڑھے جوقيدو بندكي مصيبت ميس مبتلا ہوو د آيت فمبر ٢ براھے

اور جے جارون طرح کی مشکلات در پیش جوں وہ جاروں آیات پڑھ لے اسی طرح وویا تمِن آیات بھی حسب ضرورت پڑھ کتے ہیں۔

اس عمل کیلئے عشاء کے بعد کا وقت بہترین ہے وضوا چھی طرح آ داب واہتمام ہے کریں عمل توجه اورمجت کے ساتھ اللہ تعالیٰ کی رضاء کیلئے ڈکراللہ کی نیت ہے کریں اور تواضع اختیار كريں ۔ بادرتھيں بالطيف كا أنسيرتمل اے بہت فائدہ ديتا ہے جوتواضع اعتبار كرنے والا ہو۔ ہو سکتے تو زندگی میں ایک باریعمل ضرور کرلیں۔ تب زندگی کا دخ آسانیوں اور رحمتوں کی طرف ہوجاتا ہےاوراگر توفیق ملے تو ہار ہار کریں۔اللہ تعالی کا ذکر جتنا کیا جائے اتنا مفید ہے۔ یہ مل کرنے کے بعد اگر روزاندا یک سوانتیس مار بالطیف کومعمول بنالیس اور آخر میں کوئی آیت بھی

يڑھاليا كريں تو ہے حدمفيد ہے۔

بسم الله كأعمل

اول و آخر سات سات مرتبه درود شریف مصلی پر قبله رخ چینه کرایک بزار مرتبه بهم الله الرضی الرحیم پرخیس پرخیس برار مرتبه بهم الله الرضی الرحیم پرخیس پجراشد کر دور کعت نماز پرخه کراپی حاجت کیلیج و عاکریں۔ پجر بزار مرتبه بهم الله الله الرحیٰن الرحیم پرخیس پجرا نشد کر دور کعت نماز پرخه کراپی حاجت کیلیج و عاکریں۔ بیمل باره مرتبه د برا مرتبه د برا مرابع می الله الرحیٰن الرحیم کی تلاوت بوجائے گی اور باره مرتبه د عا۔ مرتبه د ورکعت نماز اور باره مرتبه د عا۔

درود شریف عمل کے شروع اور آخر میں سات سات پار پڑھ لیس اور دعاء میں ہر پارا یک حاجت چیش کریں یادویا تمین اس ہے زیادہ نہیں۔

یکل بے عدمؤ ثر اورمفید ہے ناجا تز کاموں کیلئے ہرگز نذکریں اور ندہی فضول اور مکروہ کاموں کیلئے۔ (تلقین فرمود وامام العارفین حضرت مولانا قاری محدعر فان صاحب زیدمجد ہم)

سوره اخلاص کا مجرب عمل

باوضوقبلدرخ بیند کرایک ہزار بارسورہ اخلاص پڑھیں پہلی مرتبہ پڑھنے ہے پہلے ہم اللہ الرحمٰن الرحیم پڑھ پھر باقی بغیر ہم اللہ کے پڑھیں عمل کے اول وآ خر میں سات سات بار درود شریف پڑھ لیں۔ آخر میں اپنے مقصد کیلئے دعا کریں۔ بہت طاقتو عمل ہے اور بعض اہل علم نے اے اسم اعظم قرار دیا ہے۔

سوره فانخه كالمجرب عمل

ا چی طرح وضوکر کے خلوت میں دورگھت صلوۃ الحاجت پڑھیں گھر کھڑے ہوکر گیارہ
ہار درود شریف پڑھیں پھرا کتالیس ہارسورہ فاتحہ (الحمد شریف) اس طرح پڑھیں کہ پہلے ہر ہار
ہم اللہ الرحمٰن الرحيم پڑھیں پھر دوہارہ ہم اللہ اس طریقے سے پڑھیں کہ الرحیم کی میم کو الحمد
کے لام سے ملادی (رحیم الحمد نلیہ) اس طریقے سے اکتالیس مرتبہ سورہ فاتحہ پڑھ کر بجدہ میں
چلے جا نمیں اور اپنی مشکلات کے حل کیلئے و عاکریں۔ انشاء اللہ ضرور قبول ہوگی۔ اس ممل میں
ہیاتی ہار ہم اللہ پڑھی جائے گی اور اکتالیس ہارسورہ فاتحہ نیز فجر کی سنتوں اور فرضوں کے
درمیان اکتالیس ہارسورہ فاتحہ پڑھنا بھی ہے حدم فید ہے۔

سحركا مجرب علاج

بیری کے سات ہے جن میں سوراخ نہ ہو لے کران میں سے ہر پتے پر تین باریہ آیت پڑھیں اور ہر بار پڑھ کردم کریں

وَاتَّبَعُوا مَاتَتُلُوالشَّيْطِينُ عَلَمُونَ

تك يوري آيت (البقرة ١٠١)

اس طرح سات بھوں پرکل اکیس ہاریہ آیت پڑھی جائے گی۔ان بھوں کو یاک ہاتھوں سے تو ڈکر پانی میں ڈال دیں۔مریض سات دن تک یہ پانی بیتا رہے۔ پانی کم ہونے پر مزید پانی ملاتے رہیں۔ یہ پانی گھراور دوکان پر بھی چیز کیس۔انشاءاللہ شفاء ہوگی۔مجرب ہے۔

عمل آيت الكرسي

حضرت مولا نامفتی ولی حسن صاحب نورالله مرقد و جادو کے علاج کیلے عمل آیت الکری تلقین فر مایا کرتے تھے عمل آیت الکری ہیے:

درود شریف تنین بار،سوره فاتحه تنین بار، آیت انگری تنین بار،سوره اخلاص تنین بار،سوره فلق تنین بار،سوره والتاس تنین بار، تنین باردرود شریف

فجرظہراورعشاء کے بعد پڑھ کراپنے اوپر دم کریں اور ہاتھوں پردم کرکے پورے جسم پر پھیریں۔ بیدم مریض پر بھی کیا جاسکتا ہے۔ بعض مشاک اس میں سورۃ الکافرون کا اضافہ بھی فرماتے ہیں۔

دل کی غفلت دور کرنے اور ہدایت پانے کیلئے وَاهٰدِیکَ إِلٰی دَناِکَ فَتَخَشْی

(سوروالنازعات ١٩)

فائدون جوسید حمی راہ ہے بھٹک گیا ہو یابرے افعال میں پڑ گیا ہو یا اللہ کی طرف ہے عافل ہو گیا ہوتو اس آیت کوروزات اوابار پانی پردم کرے اے پلائمیں۔

دشمنوں اور ظالموں سے حفاظت کے اعمال

حضرت مولانا مفتی و بی حسن صاحب ٹو تکی مفتی اعظم پاکستان نوراللہ مرقدہ وشمنوں سے مختلف مختلف میں : حفاظت کیلئے درج ذیل حیارا ممال تلقین فریاتے تھے بیدا عمال بندو کے محرب ہیں :

سوره قريش كأعمل

مغرب کی نماز کے بعد اکتالیس مرتبہ سورہ قریش ہر بار بسم اللہ کے ساتھ پڑھیں بہت مقبول ،مفیدا درمؤ ٹرعمل ہے۔اول وآخر درووشریف پڑھیں۔

ایک مسنون دعاء

عصر كے بعد ٣١٣ باريمسٽون دعا پڙهين اَللَّهُمَّ إِنَّا نَجْعَلُكَ فِي نُحُورِهِمْ وَنَعُونُبِكَ مِنْ شُرُورِهِمْ اول وآخر درودشريف پڙهين ۔

ایک آیت کریمه کاعمل

عمر ك بعد پهلے ون ۱۱۳ مرتباور آئد وجس قدر جائيں پڑھيں سيهُ فرَّمُ الْجَمْعُ وَيُولُونَ الدُّبُرَا (القرهم) اول و آخر درووشريف

الله الصمد کے خواص

(ماخوذ ازتیرکات مرتبه علیم محد مشیر الدین صاحب رحمد الله یا بوزگی مثا بجهانیور)

ا- جس کسی گومیم (اہم ضرورت) کلی و جزوی پیش آئے کسی طرح حل نه ہو سکتی ہو

عابے کہ اس کونماز فجر وعشاء کے بعد ہزار بار اول وآخر درود شریف گیارہ گیارہ بار ویار پڑھے

اور جوخص بعد ہرنماز سوسو بار پڑھے کسی وقت رنجیدہ نه ہواور ایمان سلامت رہے۔

اور جوخص بعد ہرنماز سوسو بار پڑھے کسی وقت رنجیدہ نہ ہواور ایمان سلامت رہے۔

اور جوخش بعد ہرنماز معرکے بعد بہاس بار پڑھے تو اس کا مرتبہ دونوں جہان میں ہلندہو۔

۳۰ و اگر کسی کو کام مشکل و دشوار پیش برواور کوئی حل کی صورت نه بروتو پدرد کی راهند کو نباوے اور بنرار باریز ھے اس کا کام انشا واللہ تعالی پورا ہوجائے۔

۳۔ جو کوئی تبجد کی نماز کے وقت بہت سا پڑھے جمال وجلال اللہ تعالی جل شانہ کا نصیب ہو۔سب خلائق آ سان وزین چرند پرندسب اس مےمبت رکھیں۔

ان اسم كى نو بزار خاصيتيں بين جوفض الله الصمد كانتش اپ گھر ميں ركھے كھے درد و افریت نہ بہنچ اور دشن انتصال نہ پہنچا سكے ۔ لنش بیب:

| F9 | ۵٢ | 24 | rr |
|----|-----|----|----|
| ۵۵ | rr | MA | ۵۴ |
| 14 | r/A | ۵۱ | 72 |
| ۵r | F4 | ra | 04 |

ے۔ اگر کسی معاملہ کو دریافت کرنا جا ہے تو اس کو جا ہے ہارہ روز تک ہارہ ہزار مرتبہ اللہ الصمدیز ھے سب بھید ظاہر ہوجا کیں گے۔

۸۔ جوکوئی جا ہے کہ کوئی خزانہ غیب سے پائے یا معلوم کرنا جا ہے تو چھ رات دن ہردن چے ہزار چھ سے جو ہورات دن ہردن چے ہزار چھ سوچھیا سے مرتبداللہ الصمد پڑھے خزانہ خود بخو دمعلوم ہوجائے گا۔ یا کوئی بزرگ خواب میں آ کراطلاع دے گا۔

مازیمج وعصر کے بعد چھسوم شہاللہ الصد پڑھنا اسمبر ہے۔
 بعد عشا مسوم شہروز پڑھے تو عذاب قبرے نجات پائے۔
 زکو ۃ بارہ ہزار بارہ سوم شہر ۔۔۔۔۔قال تین ہزار تین سوتر یسٹی مرشہہ اور دور مدور تین سوسا ٹھ مرشہہ

besturdub

رحمتوں دالے اعمال محمو

besturdubook

ستر ہزارفرشتوں کی دعا ئیں

حنورا کرم اللے نے ارشاد فرمایا ہے جو محص میچ کو بید دعا تمن یار پڑھ کر پھر سورہ حشر کی آخری تین آیتیں پڑھے گا تو شام تک ستر بزار فرشتے اس کیلئے دعا کرتے رہیں گے اورا گررات کو پڑھے تو میچ تک ستر بزار فرشتے دعا کریں گے اوراس دن مرکیا تو شہید مرے گا۔ (ترندی)

اَعُوْذُ بِاللَّهِ السَّمِيئِعِ الْعَلِيئِمِ مِنَ الشَّيُطِنِ الرَّحِيئِمِ ٥ بِهِرسُورهُ حشر کی آخری بین آئین :

هُوَاللَّهُ الَّذِي لَآ اِللَّهَ الَّاهُ وَكُلُّمُ وَعُلِّمُ الُغَيْبُ وَالشَّهَادَةِ هُوَالتَّرْمُنُ الرَّحِيْمُ هُوَاللَّهُ الَّذِي لَا إِللَّهَ الرَّاهُوَّ ٱلْمَالِكُ الْقُدُّوْسُ السَّلَامُ الْمُؤْمِنُ الْمُهَيِّنِ الْعَزِيْزُالْجَبَّارُالْمُتَّكَّبِّرُ سُبُحُنَ اللَّهِ عَمَّا يُشُرِكُونَ۞هُوَاللَّهُ الْخَالِقُ الْبَارِئُ الْمُصَوِّرُ لَهُ الْإِسْمَاءُ الْحُسُنَٰ يُسَبِّحُ لَهُ مَا فِي السَّمَاطُوتِ وَالْأَرْضِ وَهُوَالُعَزِنُزُ الْحَكِيْمُ ٥ (رَنْدَى)

مجلس كے خاتمہ پرمبارك دعا سُبُحَانَكَ اللَّهُمَّ وَبِحَمْدِكَ اَشُهَدُ اَنُ لَا إِلٰهَ اِلْاَانْتَ اَسْتَغُفِرُكَ وَاَتُوبُ اِلْيُكَ

(متدرك جلداص۵۳۶)

فائدہ: اس دعا کا فائدہ بیہ ہے کہ اگرمجلس میں اچھی ہاتیں کی ہوں گی تو پیکلمات ان پرمہر بن جائمیں گےاوراگرفضول اورلغو ہاتیں کی ہوں گی تو وہ معاف ہوجائے گی۔

> اَللَهُ لَطِيْفٌ لِعِبَادِهِ يَزُزُقُ مَنُ يَشَاءُ وَهُوَالْقُوئُ الْعَزِيْزُ ﴿

(معارف القرآن جلديص ١٨٧)

ابدال بننے كانسخه

حضرت امام غزاتی نے احیاءالعلوم میں تحریر فرمایا ہے کہ جوشخص روزانہ بید دعا تین مرتبہ پڑھے گا اس کیلئے ابدال کا درجہ لکھا جاتا ہے۔ابدال اولیائے کرام میں ایک بہت بڑا درجہ ہوتا ہے۔ دعا بیہ ہے:

> ٱللهُمَّ اغْفِرُ لِأُمَّةِ مُحَكَّيْصِلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُمَّ ارْحَمُ أُمَّةَ مُحَكَّيْصِلَى اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُمَّ رَجَاوَزُعَنُ أُمَّةِ مُحَكِّيْصِلَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ اللهُمَّ رَجَاوَزُعَنُ أُمَّةِ مُحَكِّيْصِلَ اللهُ عَلَيْهِ وَسَلَمَ

مظاهر حق جديدج مهم ٥٥ قسط ١٣٠)

مشکلات آسان ہوجا ئیں

رسول مقبول مقافتے نے فرمایا جو محص میں ہوتے ہوئے اور شام ہوتے ہوئے بید عاسات مرتبہ پڑھ لے گا تو اللہ تعالی اس کے تمام کاموں کا کفیل ہوجائے گا اور تمام فکروں سے نجات ہوجائے گی۔ یعنی اس کی تمام حاجات پوری اور مشکلات آسان ہوجا کیں گی دوسری روایت میں یہ ہے کہ جو محص جمہ کے دن مبح کی نماز سے پہلے تمن مرتبہ پڑھ لے گا اس کے تمام گناہ معاف ہوجا کمیں گے دعا ہے ۔

حَسُبِى اللّٰهُ لَا إِللّٰهَ اِلاَّهُوَعَلَيْهِ تَوَكَّلُتُ وَهُوَرَبُ الْعُرُشِ الْعَظِيْمِ (دَرَاللَّهُ حضرت شِنْجُ بونی کا ایک خاص الخاص عمل

جس کوکوئی حاجت در پیش ہووہ ہدھ، جعرات اور جعد کے روزے رکھے۔ جعد کے روز مخسل کر کے مجد جائے۔ راہ میں پچھ صدقہ دے پھر نمازے فارغ ہوکر بیدہ عارِ جے:

اللهُ قَ اللهُ وَاللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ الرَّحْمَنِ الرَّحْمَنِ الرَّحْمَنِ الرَّحْمَنِ الرَّحْمَنُ الرَّحْمَنُ الرَّحِيمُ اللهُ ا

ا المورد کا نام لے جوائی وقت ہوری ہوگی۔ معفرت عبداللہ بن عمر اللہ بن عمر اللہ

یبال اپنی ضرورت کا نام لے جوامی وقت پوری ہوگی۔حضرت عبداللہ بن عمر ؒ نے فر مایا ہے۔ وعا جالوں کو نہ سکھاؤ ورنہ وو ایک دوسرے پر بدوعا کریں گے اور قبول ہوگی۔ (مشس المعارف الکبری ص ۲۵۹)

قیدے رہائی کاعمل

بعرات كى رات ال وعاكوايك بزار بار يزهيس قيد عنفاظت اورقيد عفاطل

بحرب ب

ٱللُّهُمَّ صَلِّ عَلَى مُحَمَّدٍ وَ اللهِ وَ عِنْرَتِهِ بِعَدَدِ كُلِّ مَعْلُومٍ لَّكُ

یه درود شریف درود قادری کهلاتا ہے۔ اور اس کمل کی تکفین ہمارے شخ مشخ طریقت معرب مولانا سیدمحمود صاحب عرف صندل باباجی زیدمجد وفر ماتے ہیں۔ نیز روزاندا کی بزار بار یا واحد یا احد پڑھنے والے کواللہ تعالی قیدے خلاصی عطافر ماتے ہیں۔

ایک لا کھ چوہیں ہزار نیکیاں

اوران مبن كي برمرت راعة يرجنت من أيك درخت لكاياجات كار (بزار)

بے بسی ختم ہواور کام جلدی ہو

رزق کی ترقی اور برکت کیلئے یا کوئی کام بس سے باہر ہواورکوئی وسیلہ نظر ندآتا ہو یا اگر کسی کام میں آسانی اور جلدی مطلوب ہوتو سورۃ المزمل ایک بیٹھک میں ۴۱ بارتین ون تک پڑھیں اس عمل سے دوسروں کومقصان پہنچانا مقصود نہیں ہونا چاہیے

تظيم الشان وظيفه

معترت ابوابوب انساری سے مرفوعاً روایت ہے کہ جب سورہ فاتحہ آیت اکثری، آیت کے اور قل الہم مالک الملک بغیر حساب نازل ہوئی تو عرش سے معلق ہوکر فریادی کہ کیا گئے۔ ہم کوالی قوم پر نازل فرمارہ ہیں جو گناہوں کا ارتکاب کریں گے ارشاد ہوا کہ قتم ہے عرف ان کی کہ جواوگ ہر نماز فرض کے بعد تہماری تلاوت کریں گے می کا معتقرت فرما تیں گے اور جنت الفردون میں جگہ دیں گے اور ہرروز ستر مرتبہ نظر رحمت کی کی معتقرت فرما تیں گاور جنت الفردون میں جگہ دیں گے اور ہرروز ستر مرتبہ نظر رحمت کی کے بیس گیاوراس کی ستر حاجتیں پوری کریں گے جس کا اونی درجہ معتقرت ہے۔ (ویلیم) شہداللہ اورقل اللہم مالک الملک بغیر حساب ٹازل ہوئی تو عرش ہے معلق ہوکر فریا د کی کہ کیا آپ ہم کوالی قوم پر نازل فرمارہے ہیں جو گناہوں کا ارتکاب کریں کے ارشاد ہوا کہتم ہے۔ میری عزت وجلال اورارتفاع مکان کی کہ جولوگ ہرتماز فرض کے بعد تمہاری تلاوت کریں گے ہم ان کی مغفرت فرما تھیں گے اور جنت الفردوس میں جگہ دیں گے اور ہرروزستر مرتبہ تظر رحمت ے دیکھیں گیاوراس کی ستر حاجتیں پوری کریں گے جس کا اوٹیٰ درجہ مغفرت ہے۔(ویلمی) فائدہ بعض روایات میں ہے کہ ہم اس کے دشمنوں پراس کوغلبہ عطا کریں گے۔ (تضیر

روح المعاني پساس ١٠٦)

يرْ جنے كاطريقة: الحمد شريف، آيت الكرى يرُ ه كريه يرُ ھے شَهِدَ اللَّهُ آنَّهِ لَآلِلَةِ إِلَّاهُوَ وَالْمَلِّيكَةُ وَ أُولُو االْعِلْمِ قَائِمًا مِ بِالْقِسْطِط لَــَآلِكُـةَ إِلَّاهُــوَ الْمُعَوِيْزُ الْحَكِيْمُ 0 إِنَّ البِّدِيْنَ عِنْدَاللَّهِ الْإِسْلَامُ عِنْ وَمَا الْحَسَلَفَ الَّيذِيْنَ أُوْتُو اللِّكِتُبِّ إِلَّا مِنْ ، يَعْدِ مَاجَاءَ هُو الْعِلْمُ بَغْيًا ، بَيْنَهُمْ ﴿ وَمَنْ يَكُفُرُ بِأَيْتِ اللَّهِ فَإِنَّ اللَّهَ سَرِيْعُ الْحِسَابِ كِرِيرٍ رَحْ اللُّهُمَّ مُلِكَ الْمُلُّكِ تُؤْتِي الْمُلَّكَ مَنْ تَشَآءٌ وَتَنْزعُ الْمُلْكَ مِمَّنْ تَشَاءً وَ تُعِزُّ مَنْ تَشَاءً وَتُلِدِلُّ مَنْ تَشَاءً ﴿ بِيدِكَ الْخَيْرُ ﴿ وِالَّكَ عَلَى كُلُّ شَيْءٍ قَدِيْرٌ م تُولِيجُ الَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَ تُولِجُ النَّهَارَ فِي الَّالِ زَ وَتُخْرِجُ الْحَيَّ مِنَ الْمَيَّتِ وَتُخْرِجُ الْمَيِّتَ مِنَ الْحَيِّ إِ وَ تَرْزُقُ مَن

الثدنعالى كومحبوب كلمات

حضورا کرم اللہ نے ارشاد فرمایا ہے کہ دو تکھے ایسے ہیں جو زبان پر بھکے ہیں ترازو میں بہت وزنی جن اور اللہ تعالی کو بہت پیارے جن:

سُبُعَانَ اللَّهِ وَبِحَمَدِه سُبُعَانَ اللَّهِ الْعَظِيمُ

وشمن ہے حفاظت کیلئے

اگراس دعا کو پڑھ کراہے ہاتھ پر دم کرکے پورے بدن پر پھیر لے تو دہمن ہے محفوظ رہے گا۔ دہمن کے بچوم سے بھی گڑ رہائے تو وواسے ندد کھے تکیس کے دو بیہے: لَا نُسُدُرِ تُحُسُدُ الْاَبْسَصَارُ، وَهُموَ يُدُرِكُ الْاَبْصَارُ، وَهُوَ اللَّطِيْفُ الْنَحْبِيْرُ (سوروانعام ۱۰۳)

مال كاتم ہوجانا

ا۔ اگر کسی کی کوئی چیز کم ہوجائے تو بیاد عا پڑھ کراچی کم شدہ چیز کے ل جانے کی وعا کر لے انشاءاللہ یہت جلدوہ چیز مل جائے گی۔

> "يَا جَامِعَ النَّاسِ لِيَوْمِ لَأَرَيُبَ فِيُهِ إِنَّ اللَّهَ لَا يُخُلِفُ الْمِيُعَادِ إِجْمَعُ بَيْنِي وَبَيْنَ كَذَا فَإِنَّ اللَّهَ تَعَالَى يَجْمَعُ بَيْنَكَ وَبَيْنَ ذَالِكَ الشَّيُ."

" ذَالِكَ النَّسِيْءِ" كَي جَلَدا فِي مَم شده چيز كا تذكره كري اس طرح الركسي انسان كوا پي طرف ماكل كرنا جا بي تو اس فخف كانام لے۔

اگر کسی چیزیا مال کے ضائع ہونے کا اندیشہ ہوتو سور وقصص لکھ کراس جگہ لاکا دے جہاں مال رکھا ہوا تا اواللہ وہ مال ضائع اور بریا ونیس ہوگا۔

اگر کسی کی کوئی چیز گم ہوگئی ہوتو سورہ واضحی سات بار پڑھ کر اس چیز کی واپسی کیلئے دعا
 کرے۔ جب وَ وَجَدَلاً حَسَالًا فَهَلَای پر پنچاتو اے تین بار پڑھانا اللہ دو چیز ال
 جائے گی اگر دہ چیز نہیں ملے گی تو اللہ تعالی اس کا قم البدل عطافر مائے گا۔

س۔ اگر کسی کی کوئی چیز چوری ہوگئی ہوتو جس دروازہ ہے بال لگلا ہواس دروازہ پر کھڑا ہوکر سورہ والطارق پڑھنے ہے وہ مال واپس مل جائے گا۔

۵۔ جس مخص کی کوئی چیز کم ہوجائے تو ۱۱۹ باریا حفیظ اور ۱۱۹ باریہ آیت پڑھ کراس چیز کی واپسی

کی دعا کرے انشاء اللہ وہ چیزل جائے گی۔ مجرب ہے آیت بیہ: بنگ نئی اِنْکِیا اِنْ مَکُ مِشْفَالَ حَبَّةٍ مِّنْ خَوْدَلٍ فَلَکُنْ فِنْ صَخْرَةٍ اَوْ فِی السَّمُونِ اَوْ فِی الْاَرْضِ یَانِ بِهَا اللَّه السَّمُونِ مَنْ فِی الْاَرْضِ یَانِ بِهَا اللَّه الہ حَمْشدہ چیز کے ل جانے کیلئے اس دعا کی کثرت کرلے:

> "يُسَاجَامِعُ النَّاسِ لِيَوُمِ لَارَيُبُ فِيهِ اِجْمَعُ عَلَىً ضَآلُتِيُ."

انشاءاللہ اس دعا کی برگت ہے وہ چیزیل جائے گی۔ 2۔ ان آینوں کوروٹی ماکسی کھانے کی چیز پر لکھ کرجس پر چوری کا شبہ ہوا ہے کھلائے اگر وہ واقعی چورہوگا تو دہ نہیں کھا سکے گا۔ آیات یہ میں:

 ۸۔ اگر کسی کی کوئی چیز کھوگئی ہوتو اپنی انگشت شہادت کوائیٹے سرے چہار جانب تھماتے ہوئے سات مرتبہ سورہ والفتی پڑھے پھرا کی مرتبہ

> ''أَصْبَحْتُ فِي أَمَانِ اللَّهِ وَآمُسَيْتُ فِي جَوَادِ اللَّسِهِ امُسَيِّتُ فِي آمَانِ اللَّهِ اَصْبَحْتُ فِي جَوَادِ اللَّهِ''

> > (مجربات حضرت مولانا عبدالله شهيد)

දිකුණිකුණිකාරිකණිකරකුණිකරකුණි. 151 විකණිකුණිකාරිකණිකාරිකණිකාරිකණිකුණි

یڑھ کر تین مرجہ تالی بجائے اس عمل کے دوران کھوئی ہوئی چیز کا تصور ذہن میں رکھے انتہا۔ اللہ بہت جلدوہ چیزل جائے گی۔ نہایت مجرب عمل ہے۔

مفروركي واليسي

جمعہ کی رات میں نماز عشاء کے بعد دور کعت نماز پڑھے پہلی رکعت میں سورہ فاتحہ کے بعد تمین بارسورہ کافرون اور دوسری رکعت میں سورہ فاتحہ کے بعد تمین بارسورہ کافرون اور دوسری رکعت میں سورہ فاتحہ کے بعد تمین بارسورہ اخلاص پڑھے پھرسلام پھیر کر گیارہ بار درود تھیں کے دو بڑار بارسورہ وانھی مع بہم اللہ پڑھے اور پھر گیارہ بار درود شریف پڑھ کر دو بڑار بارسورہ وانھی مع بہم اللہ پڑھے اور پھر گیارہ بار درود شریف پڑھ کی دعایا تک کرسو جائے۔انشاء اللہ مفرور بہت جلد واپس کی دعایا تک کرسو جائے۔انشاء اللہ مفرور بہت جلد واپس

اور کعت آلک نماز پڑھ کرایک ۱۱۹ باریہ آیت پڑھ کر دعا مائے انشاء اللہ بھاگا ہواشخص
 دائیں آ جائے گا۔ یمل ۴۸ روز تک جاری رکھے۔ آیت یہ ہے:
 رائی الّذی فَرَحَمَ عَلَیْكَ الْقُوْانَ لَرَادُكَ اللّٰي مَعَادِ

۔۔ اگر کوئی فخص بھاگ کیا ہوتو میم روز تک اس آیت کولکھ کر چرند میں با تدھ کر روزاند ۱۰ بار الٹا تھمائے انشاءاللہ اس عمل کی برکت ہے بھا گاہواوا پس آ جائے گا۔

> " فَــُودَ دُنهُ إِلَى أُمِّهِ كَىٰ ثَقَرُ عَيْنُهَا وَلاَ تَحْزَنَ وَلِشَعْـلَمُ أَنَّ وَعُدًا لِلَّهِ حَقَّ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ هُمُ لَا وَلِشَعْـلَمُ أَنَّ وَعُدًا لِلَّهِ حَقَّ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ هُمُ لَا

عالیس روز تک روزاند دو رکعت نقل نماز پڑھ کر ۱۱۹ بار بیر آیت پڑھ اور پھر بھاگ ہوئے ہوئے کی واپسی کیلئے دعا کرے۔انشاء اللہ مفرور واپس آ جائے گا۔
 لیک مَنْ قَالَ مِنْ قَالَ حَبَّةً قِنْ خَوْدَلِ فَتَكُنْ فِی صَنْحَوَةٍ آوُ لَا مَنْ عَلَى مَنْ فَالَ حَبَّةً قِنْ خَوْدَلِ فَتَكُنْ فِی صَنْحَوَةٍ آوُ لَا مَنْ مَنْ فَاللَهُ مِنْ اللّٰهِ اللّٰهِ إِنَّ اللّٰهِ لَيْطِيْفٌ خَبِينُو

مكان كى حفاظت كيليّ

جس مكان ميں جن وشياطين يا آسيب يا بجوت پريت پڑيل وغير وارواح خبيشكا اثر جوتو ويرك دن يابدھ يا جمعرات ك دن بساعت مشترى يا زهر و پورى سوره بقر واس مكان ميں بيشركر ورمياني آواز سے پڑھے اور ايك گلاس پاني كا مجركر اپنے قريب ركھ لے اور جب سورہ ختم ہوجائے تو اس پانی پروم کرکے مکان کی ویواروں پراس طرح ٹھٹرک دے کہ پانی زیمی پرنہ گرےاورساعت کا حباب سوری ٹکلنے کے وقت ہے اگائے۔ انشاءاللہ تعالیٰ کسی متم کا اثر مکان میں نہ رہے گا۔ مجرب ہے۔

برائے ہرمشکل

حضرت می الدین جیاد فی نے فرمایا جوشن الاباراس دعا کو پڑھے جو پچیمشکل رکھتا ہوجی تعالیٰ اس کی ہرمشکل آسان کرے۔ جو پچھ میں نے پایااس دعا کے پڑھنے سے پایا۔اس دعا کو فجر یا عشاء کی نماز کے بعد پڑھےاس وقت تک جب تک کے مقصد میں کامیابی ہو۔

> ٱللهُ كَانِيُ ٱلْكَانِيُ ٱلْكَانِيُ ٱلكَانِيُ وَمُتَّعَدُهُ ٱلْكَافِئُ وَحَبَّدُهُ الكَّانِيُ بِكَانِيَ الْكَانِيُ وَكَفَانِيُ ٱلْكَافِئُ وَجَبَّدُهُ وَبِشْ الْحَمَّدُ لَا

> > اس كاول وآخر كياره كياره باردرودشريف يزه

مرده یا زنده کوخواب میں دیکھنا

سونے سے پہلے جاہے کہ وضوکرے اور پاک لباس پہنے خوشبوا ورعظر وغیرہ لگائے اور ایک بارسورہ والیل اورا کیک بارسورہ والنین پڑھے بعداس کے بیدعا پڑھے: اکٹ ہُم آ اید نی مُنا مِی گُذَا وَکَدَا وَاجْعَلُ کِی مِنْ اَمْرِی کَوَجا وَ مَخْورِجاً وَالْدِیْ فِیْ مُنا مِی کَاالْمَنَدِلَّ جہ بحی ایکا رہے ایک و تحقیق ہے۔

برائے حاجت

ا۔ بعد نواقل مغرب جہائی میں بینے کر اور آسان کی طرف ہاتھ اٹھا کر ۱۰۰ ہاریا رَبِ یا رَبِ یَا رَبِ کے جو خداے جاہے گا ووسلے گا اورا گر ہزار ہاراس کی تکرار کرے گا تو یقیناً اس کی حاجت پوری ہوگی۔ سات دان تک اس عمل کو کرے عروج ماو میں نوچندی جعرات سے شروع کرے۔

۲۔ جس مخض کو کوئی بخت سے بخت کام در پیش ہوتو اس کو جا ہے کہ ہر نماز کے بعد مجد ہ

ۺڔڔڮڐڔڿڎؠٳڔڽڴڡٵؾڽڂ؋ۻؾڬۅۄڽ؈ڟڶ؋ۅڔۮۺۅڔٳڔٳڝٵػڗٳڔۻ ٱڵڷ۠ۿڎڔٳڹؖٵڬؽؙۼؿؽؙڰ ٷڬۺڰڣ۫ؾؚڂڮٷؠٵؙڿ؆ڮۼۑؽ؈ٚڎؘڴۅۣ؆ٳؙڸۿٳڸڮ ؿٷڡڔٳڎڲٷۺٳؙٵؙڰڎؙۺؙۼؿؽؙڰ

حادثات سے بچنے کا وظیفہ

حضرت طلق فرماتے ہیں کہ ایک شخص حضرت ابوالدروائی خدمت ہیں جا ضربوااورعرض

گیا کہ آپ کا مکان ہمل گیا۔ فرمایائییں جلا ٹیجردوسرے شخص نے بہی اطلاع دی تو فرمایائییں جلا
پیجر تیسرے آدی نے بہی خبر دی آپ نے فرمایائییں جلا پیجرایک اور شخص نے آ کر کہا کہ ایک
ابوالدرواء آگ کے شرارے بہت بلندہوئے گر جب آپ نے مکان تک آگ پیٹی تو بجھ گئ فرمایا مجھے معلوم تھا کہ اللہ تعالی ایسائیوں کرےگا۔ (کے میرامکان جل جائے) کیوں کہ ہیں نے
رسول اللہ تعلقے سے سنا ہے کہ جو شخص میں کے وقت یہ کلمات پڑھ لے شام تک اس کو کوئی مصیبت
میں بہنچ گی میں نے میں ہے کہ جو شخص میں کے وقت یہ کلمات پڑھ کے اس کو کوئی مصیبت
میں بہنچ گی میں نے میں ہے کہ جات پڑھ سے تھے اس لئے مجھے یقین تھا کہ میرامکان ٹیس جل سکتا۔
ووکلمات یہ اس

يِسْمِ اللهِ الزَّحُمْنِ الدَّحِيْمِ اللهِ مَانَتُ وَيُ لَا اللهُ مَّانَتُ وَيِّ لَا اللهُ الْآانَتُ وَيَّ لَا اللهُ الْآانَتُ وَيَّ لَا اللهُ الْآانَتُ وَكَاللهُ وَانْتُ وَبُ الْعَرْشِ عَلَيْكَ تَوْكَلْتُ وَانْتُ وَبُ الْعَرْشِ النَّكَرِيْمِ مَا شَاءًا اللهُ كَانَ وَمَالَمُ لَيْنَا اللهُ عَلَيْ اللهُ عَلَى كُلُ اللهُ عَلَى كُلِّ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهِ اللهُ الل

شَى عِلْمًا ٥ اللهُ مَرانِيَ آعُوذُ بِكَ مِنْ شَرِّنَفُسِى وَمِنْ شَرِّكُلِّ دَابَةٍ مَنْ شَرِّنَفُسِى وَمِنْ شَرِّكُلِّ دَابَةٍ انْتَ اخِذُ بِنَاصِيتِهَا النَّ رَبِي عَلَى صِرَاطٍ مُستقِيمٍ٥ فوت نازله

مولانا ہوری فرماتے ہیں آئ کل بیدہ عاقنوت نازلہ نماز فجر میں دوسری رکعت میں رکوئ کے بعد قوے میں امام صاحب کو جبرے پڑھنا چاہیے اور مقتدی ہر جملے پر آ ہستہ ہے آمین کہیں۔ (بیدہ عاہر مشکل وقت میں پڑھی جائکتی ہے)

بِسُمِ اللهِ الرَّحُمْنِ الرَّحِيْمِ.

اللهُ مَّ اهُدِنَا فِيْمَنُ هَدَيْتَ وَعَافِنَا
فِيْمَنُ عَافَيْتَ وَتُولِّنَا فِيْمَنُ هَدَيْتَ وَعَافِنَا
فِيمَنُ عَافَيْتَ وَتُولِّنَا فِيمَنُ تَولَيْتَ
وَبَارِكُ لَنَا فِيمَا اعْطَيْتَ وَقِنَا شَرَّ
مَا قَضَيْتَ فَإِنَّكَ تَقْضِى وَلا يُقْضَى
مَا قَضَيْتَ فَإِنَّكَ تَقَضِى وَلا يُقْضَى
مَا قَضَيْتَ فَإِنَّكَ تَقَالَيْتَ وَإِلَيْتِ وَلَا يَقِضَى وَلا يُقْضَى وَلا يُقْضَى وَلا يُقْضَى وَلا يُقْضَى وَلا يَقْضَى وَلَا يَقِيْنَ وَالَكِيْتَ وَلَكَ وَنَا وَلَا يَكِينَ وَالَكِيْتَ وَلَكَ وَنَا وَلَكُ وَنَا وَلِيْكَ وَلَا يَكِينَ وَالَكِينَ وَاللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ وَمَا لَيْكَ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللَّهِ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللَّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى ال

اَللَّهُمَّ اغْفِرُ لِكَ اَوَلِلْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ وَالْمُشْلِمِيْنَ وَالْمُشْلِمَاتِ وَالِّفْ بَيْنَ قُلُوبُهِمْ وَاصْلِحُ ذَاتَ بَيْنِهِمُ وَانْصُرُهُمُ عَلَى عَدُوِّكَ وَعَدُوهِمُ إِلٰهَ الْحَقِّ الْمِئْنَ * اللهمة العن الكفكرة والمنشركين وَالْيَهُودَ وَالْقَادِيَانِيِّينَ وَالرَّوَافِضَ وَالْهِنُدُوسَ الَّذِيْنَ يَصُدُّونَ عَنْ سَبِيلِكَ وَيُكَذِّبُونَ رُسُلَكَ وَيُقَاتِلُونَ اَوْلِمَاءَكَ اَللَّهُمَّ خَالِفُ بَيُنَ كَلِمَتِهِمُ وَزَكْ زِلُ اَقُدَامَهُمْ وَاَنْزِلُ بِهِمْ بَأْسَكَ الَّذِي لَا تَرُدُّهُ عَنِ الْقَوْمِ الْمُجْرِمِ يُنَ ، اَلْلُهُمَّ وَلِيَّ اُمُورَيْنَا خِيَارَيْنَا وَلَا ثُوَلَ أمُورَنَاسِثْرَارَنَاوَارُزُقْنَاحُكُوْمَةً صَالِحَةً عَادِلَةً تَرُغَى عِبَادَكَ وَبِلَادَكَ عَمَّا يُوْجِبُ مَقْتَكَ وَغَضَبَكَ وَصَلَّى اللَّهُ عَلَى مُحَمَّدٍ وَالِهِ وَصَعِيهِ وَبَارَكَ وَسَلَّمَ

تمام دن ظالموں کےشرسے محفوظ رہیں حضرت انس کی دعا

میده عاجناب رسول الشفایسی فی مصرت انس بن ما لک کوتعلیم فر مائی اور فر مایا که جوشف میج کویده عابر مصرتو دن مجرکوئی خلالم اسے نقصان نہیں پہنچا سکتا

> بشمرالله الزّحُمن الرَّحِيْمِه بشيرالله خنيرالكسمكه بشيرالله الَّذِيُ لَا يَضُرُّ مَعَ اسْمِهِ شَيْ عُ فِي الْأَرْضِ وَلَا فِي السَّمَّآءِ وَهُوَ السَّمِيُّعُ الْعَلِيمُ بشيرالله علىنفسي وَدِيْنِيُ بِسُهِ اللَّهِ عَلَى آهُلِيُ وَمَالِيُ بِسُمِ اللَّهِ عَلَى كُلِّ شَى وَاعْطَانِيُهِ زَبِي ٱللَّهُ ٱكْبُرُ ٱللَّهُ ٱكْبُرُ اَتَلُهُ ٱلْكَبُرُ اَعُوْذُ بِاللَّهِ مِثَّا اَخَافُ وَاَحُذَدُ اَللَّهُ رَبِّي لَا اُشْرِكُ بِهِ شَيًّا عَزَّجَا رُكَ وَجَلَّ ثَنَّاءُكُ وَتَقَدَّ سَتُ اَسْمًاءُكَ وَلَا اللهَ غَيْرُكَ ٱعُوٰذُبكَ مِنْ شَرِّكُلِّ جَبَارِ عَينيْدٍ وَشَيْطُن مَريدٍ وَمِنُ شَرِقَضَاء التُنَوَّ وَمِنْ شَرِّكُلِّ دَاتِتَةٍ اَنْتَ اخِذُ بُنَاصِيَتِهَا إِنَّ رَبِّي عَلَى صِرَاطِ مُّسْتَقِيَّةٍ

دعاءامام ابوحنیفةً برائے قرب الی اللہ

امام ایوطنیفہ نے اللہ تعالی کوسو ہارخواب میں دیکھا جب سودیں مرحبہ خواب میں دیکھا تو انہوں نے اللہ تعالی سے بوچھا کہ مااللہ تیرے بندے تیرا قرب حاصل کرنے کیلئے کیا پڑھیں تو یہ وعااللہ رب العزت نے خواب میں ہلائی:

> سُبُحَانَ الْآبَدِ ثُّى الْآبَدُ سُبُحَانَ الْوَاحِدُ الْآحَدُ سُبُحَانَ الْفَرُدُ الصَّمَدُ سُبُحَانَ وَافِعِ السَّمَاءِ بِغَيْرِعَمَدِ سُبُحَانَ مَنْ بَسَطَ الْآدُضَ عَلَى مَاءً جَمَدُ سُبُحَانَ مَنْ خَلَقَ انْحَلَقَ فَاحْصَاهُ مُ عَدَدًا اگركوني بركافحال كاشكار بوجائے اگركوني بركافعال كاشكار بوجائے

جودین سے غافل ہوسید ہے رائے ہے بھٹک جائے یا برے افعال میں مبتلا ہو جائے تو اس کو یانی پرا ابار پڑھ کر دم کر کے ۴۱ دن تک یلائیں۔

أُولَلِكَ عَلَى هُدًى مِنْ زَيِهِ مُؤُولَلِكَ هُمُ الْمُفْلِحُونَ ٥ (مُرة العَرَة ، آيت ٥) عزت وعظمت ميں اضافه كيلئ

اگرکوئی فخص چاہے کہ اس کی مقبولیت عزت وعظمت اور شان و ہزرگی کی لوگ قدر کریں اور اے عزت دیں تو اے چاہیے کہ بعد نماز عشاہ روزانہ پابندی کے ساتھ اول تمین بار دروو شریف پڑھے اس کے بعد ۹۴ باریا عزیز پڑھے اس کے بعد ۳ باریہ پڑھے: یک عَنْدِیْوْ اَیْعِزِیْنِیْ بِعِوْرِیْكَ یَا عَنْدِیْوْ

یاعزیو اعزی میعزیک یا عزیز آخریس بارورووشریف پڑھ کرا چی عزت وعظمت میں اصّافے کی وعا کرے۔ چند تفتے کرنے کے بعدانشاءاللہ اس کی عزت وعظمت میں اصّافہ ہوجائے گا۔ දිකණිකණිකණිකණිකණිකණිකණිකණි. 158 විකණිකණිකණිකණිකණිකණිකණිකණිකණික

عزت يانے كيلئے

اگر کوئی شخص لوگول کی نظرول ہے گر گیا ہواور جا ہتا ہو کہ اس کی عزت قائم ہوجائے تو وہ اس آیت کواا بار پڑھ کرا ہے او پر پھونک لے۔

فَسُبُخُنَ الَّذِي بِيدِهٖ مَلَكُوْتُ كُلِّ شَکُ قَالَيْهِ تُرْجَعُونَ مِنْ قَالَيْهِ تُرْجَعُونَ ٥

تمام پریثانیوں کیلئے اکسیر

روزانه وقت مقرره پرام بار پڑھیں

اللهُمَرانِيَ اَعُودُ بِكَ مِنَ الْهَمِرَ وَالْحُزُنِ وَاعُودُ بِكَ مِنَ الْعَجْزِ وَالْكُسُلِ وَاعُودُ بِكَ مِنَ الْجُبْنِ وَالْبُحُلِ وَاعُودُ بِكَ مِنَ عَنَ الْجُبْنِ وَالْبُحُلِ وَاعُودُ بِكَ مِنَ عَلَبَةِ الذَّيْنِ وَقَهْرِ الزِّجَالِ

نمازمغرب کے بعد بیہ پڑھے

حضرت مسلم تنیمی نے رسول اکرم اللہ کا ارشاد کرامی نقل فرمایا ہے کہ نماز مغرب سے فارغ ہوکر کسی سے بات کرنے سے پہلے سات مرتبہ یہ کہداد

آللْهُمَّ آجِرُنِيُ مِنَ النَّارِهِ

اور پھرا گرای رات کوتہباری موت آگئی تو دوزخ ہے محفوظ ہو جاؤگ اورا گراس دعا کو سات بار نماز فجر کے بعد کسی ہے بات کئے بغیر کہداد گے اور ای دن مرجاؤ گے تو دوزخ ہے රිකරකුරිකරිකරිකරිකරිකරිකරිකරිකර 159 විකරිකරිකරිකරිකරිකරිකරිකරිකරිකරිකර

محفوظ رہو گے۔ (ابوداؤد، نسائی ،ابن حیان)

نمازعشاء کے بعدیہ پڑھے

عشاء کی نماز کے بعد سورہ الملک پڑھنا جا ہے

جو ما نگے وہ عطاء ہو

حضرت حسن فرماتے ہیں کہ حضرت سمرہ بن جندب نے فرمایا کہ میں شہیں ایک ایمی حدیث ندستاؤں جومیں نے رسول النمائی کے بارتی اور حضرت الوبر اور حضرت عراب بھی کئی بارٹی ہے میں نے عرض کیا ضرور سنا کیں۔ حضرت سمرہ نے فرمایا جو محض مسج اور شام یہ

2%

اللهُمُّ اَنْتَ خَلَقْتَنِی وَانْتَ تَهُدِینیٰ وَانْتَ تُطْعِمْنِی وَ اَنْتَ تَسُقِیْنِیٰ وَانْتَ تُمِینَتُنِیُ وَانْتَ تُحْیِنِیٰ ﴿ وَانْتَ تُمِینَتُنِیُ وَانْتَ تُحْیِنِیٰ ﴿

ادراس کے پڑھنے کے بعد اللہ تعالیٰ ہے جو مانٹنے گا اللہ تعالیٰ ضروراس کو عطا فرما تیں گے۔(الطھر انی فی الاوسط ہاستاد حسن ،مجمع الزوائد)

برا نورحاصل کرنے کیلئے

حافظ ابو بکر برزازٌ اپنی کتاب میں لائے بین که رسول النتھ نے فرمایا ہے کہ جو تحض اس آیت کو رات کے وقت پڑھے گا اللہ تعالی اے اتنا برزانور عطافر مائے گا جو عدن سے مکہ شریف تک پہنچے:

> فَنُ كَانَ يَرُجُوا لِقَآءَ رَبِهِ فَلْيَعُمَلُ عَمَلًا صَالِحًا وَلَا يُشْرِكُ بِعِبَادَةِ رَبِهِ أَحَدًا

estudul

موت کے سواہر چیز سے امن

مند بزاری حدیث ہے کہ حضور ملک نے ارشاد فرمایا جب تم بستر پر لیٹواور سورہ فاتحہ و اخلاص پڑھاوتو موت کے سواہر چیز ہے اس میں رہو گے۔ (تضیر ابن کیٹری اص ۳۲)

جمعہ کی نماز کے بعد گناہ معاف کروانے کا ایک نبوی نسخہ

جوآ دی جمد کی نماز کے بعد سومرتبہ پڑھے گا

سُبْحَانَانلُوالْعَظِيُرِ وَبِحَمُدِهِ

تو حضرت محمد علی نے فرمایا کہ اس کے پڑھنے والے کے ایک لاکھ گناہ معاف ہوں گے اور اس کے والدین کے چوٹیں ہزار گناو معاف ہوں گے۔ (رواہ ابن السنی فی عمل الیوم والیلة: ص ۲۳۴)

حصول ملازمت كيلئے سورہ واضحیٰ كا خاص عمل

سورہ واتھی کو عاطین نے پرتا ہیر مانا ہے اس میں نو مقام پر کاف (ک) آیا ہے آپ نماز
جر کے بعد و ہیں ہینے میں اور یہ سورہ اس طرح پڑھیں کہ جب کاف آئے تو یا کریم نو بار پڑھیں یہ
عمل صرف نو ایام کریں ملازمت ملے گی۔ اگر خدانخواستہ ملازمت نہ فی تو یا تھی اٹھارہ بار پڑھیں
اگر پھر بھی حاجت پوری نہ ہوتو ستا کیس بار پڑھیں اور ہر کاف پرستا کیس باریا کریم پڑھیں بغضل
خدا شرطید ملازمت مل جائے گی۔ (شرعی ملاخ بحوالہ خزانہ اعمال میں ۱۱)

لرُ كَى كَارشته نه آتا ہو يا آتا ہو گر پسند نه آتا ہو رَبِّ إِنِّ لِمَا ٱنْزَلْتَ إِلَىٰٓ مِنْ خَيْرٍ فَقِيْرٌ

(سوروالقصص ٢٢)

فائده: أكرآب كى لاكى كيلي رشته ندآ تا مو يا آتا موكر پيندند آتا موتو آب١١٢ باراس

آیت کو پڑھیں اور تنین ہار سورہ وانصی پڑھیں اور بیمل ہرمہینہ کے شروع میں اا ون تک کر جن اور تنین مہینہ تک جاری رکھیں۔انشاءاللہ اچھارشتہ نصیب ہوگا۔

سانب بچھو کے کاٹے کا علاج

bestyrdubool

جس کوسانپ پچھو وغیرہ زہر لیے جانور نے کاٹ لیا ہواس پرسات مرتبہ سورہ فاتحہ پڑھ کر دم کرے یا پانی اور نمک ملا کر جس جگہ کا ٹا ہے ملتا جائے اور سورہ کا فرون ، سورہ فلق ، سورہ التاس پڑھ کروم کرتا جائے۔

فاكره: حديث شريف من آياب كه:

ایک مرتبه نماز میں کچھونے آپ کو کاٹ لیا نمازے فارغ ہونے کے بعد آپ نے فرمایا خدا لعنت کرے کچھو پر نہ نمازی کو چھوڑ تا ہے نہ ہے نماز کو پھر آپ تطافی نے نمک اور پانی منگوایا آپ کاٹنے کی جگہ پر ملتے جاتے اور فدکورہ بالا تینوں سورتوں کو پڑھتے جاتے تھے۔ (طبرانی فی الصفیر بحوالہ حصن حصین)

شب قدر کی پیجان کا طریقه

ینی محی الدین ابن عربی الیلیة القدر کی پیجیان میں فریاتے ہیں کہ اگر پہلا روز ہ جمعہ کے دن کا ہوتو لیلیة القدر ۲۹ ویں شب ہوگی ، اگر ہفتہ کا ہوتو ۴۱ ویں ، اگر اتو ار کا ہوتو ۱۷ ویں ، اگر پیر کا ہوتو ۱۹ ویں ، اگر منگل کا ہوتو ۲۵ ویں ، اگر بدھ کا ہوتو ۱۷ ویں اور اگر جمعرات کا ہوتو ۱۰ ویں کے بعد کی طاق را تو ل میں ہے کسی رات میں ہوگی۔ (الکنز المدفون س)

حضرت شیخ ابواکسن خرقاتی این ایک رساله میں لکھتے ہیں کدا کر بھم رمضان اتوارکو ہوتو شب قدر ۲۹ ویں شب ہوگی ،اگر پیرکو ہوتو ۲۱ ویں ،منگل کو ہوتو ۲۷ ویں ، پدھ کو ہوتو ۱۹ ویں ، جعمرات کو ہو تو ۲۵ ویں ، جمعہ کو ہوتو کا ویں اورا کر ہفتہ کو ہوتو ۳۳ ویں شب ہوگی ۔

ہرسال جج یاعمرہ کی سعادت حاصل کرنے کیلئے خاص عمل

طواف وداع کے بعد میزاب رہمت کے بیجے دور کعت صلوۃ الحاجت پڑھ کرسا منے کعبہ کی

د بوار پر انگل ہے ہیآ یت تکھیں

إِنَّ الَّلِينَ فَرَضَ عَلَيْكَ الْقُرْانَ لَرَآدُّكَ الْي مَعَادِ

اس کے بعد دعا کریں کہ چق تعالی ہرسال حاضری اور نئے وعمر و کی سعادت عطافر ما کیں۔ اس کے بعد گھر پہنٹے کرصلو قالخاجت دور کعت پڑھیں اس کے بعد سور ویٹیین کی تلاوت کریں اور ہرمبین پرسات ہارسور و فاتحہ پڑھیں ،سور و پوری ہونے پراللہ تعالیٰ سے دعا کریں کہ ہرسال ج کی سعادت عطاء فرما کیں۔ انشاء اللہ ہرسال حاضری نصیب ہوگی۔ (اکا برعلاء و یو بند کا مجرب عمل ہے۔ جو حضرات قارکین میں کم یں لکھنے والے کو بھی اس دعامیں شامل فرما کیں۔)

برائے زیارت نبی کریم ملیسته

جوفض خواب میں هفرت نبی کریم علیقے کی زیارت ہے مشرف ہونا جا ہے تو اس کو جا ہے کہ دورکعت نماز پڑھے اور ہر رکعت میں سورہ فاتحہ کے بعد سو ہار سورہ اخلاص پڑھے جب نمازے فارغ ہوجائے تو اس دعا کو کہار پڑھے:

انشاء الله تعالی وہ زیارت ہے مشرف ہوگا۔ اس عمل کو پڑھنے کے وقت ان ہاتوں کا کھا تھ رکھنا نہایت ضروری ہے جسم یاک ہو کیڑے پاک ہوں یستر یاک ہواور عطریات سے ہر چیز کو بسائے اور اس کومنگل کا دن ختم ہوکر بدھ گی شب ہے شروع کریں۔انشاء اللہ تعالی پہلی ہی شب میں ورنہ تین راتوں میں ضرور زیارت سرور کو نین الکھنے سے مشرف ہوگا۔ مجرب ہے۔

آیت قطب کے عجیب وغریب اوصاف

- ا۔ جو مخص بعد نماز فخر روزانہ جالیس بار پڑھے جو پکھے جائے تن سجانہ وتعالیٰ اس کوعطافر ما کیں گے۔ ۲۔ جس کسی کو بادشاہ یا امیر سے کوئی کام در پیش ہواور مشکل نظر آ وے دور کعت نماز نفل ادا کرکے۔ مصلے پر تیمن بارید آیت پڑھ کر دونوں ہاتھوں پر دم کرکے منہ پر پھیرے مرادیر آ وے۔
- ۳۔ جس کسی پر دیو، جن، پری، آسیب کا اثر ہو یا نمیں کان جس بیرآیت پڑھ کر وم کرے انشاء اللہ اثر جا تارہے گا۔
 - سم مجھوے کانے ہوئے براس کے سید سے کان میں بڑھ کر چھونک مارے انشاء الله سحت یائے گا۔
 - ۵۔ جو محف کسی مہم یا جنگ کیلئے چدرہ تیرومرتبہ یو سے انشاء اللہ فتح یائے گا۔
 - ٣۔ جو مخص حیار ہار پڑھ کروشمن کے گھر پر پھونک مارے دشمن کا گھر خراب ہوجائے گا۔

ے۔ جو محص وشمن پر غالب آنا جا ہے؟ ایار پڑھے انشاء اللہ وشمن مطبع ہوجائے گا۔

٨۔ جو کو تی سات بار پڑ مد کر کسی مجلس میں آ وے مجلس والے تعظیم ہے چیش آئیں۔

۹۔ جوکوئی نو درم شہداور دو درم دکھنی مرچوں پر دم کر کے کھائے قوت یاہ زیادہ ہووے۔

۱۰۔ جوکوئی روزانہ بزار ہار پڑھے گا روزی زیادہ ہوگی۔غیب سے رزق پہنچے گا۔

اا۔ اگر محورُ اشرارت كرے تو تين ياريز هاكر دم كرے۔

أيتايات

دعا كى قبولىت كىلئے مجرب عمل

مشارکے وعلماء نے خسٹینا اللہ اُونیٹم الوکیٹل پڑھنے کے فوائد میں اکھا ہے کہ اس آیت کوایک ہزار مرتبہ جذبہ ایمان اور انتثیاد کے ساتھ پڑھا جائے اور دعایا تھی جائے تو اللہ تعالی رونیس فرما تا۔ ججوم افکار اور مصائب کے وقت اس کا پڑھنا مجرب ہے۔

وظيفه خاص حضرت شاه ابرارالحق

اول آخر درودشریف گیارہ گیارہ مرتبہ پڑھیں اس کے بعد آیت حسنبٹ اللہ ویسٹ آلو بحیل دری ذیل مقاصد میں ہے جس کیلئے پڑھیس کامیابی ہوگی۔

ا - حفاظت ازشرور فلتن کیلئے ۱۳۴۳ بار پڑھیں۔

۲۔ برائے وسعت رزق وادائے قرض ۲۰۹۸ بار پڑھیں

besturdul

۳۔ برائے تحکیل خاص کا م ۱۱۱ بار پڑھیں ۳۔ برائے کفالت از مصائب و پریشانی ۱۹۰۰ بار پڑھیں (بیان فرمودہ حضرت مولا ناشاہ ایرار الحق صاحب)

نظر بددوركرنے كامسنون وظيفه

ابن مساکر میں ہے کہ جرائیل علیہ السلام حضور تطافیہ کے پاس تشریف لائے آپ اس وقت فمزدہ تصسب ہو چھاتو آپ تھا گئے نے فرمایا حسن وحسین کونظر لگ کی ہے۔ فرمایا یہ جائی کے قابل چیز نظر واقع لگتی ہے۔ آپ نے بیر کلمات پڑھ کر انہیں پناو میں کیوں نہ ویا؟ حضور تھا گئے نے یو چھاوہ کلمات کیا ہیں؟ فرمایا:

اللهُ مَذَا السَّلُطَانِ الْعَظِيْمِ وَالْمِنَّ الْهُ مَ ذَا الْوَجُهِ الْكَرِيْمِ وَلِمِنَ الْقَدِيمِ وَلِمِنَ الْقَدِيمِ وَلِمِنَ الْقَدِيمِ وَلِمِنَ الْقَلَمَاتِ التَّامَّاتِ وَ الدَّعَوَاتِ الْكَلِيمَاتِ التَّامَاتِ عَانِ الْحَسَنَ وَالْحُسَيْنَ الْمُسَتَجَابَاتِ عَانِ الْحَسَنَ وَالْحُسَيْنَ الْمُسَتَجَابَاتِ عَانِ الْحَسَنَ وَالْحُسَيْنَ الْمُسَتَجَابَاتِ عَانِ الْحَسَنَ وَالْحَسَنَ وَالْحُسَيْنَ الْمُسَتَجَابَاتِ عَانِ الْحَسَنَ وَاعْبُنِ الْإِنْسِ ﴿ وَاعْبُنِ الْمُسْتَحِبِهِ وَاعْبُدُ وَاعْبُنِ الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِيمِ الْحِينَ وَاعْبُنِ الْمِنْ الْمُسْتِ الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتِ الْمُسْتِ الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتِ الْمُسْتِي الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِينَ الْمُسْتِ الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتِ الْمُسْتَعِلَى الْمُعْتِينَ الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِينَ الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِيْنِ الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِيْنَ الْمُسْتَعِلَى الْمُسْتَعِيْنِ الْمُسْتَعِلَى الْم

حضور ملط نظر نے بیدوعا پڑھی تو اس وقت دونوں بیچے اٹھ کھڑے ہوئے اور آپ کے سامنے کھیلئے کو نے گئے۔ حضور ملط کے نے اس کے سامنے کھیلئے کو نے گئے۔ حضور ملط کے نے ارشاد فر مایا لوگوا اپنی جانوں کو اپنی ہویوں کوا درا پنی اولاد کو اس بناہ (وعائے جبرائیل) کے ساتھ بناہ دیا کر واس جیسی اور کوئی بناہ کی دعافیل ۔ (تضیر ابن کثیر بن ۵ س ۱۹ س) فائدہ: اول آخر درود شریف پڑھ کر تہ کورہ بالا دعا تین مرتبہ پڑھیں اور مریض پردم کریں عمل ایک مجلس میں تین بار کریں۔ دعا کے اندر جبال حضرت حسن و حسین کا نام ہے الن کی جگہ پر موجود و مرایض کا نام لیس۔ مثلاً عافی الطاف من انفیس البحن و اعین الانس

خيروبركت كبلئ

جعمرات کے وان باوضواس آیت کولکھ کر مکان یا دکان کے دروازے پر انکائے ہے۔ مروبرکت ہو۔ වසරහරකරකරකරකරකරකරකර 165 වසරකරකරකරකරකරකරකරකරකරකරකර

قُلْ إِنَّ الْفَصْلَ بِيَدِاللَّهِ. يُؤْتِنُهِ مَنْ يَّشَآءٌ. وَاللَّهُ وَاسِعٌ عَلِيْمٌ يَّخْنَصُّ بِرَحْمَتِهِ مَنْ يَّشَآءٌ. وَاللَّهُ ذُو الْفَصْلِ الْعَظِيْمِ

جو خص جعدے دن بعد عصر آیت الکری ۳۱۳ بار پڑھے تو ایسی خیر و برکت ہو کہ جس کا وہم

و کمان بھی نہ ہو۔

بعد فراغت نماز جمعه اس آیت کولکھ کرمکان یا دکان میں رکھنے سے خیر و پرکت اور رزق راضافہ ہوتا ہے۔

مُن اضاف بوتا ہے۔ وَلَفَدُ مَكَنْكُمُ فِي الْأَرْضِ وَجَعَلْنَا لَكُمْ فِيْهَا مَعَايِشَ. قَلِيْلًا مَّا دَشْكُرُوْن

ية يت بيب عَ مُكَّرِّ بِرِلْكُوكِرْ فِرْان مِن رَكُود بِ انْثَاء اللهُ بِهِت بِرَكْت مِوكَى .. وَلِلْكَ فَصْلُ اللهُ بِيُوتِينِهِ مَنْ يَّشَاءُ وَاللّٰهُ ذُو الْفَصْلِ الْعَظِيمِ

كشائش رزق كيليئ

مُحَمَّدٌ رَّسُولُ اللهِ اَحْمَدٌ رَّسُولُ اللهِ جوفض بعدنماز جمعہ پاک وصاف ہوکر پینینس مرتبہ یہ لکھ کراپنے پاس رکھے خدا تعالیٰ اسے غیب سے رزق عطافر مائے گااور ووشیطان کےشر سے محفوظ رہے گا۔

جنتي تعويذ

جعرت عبداللہ بن عبال نے بہتدویہ اطور حضور اللہ کے مجرو کے نقل کیا ہے فرماتے ہیں جب حضرت آ منڈ کی طن مبارک ہیں آ مخضرت کی لئے نقل ہوئے تو حضرت آ منڈ کو فواب ہیں کچھ فرشتے نظر آئے انہوں نے حضرت آ منڈ کو عرض کیا آپ کوساری کا نکات ہیں سے افضل ترین ذات گرای کا حمل ہے جب آپ ان کو جنیں تو ان کا نام محمد رکھنا اور سونے کے طباق ہیں ایک تعوید رکھنا ہوا چی کی اس کے حابات ہیں ایک تعوید رکھنا ہوا چی کی ایک ہیاں کو وال دت کے بعد پہنا ویں۔ اس تعوید کو امام بیکی نے اور امام ایوجیم اصبانی نے اپنی اپنی دائل اللہ و ق میں اور این عساکر نے تاریخ وحشق میں اور علام سیوطی ایوجیم اصبانی نے اپنی اپنی دائل اللہ و ق میں اور این عساکر نے تاریخ وحشق میں اور علام سیوطی نے الفسائص الکبری میں ذکر کیا ہے۔ ہم اس تحذ خاص کو اپنے قار کین کی خدمت میں چیش کر رہے ہیں ہم نے خود بھی اس کو بہت سے مقاصد میں استعمال کیا اور کر ایا ہے تیر بہدف پایا ہے۔ رہے ایک محف کو اوالا دنرین کیلئے دیا تھا اور ہوایت کی تھی کہ کورت کو امید ہونے کے بعد بچر کے اعضاء ایک فورت کو امید ہونے کے بعد بچر کے اعضاء

جسمانی بننے سے پہلے پہلے اس کو کمر میں اس طرح پہنا کیں کہ تعویذ ناف پر رہے انشاء الکھ میٹا پیدا ہوگا۔ چنانچاس نے ایک دن آ کر بیٹے کی ولادت کی خبر سنائی۔ یہ تعویذ میرے مصرت مفتی جمیل احمد صاحب تھانویؒ کے معمولات میں سے تھا آپ اس کو ہر مقصد میں استعمال کراتے تھے اوراس مقصد کے مطابق طریقہ استعمال تبجویز کرتے تھے۔ تعویذ رہے۔

> اعيدة بالواحد من شركل حاسد وكل خلق رائد من قائم وقاعد عن السبيل عائد على الفساد جاهد من نافث او عاقد وكل خلق مارد ياخذ بالمراصد في طرق الموارد انها هم عنه بالله الاعلى واحوطه منهم بالبد العليا و الكف الدى لا يرى يدالله فوق ايديهم وحجاب الله دون عاديهم لا يطردوه ولا يضروه في مقعد ولا منام ولا مسير ولا مقام اول الليالي و آخر الايام

فا کدو نی تعویذ جنات، جادواورشردشمنال کودورکرنے کیلئے بھی خاص چیز ہے۔

شب قدر کے برابر ثواب

قرآن کریم کی روے شب قدر میں عبادت کرنے کا ثواب ایک ہزار مہینوں کی عبادت سے بہتر ہے اور ایک ہزار مہینوں کی عبادت سے بہتر ہے اور ایک ہزار مہینوں میں تمیں ہزار را تمیں ہوتی ہیں اور سالوں کی تعداد تر اس سال عیار ماہ بنتی ہے جو محض حق تعالیٰ کا انعام ہی انعام ہے اور چونکدان کی رحمت کی کوئی اختیانییں ہے اسلے اگر وہ کسی اور تمل پر بھی شب قدر کا ثواب دے دیں تو ان کے خزانتہ رحمت میں پہھے کی نیس آتی۔ چنانچہ دری کلمات تمین مرتبہ کہنے ہے شب قدر کے برابر ثواب ماتا ہے۔ آپ بھی یاد کرلیں اور بیر ثواب حاصل کریں۔

لَا إِللَهُ إِللَّهُ اللَّهُ الْحُلِيمُ الْكَرِيمُ سُبْحَانَ اللَّهِ رَبِّ السَّمُواتِ السَّبْعِ وَرَبِّ الْعَرُشِ الْعَظِيمِ * (كنزالعمال، صلاً عَلَمَهُ عَلَيْهِ) الْعَظِيمِ * (كنزالعمال، صلاً عَلَمَهُ)

besturduk

\$20\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$\,\frac{167}{200\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$00\$

حار کلے بہت بڑھے ہوئے ہیں

حضورا کرم کی ایک دن نماز فجر کیلئے تشریف لے گئے تو ام الموشین حضرت جویر پر مصلے پر بیٹی تخصی آپ نماز فجر کے بعد چاشت کے وقت تشریف لائے تو آپ و بین بیٹی تخصی پوچھنے پر بتایا کہ ہاں سے سے بیٹی بیٹی ہوں آپ تھا تھے نے خوش ہو کرایک وظیفہ بتایا کہ میں نے پاس سے جانے کے بعد یہ چار کلمات کے بین اگر تیم سارے وقت کے وظیفے سے تو لے جا کمیں تو یہ بیٹرہ جا کمی وہ یہ بین:

سُبُعَانَ اللَّهِ وَبِحَمْدِهِ عَدَدَ خَلَقِهِ وَرِضَا نَفْسِهِ وَزِنَةَ عَرْشِهِ وَمِدَادَكِلِمَاتِهُ (سُلِم) ذاتى مكان اور وسعت رزق كيلئ

اگرآپ کے پاس رہنے کی جگہ یا مکان ندہو یا روزی کا ذریعہ ندہو یا رزق سے تھی ہو یا مسافرت ہواور سامان آپ کے پاس کوئی ندہوتو ندکورہ آیت کو اہما بار روزاند پڑھالو جب تک کامیانی ندہوانشاء اللہ کامیانی ہوگی۔

وَلَقُلُ مَكَنَّكُمُ فِي الْأَرْضِ وَجَعَلُنَا لَكُمُ فِيُهَا مَعَايِثُنَ قَلِيُلَامَّا تَشُكُرُونَ فِيُهَا مَعَايِثُنَ قَلِينُلَامَّا تَشُكُرُونَ اولا دنريندا ورحفاظت ممل كيلئے وَيُمُودُكُمُ بِهَا مُوالِ وَبَنِينُ وَيَجْعَلُ وَيُمُودُكُمُ بِهَا مُوالِ وَبَنِينُ وَيَجْعَلُ لَكُمُ مِنْ جَنْتٍ وَيَجْعَلُ لَكُمُ انْهَرًا ﴿

اگرآپ کے بیبال اولا دنریز نبیس ہے تو حمل تفہرتے ہی نو مہینے تک اا بارروزانہ پڑھے۔ رزق کی چنگی کو دور کرنے کیلئے بھی اس وعا کوروزانہ سات مرتبہ پڑھئے۔

شيخ الاسلام امام ابن القيمِّ اپني كتاب ''زاد المعاد في هدى خير العباد'' میں ایک حدیث بیان فرماتے ہیں کہ حضرت ابوخز امدّے مروی ہے کہ میں نے حضور علیقی ہے دریافت کیا كه" آپ كى رائے جھاڑ پھونك، دوااور بیاری سے بیخے کی دوسری تدبیروں کے بارے میں کیا ہے؟ کیاان سے خدا کی تقدیرٹل سکتی ہے؟'' حضور علي نے ارشادفر مايا که '' پیھی تو خدا کی تقدیر ہے۔''

besturalibooks

رزن میں برکتاور طاجات کیلئے اعمال

antariorioriorio de la comparció de la comparc

فمل سوره مزمل شريف

يبلاطريقة : فجركى نمازك بعدسوره مزمل ايك وفعه يزين كا وردر كھے اوران جارآ يتوں كو

اول : رَبُّ الْمَشْرِق وَالْمَغْرِبِ لَآ اِلٰهَ إِلَّا هُوَ فَاتَّخِذُهُ وَكَالَّا

روَمُ: وَاللَّهُ يُقَدِّرُ الَّيْلَ وَالنَّهَارَ

سوم: يَبْتَغُونَ مِنْ فَصْلِ اللَّه

جِهَارِم: ۚ وَاسْتَغْفِوُوا اللَّهَ. إِنَّ اللَّهَ غَفُورٌ رَّحِيمٌ

جب تمام ہوجو حاجت جاہے برآوے

و وسراطریقه: ﴿ جَسِ وقت اس سوره مبارکه کوئمی مهم اور نمی حاجت کیلئے پڑھے تو اس رُكِبِ ے يَا هے كديا ہے يا ہے رَبُّ الْسَمَشُوق ے وَكِيْلُا كَا يَرْحَارَ حَسْسِيَ اللهُ وَينعُمَ الْوَكِيْلُ سوم تبديرُ حِياور جب وَاسْتَعُيفِرُو َ اللهِ إِنَّ اللهُ غَفُورٌ رَّحِيبٌ بِرَ بَيْجِ تَواي یورے جملہ کی سو یار بھرار کرے اس ترکیب سے ۳ یار اس سورہ مبارکہ کو یژھے اس کے بعد

بامغنى با معطى كوكياره موباريز محاول وآخر بدورودشريف يزه ٱللُّهُمَّ بَارِكُ عَلَى مُحَمَّدِ وَّ عَلَى آل مُحَمَّدِ كَمَا بَارَكُتَ عَلَىٓ إِبْرَاهِيْمَ وَعَلَىٰ ال إِبْرَاهِيْمَ إِنَّكَ حَمِيَّةٌ مَّجِيَّةٌ

گیارہ گیارہ باراس درودشریف کو پڑھنا جا ہے۔ جب پڑھ کر فارقے ہوجائے تو تجدہ میں جا کرایٹا مقصد اللہ تعالیٰ ہے طلب کرے اور اگر کسی کوا چی طرف متوجہ کرنا ہوتو سجدہ میں دعا لرتے وقت ای طرح وعاما تگے:

يَامُ فَيَلِّبَ الْفُلُوابِ قَلْبُ قَلْبُهُ وَلَيْ (لِين قلال يَن قلال) مِنْ

تبیراطریقه: مجرکی سنتوں اور فرضوں کے درمیان میں ایک مرتبہ سورہ مزل شریف یڑھے اور جب فرض اوا کر بچکے تو دو بار اور پڑھے ای طرح ہر نماز کے بعد دو مرتبہ پڑھا کرے۔اس طرح اس کی تعداوکل گیارہ بار ہوگی۔اول آخر ورودشریف تین تاریا یا گج یا گئا باریا گیارہ کیارہ میار پڑھے۔اس کا ورد ہمیشہ رکھے انشاء اللہ تعالیٰ ہرتئم کی پریشائی دور ہوگی اوررزق میں ترقی ہوگی۔ مر المرابع ال

برائے ادا ئیگی قرض

ا۔ عشاء کی نماز سے فارغ ہوکر جب سونے کا ارادہ کرے تب ہاوضو حیت لیٹ کر اپنے بستر پر آیت انگری • کا بار اول و آخر درودشریف گیارہ گیارہ بار پڑھے انشاء اللہ تعالی قرض ادا ہوجائے گا۔

۴۰ روزای کو پڑھے

۳۔ عشاء کی نماز پڑھ کرای جگہ پرسورہ نصر (اذا جانہ نصراً انتہ) کواہم باراہم روز تک برابر پڑھیں۔انشاءاللہ تعالی قرض سے سبکدوش ہوجا تمیں گے۔مجرب وانسیر ہے۔اول وآخر وروو شریف کیارہ کیارہ بار پڑھیں۔

روزی میں برکت کیلئے نبوی نسخہ

جوآ ومی گھر میں داخل ہوکرسلام کرے جاہے گھر میں کوئی ہو یا شہو پھرا یک مرتبہ دروو شریف پڑھےاورا یک مرتبہ سوروا خلاص پڑھے تو روزی میں برکت یائے۔(حصن حسین)

المُعْطِى هُوَالله كاسريع الارعمل

جوفض جاہے کہ روزی کی تنگی دور بواور رزق خوب فراخی ہے نصیب بواسے جاہے کہ پابندی کے ساتھ جمعہ کی نماز فرض کے بعد بحالت تشہّد قبلہ رخ بیٹے بیٹے ستر پار توجہ کے ساتھ پڑھے آلسُفطیٰ کھوات اول وآخر سات بار در ووشریف

اللهم الخفيني والامسنون ومجرب عمل

جو محض جعہ کے دن سر بار میاد عا پڑھے بجیب تا ثیر دیکھے دو تھے نہ گزرنے پائیں گے کہ قرضے کی ادا لیکی اور روزی میں برکت کے اثرات طاہر ہوں ۔ اول وآخر سات سات بار درود شریف

ابك انسيرعمل روزانہ یا چے سوبار شینستحان اللہ وَ بِحَمْدِم پڑھیں روزی کے دروازے کھل جائیں گے۔ روایات سے ثابت ہے کہ اس کلمہ کی برکت سے اللہ تعالی ساری مخلوق کوروزی عطافر ماتے ہیں۔ سورهفلق كالإجواب عمل جو محض کثرت ہے سورہ فلق پڑھے گا اس پرروزی انشاء الله بارش کے قطروں کی طرح ياغني يامعني كالمجرب عمل فجر کی سنتوں اور فرضوں کے درمیان گیارہ سومرتبہ یا غنٹی یا مغنی پڑھیں روزی کا مسئلہ انشاءالله حل موجائ كا-اول آخرطاق عدوي ورودشريف روزي كااصل الأصل عمل مغرب کی نماز کے بعدسورہ واقعہ کامعمول بنائمیں اور روزی کےمعاملے میں قدرت الٰہی روزي ميں فراخی کيلئے مجرب ترین تریچلا تنین کام کرلیں اور روزی کے متعلق بے فکر ہوجا نمیں اور حاسدوں کےشرے اللہ تعالٰی کی رازق عرف اور سرف الله تعالیٰ کو مانیں اور دل میں کسی اور کے بارے میں ہے خیال تک ندآ نے دیں کہ میری روزی اس کے ہاتھ میں ہے۔ دورکعت پڑھ کرمسجد میں بیٹھ کراللہ تعالیٰ ہے یکا عبد کریں کہ جمعی حرام روزی کواعتبار میں کرس کے۔ تھوڑا یا زیادہ جتنا مال ادر رزق للے اس میں ہے سب سے سلے اللہ تعالٰی کا حصہ نکالیں اوراے نہایت خوشد لی ہے تی سبیل اللّٰد کاموں میں خرچ کریں۔

روزی میں برکت کا ایک فطری عمل کھانے یہنے کی اشیاءاورروزی کی دیگر چیزوں کوضائع ندکریں۔ دسترخوان پر بیچے ہوئے فكزے كھاليس اور يليث كواچھى طرح صاف كريں اور جورزق ملے اس پر اللہ تعالى كا شكر ادا کریں۔اس عمل کی برکت ہے روزی کے دروازے بھرنڈ کھل جاتے ہیں اور تھی وور ہو جاتی ہے۔ برائے ترتی رزق جو گفض فجر یاعشا می نماز کے بعد نِسالطِیْف کو ۱۹ ایار پڑھے پھر ۱۹ ابار میہ آیت کریمہ'' اِنَّ اللَّهُ هُوَ الرُّزَّافُ فُوالْفُوَّةِ النَّمِينُ يِرْ عَماول وآخر كيارو كياره باردرودشريف انشاءالله غیب سے رزق کے اسباب پیدا ہوجا تیں گے۔ جو مخص جاہے میری عمرزیادہ ہوجائے اور دشمنوں پر فتح یائے اور رزق میں ترقی ہواور مردہ ے عذاب دورہوجائے کہل صبح وشام بیدد عاتمین باریز ھے: ٣- يمل ترقى رزق كيك مجرب ب- فجرى نمازك بعده ١٩ بارروزانه يزه اول وآخر كيارو محياره بارورووثريف يزه ٣ _ بعد نماز فجر ١٠٠ باراً لله الصّمَدُ اول وآخر درود شريف كيار وكياره باريز ها كرے انشاء الله تعالی رزق زیاد و ہوگا اور قرض بھی ادا ہوجائے گا۔ سورہ مزمل جالیس روز تک اس ترکیب کے ساتھ مقررہ وقت پر پڑھنا کشائش رزق کیلئے نہایت مفید ہے۔ جگہ بھی متعین ہوتو بہتر ہے۔ پہلے کیارہ بار درووشریف پڑھے پھر گیارہ سو گیار و بار یامغنی اس کے بعد گیار و بارسورہ مزل پڑھ کر کشائش رزق کیلئے وعا کرے پھر گیارہ بارورودشریف بڑھ کرختم کروے ۔اگ اسعمل کواپنامعمول بنالیا جائے تو غیب

ے ظرح طرح کی ابداد ہو۔

 ۲۔ جاندی کی انگوشی پر بیآیت کندہ کرائے پہننا بہت مفید ہے۔ ایسی جگدے رزق ملے کہ وہم و کمان بھی نہ ہو!

ے۔ جب گھر میں داخل ہوتو سورہ اخلاص پوری پڑاھ لیا کرے انشاء اللہ اس کے رزق میں برکت ہوگی۔

سور وانشراح اورسوره کافرون کی کثرت خیرو برکت اور کثرت رزق کیلئے نہایت مفید ہے۔

9۔ رمضان شریف کا جا ندو کھنے کے بعد تین مرتبہ سورہ فتح پڑھ لینے سے پوراسال رزق ملتا دیجا۔

۱۰۔ ہرروز گیارہ سو گیارہ ہاریامغنی اور جالیس ہارسورہ مزمل اگر جالیس ہارنہ پڑھ سکے تو کم از کم کا گیارہ ہار پڑھنے سے رزق کثیر ملے مجرب ہے۔

اا۔ نماز جاشت کے بعدروزانہ • اہار یا باسط پڑھنے ہے رزق میں فراخی ہوگی۔

۱۳ انسف رات کے بعد ہاوضو دور کعت نماز کشائش رزق کی نبیت ہے پڑھے۔ پہلی رکعت میں سورہ فاتحہ کے بعد سورہ میں سورہ فاتحہ کے بعد ۱۳ میں سورہ فاتحہ کے بعد سورہ اخلاص اور دوسری رکعت میں بھی سورہ فاتحہ کے بعد سورہ اخلاص اور دوسری رکعت میں بھی سورہ فاتحہ کے بعد سورہ اخلاص ۱۵ ہار پڑھے پھر قبلہ کی طرف رخ کرکے ایک بزرار ہار بسم اللہ الرحمٰن الرحیم اور ایک بزرار ہار '' بافلی الانظاف ادر تحقیق بناید فی '' پڑھ کر دور کعت نماز پڑھے اور اور اس کا ثواب سید علی البہد افی قدس سرہ کی روح کو پہنچائے۔

۱۳۔ روزانہ ایک ہزار ہار یا تی یا قیوم اور ایک ہزار ہار یا وہاب کا پڑھنا کشائش رزق کیلئے تمامۃ مفد سے۔

۱۴۔ جو مختص کیشنبہ کی پہلی ساعت میں جائدی کی انگوشی کے تلبینہ پراس منتش کو کندہ کرا کر پہنے اے بے بناہ رزق ملے۔

| I | ٥٣ | 6.4 | ۵۱ |
|---|----|-----|-----|
| Ī | m | ٥٠ | or |
| Ī | 60 | ۵۴ | 1/2 |

مالى ترقى كىلئة دعا

ا۔ جوفض نماز فجرے پہلے ۱۰۰ باریہ پڑھانشاء اللہ اس کرزق میں برکت ہوگ۔ سُبْعَانَ اللّٰهِ وَمِجَدِهِ سَبْعَانَ اللّٰهِ الْعَظِيمِ أَسَنَعْفِرُ اللّٰهَ

۳۔ جب نیا پھل دیکھے تو ہیدہ عا پڑھے اس کے بعد اس پھل کو اپنے سب سے چھوٹے بچے کو بلا کر دیدے۔

> ٱللَّهُ مَ بَارِكُ لَنَافِي ثَمَرِنَا وَبَارِكَ لَنَافِي مَدِينَتِنَا وَبَارِكُ لَنَافِي صَاعِنَا وَبَارِكُ لَنَافِي مُدِنَا.

(مسلم، زندی، نسائی عن الی برره)

جناب حافظ اقبال قریشی کا انٹرویو جو'وقت نیوز' کے صحافی علی شیرنے لیا

تعارف: حافظ و عالم مولانا محداقبال قربتی صاحب کواللہ تعالی نے بہت کم عمری میں بہت ی نادر صلاحیتوں سے نوازا ہے۔ تیم سال کے قلیل عرصہ میں اللہ تعالی نے ان کو بیک وقت کئی عبد ول پر قائز فر مادیا ہے۔ مولانا محمداقبال قربتی کے سینے میں دین و دنیا کے علوم کا وسطح فرزانہ نہ صرف محفوظ ہے بلکہ ان کے بیانات میں اس علم کے گراں قد رسمندر کی جھک نظر آتی ہے۔ ان کے قوئی حافظ کے باعث اسلام کی تاریخ ، صحابہ کی سوائے حیات اور علاء کے جرت انگیز واقعات سے ان کے شاگر و و مرید ہر وقت فیض یاب ہوتے رہتے ہیں۔ سبح سے رات تک وظائف اور افعال کی مداومت میں باقی عالمین سے کوئی مقابلہ نہیں ان کے شل کے فوری اثرات شایدان کے انشال کی مداومت میں باقی عالمین سے کوئی مقابلہ نہیں ان کے مل کے فوری اثرات شایدان کے انشال پر مداومت اور نیک علاء و ہزرگوں کی صحبت کی وجہ سے ہیں۔ ان کی صحبت میں رو کر بہت انشال پر مداومت اور نیک علاء و ہزرگوں کی صحبت کی وجہ سے ہیں۔ ان کی صحبت میں رو کر بہت سے بریشان حال زندگ سے مالوں لوگ اپنے رب تعال جوڑ لینے ہیں۔ اللہ سے دیا ہے دان کو حرید میں کا میابی عطافر ما تیں۔ آتین سے تعلق جوڑ لینے ہیں۔ اللہ سے دیا ہے کہ ان کو حرید میں کا میابی عطافر ما تیں۔ آتین

حقیقی و کامل عامل کی پیجان

حافظ اقبال صاحب فرماتے ہیں کہ کہ جاد و کرنے والا اور کرانے والا دونوں اسلام ہے خارج ہوجاتے ہیں۔ اور اگر کسی پر جاد و یا جنات کا اثر ہوجائے تو اے صرف قرآنی آیات اور مسئون دعاؤں ہے ہی دور کروانا چاہیے۔ غیر اسلامی اور غیر شرعی طریقہ اور غلط عقیدے والے عاملوں ہے ممل کرانا نبایت خطرناک ہے۔

آئ کل گلی کوچوں میں ہرجگہ عامل حضرات بیٹے ہوئے ہیں جن میں سے اکثر او قرآن و سنت سے دوری کی وجہ سے خدائی وقوے سے بھی گریز نیس کرتے اورا پی اور لوگوں کی گمرای کا سبب بنتے ہیں۔ اگر عامل بڑے بڑے وقوے کرتے ہیں کہ مریض پر ۳۰۰ جنات کا حملہ ہوا ہے ان میں سے اکثر اس طرح ختم ہوں گے اور باقی اس طرح حالا تکہ اصل اثر صرف ایک ہی جن کا ہوتا ہے اور وہ بھی اگر ان جعلی عاملوں کے سامنے آجائے تو خود ان کے حواس اڑجاتے ہیں۔

سوال وجواب كي نشست

س: حافظ اقبال صاحب يبلي بية أنين كرة ب في بيلم كبال يسيكما؟

ے: الحمد لله علی نے حفظ قرآن اور عام کورس کے بعد درس و قد رئیں کا سلسلہ شروع کیا اور اس کے ساتھ ساتھ ساتھ اپنا کاروبار بھی شروع کیا لیکن والدمختر م کی خواہش تھی کہ عامل کا علم سیکھوں چنانچہ ان کے اصرار پر عیس نے حضرت پیر مفتی عزیز الرحمٰن صاحب مدرسہ نصرت العلوم کو چنانچہ ان کے اصرار پر عیس نے حضرت پیر مفتی عزیز الرحمٰن صاحب مدرسہ نصرت العلوم کو چرانو الدجو کہ بعد عیس جامعہ محمد ہے اسلام آباد عیس حدیث کے استاد متعمین ہوئے ان کے علی سیکھنا شروع کیا انہوں نے مجھے ۵ چلے اور سورہ حزم کا چلہ (بامؤ کل) اور اجازت کی عظافر مائی۔

اس کے علاوہ جاگام کے پہاڑوں پرمصروف عبادت ۱۳۳ سالہ عامل اور عالم حضرت مولانا شاہ محمود صاحب المعروف صندل بابا ہے اجازت کا شرف حاصل کیا انہوں نے مجھے حدیث کی سند بھی مرحمت فربائی۔

س: آپ ك ياس كون كون كون كاجازت ب؟

ن: مجصان اعمال كي اجازت حاصل بـ

برقتم کے جناتی اثر ات، جادو، نظر بد، بندش، بخار، میا ٹائنش، ہےاولادی

ان جنات عني كاآسان طريقد كياب؟

ے: اگر آپ صبح وشام کی دعا کمیں روزانہ پڑھیں آیت الکری سورہ فاتحہ اور چاروں قل ہے بار روزانہ دم کرکے پیکن تو جتات کے شرے نگا جا کمیں گے۔انشاءاللہ

س: کیاجادو کے ڈریعے رشتوں کی بندش ہو علتی ہے؟

ے: پی بال رشتوں کی بندش کے علاوہ کاروبار اور مرد کی بندش بھی کی جاسکتی ہے۔اس بندش کے خاتمے کیلیے سورہ مریم روزانہ پڑھنا مجرب مل ہے۔

س: اولا ووینا تواللہ کے اختیار میں ہے کیا اولا و کی بھی بندش کی جاسکتی ہے؟

ے: آپ نے بالکل درست کہا کہ اولاد دینا اللہ کے افتیار میں ہے۔ نیکن جادو و فیرہ کے ڈریعے اولاد کی بندش کی جاسکتی ہے۔ بعض اوقات میاں یوی بغیر کی طبعی بیاری کے اولاد کی فعت سے محروم ہوتے ہیں اصل میں ان پر جادوئی یا جناتی اثر ات ہوتے ہیں جب ان اثر ات کوختم کردیا جاتا ہے تو اللہ تعالی ان کو اولاد کی فعت عطا کردیتے ہیں۔ ہمارے شیخ نے اثر ات کوختم کردیا جاتا ہے تو اللہ تعالی ان کو اولاد کی فعت عطا کردیتے ہیں۔ ہمارے شیخ نے

besturdule

SauSauSauSauSauSauSauSauSauSauS. 177 SauSauSauSauSauSauSauSauSauSauSauSauSa

ہے اولا د حضرات کیلئے اکتالیس تعویذات کا ایک مجرب ترین عمل منتخب کیا ہے جس کھی۔ برکت سے بندش وغیرہ شختم ہوجاتی ہے اور اللہ تعالیٰ اولا د کی فعت عطا فرمادیتے ہیں۔

bestyrduboo!

س: لاعلاج بياريون كاعلاج آب كس طرح كرت بين؟

ے: میں لاعلاج بیار یوں کا علاج ہارش کے پائی ہے کرتا ہوں اس پر مے مرتبہ سورہ فاتھ....۔ آیت الکری چہارقل دم کرکے مریضوں کواا دن تک پلایا اور نہلایا جاتا ہے اور مریض کے سر ہانے سورہ انعام کی اا دن تک تلاوت کی جاتی ہے اس طرح کینسر میہا ٹائٹس اور دوسری بیاریاں بھی دور ہوجاتی ہیں۔

س: ہرحال میں انسان کو اللہ ہے مانگنا جا ہے کیا تعویذ وعملیات کروائے ہے انسان کا عقیدہ خراب تہیں ہوتا۔

ن واقعقا آپ نے درست کہا کہ ہر حالت میں اللہ کو پکارنا جا ہے گئین یہ خیال غلط ہے کہ تعویذ وقملیات کروانے سے لوگوں کاعقیدہ خراب ہوتا ہے دیکھیں میں ہر مریض کو پڑھنے کے کیلئے وظا نف بھی بتا تا ہوں اور ساتھ ساتھ اس کوتا کید کرتا ہوں کہ اللہ کی ذات پر یقین رکھیں۔ نماز وغیرہ کی پابندی کریں۔ ہماری پریشانیوں کی اسمل وجاللہ سے دوری ہے۔ فیز تعویذ وعملیات اگر آیات قرانی اور مسنون دعاؤں سے ماخوذ ہوں تو ان کے برخن ہونے کی دلیل صدیت ہے بھی ملتی ہے۔

س: کیاجناتی ودیگراثرات ختم کرنے کیلئے مریض کا سامنے ہونا ضروری ہے؟

ے: جناتی و دیگر اثر ات ختم کرنے کیلئے مریض کا سامنے ہونا زیادہ بہتر ہے کیکن ضروری نہیں ہے۔ جناتی و دیگر اثر ات ختم کرنے کیلئے مریض کا سامنے ہونا زیادہ بہتر ہے لیک فلہ مریض ہے۔ میرے بہت ہے مریض میر وان ممالک ہے تعلق رکھتے ہیں۔ بیس الحمد لله مریض کے بارے کے سامنے آئے بغیرا سکے نام ، اسکی والدہ کا نام اور مکمل ایڈر نیس کے کرمرض کے بارے میں مکمل بتا و بتا ہوں اور پھرکوئی بھی اثر ہواس کو پہیں ہے فتم کر دیتا ہوں۔

س: كياجناتي الرعب جساني بياريان بحي لاحق موجاتي جن؟

ن : بی بال میرے پال بہت ہے مریض ایے آتے ہیں جو دل میں درو، آ دھے جم کے من اموجانے ، شدید سر ورد، آ تھوں میں تکلیف وغیرو کی شکایت کرتے ہیں۔ بڑے بڑے ڈاکٹروں کے پاس ملاج کروانے کے باوجود تکلیف سے تڑپ رہے ہوتے ہیں لیکن جیسے بی ان کے جناتی اثر کو فتم کیا جاتا ہے ان کی بیاری بالکل دور ہوجاتی ہے۔ اس وقت ان مریضوں کی خوشی بیان سے باہر ہوتی ہے۔

න්වත්වරුවන් විශාවත්තවත්තවත්තුව 178 වනව කරිත්තවත්වත්වත්වත්වත්ව

ن: كياآب في السيات كاللم بهي حاصل كياب؟

ے: منیس میں نے نفسیات کاعلم ہا قاعدہ حاصل نہیں کیالیکن الحمد ملہ ڈیریشن، شدید دانی مینشن اور دیگر نفسیاتی مریض شفا پاجاتے ہیں۔اللہ سے رابطہ قائم کرکے انسان کے پیقرار دل کو سکون ٹل جاتا ہے اور بہت کی ڈیٹی پریشانیاں ازخود دور ہوجاتی ہیں۔

جوامباب اپنے روحانی شرقی مسائل (جادو، نظر بد، بندش اور جناتی اثرات وغیرہ) کیلئے حافظ اقبال صاحب سے ملاقات کرنا جا ہے ہوں وہ درئ ذیل مقامات پر مشدہ اوقات میں رابط کر سکتے ہیں:

| بروز جمعه اتوار | جامعه ام حبيبية زمان سريث حجمام ومورگاه |
|-----------------|--|
| a4.35% | وارالعلوم مدوميغل براوري قبرستان بتزوجولي فيعلى بهيتال |
| لايمور | برباه کی میلی جنعرات برباه ک |
| کراچی | ہر ماہ کی آخری جعرات |

0300-5802404 ユルンル E-mail: saleheen@gmail.com なななななななななななな

ر سپل جامعہام حبیبہ کے قلم سے

اللہ تعالیٰ کی کتاب قر آن کریم اور ٹی اکرم الکھے کی احادیث مبارکہ میں جیسا کہ ہماری آخرت کی جھلائی ہے ای طرح ہماری ونیا کی بھلائی اور دنیاوی حاجات وشروریات کے پورے ہونے کی صانت بھی موجود ہے قرآن کریم میں اللہ تعالیٰ نے خود قران کریم کوشفا قرار دیا ہے چنانجے ارشاد باری تعالی ہے:

وَنُنَوِّلُ مِنَ الْقُورُانِ مَا هُوَ شِفَاءٌ وَّرَحْمَةٌ لِّلْمُؤْمِنِيْن

حضورا کرم الکھنے کے ہم کر جو ہے شاراحسانات ہیں ان میں سے ایک بڑااحسان آپ کی وہ پُر نور دعا کیں ہیں جن میں زندگی کے ہر گوشہ، ہرضرورت اور ہر بھلائی کا اعاطہ کیا گیا ہے۔ ہر عمل کیلئے وعا بتلائی گئی ہرمصیبت سے نجات کیلئے وظیفہ سکھایا گیااور ہرمقام کی مناسبت سے ذکر کی تلقین کی گئی ہے۔ بیدعا نمیں مستقل مجزات اور دلائل نبوت ہیں ان دعاؤں اور اوراد ووفا کف

کی اہمیت کے پیش نظر حافظ اقبال قریشی صاحب نے انہیں مستقل کتاب کی صورت میں بھی اوری مرتب فرمایا ہے۔

bestyrduboc

انسانی امراض کی دواقسام ہیں:

(۱) جسمانی امراض 🔭 (۲) روحانی یا قلبی امراض

جسمانی صحت کا دارد مدار قلب یعنی دل کے سیح ہونے پر ہوتا ہے اس لئے قبلی و روحانی صحت جسمانی صحت کیلئے نہایت ضروری و لا ہدی ہے۔ صحت و عافیت اور تمام امراض سے حفاظت ہرانسان کی طبعی خواہش ہوتی ہے۔ کیوں کہ اس کے بغیر انسان نداطاعت رب کی کال قدرت رکھ سکتا ہے اور ندا ہے ذاتی معاملات نبھا سکتا ہے۔ لہذا شرقی دعاؤں اور عبادات میں بھی گئر دوامور سے اور عبادات کی ادائیگی اور شریعت کے منع کر دوامور سے اجتماب کے بعد ان امور سے حت دعافیت کی تحقیق میں رہنا بہترین نیکی ہے۔

جامعہ ام حبیبہ ایک ایمی ویٹی، علمی وتر بیٹی درسگاہ ہے جس میں نہ صرف علوم نبویہ ہے آ آ راستہ کرنے کے ساتھ ساتھ اخلاق و عادات کی تربیت کی جاتی ہے بلکہ جسمانی و روحانی بیار یوں کا علاج قرآن وسنت کی روشنی میں کیا جاتا ہے۔ جناتی یا جاووئی اثر ات مولانا اپنے ممل کے ذریعے زائل کرتے ہیں وظائف ، تعویذات اور ممل کا یکجا اثر یہ ہوتا ہے کہ مریض بہت جلد صحت یاب ہوجاتا ہے۔

ال وقت علوم دینیه کیداری کا وجود مسلمانوں کیلئے بہت بری فعت ہے۔ دنیا جس اگر اسلام کی بقاء کی کوئی صورت ہے تو بید مداری کا وجود مسلمانوں کیلئے بہت بری فعت ہے۔ دنیا جس بی کی بقاء کی کوئی صورت ہے تو بید مداری جی سے وافل جی اور ظاہر ہے جمل علم پر موقوف ہے۔ آپ بھی ویانت ، معاملات و معاشرت اور افلاق سب وافل جی اور ظاہر ہے جمل علم پر موقوف ہے۔ آپ بھی اٹنی بچیوں کو دینی مداری کی فضا جی بجیجیں تا کہ علوم دینیہ ہے آ راستہ ہو کیس۔ جامعام حبیب بیس (جو اس سلسلة الذہب کی ایک کڑی ہے) چارسالہ کوری حفظ ، ناظر و ، تجوید اور تفییر کوری کی تدریس کا اجتمام جیدا ساتذہ کی تحریب کی ایک کڑی ہے ، چارسالہ کوری حفظ ، ناظر و ، تجوید اور تفییر محبر و مدرسہ جس آپ اجتمام جیدا ساتذہ کی تحریب کی معاونت آپ کیلئے بہتر بن صدقہ جارید اور تو شرق خرت ، بن سکتی ہے۔

حافظهام عبدالله

(عالمه وفاق المدارس العربيه)

M.Sc. Psychology

Roll of Honour 3rd Position

على شجنسرَه بن تفييرو حَديث كى سند

مسيدة الايبرال الآمل الأعلى الأعلي بيستم. عشويان الغالب .! علويان به الربيح الميرة المدين البيدا الميدي الم الميان الما بيداكم الم مشيخ جدائم الارداميري الميران المي

بهروس الاست من الوست من الرميات والدائد المدن بهوان الرميا الإمد المدائد الإمدائد أن احداد الزواد الامدائد الامدائد المدن المدائد ا

مربث نبت کاسند بین کردی سه کاک

مدسدمنرالم الأعراع بمشطر

قبيراهصرمولا نارشيداحر گفتوي جية الاسلام مولا نامحرقاتم نانوتوي حضرت في البندمولا نامحود الحمن ديو بندي خضرت مولا ناانورشاه محميري حضرت مولا ناانورشاه محميري حضرت مولا ناانورشاه محميري حضرت مولا نافيا والحق نور پوري حضرت مولا نافيوم بزاروي ديحله حضرت مولا نازين العابدين مدخله حضرت مولا ناميدالقيوم بزاروي مدخله حضرت مولا نازين العابدين مدخله حضرت مولا ناميدالقيوم بزاروي مدخله

الماء ميمورا

الدائر الله

فناء ميلانفياء

Desturdu)

حفرت فجنح صندل بإبا كياطرف سيرحا فظاقبال صاحب كالثجر ونسب برائة نضوف

بسمالله ألرمعد الرميم شجرهٔ مباركه عاليه قا در بيغفور بيمحمو د بير

اللهم ببجاه سيدنا ومرشدنا حضرت الشيخ السيد محمود صاحب دامت بركاتهم (سدل با) وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشيخ ولى احمد قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه نجم الدين قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت اخوند شاه عبدالغفور قدس الله سره وبجاد شيخ المشائخ حضرت الشاه شعیب توردُهیروی قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت حافظ محمد قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه صديق پشونري قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشيخ جنيد پشاوري قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت

الشيخ احمد ملتاني قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه عالم د هلوي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه منور قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت شاه دوله قدس الله سره وبجاهِ شيخ المشائخ حضرت الغوث الاعظم السيدمحي الدين عبد القادر جيلاني قدس الله سره وبجاهِ شيخ المشائخ حضرت الشاه ابوسعيد مخزومي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشاه ابوالحسن على الهنكاري قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت خواجه ابوالفرح الطرطوسي قدس الله سره وبجاه شيخ المشانخ حضرت خواجه عبدالواحد زيد تميمي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت خواجه ابوبكر شبلي قدس الله سره وبجاه شيخ المشانخ حضرت الشيبخ جنيد بغدادي قدس الله سره

وبجاه شيخ المشائخ حضرت الشيخ عبدالله سرى سقطى قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت معروف كرخى قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت داؤد الطائي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت حبيب عجمي قدس الله سره وبجاه شيخ المشائخ حضرت حسن البصري قدس الله سره وبجاهِ حضرت سيّد نا امير المؤمنين على ابن ابي الطالب كرم الله وجهه وبحاهِ حضرت سيّد نا ومولانا سيّد المرسلين خاتم النبيين احمد المجتبى محمد المصطفى صلى الله عليه و آله وسلم طَهَرَ قَلْبِيُ عَمَّنُ سِوَاكَ وَنَوَرُهُ بِأَنُوارِ مَعُرِفَتِكَ وَوَفَقَنِي لِمُا تَحِبُهُ وَتُرُضَاهُ وَاجْعَلْنِي مِنْ عِبَادِكَ الصَّالِحِينَ. (آمين)

المنطور ما المنافذ ال

Carlo Jack 100

Y . Y . . . 9 がして

•

besturduby

であるかけたこれがといかはこれんなかいないのかられるときだんが

المرام المراد ا

bestuduboo)

- مخير حضرات كيلئے صدقہ جار بيرکا بہترين موقعہ -اپنے بيادے دالدين ادرد مگرم حوثن ڪايسال ثواب کيلئے مجدو مدرسدک --- تغيير ميں حصہ ڈال کر ذخيرہ آخرت بنائيں ---

مستقبل کے ارادیے

عالیثان مبحد....طالبات کیلئے لائبریری کمپیوٹرلیب....دارالافقاء....دارالاقامه بیموں اور ناداروں کیلئے ویلفیئرٹرسٹ اکاؤنٹ نمبر: 01026726 کوڈ 1155 بیرون ملک: 01026726 کوڈ UNILPKKA-741 یوبی ایل سیر مارکیٹ برائے اسلام آبادیا کستان یوبی ایل سیر مارکیٹ برائے اسلام آبادیا کستان

ز مان سٹریٹ جھامرہ ،مورگاہ راولینڈی پاکستان Cell: 0300-5802404 Muhammad Aamir Siddeq

besturdub!

Naleb Khaheelii Cerimal Mosque Bitamobodi Goelminenti of Politikan Mab (3307-8222439



محمد عامرصد بق ۱ب طب زمان رکزی جامع مهرداول مهر ۱ سام آراد مرال و مست

| Control of the Contro | - I preside |
|--|-------------|
| 94 | مزاهسو |
| 9W | SvA |
| | |

eltr UUVIL 10

محترم ومكرم: السلام عليكم

کتاب وظا کف الصالحین کا ہدیہ پیش خدمت ہے۔ اس فیمتی کتاب میں اساء الحسٰی کے فضائل،
منزل (آسیب وسحر سے حفاظت کے لئے قرآنی آبیت)، درود شریف سے مشکلات کاحل،
منفرق دعا نمیں، رحمتوں والے اعمال، رزق میں برکت کے اعمال، قرآنی دعا نمیں، دعاؤں سے
منفرق دعا نمیں، رحمتوں والے اعمال، رزق میں برکت کے اعمال، قرآنی دعا نمیں، دعاؤں سے
پیاریوں کاعلاج، سحر وجادو سے حفاظت، قرآنی سورتوں کے فضائل وغیرہ قلمبند کئے گئے ہیں۔
روزمرہ کی عام مشکلات اور روحانی بیماریوں کے طل کے لئے زیر نظر کتاب آج کل کے دور میں
ایک اکسیر کا درجہ رکھتی ہے کیونکہ اس میں موجود مواد قرآن وسنت سے ماخوذ ہے اورا کا برین کی
تعلیمات کوسامنے رکھتے ہوئے روزمرہ کے اور ادو وظا کف پر ایک بہترین مجموعہ ہے۔ اپنی
مشکلات اور مسائل کے (عند اللہ پیندیدہ) حل کے لئے ہمیشہ قرآن وسنت سے رجوع
فرما نمیں۔ اس مجموعہ سے جتنی دعا نمیں باسانی یا دہوسکیس کوشش کریں اور فرصت کے لیجات مثلًا
سفر میں انتظار کرتے ہوئے پڑھنے کی عادت بنا نمیں اور دوست احباب کوبھی ترغیب دیں۔ اور
سفر میں انتظار کرتے ہوئے پڑھنے کی عادت بنا نمیں اور دوست احباب کوبھی ترغیب دیں۔ اور

مهانبه المالية المالية

متصل مرکزی جامع مسجد (لا ل مسجد) اسلام آباد 0 3 2 1 - 5 1 8 0 6 1 3

Email: saaleheen@gmail.com